THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 86 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.11 2080 बुधवार, 14 जून 2023 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मांझी के बेटे का इस्तीफा

नीतीश कैबिनेट में दो मंत्री बनेंगे

विपक्षी दलों की मीटिंग से 10 दिन पहले हम की बगावत, एनडीए में जाने की चर्चा

पटना,13 जून (एजेंसियां)। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार ने 23 जून को पटना में विपक्षी एकता के लिए 18 दलों की बैठक बुलाई है। बैठक से 10 दिन पहले मंगलवार को बिहार की महागठबंधन सरकार से हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के एक मंत्री ने इस्तीफा दे दिया।

हम के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के बेटे डॉ. संतोष सुमन ने नीतीश कुमार को इस्तीफा भेज दिया है। सरकार ने इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। सुमन अनुसूचित जाति जनजाति कल्याण मंत्री थे। बिहार में पार्टी के 4 विधायक हैं। इधर, इस्तीफे के बाद नीतीश कैबिनेट का विस्तार करने की चर्चा है। दो नए मंत्री बनाए जा सकते हैं।

इस्तीफा देने के बाद संतोष सुमन ने कहा- नीतीश कुमार हमारा अस्तित्व खत्म करना चाहते हैं। वे हमारी पार्टी हम का विलय अपनी पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में करवाना चाहते थे। पार्टी बचाने के लिए हमने इस्तीफे का विकल्प चुना है। अभी हम सरकार से अलग हुए हैं, महागठबंधन से नहीं। महागठबंधन में रखना है या नहीं, यह लालू और नीतीश तय करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, मांझी के एनडीए में जाने की चर्चा है।

इस्तीफे के बाद डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने उनके आवास पर पहुंचे। वहीं, कैबिनेट की 11:30 बजे होने वाली मीटिंग का समय बढ़ाकर शाम 4:30 बजे कर दिया गया।

संतोष सुमन ने कहा- एनडीए में जाने का अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। हम अकेले भी चुनाव लड़ सकते हैं।

फिलहाल हम महागठबंधन के साथ हैं। हम तो रहना चाहते हैं, लेकिन बड़ी पार्टियां जदयू और आरजेडी हम को नहीं रखना चाहती हैं। नीतीश कुमार के मनाने और समझाने की बात तो तब होती है जब आपका अस्तित्व रहे, इसलिए हमने पार्टी को चलाने के लिए अलग होने का फैसला लिया है।

बिपरजॉय से पहले गुजरात-मुंबई के तटीय इलाकों में आंधी-बारिश

मुंबई-भुज-राजकोट में 7 की मौत, गुजरात के 7 जिलों से 20 हजार लोगों को निकाला

पोरबंदर,13 जून (एजेंसियां)। अरब सागर में उठा तूफान बिपरजॉय गुजरात की ओर बढ़ रहा है। ये तूफान 15 जून की दोपहर को कच्छ जिले के जखौ पोर्ट से टकराने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक, मंगलवार को तूफान कुछ कमजोर हुआ है, हालांकि यह अब भी खतरनाक ही है। 15 जून को जब यह गुजरात तट से टकराएगा तो 150 किमी/घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है।

तूफान के चलते गुजरात और मुंबई के तटीय इलाकों में आंधी-बारिश का दौर जारी है, जिसमें पांच लोगों की मौत की खबर है। उधर, अमित शाह ने आज दिल्ली में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के आपदा प्रबंधन विभाग के मंत्रियों के साथ बैठक की।

उन्होंने बिपरजॉय तूफान से निपटने को आपदा प्रबंधन के लिए 8000 करोड़ रुपए की 3 बड़ी स्कीमों की घोषणा की। इसमें फायर ब्रिगेड का आधुनिकीकरण, बाढ़ नियंत्रण और लैंडस्लाइड की घटनाओं पर रोकधाम शामिल हैं। इसके बाद गुजरात सरकार ने कच्छ-सौराष्ट्र में समुद्र तट से 10 किलोमीटर की सीमा में 7 जिलों से 20 हजार लोगों को निकालकर शेल्टर होम में भेज दिया।

मौसम विभाग के मंगलवार सुबह 9 बजे के अपडेट के मुताबिक, तूफान 8 किमी/घंटे की रफ्तार से नॉर्थ-वेस्ट में आगे बढ़ रहा है। तूफान मंगलवार सुबह 5:30 बजे पोरबंदर से 300 किमी, द्वारका से 290 किमी, जखौ पोर्ट से 340 किमी, नालिया से 350 किमी दूर था। मौसम विभाग के मुताबिक, चक्रवात के 14 जून की सुबह तक उत्तर की ओर बढ़ने का अनुमान है, जिसके बाद ये मुड़कर नॉर्थ-नॉर्थ ईस्ट दिशा में आगे बढ़ेगा।

14 जून के लिए ऑरेंज और 15 के लिए रेड अलर्ट जारी

आईएमडी के मुताबिक 14-15 जून के दौरान कच्छ, द्वारका, पोरबंदर, जामनगर, राजकोट, जूनागढ़ और मोरबी जिले के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। तूफान के चलते 15 जून को कच्छ, द्वारका, जामनगर में 20सेमी तक बारिश होने की संभावना है। इसके चलते निचले इलाकों में बाढ़ आने का अनुमान है।मछुआरों को 16 जून तक समुद्र में ना जाने को कहा गया है। गुजरात में 14 जून के लिए ऑरेंज अलर्ट और 15 जून के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है।

आईएमडी के डायरेक्टर जनरल डॉ. मृत्युंजय मोहपात्रा ने बताया कि पोरबंदर, द्वारका से लेकर कच्छ तक हवा की रफ्तार बढ़ रही है। 14 जून को यहां 65-75 किमी की रफ्तार से हवा चलेगी।

वहीं, 15 जून को द्वारका, जामनगर, कच्छ और मोरबी जिलों में हवा 125-135 किमी की रफ्तार से चलेगी।

बिपरजॉय के चलते पश्चिम रेलवे ने चक्रवात संभावित क्षेत्रों में एहतियात के तौर पर 67 ट्रेन को पूरी तरह से रद्द करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही सौराष्ट्र के ओखा, पोरबंदर और जामनगर से चलने वाली 25 ट्रेन अब राजकोट, सुरेंद्रनगर और अहमदाबाद से चलेंगीं।

4 महिला पहलवानों ने ऑडियो-वीडियो के सबूत दिए

15 जून को पुलिस को पेश करनी है चार्जशीट

पानीपत,13 जून (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण का आरोप लगाने वाली 6 महिला पहलवानों में से 4 ने दिल्ली पुलिस को ऑडियो और विजुअल सबूत मुहैया कराए हैं। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने दावा किया कि दोनों शिकायतकर्ता ने पर्याप्त सबूत नहीं दिए, जो बृजभूषण के खिलाफ उनके आरोपों को साबित कर सकें। हालांकि दिल्ली पुलिस ने इस बयान की पुष्टि नहीं की है।

पुलिस को 2 महिला रेसलर, एक इंटरनेशनल रेफरी और स्टेट लेवल कोच ने पहलवानों के समर्थन में गवाही दी है। उसको आधार बनाकर पुलिस 15 जून को चार्जशीट पेश करेगी। इस मामले में केस की धाराओं के लिए एडवाइजरी ली जा रही है। 15 को बालिग पहलवानों के केस में दिल्ली पुलिस चार्जशीट पेश करेगी। सूत्रों के मुताबिक नाबालिग पहलवान के केस में पुलिस क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर सकती है। नाबालिग पहलवान यौन शोषण के आरोप वापस ले चुकी है।

आज खाप पंचायतों का हरियाणा बंद होगा। इस दौरान राज्य में रोड और ट्रेनें बंद रहेंगी। इसके अलावा दिल्ली में फल-सब्जी की सप्लाई भी नहीं होगी। कुछ दिन पहले एक्सप्रेसवे पर जनता संसद में खाप पंचायतों ने ये ऐलान किया था। वे बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

चुनाव 4 जुलाई को,

भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव 4 जुलाई को होंगे। फेडरेशन ने सोमवार को इसका ऐलान किया। चुनाव के लिए जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस महेश मित्तल कुमार को रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है। पहलवानों से मीटिंग में खेल मंत्री ने 30 जून तक चुनाव कराने का भरोसा दिया था।

बृजभूषण शरण सिंह यह चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। वे लगातार तीन बार अध्यक्ष रहे, इसलिए फेडरेशन के नियमों के अनुसार वे किसी भी पद के लिए चुनाव नहीं लड़ सकते हैं।

केंद्र सरकार का 8 महीने में छठा रोजगार मेला

पीएम मोदी ने 70 हजार से ज्यादा लोगों को जॉइनिंग लेटर दिया; अब तक 4.33 लाख को मिली नौकरी

नई दिल्ली,13 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को छठे रोजगार मेले में 71 हजार 126 युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे। यह कार्यक्रम 20 से भी ज्यादा राज्यों में करीब 43 जगहों पर आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस कार्यक्रम से जुड़े।

प्रधानमंत्री ने 22 अक्टूबर 2022 को रोजगार मेले का पहला फेज शुरू किया था। पीएम ने कहा था कि हमारा लक्ष्य है कि देश के युवाओं को 2023 के अंत तक 10 लाख सरकारी नौकरियां मिलें।

पीएम पिछले 8 महीने के दौरान 6 मेलों में अब तक 4 लाख 33 हजार से ज्यादा लोगों को जॉइनिंग लेटर दे चुके हैं। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी के अमृतकाल में जिन युवाओं को नौकरी मिली है, अगले 25 साल में इन लोगों को विकसित भारत के सपने को साकार करना है।

प्रधानमंत्री ने इशारों में विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- एक तरफ परिवारवादी, भाई-भतीजावाद, भ्रष्टाचार करने वाली और देश के नौजवानों को लूटने वाली पार्टियां हैं। उनका रास्ता है 'रेट कार्ड', जबकि हम युवाओं के भविष्य को 'सेफ गार्ड' करने का काम कर रहे हैं। रेट कार्ड आपके सपनों को चूर-चूर कर देते हैं जबकि हम आपके संकल्पों को साकार करने में लगे हैं। आपकी और आपके परिवार की सभी इच्छाओं और आकांक्षाओं को 'सेफ गार्ड' करने में लगे हैं।

पीएम ने कहा- आज भारत एक दशक पहले की तुलना में ज्यादा स्थिर, ज्यादा सुरक्षित और ज्यादा मजबूत देश है। राजनीतिक भ्रष्टाचार, योजनाओं में गड़बड़ी और जनता-जनार्दन के धन का दुरुपयोग पुरानी सरकारों में यही पहचान बन गई थी। आज भारत सरकार की पहचान उसके निर्णायक फैसलों से होती है। उसके आर्थिक और प्रगतिशील सामाजिक सुधारों से हो रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा- आज पूरी दुनिया हमारी विकास यात्रा में साथ चलने को तत्पर है। भारत को लेकर विश्वास और हमारी अर्थव्यवस्था पर इतना भरोसा पहले कभी नहीं रहा। तमाम कठिनाइयों के बावजूद भारत अपनी अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। विश्व की बड़ी बड़ी कंपनियां उत्पादन के लिए भारत आ रही हैं। आज भारत का विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड स्तर पर है।

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में कहा- राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले ये रोजगार मेले एनडीए और भाजपा सरकार की नई पहचान बन गए हैं। आज एक बार फिर 70 हजार से ज्यादा युवाओं को नियुक्ति पत्र मिले हैं। मुझे खुशी है कि भाजपा के शासन वाली राज्य सरकारें भी लगातार इस तरह के रोजगार मेले आयोजित कर रही हैं। मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में में 6 केंद्रीय मंत्री देश के अलग-अलग हिस्सों से जुड़े। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण चेन्नई से और महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी लखनऊ से रोजगार मेले से जुड़ीं। वहीं, उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडे वाराणसी से, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी सिकंदराबाद, जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत जोधपुर से और रोड ट्रांसपोर्ट मंत्री नितिन गडकरी नागपुर से कार्यक्रम में शामिल हुए।

गंगा में बच्चे को खींचकर खाने लगा मगरमच्छ

लोगों ने जाल फेंककर बाहर निकाला, बच्चे की मौत पर पीट-पीटकर उसे मार डाला

हाजीपुर (वैशाली),13 जून (एजेंसियां)। वैशाली में मंगलवार को गंगा नदी में जल लेने गए 10 साल के बच्चे को मगरमच्छ खींच ले गया। बच्चे के चीखने की आवाज सुनकर परिवार वाले पहुंचे। मगरमच्छ नदी में बच्चे को खाने लगा।

आसपास के लोगों ने मछुआरों को सूचना दी। नदी में मगरमच्छ की तलाश शुरू हुई। जाल डालकर मगरमच्छ और बच्चे को बाहर निकाला गया। बच्चे का काफी हिस्सा उसने खा लिया था। बच्चे की मौत हो गई थी। गुस्साए लोगों ने मगरमच्छ को लाठियों से पीट-पीटकर मार डाला। घटना बिदुपुर थाना क्षेत्र के खालसा घाट पर घटी है। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि लोग मगरमच्छ पर लाठियां बरसा रहे हैं।

बच्चे की पहचान बिदुपुर थाना क्षेत्र के गोखुलपुर गांव के रहने वाले अंकित कुमार (10) के रूप में हुई है। वह पांचवीं का छात्र था। अंकित के पिता धर्मेंद्र दास ने सोमवार को बाइक खरीदी थी। इसकी पूजा करने के लिए मंगलवार को पूरा परिवार खालसा घाट पहुंचा था। बाइक पूजा करने की तैयारी चल रही थी। बच्चा गंगा नदी में पानी लेने गया था।

राहुल ने यूएस में की ट्रक की सवारी

भारतीय मूल के ड्राइवरों का जाना हाल; मूसेवाला के गाने भी सुने

नई दिल्ली,13 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर ट्रक से यात्रा की है। इस बार उन्होंने अमेरिका में भारतीय मूल के एक ट्रक ड्राइवर के साथ वॉशिंगटन डीसी से न्यूयॉर्क तक की यात्रा की। इस दौरान उन्होंने ट्रक ड्राइवर से लंबी बातचीत की और उनके रोजमर्रा के जीवन के बारे में जाना। गांधी इन दिनों अमेरिका में हैं। इससे कुछ दिन पहले भारत में उन्होंने दिल्ली से चंडीगढ़ तक ट्रक से सवारी की थी और उनकी समस्याओं को सुना था।

ट्रक ड्राइवर के साथ की 190 किमी की यात्रा

पार्टी की ओर से जारी एक बयान में बताया गया है कि भारत के साथ-साथ विदेश में भी लोगों को सुनने की यात्रा को जारी रखते हुए कांग्रेस नेता वाशिंगटन डीसी से न्यूयॉर्क तक ट्रक ड्राइवर तलजिंदर सिंह विक्की गिल और उनके साथी रंजीत सिंह बानीपाल के साथ 190 किलोमीटर की 'अमेरिकी ट्रक यात्रा' पर निकले। इसमें कहा गया है कि दिल्ली से चंडीगढ़ तक उनकी ट्रक यात्रा की तरह अमेरिका में भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवरों के रोजमर्रा के जीवन पर केंद्रित 'दिल से दिल की बातचीत' इस यात्रा का मुख्य आकर्षण थी। यात्रा के दौरान राहुल गांधी कहते हैं कि अमेरिका में ट्रक कोड्राइवरकी सुरक्षा और आराम को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है, जबकि, भारत में ऐसा नहीं है। यात्रा के दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि यहां घर पर ट्रक ड्राइवर मामूली मजदूरी और रिकॉर्ड महंगाई के साथ जीवन यापन करने के लिए संघर्ष करते हैं, वहीं, उनके अमेरिकी समकक्षों को उचित मजदूरी के साथ अपने श्रम के लिए सम्मान मिलता है।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे पर केमिकल टैंकर में आग, 4 की मौत

फ्लाईओवर के नीचे से गुजर रहे वाहन चपेट में आए; 3 घायल

मुंबई,13 जून (एजेंसियां)। मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे पर मंगलवार को एक केमिकल से भरा टैंकर पलट गया, जिससे इसमें आग लग गई। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 घायल हैं। घटना दोपहर 12 बजे खंडाला बाईपास स्थिति एक फ्लाईओवर की है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, चंद मिनटों में पूरा टैंकर जलकर खाक हो गया। इससे निकल रहा केमिकल फ्लाईओवर के नीचे तक गिर रहा था। केमिकल जहां-जहां पहुंचा आग वहां तक फैलती गई।

हादसे के दौरान टैंकर में सवार दो लोग और फ्लाईओवर के नीचे से गुजर रहे दो बाइक सवार आग की चपेट में आ गए। जिसके कारण उनकी मौत हो गई। फ्लाईओवर के नीचे कुछ वाहन भी आग की चपेट में आए हैं। घायलों को सोमाटणे स्थित पवना अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद मुंबई और पुणे जाने वाले ट्रैफिक को पूरी तरह से रोक दिया गया।

लोकसभा चुनाव में नई रणनीति पर काम करेगी बीजेपी

हिमाचल-कर्नाटक में मिली हार के बाद हुआ बदलाव?

दिल्ली,13 जून (एजेंसियां)। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर देशभर में सियासत गर्म है। विपक्ष एकजुट होकर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। भाजपा भी अलग रणनीति तैयार करने में जुटी है। पार्टी ने कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में मिली हार के बाद अपनी रणनीति में बदलाव करने का भी फैसला लिया है। अब दक्षिण, उत्तर और पूर्वोत्तर राज्यों के लिए अलग-अलग रणनीति पर भाजपा काम करेगी। आखिर पार्टी को क्यों बदलनी पड़ी पुरानी रणनीति?

इस वक्त हर कोई लोकसभा और आने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के लिए काम कर रहा है।

पिछले कुछ चुनाव के नतीजों को देखते हुए पार्टी ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव किया है। संघ की चेतावनी का भी असर पड़ा है। यही कारण है कि अब भाजपा ने चार अलग-अलग रणनीति तैयार की है।

टाटा स्टील के प्लांट में स्टीम पाइप फटा

भुवनेश्वर,13 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के ढेकनाल में टाटा स्टील के एक प्लांट में मंगलवार को स्टीम पाइप फट गया। इससे निकली स्टीम से 19 कर्मचारी घायल हो गए। घटना दोपहर 1 बजे के करीब हुई। घायल कर्मचारियों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। टाटा स्टील ने एक बयान में कहा- ढेंकनाल में टाटा स्टील मेरामंडली वर्क्स में दुर्घटना हुई है। घटना इंस्पेक्शन वर्क के दौरान हुई। हादसे के तुरंत बाद सभी आपातकालीन प्रोटोकॉल सेवाओं को सक्रिय कर दिया गया और क्षेत्र को बंद कर दिया गया।

महिला को कॉकपिट में बुलाने वाले दो पायलट्स को हटाया

एअर इंडिया ने लिया एक्शन, पिछले हफ्ते दिल्ली- लेह फ्लाइट में घटना हुई थी

नई दिल्ली,13 जून (एजेंसियां)। एअर इंडिया ने महिला को कॉकपिट में इनवाइट करने के आरोप में दो पायलट्स को ड्यूटी से हटा दिया है। घटना पिछले हफ्ते दिल्ली- लेह फ्लाइट में हुई। एअर इंडिया मैनेजमेंट को प्लेन के कॉकपिट में अनधिकृत महिला यात्री के आने के बारे में केबिन क्रू से शिकायत मिली थी। इस पर कंपनी ने नियमों का पालन नहीं करने के लिए पायलट और सह-पायलट को डि रोस्टर कर दिया है।

घटना पर डायरेक्टर जनरल सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने कहा, ''हमें इस घटना की जानकारी है।

मामले में जरूरी एक्शन लिया जा रहा है। एअर इंडिया ने घटना की विस्तार से जांच करने के लिए एक समिति का गठन किया है। हालांकि एयर इंडिया की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

लेह रूट सुरक्षा के लिहाज से देश के सबसे कठिन और संवेदनशील एयर रूट में से एक है। कॉमर्शियल प्लेन के कॉकपिट में अनधिकृत व्यक्ति को आने की अनुमति देना कानून का उल्लंघन है।

एविएशन एक्सपर्ट विपुल सक्सेना ने बताया कि लेह हवाई अड्डे पर प्लेन उतारना देश भर में सबसे कठिन ऑपरेशन में से एक है क्योंकि यहां ऊंची-ऊंची पहाड़ियां हैं। देश के रक्षा बलों के ठिकानों की उपस्थिति के कारण भी संवेदनशील है। इसके अलावा, इस इलाके में कम ऑक्सीजन स्तर के कारण बहुत अच्छे हेल्थ रिकॉर्ड की जरूरत होती है और इसके कारण लेह के विमानों के संचालन के लिए केवल अच्छे हेल्थ रिकॉर्ड वाले हाई स्किल पायलट्स को तैनात किया जाना चाहिए।

मिजोरम में 31 करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन बरामद, पांच गिरफ्तार

आइजोल, 13 जून (एजेंसियां)। मिजोरम में छह किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई है। इसकी कीमत 31 करोड़ रुपये आंकी गयी है। इस संबंध में पड़ोसी देश म्यांमार का एक और असम के कछार जिला निवासी चार कुल पांच ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आज बताया कि पुख्ता सूचना के आधार एक्साइज एवं नार्कोटिक्स विभाग ने राजधानी आइजोल के अलग-अलग इलाके में अभियान चलाकर यह हेरोइन जब्त की। आइजोल के बाउंगकान इलाके से म्यांमार के ताहान निवासी एनगोलांग से 248 ग्राम हेरोइन जब्त की गई। उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा आइजोल के जेमाबाक इलाके में आबकारी विभाग ने एक ट्रक से 5.8 किलोग्राम हेरोइन जब्त की। इस संबंध में असम के कछार जिला निवासी चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान मोहम्मद नजीमुल हुसैन बरभुइयां (34), अब्दुल कलाम लश्कर (23), कुतबुल आलम लश्कर (28) और सुकुर अली मजूमदार (22) के रूप में हुई है।

मुंबई के जुहू में चार नाबालिक लड़के डूबे, दो का शव बरामद

मुंबई, 13 जून (एजेंसियां)। बीएमसी आपदा नियंत्रण ने मंगलवार को बताया कि मुंबई पुलिस ने जुहू के पास समुद्र में बह गए चार नाबालिक लड़कों में से दो के शव बरामद कर लिए हैं और दो अन्यकी तलाश फिर से शुरू की गई है। पुलिस ने धर्मेश वलजी फौजिया और शुभम योगेश भोगानिया, दोनों 16 के शव बरामद किए और उन्हें आर.एन कूपर अस्पताल भेज दिया।दो अन्य, मनीष योगेश भोगानिया (12) और जय रोशन ताजबरिया (15) अभी भी समुद्र में लापता हैं। बिपरजोय चक्रवाती तूफान से पहले समुद्र उफान पर है और ऊंची लहरें उठ रही हैं। शाम डूबने वाले कुल पांच पीढ़ियों में से एक लड़के को स्थानीय लोगों और मछुआरों ने बचा लिया था। मुंबई पुलिस, बीएमसी फायर ब्रिगेड ने स्पीडबोट के साथ भारतीय नौसेना के एक हेलिकॉप्टर के साथ लगभग आधी रात तक समुद्र में खोजबीन की।ये पांचों उन आठ स्कूली दोस्तों में शामिल थे, जिन्होंने स्कूल खुलने से एक दिन पहले सोमवार दोपहर जुहू में आधे दिन की पिकनिक मनाने गए थे।

बेटी ने किया मां का मर्डर और सूटकेश में लाश लेकर पहुंच गई थाने

बेंगलुरु, 13 जून (एजेंसियां)। इस संसार में मां और उसके औलाद के बीच सबसे मजबूत रिश्ता कहा जाता है। कहा जाता है कि अपनी औलाद के लिए मां पूरी दुनिया से लड़ जाती है। लेकिन आजकल बच्चे मां को एक बोझ समझ रहे हैं। उनके साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं। ऐसा ही एक मामला कर्नाटक के बेंगलुरु से सामने आया है। यहां एक बेटी ने अपनी ही मां की हत्या कर दी। हत्या करने के बाद वह सूटकेश में शव को डालकर पुलिस के पास पहुंच गई। पुलिस के मुताबिक बिलेकल्ली इलाके में एक अपार्टमेंट में रहने वाली 39 साल की सोनाली सेन ने अपनी मां 70 वर्षीय बीबा पॉल की हत्या कर दी।

हत्या के बाद आरोपी बेटी सोनाली ने अपनी मां के शव को एक सूटकेस में डाल दिया और पुलिस थाने पहुंचकर वहां मौजूद पुलिस कर्मी के सामने अपना जुर्म कुबूल कर लिया। सूटकेश में मां की लाश को देखकर पुलिस कर्मी भी सन्न रह गए। शुरुआती जांच में पता चला कि सोनाली का अपनी मां के साथ अक्सर झगड़ा होता था। इस बार झगड़े के दौरान मां ने नींद की गोलियां खाकर खुदकुशी करने की धमकी दी, जिसके बाद गुस्से में सोनाली ने उसकी मां को नींद की 20 गोलियां खिला दीं। कुछ देर बाद जब मां पेट में दर्द की वजह से चीखने चिल्लाने लगी तो सोनाली को ओर गुस्सा चढ़ गया और उसने अपनी मां का गला दबा दिया जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने सोनाली को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच कर रही है।

दिल्ली एनसीआर, चंडीगढ़ और पंजाब समेत

उत्तर भारत के कई हिस्सों में भूकंप के झटके, 5.4 रही तीव्रता

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और चंडीगढ़ में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। दस सेकंड तक भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस दौरान लोग घरों से बाहर निकल आए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की 5.4 मापी गई है। जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ से 30 किमी दक्षिण पूर्व में रिक्टर पैमाने पर 5.4 तीव्रता का भूकंप आया। पुंछ में काफी तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए।

हरियाणा और पंजाब में भी कांपी धरती

पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। कुछ सेकेंड के लिए धरती हिली। घबराए लोग अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। पंजाब में गुरदासपुर, होशियारपुर, लुधियाना और जालंधर समेत पूरे प्रदेश में लोगों को हल्के झटके लगे। वहीं हरियाणा में फतेहाबाद में हल्की कंपन हुई तो घबराए लोग अपने घरों से बाहर आ गए।

हिमाचल में भी महसूस हुए झटके

हिमाचल प्रदेश में भी मंगलवार को दोपहर 1:33 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके लगते ही लोग दहशत में घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। हालांकि जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ है। चंबा जिले के भरमौर, कुल्लू, ऊना, हमीरपुर, मंडी में भूकंप के झटके महसूस किए गए। राज्य आपदा प्रबंधन के प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश के कई जिलों में भूकंप के झटके लगे हैं। फिलहाल कोई नुकसान नहीं हुआ है। वहीं हिमाचल प्रदेश के पड़ोसी राज्य जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ से 30 किमी दक्षिण पूर्व में रिक्टर पैमाने पर 5.7 तीव्रता का भूकंप आया

क्यों आता है भूकंप?

पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

जानें क्या है भूकंप के केंद्र और तीव्रता का मतलब?

भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा।

कैसे मापा जाता है भूकंप की तिव्रता और क्या है मापने का पैमाना?

भूकंप की जांच रिक्टर स्केल से होती है। इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप को 1 से 9 तक के आधार पर मापा जाता है। भूकंप को इसके केंद्र यानी एपीसेंटर से मापा जाता है। भूकंप के दौरान धरती के भीतर से जो ऊर्जा निकलती है, उसकी तीव्रता को इससे मापा जाता है। इसी तीव्रता से भूकंप के झटके की भयावहता का अंदाजा होता है।

महाराष्ट्र में हुई हिंसा को लेकर

मुसलमानों के बारे में हसन मुश्रीफ का बड़ा बयान, जानिए क्या कहा?

मुंबई, 13 जून (एजेंसियां)। कुछ दिन पहले व्हाट्सएप स्टेटस पर औरंगजेब की फोटो पोस्ट करने को लेकर कोल्हापुर में तनाव हो गया था।इस बीच एनसीपी नेता हसन मुश्रीफ का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने मुस्लिम समुदाय से शांत रहने की अपील की है।यह अपील उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान की।

क्या बोले हसन मुश्रीफ?

हसन मुश्रीफ ने कहा, 'कोल्हापुर में माहौल पिछले हफ्ते से बिगड़ा हुआ है। मैंने एनसीपी के स्थापना दिवस पर घोषणा की थी। छत्रपति शिवाजी महाराज का मुसलमानों के प्रति कभी कोई पक्षपात नहीं रहा।साथ ही मुस्लिम समुदाय को कभी भी उन पर कोई शक नहीं रहा। गोविन्द पंसारे की पुस्तक 'शिवाजी कोन होता' में लिखा है कि छत्रपति शिवाजी महाराज के इतिहास पर नजर डालें तो महाराज स्वराज्य की लड़ाई सभी विश्वसियों के बिना नहीं लड़ पाते। यदि इतने सेनाध्यक्ष मुसलमान हैं, तो उनमें से कितने मुसलमान होंगे? शिवाजी महाराज ने इन मावलों के साथ औरंगजेब की सेना से युद्ध किया।इसलिए पूर्व मंत्री हसन मुश्रीफ ने साफ कहा कि औरंगजेब हमारा नहीं हो सकता।हसन मुश्रीफ ने कहा, मुसलमानों को अपने युवाओं पर ध्यान देने और इस इतिहास को समझने की जरूरत है।"हम विभाजन के बाद भारत में रहे और हमारी गर्भनाल भारत की मिट्टी में मजबूती से जमी हुई है। भारतीयों की भक्ति और भारत में रहने वाले समाज की भक्ति ही हमारी भक्ति होनी चाहिए।

अलर्ट रहे पुलिस

टीपू सुल्तान मामले में युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस को ऐसी घटनाओं पर तत्काल कार्रवाई करने की जरूरत है। पुलिस को ऐसी घटनाओं से सतर्क रहना चाहिए। हसन मुश्रीफ ने आरोप लगाया कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। मुश्रीफ ने अपील की कि हिंदू-मुस्लिम समुदाय को आपस में सद्भाव बनाकर शांति बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए।

चांद के लिए 12 से 19 जुलाई के बीच रवाना होगा चंद्रयान-3

इसरो ने बताया क्यों चुनी गई ये खास तारीख

कोट्टायम (केरल), 13 जून (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 को उतारने की तैयारी कर ली है। इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने सोमवार को यहां कहा कि अगर सभी परीक्षण सफल रहे तो चंद्रमा की सतह पर उतरने के भारत के महत्वाकांक्षी मिशन 'चंद्रयान-3' का 12 से 19 जुलाई के बीच प्रक्षेपण किया जाएगा।

इस समय को इसलिए चुना गया है क्योंकि यही वह समय है, जिस दौरान ईंधन की खपत को बचाया जा सकता है.

इसरो द्वारा कोथावारा सेंट जेवियर्स कॉलेज में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला और अंतरिक्ष प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद सोमनाथ ने मीडिया से कहा कि चंद्रयान पहले ही यू आर राव उपग्रह केंद्र से श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में प्रक्षेपण पैड पर पहुंच चुका है। सोमनाथ ने कहा, "अंतिम तैयारी चल रही है। इसे इस महीने के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। वहीं, इस प्रक्षेपण के लिए रॉकेट, एलवीएम-3 का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके लिए सभी पुर्जे श्रीहरिकोटा पहुंच गए हैं."

राकेट के पुर्जों को जोड़ने का काम शुरु

उन्होंने कहा कि रॉकेट के पुर्जों को जोड़ने का काम भी इस महीने के अंत तक पूरा हो जाएगा और फिर चंद्रयान-3 को रॉकेट से जोड़ने की प्रक्रिया होगी।उन्होंने कहा कि जून के अंतिम सप्ताह में किया जाएगा और इसके बाद कई परीक्षण होंगे।

ईंधन की बचत करने के लिए चुना सही समय

सोमनाथ ने कहा, "12 से 19 जुलाई के बीच प्रक्षेपण के लिए अनुकूल स्थिति है और हम इसे केवल तभी प्रक्षेपित कर सकते हैं।हम इसे बाद में भी कर सकते हैं, लेकिन हमें ईंधन का नुकसान होगा." हालांकि, उन्होंने कहा कि प्रक्षेपण संबंधित अवधि के दौरान तभी किया जाएगा जब सभी परीक्षण सफल हो जाएंगे।

जम्मू कश्मीरः जेल में बंद हुर्रियत नेता अयाज अकबर की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर में एनआईए ने की कार्रवाई

श्रीनगर, 13 जून (एजेंसियां)। आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) का अभियान लगातार जारी है। एनआईए ने लगातार दूसरे दिन आतंक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। मंगलवार को श्रीनगर के शाल्टेंग इलाके में एजेंसी ने हुर्रियत के नेता अयाज अकबर की संपत्ति कुर्क की है। नई दिल्ली में एनआईए की विशेष अदालत के आदेश पर ये कार्रवाई की गई है। अयाज अकबर पिछले छह वर्षों से नई दिल्ली की तिहाड़ जेल में कैद है। अयाज अकबर की पत्नी का इस साल अप्रैल में कैंसर से जंग हारने के बाद निधन हो गया था। इससे पहले एनआईए ने उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के बागातपोरा हंदवाड़ा में तिहाड़ जेल में बंद जहूर अहमद शाह वटाली की 17 अचल संपत्तियों को कुर्क कर लिया। वटाली 2017 में गिरफ्तार किया गया था। वह तभी से जेल में बंद है।

इंडिगो विमान के लैंडिंग के दौरान टला बड़ा हादसा

दिल्ली एयरपोर्ट पर जमीन से टकराया फ्लाइट का पिछला हिस्सा

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंडिंग के दौरान इंडिगो विमान में बड़ा हादसा होते-होते बचा। लैंडिंग के दौरान विमान का पिछला हिस्सा जमीन से टकरा गया लेकिन गनीमत रही की इससे किसी को भी खतरा नहीं हुआ। बताया जा रहा है दिल्ली एयरपोर्ट की ये घटना रविवार की है। जब विमान कोलकाता से दिल्ली की ओर जा रहा था। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अनुसार, इंडिगो ए321-252एनएक्स (नियो) विमान वीटी-आईएमजेउड़ान 6ई-6183, सेक्टर कोलकाता - दिल्ली का संचालन करते समय दिल्ली में उतरते समय टेल स्ट्राइक में शामिल था। उड़ान दिल्ली में उतरने के दृष्टिकोण तक असमान थी। रनवे 27 पर पहुंचने के दौरान, चालक दल ने महसूस किया कि वे सामान्य से अधिक समय तक तैरते रहे और गो-अराउंड शुरू किया। डीजीसीए ने कहा कि विमान के पिछले हिस्से का निचला हिस्सा रनवे की सतह से छू गया और क्षतिग्रस्त हो गया। डीजीसीए ने घटना का संज्ञान लेते हुए इसके जांच के आदेश दिए हैं। डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और विमान को उड़ान भरने से रोक दिया गया है। वहीं, जांच होने तक विमान के परिचालक दल को ऑफ-रोस्टर कर दिया गया है। अब जांच होने तक क्रू मेंबर्स विमान में काम नहीं कर सकेंगे। फिलहाल मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने केरल में पत्रकारों के खिलाफ हो रही कार्यवाही पर जताई निराशा

तिरुवनंतपुरम, 13 जून (एजेंसियां)। मार्क लिस्ट विवाद के संबंध में पत्रकार के खिलाफ की जा रही कार्यवाही को लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-मार्क्सवादी के नेतृत्व वाली केरल सरकार की आलोचना की। मंगलवार को पूर्व राज्य मंत्री ने केरल में पत्रकारों के खिलाफ कार्यवाही को लेकर निराशा जताई। साथ ही आरोप लगाया कि केरल में 'पेशेवर' तरीके से अपना काम कर रहे पत्रकारों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और राज्य के लिए प्रेस की स्वतंत्रता अपरिहार्य है।

ट्विटर पर जताई अपनी निराशा

फ्रांसीसी लेखक वोल्टेयर के प्रसिद्ध उद्धरण वाली एक तस्वीर ट्विटर पर पोस्ट कर थरूर ने लिखा, 'केरल में पेशेवर रूप से अपना काम कर रहे पत्रकारों के खिलाफ कार्यवाही के बारे में सुनकर निराश हूं। प्रेस की स्वतंत्रता हमारे लोकतंत्र के लिए अपरिहार्य है और हमारे राज्य के लिए महत्वपूर्ण है। सरकार को इस तरह के उत्पीड़न को रोकना चाहिए।'

पांच लोगों पर मामला दर्ज

उल्लेखनीय है कि केरल पुलिस ने मार्क लिस्ट विवाद में छात्र संघ के नेता पीएम अर्शो की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। पुलिस ने जिन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, उनमें एशियानेट न्यूज की पत्रकार और एर्नाकुलम के महाराजा कॉलेज के प्रिंसिपल सहित पांच लोग शामिल हैं।

यह है वो पांच पत्रकार

केरल पुलिस ने स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के स्टेट सेक्रेटरी द्वारा दर्ज शिकायत में महाराजा कॉलेज एर्नाकुलम के पूर्व समन्वयक विनोद कुमार, कॉलेज प्रिंसिपल वीएस जॉय, केएसयू के प्रदेश अध्यक्ष अलोटियस जेवियर, फाजिल सीए और एशियानेट न्यूज रिपोर्टर अखिला नंदकुमार को आरोपी बनाया है। शिकायत में अंक सूची विवाद को लेकर साजिश का आरोप लगाया गया है। सभी पर आपराधिक साजिश, जालसाजी और मानहानि सहित भारतीय दंड संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया है।

राज्यपाल से सीएम ममता बनर्जी का घमासान

वीसी का वेतन-भत्ता बंद करने का आदेश

कोलकाता, 13 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जीऔर राज्यपाल सीवी आनंद बोस के बीच संघर्ष व्यावहारिक रूप से अपने चरमोत्कर्ष पर पहुंच गया है।उच्च शिक्षा विभाग ने हाल ही में राज्यपाल सीवी आनंद बोस द्वारा नियुक्त कुलपतियों को कुलपति के रूप में पारिश्रमिक और भत्ते नहीं लेने का निर्देश दिया है।शिक्षा विभाग ने इस शिकायत पर कड़ी कार्रवाई की कि कुलपतियों की नियुक्ति राज्य से परामर्श किए बिना की गई थी। सूत्रों के मुताबिक कानूनी सलाह लेने के बाद यह कदम उठाया गया है।राज्य द्वारा विश्वविद्यालय के कुलसचिव को वेतन एवं भत्तों पर रोक लगाने का निर्देश जारी कर दिया गया है. हाल ही में, राज्य के कई विश्वविद्यालयों ने कुलपतियों के साथ-साथ आचार्यों को भी नियुक्त किया था।उसके बाद राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु ने राज्यपाल द्वारा नियुक्त किये गये कुलपतियों पर आपत्ति जताई थी और उन्हें अपनी नाराजगी जताते हुए कहा था कि ये नियुक्तियां अवैध हैं।

राज्यपाल के नियुक्ति कुलपतियों को नहीं मिलेगा वेतन-भत्ता

उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति स्वीकार नहीं की जाएगी।इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि संबंधित प्राध्यापकों को कुलपति का पद स्वीकार नहीं करना चाहिए, जहां कुछ ने राज्यपाल की नियुक्ति को खारिज कर दिया, वहीं अधिकांश ने इसे स्वीकार कर लिया। राज्य ने उन कुलपतियों के संबंध में भत्ता और पारिश्रमिक नहीं लेने की बात कही है। सोमवार को संबंधित विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों को पत्र भेजा गया।उसके बाद कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर राज्य सरकार से विवाद पूरे चरम पर पहुंच गया है।

राज्यपाल के नियुक्ति कुलपतियों को शिक्षा विभाग ने करार दिया अवैध

पत्र में यह भी कहा गया है कि इन कुलपतियों की नियुक्ति वैध नहीं है।इसलिए वे वेतन और भत्ता जमा नहीं कर सकते।नहीं तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शुरू से ही इस नियुक्ति को लेकर टकराव की तस्वीर सामने आई है।राज्यपाल ने जिन विश्वविद्यालयों में कुलपतियों का कार्यकाल समाप्त हो गया था, वहां कुछ प्रोफेसरों की नियुक्ति के लिए पिछले महीने एक बैठक बुलाई थी।उस बैठक के तुरंत बाद कुलपतियों की नियुक्ति की गई।फिर राज्य-राज्यपाल संघर्ष ने एक नया आयाम लिया है।बता दें कि राज्यपाल सीवी आनंद बोस के राज्य के राज्यपाल बनने के बाद ममता बनर्जी से रिश्ते अच्छे थे, लेकिन बाद में चाहे कुलपतियों की नियुक्ति का मसला हो या फिर राज्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति का मामला हो।राज्यपाल और ममता बनर्जी की सरकार के बीच टकराव सामने आये थे।

बिजली विभाग के मंत्री वी सेंथिल बालाजी के आवास पर ईडी ने की छापेमारी

चेन्नई, 13 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को तमिलनाडु के बिजली विभाग के मंत्री वी सेंथिल बालाजी और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत तलाशी ली। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को इस बात की जानकारी दी है। राजधानी चेन्नई और करूर में बालाजी के परिसरों पर छापेमारी की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले महीने बालाजी के खिलाफ एक कथित नौकरी के बदले नकदी घोटाले की जांच के लिए पुलिस और ईडी अनुमति दी थी। बालाजी के पास वर्तमान में मद्यनिषेध और उत्पाद शुल्क विभाग भी है। अधिकारी ने बताया कि धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत छापेमारी की जा रही है। 26 मई को भी आयकर विभाग ने राज्य में बालाजी के करीबी लोगों की तलाशी ली थी। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, बालाजी के साथ कथित तौर पर संबंध रखने वाले विभिन्न सरकारी ठेकेदारों के आवासों और दफ्तरों में करीब 40 स्थानों पर तमिलनाडु भर में आयकर विभाग के अधिकारियों ने छापेमारी की थी।

मोदी फॉर इंडिया, शिंदे फॉर महाराष्ट्र

क्या शिवसेना-बीजेपी में दरार की वजह बन सकता है ये विज्ञापन?

मुंबई, 13 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अखबारों में आज शिवसेना (एकनाथ शिंदे) की पार्टी ने एक विज्ञापन छपवाया है जो गठबंधन में नए दरार वजह बन सकता है।इस विज्ञापन में सीएम एकनाथ शिंदे को महाराष्ट्र में देवेंद्र फड़नवीस से ज्यादा लोकप्रिय बताया गया है।इस सर्वे में दावा किया गया है कि महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे को सीएम पोस्ट के लिए 26.1% लोग पसंद कर रहे है जबकि फड़नवीस को 23.2% लोग पसंद कर रहे हैं।वहीं राज्य में बीजेपी को पसंद करने वाले लोगों की संख्या 30.2 फीसदी बताई गई है तो वहीं शिंदे की

पार्टी को 16.2 प्रतिशत और दोनों गठबंधन को 46.4 फीसदी लोगों की पसंद बताया है। इस सर्वे में बीजेपी-शिवसेना गठबंधन सरकार को 49.3 फीसदी लोगों को पसंद करना बताया गया है।वहीं इस पूरे सर्वे पर उद्धव गुट की शिवसेना से राज्यसभा सांसद संजय राउत ने चुटकी लेते हुए पूछा है कि क्या एकनाथ शिंदे ने यह सर्वे अपने सरकारी भवन वर्षा में करवाया है।गौरतलब है कि एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे पर निष्क्रियता और शिवसेना नेताओं की बात नहीं सुने जाने, हिंदुत्व की विचारधारा के साथ समझौते करने जैसे मुद्दों को आधार बनाकर पार्टी में बगावत कर दी थी और तात्कालीन महाराष्ट्र अघाड़ी सरकार गिरा दी थी।

बीजेपी की मदद से करें शिवसेना का विस्तार

एकतरफ जहां इस विज्ञापन की वजह से कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों पार्टियों के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है वहीं दो दिन पहले कश्मीर के दौरे पर गए एकनाथ शिंदे ने कश्मीर में ही अपनी पार्टी के 15 राज्यों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में उन्होंने शिवसेना की भविष्य की गतिविधियों के बारे में चर्चा की। मिली जानकारी के मुताबिक इस बैठक में बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड और अन्य राज्यों के पार्टी पदाधिकारी मौजूद थे।

बिलासपुर में एक ही ट्रैक पर दिखी 2 गाड़ियां, शुक्र है हादसा टल गया, बालासोर रेल हादसे से क्या सीखा?

बिलासपुर, 13 जून (एजेंसियां)। देश ओड़िशा के बालासोर में हुए भीषण रेल हादसे को भूला नहीं हैं, इस बीच देशभर में लगातार रेल हादसों से संबंधित सूचनाओं पर सभी की नजर है। बीते रविवार को छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से रेलवे की बड़ी उजागर हुई है। जानकारी के मुताबिक कोरबा लोकल मेमू ट्रेन बिलासपुर से जयराम नगर पहुंची थी, इसी बीच उसी पटरी पर सामने से एक मालगाड़ी भी आ रही थी। जिसके बाद हड़बड़ी में ट्रेन को रोका गया। ज्ञात हो कि दोनों ट्रेन कुछ ही दूरी पर आमने-सामने जाकर रुकीं थी। इधर, एक ही रेलवे ट्रैक पर दो गाड़ियों को देखकर यात्रियों में घबराहट देखी गई। अगर वक्त पर ट्रेनों को नहीं रोका जाता, तो एक बड़ा हादसा संभावित था। बहरहाल इस घटना में कोई नुकसान नहीं हुआ है। बिलासपुर से सामने आई इस घटना की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। सोशल मीडिया पर ट्रेनों के एक ही ट्रैक पर आने का वीडियो वायरल हो रहा है। जिसके बाद रेलवे ने बयान जारी करके बताया है कि वीडियो जयरामनगर-बिलासपुर सेक्शन का है, जिसमें यह दिखाया जा रहा है कि दो गाड़ी आमने-सामने खड़ी है। जयरामनगर-बिलासपुर सेक्शन ऑटोमैटिक सिग्नलिंग ब्लॉक सेक्शन है। रेलवे के सामान्य नियम के मुताबिक जहां भी ऑटोमैटिक सिग्नलिंग ब्लॉक सेक्शन हो, वहां एक ही लाइन पर एक से ज्यादा गाड़ियां को सुरक्षित परिचालन एक ही समय में सिग्नल के आधार पर किया जाता है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 14 जून, 2023

सुविचार

जिंदगी में जीतने के लिए जिद होनी चाहिए
हारने के लिए तो एक डर ही काफी है..!!

जनता के साथ घनिष्ठ संबंध बनाएं पार्षद : केटीआर

मंत्री ने बीआरएस पार्षदों के साथ की महत्वपूर्ण बैठक

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष और आईटी मंत्री केटी रामाराव ने पार्टी जीएचएमसी के पार्षदों से लोगों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखने और प्रशासन के माध्यम से सेवा वितरण की निगरानी करने को कहा है। केटी रामाराव ने मंगलवार को यहां प्रगति भवन में पार्टी के जीएचएमसी नगरसेवकों के साथ बैठक की और उनके साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव, एमएलसी नवीन राव, शंबीपुर राजू, महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी और कई अन्य वरिष्ठ पार्टी नेताओं ने भाग लिया। केटीआर ने 16 जून को होने वाले जीएचएमसी वार्ड कार्यालयों के उद्घाटन के बारे में बात की, जो कि तेलंगाना राज्य के गठन के दशकीय समारोह के हिस्से के रूप में होगा। मंत्री ने उन्हें पहल के एजेंडे के बारे में बताया कि इससे लोगों और अन्य पहलुओं को कैसे लाभ होगा। उन्होंने कहा कि वार्ड कार्यालय शुरू करने की पहल से सेवा वितरण में काफी वृद्धि होगी और जनता के साथ घनिष्ठ संपर्क को बढ़ावा मिलेगा।

वार्ड कार्यालय प्रणाली की विशिष्टता को रेखांकित करते हुए, नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास मंत्री ने जोर देकर कहा कि यह पहल पूरे देश में अद्वितीय है। शहर के भीतर शासन को मजबूत करने की अपनी क्षमता में विश्वास व्यक्त करते हुए, केटीआर ने नगरसेवकों को सार्वजनिक मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए सक्रिय रूप से इस प्रणाली का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने बिना किसी अंतराल के लोगों तक पहुंचने के लिए कल्याणकारी योजनाओं और सरकारी कार्यक्रमों का लाभ सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन का विकेंद्रीकरण किया था। मुख्यमंत्री के दृष्टिकोण के विस्तार के रूप में, केटीआर ने कहा कि सरकारी कार्यक्रमों और सेवाओं को लोगों के घर तक ले जाने के लिए नए जिलों, राजस्व मंडलों, मंडलों और ग्राम पंचायतों का गठन किया गया था। इसी तरह, वार्ड कार्यालय नागरिक सेवाओं को लोगों के करीब ले जाने में सहायता करेंगे। उन्होंने कहा कि पहल सुशासन को मजबूत करेगी और पार्षद अधिक सेवाएं प्रदान करके लोगों के साथ घनिष्ठ संपर्क को बढ़ावा दे सकते हैं। मंत्री ने नगरसेवकों से कार्यालयों के उद्घाटन के लिए रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों के अध्यक्षों, अपने वार्ड सीमा के प्रमुख लोगों को आमंत्रित करने को कहा है। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि बीआरएस सरकार द्वारा चलाए जा रहे कल्याणकारी कार्यक्रमों के साथ-साथ हैदराबाद में तेजी से हो रहे विकास की जानकारी लोगों तक पहुंचानी है।

उन्होंने पार्षदों से कहा कि सरकारी कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाते हुए पार्टी को मजबूत करें। पार्षदों को पार्टी की बैठकों में सक्रिय रूप से भाग लेने का निर्देश दिया गया। केटीआर ने भरोसा जताया कि पार्टी आगामी चुनाव जीतेगी। केटीआर ने नगरसेवकों को आगामी महीनों के लिए निर्धारित व्यापक पार्टी गतिविधियों में अंतर्दृष्टि प्रदान की। उन्होंने उनकी पूरे दिल से भागीदारी को प्रोत्साहित किया, यह पुष्टि करते हुए कि उनके प्रयास पार्टी के निरंतर विकास को सुनिश्चित करने में सहायक होंगे।

बंडी संजय ने बीआरएस नेताओं से की करीमनगर आरओबी मुद्दे पर माफी मांगने की मांग

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद बंडी संजय कुमार ने आज करीमनगर संसदीय क्षेत्र में थेगलगुट्टापल्ली के पास रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण के लिए निविदाएं पूरी होने का जश्न मनाने के लिए बीआरएस नेताओं की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष के नेताओं को जवाब देना चाहिए कि केंद्र की मंजूरी के सात महीने बाद भी अब तक टेंडर का काम फाइनल क्यों नहीं किया गया? उन्होंने सवाल किया, 'क्या यह सच नहीं है कि केंद्र खुद आरओबी के निर्माण की कुल लागत के लिए 126.74 करोड़ रुपये देने पर सहमत हो गया है।

एक बयान में उन्होंने सत्ताधारी दल के नेताओं से पूछा कि क्या यह सच नहीं है कि उन्होंने आरओबी का निर्माण कार्य शुरू करने और जल्द से जल्द पूरा करने के लिए राज्य सरकार को कई बार पत्र लिखा था? क्या यह सच नहीं है कि देरी के विरोध में भाजपा नेताओं ने धरना और आंदोलन किया था? उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार पहले आरओबी के निर्माण की कुल लागत का 80 प्रतिशत भुगतान करने के लिए सहमत हुई थी, और बाद में अपनी बात रखने में विफल रही।

रोजगार सृजन के लिए केंद्र कर रहा है प्रयास : किशन रेड्डी

पीवीआर कन्वेंशन में रोजगार मेला आयोजित

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज कहा कि केंद्र देश के बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार सृजित करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक ओर केंद्र सरकार कौशल विकास कार्यक्रम चला रही है, वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त कर रही है। उन्होंने पीवीआर कन्वेंशन, लोअर टैंकबंड में आयोजित छठा रोजगार मेले में भाग लिया। केंद्रीय मंत्री ने नौ राष्ट्रीयकृत बैंकों, डीआरडीओ, भारतीय रेलवे, रक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और हैदराबाद विश्वविद्यालय समेत 22 विभागों में नौकरी पाने वाले 470 लोगों को नियुक्ति पत्र जारी किए हैं।

किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैबिनेट की बैठक बुलाकर अधिकारियों से सभी विभागों में रिक्त पदों की पहचान करने को कहा था और कहा था कि 10 लाख रिक्त पदों की पहचान की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि एक साथ 10 लाख रिक्तियों पर भर्ती करना संभव नहीं है, प्रधानमंत्री हर महीने 70,000 रिक्तियों को भर रहे हैं, जबकि यह देखते हुए कि हर महीने पदों को भरने के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री खुद नवनियुक्त भर्तियों से बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 22 अक्टूबर, 2022 को देश के युवाओं को दीवाली उपहार के रूप में 'रोजगार मेला' का उद्घाटन किया था और कहा कि यह उनके द्वारा आयोजित किया जा रहा छठा रोजगार मेला है। आज तक, हमने 4,30,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए हैं।

रेड्डी ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में नौकरियां एक साथ भरी गई हैं। उन्होंने कहा कि भारत युवा आबादी में नंबर एक है और कई अंतरराष्ट्रीय और सॉफ्टवेयर कंपनियों के सीईओ भारतीय थे।

इसमें विभिन्न बैंकों, सरकारी विभागों जैसे भारतीय स्टेट बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ इंडिया, आईओबी, दक्षिण मध्य रेलवे, मिधानी, डाक विभाग, एम्स, विश्वविद्यालय में नवनियुक्त युवाओं को नियुक्ति आदेश वितरित करने के लिए हैदराबाद, एनआईटी वारंगल, डीआरडीओ, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, सीबीआईसी, आयकर विभाग आदि में आयोजित किये जा रहे हैं। केंद्रीय पर्यटन, संस्कृति और उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्री किशन रेड्डी द्वारा 261 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं जो शारीरिक रूप से कार्यक्रम स्थल पर मौजूद थे और लगभग 232 उम्मीदवार वेबेक्स के माध्यम से वर्चुअली शामिल हुए।

आरजीयूकेटी बासर छात्रा ने दे दी जान

निर्मल, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ नॉलेज एंड टेक्नोलॉजीज (आरजीयूकेटी), बासर के बाथरूम में मंगलवार को प्री-यूनिवर्सिटी कोर्स की पहली छात्रा, 19 वर्षीय वडला दीपिका का शव लटका हुआ पाया गया। ऐसा संदेह है कि दीपिका ने अपनी वार्षिक परीक्षा देने के बाद दुपट्टे से फांसी लगाकर जान दे दी। काफी देर तक जब उसने बाथरूम नहीं खोला तो उसके दोस्तों ने विश्वविद्यालय के सुरक्षाकर्मियों को इसकी सूचना दी। सुरक्षाकर्मियों ने उसे बेहोश पाया और प्राथमिक उपचार के बाद उसे सरकारी अस्पताल ले गए। दीपिका की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गयी। वह संगारेड्डी जिले के गोरेकल की रहने वाली है।

इंटर प्रथम वर्ष की छात्रा ने आत्महत्या की

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बाचुपल्ली के एक निजी कॉलेज में मंगलवार सुबह इंटर की एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, अभी कुछ दिन पहले पीड़िता की पहचान वामशिका (16) के रूप में हुई है, जिसने जूनियर कॉलेज में एमपीसी इंटरमीडिएट के प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया था। मंगलवार की सुबह करीब नौ बजे लड़की पांचवीं मंजिल में गई। कॉलेज-सह-छात्रावास भवन के फर्श पर कूद गई। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया। मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस उन कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है, जिनकी वजह से लड़की ने इतना बड़ा कदम उठाया।

अपने कर्मचारियों के साथ खड़ी है टीएसआरटीसी : सज्जनार

सड़क दुर्घटना में मृत परिचालक के परिवार को 50 लाख की सहायता

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) सड़क दुर्घटना से पीड़ित परिवार के बचाव में उतर आया है। नियति को झुठलाकर असामयिक मृत्यु पाने वाले परिचालक के परिवार को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है। इसी साल फरवरी में जगत्याल डिपो के कंडक्टर बोल्लम सतैय्या की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। जगत्याल से वरंगल जा रही टीएसआरटीसी की बस को गलत रूट से आ रहे एक लॉरी ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा मलयाला-बलवंतपुर स्टेज पर हुआ। मुखिया के निधन से प्रभावित परिचालक के परिवार में कोहराम मच गया। इस विपदा के दौरान पीड़ित परिवार को यूबीआई सुपर सैलरी सेविंग्स अकाउंट और रुपे कार्ड की जरूरत थी। टीएसआरटीसी के प्रबंधन ने हाल ही में कर्मचारियों और कर्मचारियों के वेतन खातों को यूबीआई में स्थानांतरित कर दिया है। इसने सुपर सैलरी सेविंग अकाउंट और रुपे कार्ड को वित्तीय लाभ के साथ लेने के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किए हैं। कंपनी के सभी कर्मचारियों ने अपने आवासीय क्षेत्रों की यूबीआई शाखाओं में कंपनी द्वारा निर्धारित खाता खोला और रुपे कार्ड लिया। इस खाते व कार्ड के माध्यम से नि:शुल्क दुर्घटना बीमा की सुविधा से कर्मचारियों को काफी आर्थिक लाभ हो रहा है। दुर्घटनाओं के समय, यूबीआई सुपर सैलरी सेविंग अकाउंट (कर्मचारी के वेतन के अनुसार) के तहत कम से कम 40 लाख रुपये और रुपे कार्ड के तहत 10 लाख रुपये प्रदान कर रहा है। इस हद तक, 50 लाख रुपये के 2 चेक मंगलवार को बस भवन में यूबीआई अधिकारियों, एमडी वीसी सज्जनार के साथ सड़क दुर्घटना में मारे गए जगित्याल डिपो कंडक्टर बोल्लम सतैय्या के परिवार को सौंपे गए। कंडक्टर सतैय्या की पत्नी बोल्लम पुष्पा के साथ बेटे प्रवीण कुमार और बेटी माधवीलता ने 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता पर प्रसन्नता व्यक्त की। चेक सौंपने के बाद, सज्जनार ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सतैया की समय से पहले सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई, हालांकि इसमें उनकी कोई गलती नहीं थी। उन्होंने याद दिलाया कि संगठन कर्मचारियों के कल्याण को उच्च प्राथमिकता देता है। उन्होंने कहा कि संगठन परिवार के सदस्यों के साथ खड़ा है जिन्होंने पोषण में एक बड़ी दिशा खो दी है और पीड़ित परिवार को अपना मनोबल और साहस नहीं खोने के लिए मुफ्त दुर्घटना बीमा की सुविधा बहुत मददगार है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन ने कर्मचारियों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए वित्तीय लाभ के साथ कर्मचारियों के खातों को सुपर सैलरी सेविंग अकाउंट में बदल दिया है।

संगठन के प्रत्येक कर्मचारी को सलाह दी जाती है कि वह अपने खाते को सुपर सैलरी सेविंग अकाउंट में बदलें। इस मौके पर कंपनी के सीईओ डॉ. वी. रविंदर, संयुक्त निदेशक डॉ. संग्राम सिंह जी. पाटिल, ईडी एस कृष्णकांत, विनोद कुमार, यूबीआई के महाप्रबंधक पी. कृष्णन, क्षेत्रीय प्रमुख डी. अपर्णा रेड्डी, उप क्षेत्रीय प्रमुख जीवी मुरली कृष्णा, दितारा आदि उपस्थित रहे।

किसानों का शोषण करने से बचें कपास बीज आपूर्तिकर्ता : कृषि मंत्री

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री सिंगरेड्डी निरंजन रेड्डी ने मंगलवार को कपास किसानों के शोषण में लिप्त होने के खिलाफ बीज आपूर्ति एजेंसियों को चेतावनी दी। यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि किसानों की जरूरत का फायदा उठाकर कुछ जगहों पर बिनौला ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है और कहा कि ऐसी घटनाओं से सख्ती से निपटा जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को ऐसी कंपनियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई शुरू करने का निर्देश देते हुए कहा कि वे यह सुनिश्चित करें कि वे कपास के बीजों की कृत्रिम कमी पैदा करने और स्थिति को भुनाने में सक्षम नहीं होंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य ने वास्तविक आवश्यकता की तुलना में कपास बीज का अधिक स्टॉक उपलब्ध कराया है। किसान आमतौर पर कपास की खेती के लिए बीजी II संकर बीज पसंद करते हैं। सभी कंपनियों द्वारा सप्लाई किए जा रहे कपास के बीज एक ही किस्म के हैं। बीज निजी कंपनियों से मंगवाए गए हैं। केंद्र सरकार द्वारा प्रति 450 ग्राम पैकेट के लिए अधिकतम मूल्य 853 रुपये निर्धारित किया गया है।

हालांकि केंद्र द्वारा बीज मूल्य निर्धारण का ध्यान रखा जा रहा था, लेकिन मूल्य विनियमन का कार्य राज्यों के कंधों पर है। राज्य सरकार इस मामले में किसानों को किसी भी कीमत पर निराश नहीं होने देगी। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार ऐसे डीलरों के लाइसेंस रद्द करने में संकोच नहीं करेगी, जो किसानों को धोखा दे रहे हैं। इस सीजन में 65 लाख एकड़ में कपास की फसल होने की उम्मीद है और बीज की आवश्यकता 58,500 क्विंटल के क्रम में होगी। लेकिन बाजार में 7,500 क्विंटल से अधिक बीज पहले से ही उपलब्ध था। इसमें विभिन्न कंपनियों के पास उपलब्ध बीज शामिल हैं। उन्होंने कहा कि घबराहट में खरीदारी करने और लालची विक्रेताओं के हाथों में खेलने की कोई जरूरत नहीं है।

नोटिस वापस नहीं हुई तो अरविंद कुमार के खिलाफ कदम उठाएंगे : रेवंत

कानूनी नोटिस को वापस लेने का कोई सवाल नहीं : एचएमडीए

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने आज नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिव और एचएमडीए महानगर आयुक्त अरविंद कुमार से एचएमडीए की ओर से आयुक्त द्वारा जारी कानूनी नोटिस को वापस लेने के लिए कहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा नहीं करने पर अरविंद कुमार के खिलाफ दीवानी व फौजदारी कार्रवाई की जाएगी। रेवंत ने अपने वकील के माध्यम से अरविंद कुमार द्वारा ओआरआर लीज मामले में भेजे गए कानूनी नोटिस का जवाब दिया। अपने जवाब में, उन्होंने कहा कि अरविंद कुमार, एक आईएएस अधिकारी होने के नाते, एक आईएएस अधिकारी को कैसे कार्य करना चाहिए, और अपनी जिम्मेदारियों को कैसे निभाना चाहिए, इस बारे में सेवा नियमों का पालन करना चाहिए था। लेकिन अरविंद कुमार उन नियमों का पालन किये बिना और मांगी गई जानकारी न देकर एक राजनेता के रूप में काम कर रहे हैं। अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियम 1968 के अनुसार, एक आईएएस अधिकारी को राजनीतिक उद्देश्यों के बिना निष्पक्ष रूप से कार्य करना चाहिए। लेकिन सत्ता पक्ष की तरफ से अरविंद कुमार बोल रहे हैं। नेहरू ओआरआर का आधा हिस्सा मल्काजगिरी संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जिसका मैं सांसद के रूप में प्रतिनिधित्व करता हूं। अधिक आय प्राप्त होने की संभावना होते हुए भी बिना सोचे-समझे सरकार की आय से खिलवाड़ किया गया है और केवल 7380 करोड़ रुपये में 30 वर्षों के लिए ओआरआर टोल संग्रह का टेंडर आरआरबी को दिया गया है। इसके अलावा, आईआरबी निविदा देने के दौरान सभी नियमों का मनमाने ढंग से उल्लंघन किया गया। एचएमडीए मास्टर प्लान 2031 में समाप्त हो जाएगा।

अगर इसे 30 साल के लिए पट्टे पर दिया गया है और मास्टर प्लान 2031 के बाद बदल जाएगा, तो इससे समस्याएं पैदा होंगी। इसके अलावा देश में किसी भी सड़क को 15-20 साल से ज्यादा का समय नहीं दिया गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग ने सुझाव दिया है कि निविदा अवधि 30 वर्ष की लंबी अवधि के बजाय 15-20 वर्ष होनी चाहिए।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

सार्वजनिक ई-निविदा सूचना सं. सी/ई.29/इले/जीएस/एससी/3/पीए/ओटी/2023-24 दिनांक : 12-06-2023 पीयूबी/0616

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए 04-07-2023 को 15 : 00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम सं. :- 1 ई-निविदा सं. : ई-निविदा सं. सी/ई 29/इले/जीएस/एससी/3/ओटी/2023-24, ई-निविदा सं. सी-ई-जीएस-एससी-3-ओटी-2023-24, **कार्य का नाम** : सिकंदराबाद डिवीजन - गति शक्ति (i) एचएफजेड-अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशन बिल्डिंग, फकाद, टॉयलेट ब्लॉक, पोर्टिको/पोर्च, सर्कुलेटिंग एरिया, लैंड स्केपिंग इत्यादि का अपग्रेडेशन, (ii) एचटीसीवाई - अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशन बिल्डिंग, फकाद, टॉयलेट ब्लॉक, पोर्टिको/पोर्च, सर्कुलेटिंग एरिया, लैंडस्केपिंक इत्यादि का अपग्रेडेशन, (iii) केआरएमआर-अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशन बिल्डिंग, फकाद, टॉयलेट ब्लॉक, पोर्टिको/पोर्च, सर्कुलेटिंग एरिया, लैंडस्केपिंक इत्यादि का अपग्रेडेशन- विद्युतीय व्यवस्था, **निविदा मूल्य** : रु. 2,21,53,401.44, **पूधरा** : 2,60,800.00, **सीटीएफ** : 0.00, **पूरा करने की अवधि** : 9 महीने।

डिप्टी चीफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (गति शक्ति) सिकंदराबाद

सार्वजनिक ई-निविदा सूचना सं. सी/ई.29/इले/एम/एससी/11/पीए/ ओटी/2023-24,दि. 11-06-2023 पीयूबी/0617

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा नीचे दिए गए कार्य के लिए 04-07-2023 को 15-00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

क्र.सं. 1. **ई-निविदा सं.** : ई-निविदा सं. सी/ई 29/इले/एम/एससी/11/पीए/ओटी/2023-24 ई-निविदा सं. ई-एम-एससी-11-ओटी-2023-24 **कार्य का नाम** : सिकंदराबाद डिवीजन - विद्युतीय रख-रखाव विभाग (i) पश्चिम सेक्शन (वीकेबी, पीआरएलआई, टीडीयू, बीआईडीआर), मध्य सेक्शन (केजेडजे) दक्षिण सेक्शन (डब्ल्यूएल एवं केएमटी) एवं उत्तर सेक्शन (आरडीएम) पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रैम्प के साथ 12 एम चौडे एफओबी का प्रावधान, (ii) अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पश्चिम सेक्शन (वीकेबी, टीडीयू, पीआरएलआई, बीआईडीआर एवं जेडबी), दक्षिण सेक्शन (डब्ल्यूएल, केएमटी, एमएबीडी, एमडीआर एवं बीडीसीआर), उत्तर सेक्शन (एमसीआई, पीडीपीएल एवं आरडीएन) एवं मध्य सेक्शन (केजेडजे, जेडएन एवं वाईडीडी) स्टेशनों पर सीओपीस का प्रावधान-विद्युतीय व्यवस्था **निविदा मूल्य** : रु. 4,58,57,316.06, **पूर्व धरोहर राशि** : रु. 3,79,300.00, **निविदा पत्र का मूल्य**: रु. 0.00, **पूरा करने की अवधि** : 9 महीने।

वरि. मंडलीय विद्युतीय अभियंता, (रखरखाव)/ सिकन्दराबाद

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (http://ireps.gov.in के माध्यम से) पीयूबी/0618

भारत के राष्ट्रपति की ओर से चीफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (निर्माण), दक्षिण मध्य रेलवे, सिकन्दराबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए निविदाकरण के एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदा आमंत्रित है।

क्र.सं.1 एनआईटी सं. : निविदा सं. 01-2023-2024-ई-जीएस-सीएन-जीटीएल, **कार्य का नाम** : **निविदा सं.** : **01-2023-2024-ई-जीएस-सीएन- जीटीएल** : विद्युतीय निर्माण /जीटीएल : गुंटकल डिवीज़न : विद्युतीकरण परियोजना के साथ गुंटूर-गुंटकल डबलिंग (401.47 किमी) के भाग के रूप में मलकापुरम-धोन के बीच विभिन्न स्थानों पर विद्यमान पॉवर लाइन क्रांसिंग्स (1 केवी ओएच सामानांतर लाइंस शिफ्टिंग के 15 स्पैन के साथ 2 नग 11 केवी एचटी पीएलसी के शिफ्टिंग/मोडिफिकेशन सहित एमएल - डीएचएनई के बीच सबमर्सिबल पम्प्स, कंट्रोल पैनेल्स एवं ट्रांसफॉर्मर के साथ पंप हाउस की प्रस्तावित शिफ्टिंग के लिए विद्युतीय व्यवस्था एवं आईबी हट के लिए व्यवस्था विद्युतीय व्यवस्था **विवरण** : **अनुमानित मूल्य** : रु. 77,24,858.10/- **पूधरा** : रु. 1,54,500.00/- **निविदा दस्तावेज का मूल्य** : नगण्य, **पूरा होने की अवधि** : 06 (छह) महीने, **बंद होने की तिथि** : 30/06/2023 को 15:00 बजे

1) बोली दस्तावेज एवं अन्य विवरणों के लिए कृपया वेबसाइट http://ireps.gov.in को लॉगइन करें।

2) पूर्व धरोहर राशि एवं निविदा दस्तावेज़ के मूल्य का भुगतान केवल आईआरईपीएस में ऑनलाइन उपलब्ध कराए गये नेट बैंकिंग/पेमेन्ट गेटवे सुविधाओं के माध्यम से करना होगा।

3) निविदादाता अपने प्रस्ताव निविदा प्रस्तुत करने की अवधि, जो निविदा बंद होने को तिथि से पंद्रह दिन पूर्व है, में ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं।

4) निविदादाताओं को निविदा प्रस्तुत करने की अवधि प्रारंभ होने की तिथि तक किसी शुद्धिपत्र (केवल ऑनलाइन जारी किए हुए) के लिए देखना होगा।

डिप्टी चीफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, (कंस्ट्रक्शन),सिकन्दराबाद

ई-निविदा सूचना सं. 16-डिप्टी सीई-जीएस-जीएनटी दि. 10-06-2023 पीयूबी/0619

अधोहस्ताक्षरी द्वारा नीचे उल्लेखित कोर्चों के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं। (ए) क्रम सं. 1 एवं 2 के लिए 03-07-2023 को 15:30 बजे खोली जाएगी (बी) क्रम सं. 3 के लिए 26-06-2023 को 15:30 बजे खोली जाएगी।

क्रम सं. 1 निविदा आईडी : 40 सेक्शन : डिप्टी सीई/जीएस/जीएसटी, **कार्य का विवरण** : अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्ग गुंटूर डिवीजन के नंदियाल एवं गिद्दालुरु (2 स्टेशनों) के सर्कुलेटिंग एरिया एवं स्टेशन अप्रोचों में सुधार **अनुमानित मूल्य** : रु. 8,94,91,625.92 **पूधरा** : रु. 5,97,500.00

क्रम सं. 2 निविदा आईडी : 41 सेक्शन : डिप्टी सीई/जीएस/जीएनटी **कार्य का विवरण** : अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत गुंटूर डिवीजन के कंबम एवं मार्कापुर (2 स्टेशनों) के सर्कुलेटिंग एरिया, स्टेशन अप्रोचो में सुधार, **अनुमानित मूल्य** : 8,92,04,745.92 **पूधरा** : रु. 5,96,000.00

क्रम सं. 3 निविदा आईडी : 42 सेक्शन : डिप्टी सीई/जीएस/जीएनटी, **कार्य का विवरण** : जीएनटी डिवीज़न में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशन्स (आरएएल-2, पीजीआरएल-2 एवं वीकेएस-2) पर 06 नग यात्री लिफ्ट का प्रावधान। **अनुमानित मूल्य** : 1,60,40,367.43, **पूधरा** : रु. 2,30,200.00

1. क्र.सं. 1 एवं 2 के लिए ई-बोलियों को ऑनलाइन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 03-07-2023 को 15.30 बदजे तक है एवं क्रम सं. 03 के लिए 26-06-2023 को 15.30 बजे तक है। विस्तृत जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in को लॉगऑन करें।

2. किसी अतिरिक्त संसूचना/शुद्धिपत्र को ई-पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से सूचित किया जाएगा।

डिप्टी चीफ इंजीनियर, गति शक्ति, गुंटूर

सं. एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू-III/ निविदा सूचना/2023-24 दिनांक : 09-06-2023 पीयूबी/0620

निविदा के विवरण पहले ही www.ireps.gov.in पर अपलोड किए गए हैं।

क्र.सं. 01. निविदा सं. : टी-202324-2-018, **अथारिटी** : को-आर्ड, **निविदा मूल्य** : रु. 82,95,297.80, **पूर्व धरोहर राशि** : रु. 1,65,900.00, **पूरा करने की अवधि** : बारह महीने, **कार्य का विवरण** : एमयूई-पीएयू सेक्शन के बीच डबलिंग के रखरखाव के लिए नांदेड़ पर पीडब्ल्यूआई कार्यालय, यूएसएफडी, टेस्ट आफ़िस, स्माल ट्रैक मशीन कार्यालय एवं स्टोर्स का निर्माण, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : रु. 0.

क्र.सं. 1. निविदा सं. टी-202324-2-018, **समानान्तर स्वभाव का कार्य (रु. 50 लाख से अधिक लागत के लिए)** : समानांतर स्वभाव के कार्य की परिभाषा : कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्यों/ जोनल कार्य को छोड़कर)

उपरोक्त निविदा 03-07-2023 को 15.00 बजे बंद होगी।

सीनि. डीईएन/को-आर्ड/ नांदेड़

सं.: डिप्टी सीईई-जीएस-बीजेडए-12-2023-24 दिनांक : 08-06-2023 पीयूबी/0621

(ireps.gov.in के माध्यम से)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, डिवीज़नल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, गति शक्ति, दक्षिण मध्य रेलवे, विजयवाड़ा द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए निविदाकरण की सार्वजनिक निविदा /एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदा आमंत्रित है।

क्र.सं. 1. निविदा सं. : बीजेडए-जीएसयू-इले-12-2023-24, दि. 08-06-2023, **कार्य का विवरण** : बीजेडए डिवीज़न - गति शक्ति यूनिट - गति शक्ति यूनिट, विजयवाड़ा डिवीज़न की परियोजनाओं के लिए प्रोजेक्ट सुपरविजन सर्विस (पीएसएस) **निविदा मूल्य** : रु. 1,48,35,132.18, **पूर्व धरोहर राशि** : रु. 2,24,200.00, **पूरा करने की अवधि** : 270 दिन, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : रु. नगण्य, **बंद होने की तिथि एवं समय** : 10-07-2023 को 15.00 बजे.

1. बोली दस्तावेज़ एवं अन्य विवरणों के लिए कृपया वेबसाइट https://ireps. gov.in को लॉगइन करें।

2. पूर्व धरोहर राशि एवं निविदा दस्तावेज़ों के मूल्य का भुगतान आईआरईपीएस में ऑनलाइन उपलब्ध कराये गये नेट बैंकिंग /पेमेंट गेटवे सुविधाओं के माध्यम से ही करना होगा।

3. निविदादाता अपने प्रस्ताव निविदा प्रस्तुत करने /बोली की अवधि, जो निविदा बंद होने की तिथि से पंद्रह दिन पूर्व है, में ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं।

4. निविदादाताओं को किसी भी प्रकार के शुद्धिपत्र (केवल ऑनलाइन जारी) के लिए निविदा प्रस्तुति/ बोली अवधि शुरू होने की तिथि तक देखना होगा।

डिवीज़नल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, गति शक्ति, विजयवाड़ा

A0885

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, kolloori sathyanarayana, No.15160833P, Rank hav of 217 med Regt (SP) c/o 56 Apo. R/o:H. no.9-5-122/C/3, Ramdevguda, Golkonda, hyd. changed my name from "kolloori Sathyanarayana to Kalluri Sathyanarayana"

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

द्वितीय पुण्यतिथि

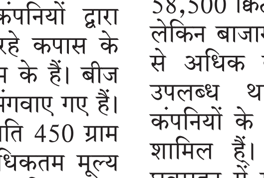

स्व.श्री हिरालाल काग (बबलू)

:सुपुत्र: श्री मोहनलालजी काग

स्वर्गवास: 14.06.2021

मीठी मधुर स्मृतियां आपकी, कभी नहीं मिट पायेगी।
आपका व्यवहार, आपकी बातें, हमे सदैव याद आयेंगी।।

: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :

यशोदादेवी (माता), मेघाराम-उगीयादेवी (काका-काकी), कंचनदेवी (पत्नी), गतीक (सुपुत्र), कमला-खंगारजी (भुआ-भुरोसा), गणेशराम-अनीता, सुरेश-कविता, नरेश-सीमा (भाई-भाभी), कविता-कुन्दनजी, ज्योती-नवीनजी, अनिता-प्रवीणजी (बहन-बहनोई), विहर्ष काग (भतीजा)

एवं समस्त काग परिवार

:फर्म: **चौधरी इलेक्ट्रीकल्स एंड सेनेटरी**

प्लॉट नं.23, क्रिस्टारेड्डीपेट, बिरमगुडा, अमीनपुर, संगारेड्डी, हैदराबाद, तेलंगाना 7287885401

P.Solankey

मायावती ने भाजपा-कांग्रेस पर साधा निशाना
कहा- दोनों में सॉफ्ट हिंदुत्व की लगी होड़

लखनऊ, 13 जून (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने मंगलवार को लखनऊ स्थित अपने आवास पर एक बयान जारी किया कि आजकल कांग्रेस और भाजपा में यह होड़ लगी हुई है कि कौन बड़ा हिंदुत्ववादी है। कौन बड़ा हिंदू भक्त है। इसी के चक्कर में पूजा पाठ में दोनों अपने आपको माहिर दिखा रहे हैं। इसका साफ मतलब यह है कि इससे बाकी अन्य धर्म की उपेक्षा की जा रही है।

यह संविधान की मंशा के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में हिंदुओं के अलावा मुस्लिम, सिख, ईसाई, पारसी आदि धर्म के लोग भी रहते हैं और सभी दलों को इनका भी बराबर सम्मान और ध्यान रखना चाहिए। साथ ही सभी ऐतिहासिक स्थलों को भी सुरक्षित रखना चाहिए क्योंकि आजकल ऐतिहासिक स्थलों के साथ भी छेड़छाड़ की जा रही है। मायावती ने कहा कि राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मध्य प्रदेश में दलित और आदिवासियों का उत्पीड़न हो रहा है। जल्द हो रहे विधानसभा चुनाव में इन चारों राज्यों में बसपा यह मुद्दा उठाएगी। इसके प्रति जनता को जागरूक करेगी। वहां के लिए पार्टी ने राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद और मुख्य कोऑर्डिनेटर राम जी गौतम को लगाया है।

14 साल पुराने गैंगस्टर मामले में मुख्तार अंसारी पर फैसला टला, अगली सुनवाई 15 जुलाई को

गाजीपुर, 13 जून (एजेंसियां)। गैंगस्टर से नेता बने माफिया मुख्तार अंसारी की किस्मत का फैसला मंगलवार को नहीं हो सका। गाजीपुर जिले की एमपी-एमएलए कोर्ट में माफिया मुख्तार अंसारी के खिलाफ करंडा थाना में दर्ज गैंगस्टर के मामले में फैसला टल गया। अधिवक्ताओं के हड़ताल और जज के अवकाश पर रहने के कारण कोर्ट की कार्यवाही नहीं हुई। फैसले के लिए अब 15 जुलाई की तिथि तय की गई है। गैंगस्टर का यह मामला कपिलदेव सिंह की हत्या को लेकर दर्ज कराया गया था। इस मामले की सुनवाई पूरी हो चुकी है। फैसले के लिए पत्रावली सुरक्षित रख ली गई थी। गाजीपुर जिले की एमपी-एमएलए कोर्ट में मुख्तार के खिलाफ दो मामले विचारधीन हैं। हालांकि पिछले नौ महीने में मुख्तार अंसारी के तीन मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट ने फैसला सुनाया है। जिसमें से गैंगस्टर के दो मामले में मुख्तार को 10-10 साल की सजा और जुर्माना हुआ है। साथ ही मुहम्मदाबाद के बहुचर्चित मीर हसन के हत्या के प्रयास के मामले में मुख्तार को दोषमुक्त किया गया। वहीं, 13 जून को करंडा थाना में कपिल देव सिंह हत्या को लेकर मुख्तार के खिलाफ दर्ज गैंगस्टर के मामले में आज फैसला आना है। हाल ही में वाराणसी की एमपी-एमएलए कोर्ट ने अवधेश राय हत्याकांड में मुख्तार अंसारी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। वर्ष 2009 में करंडा के सबुआ निवासी कपिलदेव सिंह हत्याकांड और मुहम्मदाबाद के मीर हसन हत्या के प्रयास की साजिश के मामले को गैंगचार्ट में शामिल कर मुहम्मदाबाद पुलिस ने मुख्तार के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया था। कपिलदेव सिंह हत्याकांड में मुख्तार पहले ही बरी हो चुका है। वहीं मीर हसन हत्या के प्रयास के मामले में भी बीते 17 मई को बरी हो चुका है। आज इसी मामले में कोर्ट अपना फैसला सुनाना था।

अब मिर्ची स्प्रे से शराब कारोबारियों पर नकेल कसने की तैयारी में पुलिस

पटना, 13 जून (एजेंसियां)। बिहार में शराबबंदी को सफल बनाने के लिए पुलिस अब बंदूक और गोली के साथ मिर्ची का पाउडर भी लेकर चलेगी, जो शराब कारोबारी पुलिस पर हमला करेंगे या छापेमारी के दौरान शराब कारोबारी के परिजन महिला और बच्चे विरोध करेंगे उन पर पुलिस लाठी-डंडे नहीं बल्कि मिर्ची पाउडर का स्प्रे करेगी।मध निषेध विभाग के संयुक्त आयुक्त कृष्ण पासवान ने बताया कि ऐसा देखने को मिल रहा है कि जब अवैध शराब की बिक्री या बनाने करने वाले पर छापेमारी करने के लिए पुलिस जाती है तो पुलिस पर हमला किया जाता है और महिलाएं, बच्चे गाड़ी के आगे आ जाते हैं और विरोध करते हैं, जिसके कारण मुख्य आरोपी फरार हो जाते हैं।

हम कलम बांट रहे तो कुछ तलवार बांटने में जुटे हैं

तेजस्वी यादव का इशारों में तंज बोले- अपने बूते कर रहे काम

पटना, 13 जून (एजेंसियां)। बिहार में अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार देने के मोर्चे पर नीतीश सरकार अपनी पीठ थपथपा रही है। डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि हम दो लाख लोगों को नौकरी देने जा रहे हैं। देश में कोई ऐसा राज्य नहीं जो एक साथ इतनी नौकरी दे रहा हो। आगे भी हम नौकरी देंगे। उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने इशारों-इशारों में भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि हम कलम बांट रहे हैं, लेकिन कुछ लोग तलवार बांटने में जुटे हैं। हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। उन्होंने दावा किया कि 10 लाख नौकरी और 10 लाख रोजगार देने के वायदे पर सरकार काम कर रही है। अधिवेशन भवन में विज्ञान व प्रावैधिकी विभाग के सहायक प्राध्यापकों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बगैर बिहार के विकास के बगैर देश आगे नहीं बढ़ सकता है। बिहार सीमित संसाधनों के बाद भी सबसे तेजी से आगे बढ़ रहा है। यदि हमें विशेष राज्य का दर्जा मिल जाए तो हम शीर्ष राज्य बन सकते हैं। फिर भी हम अपने बूते काम कर रहे हैं और तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। तेजस्वी ने कहा कि आज देश-दुनिया की कोई बड़ी और प्रतिष्ठित कंपनी नहीं है, जहां बिहार की प्रतिभा काम नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार के राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों और पॉलिटेक्निक संस्थानों जैसी शैक्षणिक आधारभूत संरचना देश के किसी राज्य में नहीं है। बिहार में लगातार अच्छे संस्थानों की संख्या बढ़ रही है। हालांकि, हमारी कोई बात नहीं करता है। इस मामले में भी राजनीति होती है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय जनता दल की अगुवाई कर रहे डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने 2020 के विधानसभा चुनाव में 10 लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने का वादा किया था। इसी मुहिम के तहत राज्य में 1.70 लाख से अधिक सरकारी टीचर की भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

सहारनपुर में गांजा के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार, 81 किलोग्राम गांजा बरामद

सहारनपुर, 13 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में दो लोगों की गिरफ्तारी के साथ, गंगोह थाना पुलिस ने एक अंतर्राज्यीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ करने का दावा किया और कार की पिछली सीट के एक जगह में छिपाकर लगभग 81 किलोग्राम मारिजुआना बरामद किया। आरोपी की पहचान हरदोई और सहारनपुर रहने के वाले शिवम् मिश्रा और नीटू के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, नशीले पदार्थ (गांजा) की खेप की डिलीवरी के संबंध में सूचना मिली थी और यह भी स्थापित किया गया था कि यह खेप एक सेन्ट्रो कार में जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (देहात) सागर जैन ने सोमवार को कहा, स्थानीय पुलिस को आरोपियों के बारे में नशे की खरीद-फरोख्त करने की सूचना मिली और रविवार को माजरी तिराहे के पास चेकिंग अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि चेकिंग के दौरान कार की जांच करने पर पाया गया कि कार की पीछे की सीट कुछ ज्यादा ऊंची थी। संदेह होने पर जांच की गई तो नीचे लोहे की प्लेट से ढकी हुई एक छिपी हुई जगह है, जिसे पेंच के जरिए फिक्स किया गया था।

दरभंगा एम्स निर्माण पर फिर ग्रहण, केंद्र और राज्य सरकार भूमि को लेकर आमने-सामने

पटना, 13 जून (एजेंसियां)। बिहार के दरभंगा में प्रस्तावित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) निर्माण को फिर से एकबार ग्रहण लगता दिख रहा है।निर्माण होने वाली भूमि को लेकर केंद्र सरकार और राज्य सरकार आमने -सामने दिख रही है।बताया जाता है कि बिहार सरकार ने दरभंगा के जिस शोभन क्षेत्र में एम्स निर्माण के लिए करीब 150 एकड़ भूमि दी है, उसे केंद्र सरकार ने खारिज कर दिया है।इसके बाद भले दोनों पक्षों के बीच बयानबाजी प्रारंभ हो गई है, लेकिन लोगों को दरभंगा में एम्स निर्माण के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा।बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का दावा है कि शोभन के पास एम्स निर्माण के

लिए जो भूमि आवंटित की गई है वह पूरी तरह उपयुक्त है।उन्होंने कहा कि फिलहाल जो वहां दो लेन का रास्ता है उसे चार लेन का किया जाएगा।उन्होंने कहा कि यह जगह पढ़ाई के लिए अच्छी हो जाएगी और बाहर से यहां आनेवालों को भी काफी सहूलियत होगी।उन्होंने कहा कि इससे शहर को भी फैलाव मिलेगा।इधर, बिहार के उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी का कहना है कि नीतीश कुमार के अहंकार और महागठबंधन सरकार में राजद-जदयू के बीच खींचतान के चलते उत्तर बिहार के लाखों लोग 2000 करोड़ रुपये से बनने वाले दरभंगा एम्स के रूप में केंद्र सरकार की बड़ी सौगात पाने से वंचित रह गए।मोदी ने कहा कि दरभंगा में एम्स बनाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नहीं मिले, इसलिए पहले दो साल तक तो मुख्यमंत्री इस बात अड़े रहे कि दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (डीएमसीएच) को ही अपग्रेड कर एम्स बना दिया जाए।बाद में बिहार सरकार दरभंगा एम्स के लिए डीएमसीएच परिसर में ही 150 एकड़ जमीन देने पर राजी हो गई।82 एकड़ जमीन आवंटित भी कर दी गई थी।इस बीच, लालू प्रसाद के नजदीकी भोला यादव ने अशोक पेपर मिल (हायाघाट) की जमीन पर एम्स बनने की घोषणा कर दी, तब इसके जवाब में जदयू के लोग शोभन में एम्स बनवाने के लिए सक्रिय हुए।मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार के इशारे पर मधेपुरा के दिनेशचंद्र यादव सहित दो दर्जन जदयू सांसदों ने केंद्र सरकार को ज्ञापन देकर दरभंगा के बजाय सहरसा में एम्स बनवाने की मांग कर दी।उन्होंने कहा कि बाद में जदयू के दबाव में बिहार सरकार ने शोभन में जो 151 भूमि आवंटित की, वह एम्स का भवन बनाने के लिए उपयुक्त नहीं पायी गई।उन्होंने कहा कि शोभन की 20-30 फीट गड्ढे और जल-जमाव वाली जमीन का निरीक्षण करने बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम ने इसे अस्वीकार कर दिया और कोई दूसरी भूमि आवंटित करने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि बिहार की राजधानी पटना में पहले से एम्स है। दरभंगा में दूसरा एम्स बनना है.

मुस्लिम युवती ने शादी कर अपनाया हिंदू धर्म, अब पुलिस कर रही टॉर्चर; सीएम योगी और बाबा बागेश्वर से की मदद की अपील

कुशीनगर, 13 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में मुस्लिम युवती ने हिंदू युवक से शादी के बाद सनातन धर्म अपना लिया। युवती ने हिंदू धर्म स्वीकार करने पर कुशीनगर के रवीन्द्र नगर थाने की पुलिस पर टॉर्चर करने का आरोप भी लगाया है। प्रेम संबंध में घर से भाग कर दोनों ने शादी की थी। इसके बाद से पुलिस इन जोड़े को परेशान करने में लगी हुई थी। युवती ने पुलिस पर युवक के घर वालों को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। युवती ने बताया कि आपसी सहमति से दोनों शादी कर चुके हैं। युवती ने वीडियो बना कर सीएम योगी और पीएम मोदी से मदद की अपील की है।

'खुद छोड़ा ससुराल'- पति से अलग रह रही पत्नी को गुजारा भत्ता नहीं देने का इलाहाबाद एचसी का आदेश

इलाहाबाद, 13 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपने एक फैसले में एक महिला को गुजारा भत्ता देने से इनकार कर दिया है, क्योंकि उसने कहा था कि उसने अपनी मर्जी से ससुराल छोड़ा था।न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की एकल-न्यायाधीश की पीठ द्वारा दिए गए आदेश में कहा गया है: "सीआरपीसी की धारा 125 (4) के प्रावधान के तहत यह बिल्कुल स्पष्ट है कि यदि कोई पत्नी अपने पति के साथ रहने से इंकार करती है तो उसे अपने पति से भरण-पोषण लेने का कोई अधिकार नहीं होगा." आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआर.पी.सी) की धारा 125(4) कहती है कि "कोई भी पत्नी इस धारा के तहत अपने पति से भत्ता प्राप्त करने की हकदार नहीं होगी यदि वह बिना किसी पर्याप्त कारण के अपने पति के साथ रहने से इंकार करती है, या अगर वे आपसी सहमति से अलग रह रहे हैं।हाईकोर्ट पिछले साल अगस्त में मथुरा की एक फैमिली कोर्ट द्वारा पारित एक आदेश को चुनौती देने के लिए उनके पति द्वारा दायर एक पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें उसे जीवन यापन के लिए रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया गया था।फैमिली कोर्ट ने उसे पत्नी को 10,000 रुपए प्रति महीने गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था।हाईकोर्ट में पति की ओर से पक्ष अधिवक्ता अभिनव गौर ले रहे थे।1 जून को पारित उच्च न्यायालय के आदेश में, न्यायाधीश ने कहा कि पत्नी ने दिसंबर 2017 में ससुराल छोड़ दिया था।उन्होंने तब कहा, चूंकि वह अपनी मर्जी से गई थी, इसलिए वह धारा 125 (4) सीआर.पी.सी के अनुसार रखरखाव का लाभ पाने का हकदार नहीं है." हाईकोर्ट ने निचली अदालत के आदेश को यह कहते हुए रद्द कर दिया कि यह आदेश "अवैधता और विकृति से ग्रस्त है"। अपनी ओर से, पत्नी ने दावा किया था कि उसने अपने वैवाहिक घर को अपनी मर्जी से नहीं छोड़ा था और उसने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उसे "ताना मारा जा रहा था और अधिक दहेज लाने के लिए कहा जा रहा था".

पत्नी ने लगाया दहेज प्रताड़ना का आरोप

उच्च न्यायालय में दायर याचिका के अनुसार कपल दिसंबर 2015 में शादी के बंधन में बंधे थे। याचिका में कहा गया है कि पत्नी ने दिसंबर 2017 में एक मेडिकल टेस्ट भी करवाया था जिसके कारण वह गर्भधारण नहीं कर सकी। दिप्रिंट ने याचिका की कॉपी देखी है। याचिका के अनुसार, पति ने उसी महीने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें महिला और उसके परिवार पर उसके और उसके परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया था।इसके बाद प्राथमिकी दर्ज की गई थी।उन्होंने आखिरकार जनवरी 2018 में तलाक के लिए अर्जी दाखिल की। उसी साल फरवरी में, पत्नी ने पति और उसके रिश्तेदारों पर भारतीय दंड संहिता के तहत क्रूरता (धारा 498ए) स्वेच्छा से चोट पहुंचाना (323), आपराधिक धमकी (506), गर्भपात महिला की सहमति के बिना कराने (313) और अप्राकृतिक अपराध (377), दहेज निषेध अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के साथ विभिन्न अपराधों का आरोप लगाते हुए एक क्रॉस-शिकायत दर्ज की थी।

प्रचंड गर्मी से अभी नहीं मिलेगी राहत, मौसम विभाग ने लू चलने का यलो अलर्ट जारी

लखनऊप्रचंड गर्मी से परेशान उत्तर प्रदेश के लोगों को फिलहाल राहत मिलने के आसार नहीं दिख रहे। सोमवार को गोरखपुर, झांसी, बस्ती और प्रयागराज लू की चपेट में रहे। झांसी शहर 45.6 डिग्री सेल्सियस पारे में तपा, जबकि प्रयागराज में भी दिन का अधिकतम तापमान 45.1 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई क्षेत्रों में लू चलने का येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रविदास नगर, गाजीपुर, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, आगरा, जालौन, झांसी, ललितपुर और आसपास के इलाकों के लिए लू चलने का अलर्ट जारी किया है। दूसरी ओर, झांसी और प्रयागराज के अलावा प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में पारा सामान्य से अधिक रहा।

रात का चढ़ता पारा, दिन को और बना रहा गर्म

वहीं, रात का चढ़ता पारा, राजधानी लखनऊ में दिन को और भी गर्म बना रहा है। झुलसाने वाली इस गर्मी से फिलहाल राहत मिलने के आसार नहीं हैं। सोमवार को दिन का तापमान 41 डिग्री सेल्सियस, तो रात का 29.4 डिग्री दर्ज हुआ। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक तीन कारणों की वजह से स्थिर पारे के बीच भी लोगों को भीषण गर्मी का अहसास हो रहा है। पश्चिमी विक्षोभ की निष्क्रियता और पछुआ हवा की वजह से दिन में गर्मी बढ़ रही है। तीसरा प्रमुख कारण है रात के पारे में बढ़ोतरी होना। न्यूनतम तापमान अधिक होने से दिन की शुरुआत ही गर्म होती है। दिन चढ़ने के साथ ही इसमें बढ़ोतरी होने लगती है। **फिलहाल मानसून दूर:** अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, फिलहाल मानसून प्रदेश में कब प्रवेश करेगा इसे लेकर कुछ कहा नहीं जा सकता है। लगातार मॉनिटरिंग जारी है।

ओपी राजभर की क्या फिर एनडीए में होगी वापसी? बेटे की शादी की बधाई देने घर पहुंचे भूपेंद्र सिंह चौधरी

वाराणसी, 13 जून (एजेंसियां)। सुभासपा अध्यक्ष व पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर के छोटे बेटे अरुण की शादी सियासी गलियारे में चर्चा के केंद्र में है। बरात 11 को गई थी और आज रिसेप्शन पार्टी है। ऐसे में प्रदेश के बड़े नेताओं का राजभर के वाराणसी के फत्तेहपुर गांव स्थित आवास पर जमावड़ा लगना शुरू हो गया है। बीजेपी यूपी के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी मंगलवार सुबह फत्तेहपुर गांव पहुंचे और नवविहाति जोड़े को आशीर्वाद दिया। इस दौरान काफी देर तक दोनों नेताओं ने चर्चा की और एक दूसरे का हालचाल जाना। इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री गिरीश यादव समेत कई अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ओपी राजभर को बधाई पत्र भेज कर इस शादी के शुभकामनाएं दीं थीं। यूपी चुनाव के दौरान समाजवादी पार्टी के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन में शामिल रही सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) क्या फिर से बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए में शामिल होगी? भूपेंद्र सिंह चौधरी और ओमप्रकाश राजभर की मुलाकात के बाद इन अटकलों को हवा तेज हो गई है। कयास लगाए जा रहे हैं कि सुभासपा अध्यक्ष लोकसभा चुनाव 2024 से पहले फिर से एनडीए में वापसी करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और सुभासपा प्रमुख की मुलाकात के दौरान क्या बातचीत हुई, इस संबंध में अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। पुराने गठबंधन सहयोगियों के बीच फिर से साथ आने की दिशा में बड़े कदम के तौर पर देखा जा रहा है। ओपी राजभर ने उत्तर प्रदेश का पिछला विधानसभा चुनाव समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में लड़ा था।

प्रयागराज: लग्जरी कार में पहुंचे चोर, बकरी चुराकर फरार

प्रयागराज, 13 जून (एजेंसियां)। यूपी के प्रयागराज के धूमनगंज थाना क्षेत्र के कसारी मसारी इलाके में सुबह एक विचित्र घटना में चोर एक लग्जरी कार में पहुंचे और बकरी उठा कर फरार हो गए.। जिसके बाद बकरी के मालिक और स्थानीय लोगों ने कार का पीछा किया लेकिन चोरों को पकड़ने में नाकाम रहे। इधर घटना का एक सीसीटीवी फूटेज वायरल हो रहा है। लग्जरी कार से उतर कर

बकरी उड़ायी कसारी मसारी निवासी मंसूर आलम ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में कहा है कि सुबह करीब नौ बजे उनके घर के गेट के बाहर उनकी बकरी बंधी हुई थी, तभी एक लग्जरी कार सवार कुछ लोग उनके घर के बाहर रुके। कार से दो व्यक्ति निकले और बकरी को वाहन के अंदर खींच कर जागृति चौराहे की ओर भाग गए. लोगों ने चोरों का किया पीछा जिसके बाद मंसूर घर से बाहर निकला और मोहल्ले के अन्य लोगों के साथ कार के पीछे भागा लेकिन कार को तेजी से चला रहे चोरों को पकड़ने में नाकाम रहा। मंसूर ने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को फोन कर घटना की जानकारी दी।तेज रफ्तार कार और बकरी की कुछ फुटेज मोहल्ले में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई. वहीं धूमनगंज पुलिस ने कहा कि जांच के बाद इस संबंध में आगे की कार्रवाई की जाएगी।गौरतलब है कि ईद-उल-अजहा के त्योहार से पहले बकरों की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है।बकरियों को उनके आकार, वजन और सुंदरता के आधार पर 5,000 से 1,00,000 तक में बेचा जाता है.

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले बोले- '3 से 4 सीटों पर हम करेंगे बीजेपी से बात, 2024 के चुनाव में मिलेगी सफलता'

बुलंदशहर, 13 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय राज्य मंत्री एवं रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास आठवले यूपी के बुलंदशहर जनपद पहुंचे, जहां उन्होंने कृषि वेस्टेज से बायोगैस तैयार करने वाले प्लांट का शिलान्यास किया।इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और अन्य विरोधी दलों पर जोरदार हमला किया।आठवले ने कहा कि हमारी पार्टी अपना जनादार बढ़ाने की कोशिश कर रही है, आरपीआई बहुजन समाज पार्टी का अल्टनेट बन गई है।हम दलित, ओबीसी माइनॉरिटी और स्वर्ण समाज के लोग जो बाबासाहेब अंबेडकर जी को मानते हैं उन्हें इकट्ठा करने की कोशिश कर रहे हैं।आरपीआई नेता ने कहा, 2024 के चुनावों में बीजेपी के साथ बातचीत करके 3 से 4 सीटों पर हम बातचीत करेंगे और अगर आरपीआई को सीटें मिलती है तो मुस्लिम बहुल एरिया में और दलित बहुल एरिया में हम उम्मीदवार खड़ा करेंगे।इससे बीजेपी को फायदा मिल सकता है।योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहा है।नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम पूरे देश को विकसित कर रहे हैं, इसलिए 2024 के चुनाव में हमें भारी सफलता मिलेगी.

कांग्रेस पर साधा निशाना

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए रामदास आठवले ने कहा, राहुल गांधी और प्रमोद तिवारी के दिमाग में यह हवा है कि कर्नाटक जीते हैं लेकिन लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी जी ने 9 साल में जो काम किए उनको देखकर वोटिंग होगी।मोदी जी के साथ आम आदमी, मिडिल क्लास, दलित, आदिवासी, ओबीसी और सवर्ण समाज के लोग हैं।एक-दो राज्य जीतने से वो 2024 में जीत जाएंगे ये उनका बचपना है।हमारी तैयारी जोरदार चल रही है। 9 साल में जो काम किया, उसे लोगों को बताया जा रहा है। 2024 में 350 से अधिक सीटें आएगी और मोदी की सरकार बनेगी। जितना विकास होगा उतना ही मोदी का फायदा होगा।

मोदी के नाम पर पड़ेंगे वोट

आठवले ने विपक्षी दलों कि एकता पर कहा, एक तरफ नरेंद्र मोदी का चेहरा है दूसरी तरफ सौ चहरे है।लोग जानते हैं नरेंद्र मोदी अच्छा काम कर रहे हैं और इन को हटाने के लिए सभी नेता एकजुट हो रहे है।नीतीश कुमार कभी इधर जाते हैं कभी उधर जाते हैं।हमारे साथी बहुत सारी पार्टियां हैं वह विपक्षी दलों के साथ नहीं है।नवीन पटनायक, जगन मोहन रेड्डी और भी ऐसे कई पार्टियां जो हमारे साथ हैं विपक्षियों के साथ नहीं हैं।विपक्ष कितनी कोशिश करें नरेंद्र मोदी को हराना आसान काम नहीं है।मैं जिसके साथ रहता हूं उसको सत्ता मिलती है।मुझे हवा का रुख मालूम होता है कब क्या निर्णय लेना है मैं बराबर निर्णय लेता हूं।आठवले ने कहा, कांग्रेस के साथ मैं तीन बार मेंबर ऑफ पार्लियामेंट रहा, लोकसभा का जब हवा का रुख बदला तो मैं नरेंद्र मोदी जी के साथ हूं।मोदी जी की हवा पूरे देश में आ गई थी। ये हवा और भी कई साल तक चलती रहेगी। इतनी जल्दी कम होने वाली नहीं है। 2024 का मैच हम जीतेंगे और 350 से ज्यादा सीटें हम निकलेंगे।

शस्त्र लाइसेंस नवीनीकरण के लिए बीजेपी विधायक को देनी पड़ी रिश्वत

असलहा बाबू ने कहा-बिना सुविधा शुल्क...

गाजियाबाद, 13 जून (एजेंसियां)। बुलंदशहर सदर के भाजपा विधायक प्रदीप चौधरी को शस्त्र लाइसेंस नवीनीकरण के लिए रिश्वत देनी पड़ी। गाजियाबाद के डीएम आरके सिंह को पत्र लिखकर उन्होंने बताया है कि तीन लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए शस्त्र लिपिक (असलाह बाबू) ने 35,500 रिश्वत में लिए। उन्होंने उसे अपना परिचय भी दिया। इस पर भी उसने उनकी एक न सुनी। उसके दुस्साहस की हद तो तब हो गई जब उसने बेखौफ अंदाज में इतना तक कह दिया कि बिना सुविधा शुल्क दिए कोई काम नहीं होगा। डीएम के निर्देश पर सीडीओ ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। विधायक का परिवार गाजियाबाद के इंदिरापुरम में रहता है। उनके और परिजनों के शस्त्र लाइसेंस भी गाजियाबाद से ही बने हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें अपनी पिस्टल, रायफल और भाई जीत पाल की पिस्टल के लाइसेंस का नवीनीकरण कराना था। इसका कुल शुल्क 12, 500 रुपये है लेकिन असलाह बाबू ने उनसे 48,000 रुपये मांगे। असलाह बाबू ने कहा कि जितनी रकम मांगी जा रही है, उतनी ही देनी होगी। मजबूरी में उन्हें पूरी रकम देनी पड़ी। उन्होंने 15 अप्रैल को इसकी शिकायत कर दी थी। डीएम का कहना है कि शिकायत मिलते ही जांच सीडीओ को सौंप दी गई है। उधर, असलाह बाबू शैलेष गुप्ता का कहना है कि शस्त्र लाइसेंस के नवीनीकरण से संबंधी कार्य कई दफ्तर में होता है।

रोहिंग्या और आतंकियों के शरणगाह बने बांग्लादेशी घुसपैठिए, देते हैं पनाह

कोलकाता, 13 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश से भारत के सीमावर्ती राज्यों पश्चिम बंगाल, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय, और असम से घुसपैठिए इस देश में प्रवेश करते हैं और घुसपैठ इन राज्यों की सबसे बड़ी राजनीतिक और सामाजिक समस्या बनकर उभरी है और एक राजनीतिक मुद्दा भी बना हुआ है, लेकिन राजनीति से इतर घुसपैठिए आतंकियों और रोहिंग्या को शरण देते हैं और उनके देश के विभिन्न इलाकों में प्रवेश के लिए पैसेज भी तैयार करते हैं। पश्चिम बंगाल में पिछले कुछ सालों में जितने भी आतंकी चाहे वह जमात-उल मुजाहिदीन बांग्लादेश या फिर अलकायदा के हो, खुफिया पूछताछ में खुलासा हुआ है कि इन आतंकियों ने बांग्लादेश से भारत की सीमाओं में घुसपैठ किये थे और यहां घुसपैठियों की मदद से अपना जाल बिछाया था और जब इनकी गिरफ्तारी हुई, तो उनका घुसपैठ का कनेक्शन सामने आया है। पिछले दिनों पश्चिम बंगाल में हुए विस्फोट में भी इन घुसपैठियों की मौजूदगी सामने आई है।

ट्विटर के पूर्व सीईओ के दावे से लोकतंत्र को कमजोर करने की बात फिर प्रमाणित हुई : कांग्रेस

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस ने ट्विटर के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जैक डोर्सी के दावे को लेकर मंगलवार को सरकार पर निशाना साधा और कहा कि डोर्सी के इस दावे से एक बार फिर प्रमाणित हो गया है कि मौजूदा सरकार देश के लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत यह दावा भी किया कि सरकार के निर्देश पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के ट्विटर अकाउंट पर छह महीने के लिए रोक लगाई गई थी। ट्विटर के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जैक डोर्सी ने एक साक्षात्कार में दावा किया है कि इस सोशल मीडिया मंच को देश में किसानों के प्रदर्शन के दौरान सरकारी दबाव और बंद किये जाने की धमकियों का सामना करना पड़ा था। सरकार ने उनके दावे को झूठा करार दिया है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने संवाददाताओं से कहा, जब किसान दिल्ली के आसपास धरने पर बैठे थे तो उस वक्त न सिर्फ उन्हें खालिस्तानी, पाकिस्तानी और आतंकवादी कहा जा रहा था, बल्कि ट्विटर को भी धमकी दी जा रही थी कि इन लोगों की आवाज को जगह नहीं दी जाए। उन्होंने कहा, किसान आंदोलन के समय भाजपा की ओर से एक तथाकथित टूलकिट जारी किया गया था और आरोप लगाया गया था कि कांग्रेस टूलकिट का इस्तेमाल कर रही है। लेकिन आज उसके बारे में असलियत सामने आ रही है। ट्विटर के दफ्तरों पर छापा मारा गया था। अब समझ में आ रहा है कि यह सब किसान आंदोलन को दबाने के लिए किया गया था। सुप्रिया ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के ट्विटर अकाउंट पर सरकार के कहने पर छह महीनों तक रोक लगाई गई थी।

उन्होंने दावा किया, ये जो तथ्य सामने आ रहे हैं वह वाकई में भयावह हैं, डरावने हैं। स्पष्ट है कि देश के प्रधानमंत्री और सरकार डरती है. ।जब भी सरकार को आईना दिखाया जाता है तो अंतरराष्ट्रीय साजिश की बात की जाती है। सुप्रिया ने सवाल किया, आज जैक डोर्सी को झूठ बोलने की क्या जरूरत है? झूठ बोलने से उनको क्या मिलेगा? उन्होंने कहा, राहुल गांधी कहते हैं कि देश के लोकतंत्र को कमजोर किया जा रहा है। डोर्सी की टिप्पणी से यह बात फिर प्रमाणित हो जाती है। सुप्रिया ने कहा कि पत्रकारों, मीडिया और सोशल मीडिया मंचों को धमकाने का सिलसिला बंद होना चाहिए। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया, जब हमारे किसान अपने हक के लिए दिल्ली की सीमाओं पर बैठे थे। जब वे सर्दी, गर्मी, बरसात झेलते हुए अपने प्राण त्याग रहे थे। तब एक तानाशाह उनकी खबर को दबाने में लगा था।

कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने ट्विटर के पूर्व सीईओ के बयान का हवाला देते हुए सवाल किया कि क्या सरकार इस पर जवाब देगी? उधर, सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने डोर्सी के बयान को झूठा करार दिया है। उन्होंने ट्वीट किया, यह जैक डोर्सी का एक झूठ है। यह शायद ट्विटर के इतिहास के उस बहुत ही संदिग्ध दौर को मिटाने का प्रयास है। डोर्सी और उनकी टीम के अंतर्गत ट्विटर भारतीय कानून का बार-बार और लगातार उल्लंघन कर रहा था। चंद्रशेखर ने ट्वीट किया, "डोर्सी और उनकी टीम के समय ट्विटर लगातार और बार-बार भारतीय कानून का उल्लंघन कर रहा था। उन्होंने 2020 से 2022 तक बार-बार कानूनों की अवमानना की और जून 2022 में ही उन्होंने अंततः अनुपालन शुरू किया।"केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डोर्सी के समय ट्विटर को भारतीय कानून की संप्रभुता को स्वीकार करने में समस्या थी और वह ऐसे व्यवहार करता था मानो भारत के कानून उस पर लागू नहीं होते। उन्होंने कहा "एक संप्रभु राष्ट्र होने के नाते भारत के पास यह सुनिश्चित करने का अधिकार है कि उसके कानूनों का भारत में संचालित सभी कंपनियां पालन करें।" डोर्सी ने एक साक्षात्कार में कहा है, किसान आंदोलन के आसपास भारत से कई निवेदन आये, खासतौर से उन पत्रकारों को लेकर जो सरकार को लेकर आलोचनात्मक थे और ऐसा कहा गया कि हम भारत में ट्विटर को बंद कर देंगे, आपके कार्यालयों को बंद करवा देंगे। यह भारत की बात है, एक लोकतांत्रिक देश की।

पहलवानों के बाद अब दिल्ली पुलिस ने पांच देशों से मांगे 'सबूत'

बृजभूषण के खिलाफ जांच तेज

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच कर रही दिल्ली पुलिस ने पांच देशों के कुश्ती संघों को नोटिस जारी किया है।इस नोटिस के जरिए दिल्ली पुलिस ने कुश्ती संघों से सीसीटीवी फुटेज और अन्य जानकारी मांगी है।दिल्ली पुलिस इन सीसीटीवी फुटेज और जानकारियों का इस्तेमाल पहलवानों की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच में करेगी। रिपोर्ट के अनुसार, पहलवानों ने 21 अप्रैल को बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न की एफआईआर में आरोप लगाया था कि इंडोनेशिया, बुल्गारिया, किर्गीस्तान, मंगोलिया और कजाकिस्तान में उनका उत्पीड़न किया गया था.

एक हफ्ते के अंदर ही भेज दिए गए थे नोटिस- दिल्ली पुलिस

रिपोर्ट के मुताबिक, बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के एक हफ्ते के अंदर ही ये नोटिस भेज दिए गए थे।हालांकि, ये बात अभी सामने आई है।दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि हमने एफआईआर दर्ज करने के एक हफ्ते के भीतर ही कुश्ती संघों को नोटिस भेज दिए थे और उनमें से कुछ का जवाब भी आ गया है।पांच देशों के कुश्ती संघों को नोटिस भेजकर सीसीटीवी फुटेज मंगाने की बात ऐसे समय में सामने आई है, जब 15 जून को दिल्ली पुलिस इस मामले में कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी कर रही है। अब तक यौन उत्पीड़न के इस मामले में दिल्ली पुलिस ने 200 ससे ज्यादा लोगों से पूछताछ की है। इन लोगों में पहलवान, कोच और रेफरी शामिल हैं।इसके साथ ही पुलिस ने भारतीय कुश्ती संघ से जुड़े लोगों के बयान भी दर्ज किए हैं.

मणिपुर हिंसा के दौरान जला दिए गए 253 चर्च

आदिवासी संगठन ने किया बड़ा दावा

इंफाल, 13 जून (एजेंसियां)। पिछले करीब डेढ़ महीने से मणिपुर हिंसा की आग में जल रहा है।दो समुदायों के बीच शुरू हुई इस हिंसा की चिंगारी अब तक नहीं बुझ पाई है, जिसके चलते राज्य में सैकड़ों की संख्या में सुरक्षाबल तैनात हैं। इस हिंसा में अब तक 100 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं, वहीं हजारों लोगों को विस्थापित किया गया है। अब मणिपुर में हुई हिंसा को लेकर एक और दावा सामने आया है, जिसमें कहा गया है कि इस हिंसा में चर्चों को टारगेट किया गया।इंडिजिनिस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने दावा किया है कि मणिपुर में हिंसा के दौरान 253 चर्चों को जलाकर खाक कर दिया गया।

राज्यपाल को सौंपा गया ज्ञापन

द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, चुराचांदपुर जिले में मान्यता प्राप्त जनजातियों के इस संगठन (आईटीएलएफ) ने चर्चों पर हुए हमलों को लेकर जानकारी दी है। इस संगठन की तरफ से राज्यपाल अनुसुईया उइके को एक ज्ञापन सौंपा गया है, जिसमें चर्चों को लेकर ये दावा किया गया है।बता दें कि मणिपुर का चुराचंदपुर जिला हिंसा में सबसे बुरी तरह प्रभावित हुआ था।मणिपुर में 3 मई से हिंसा की शुरुआत हुई थी, जो अब तक जारी है। राज्य के सबसे ज्यादा आबादी वाले मेइती समुदाय को अनुसूचित जनजाति के दर्जे की मांग के बाद कुकी और नगा समुदाय ने इसका विरोध शुरू किया।इसी विरोध प्रदर्शन के दौरान ये हिंसा भड़कनी शुरू हुई।जिसमें अब तक 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और 50 हजार से ज्यादा लोगों को घर छोड़कर भागना पड़ा है।

संगठन ने लगाए कई आरोप

आईटीएलएफने मणिपुर की राज्यपाल को जो ज्ञापन सौंपा है, उसमें आरोप लगाया गया है कि मेतई और सरकार की विचारधारा के चलते कुकी समुदाय काफी चुनौतियों का सामना कर रहा है। संगठन ने आरोप लगाया कि उनके लोगों के खिलाफ प्रायोजित तरीके से हिंसा की जा रही है।आईटीएलएफ ने दावा किया है कि इस हिंसा में कई लोग लापता हैं और 160 गांवों के लगभग 4500 घरों को जला दिया गया है।जिसके चलते यहां के करीब 36 हजार से ज्यादा लोग बेघर हो चुके हैं।राज्यपाल को पूरी लिस्ट और तस्वीरें भी दी गई हैं।

बड़ी संख्या में चर्चों को जलाने की भी बात

टेलीग्राफ के मुताबिक चर्चों को जलाए जाने को लेकर आईटीएलएफ के मीडिया और प्रचार विंग के गिन्जा वुलज़ोंग ने बताया कि मुख्य तौर पर इंफाल और सीमावर्ती क्षेत्रों में 93 चर्चों के साथ उनके प्रशासनिक भवनों और क्वार्टर्स को जला दिया गया। इंफाल के 6 जिलों में मेइती समुदाय के लोगों का वर्चस्व है, जबकि 10 पहाड़ी जिलों में आदिवासी ज्यादा रहते हैं।जिनमें कुकी और नगा समुदाय आते हैं। आईटीएलएफ ने अपने ज्ञापन में आरोप लगाया है कि मेइती समुदाय से प्रभुत्व वाले क्षेत्रों में आदिवासी लोगों पर लगातार हमले जारी थे, जिसे रोकने के लिए कोई कोशिश नहीं की गई।

पालतू कुत्ते के भौंकने पर हुआ बड़ा हंगामा 2 की हुई मौत

देवास, 13 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के देवास से एक चौंकाने वाली घटना सामने आ रही है यहाँ रविवार प्रातः कुत्ते के भौंकने को लेकर हुए विवाद में दो व्यक्तियों की मौत हो गई जबकि एक चोटिल हो गया। देवास के सतवास क्षेत्र पालतू कुत्ते के भौंकने पर दो पक्ष आमने सामने आ गई। विवाद इतना बढ़ा कि फायरिंग हो गई। गोली लगने से दो व्यक्तियों की जान चली गई। देवास के एएसपी मंजीत सिंह ने बताया कि गोला गुथान गांव में गोदारा एवं देदाध परिवार के बीच फायरिंग हुई। उन्होंने कहा, 'राजेश गोदारा रविवार प्रातः अपने पालतू कुत्ते को घुमाने ले गए थे। जब वे घर वापस आ रहे थे तो कुत्ता देदाध परिवार के एक सदस्य पर भौंकने लगा। तत्पश्चात, दोनों पक्षों में टकराव हो गया। बात इतनी आगे बढ़ गई कि गोदारा परिवार के 3 व्यक्तियों को गोली मार दी गई।' अफसर ने बताया कि राजेश की मौके पर ही मौत हो गई।

पत्नी और नागालिग बच्चों की काटकर हत्या करने वाले शख्स की फांसी बरकरार, हाई कोर्ट बोला- हिल गई अंतरात्मा

बेंगलूरू, 13 जून (एजेंसियां)। पिछले दिनों दरिंदगी के कई ऐसे मामले सामने आए, जिन्होंने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया।ऐसे ही एक मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने एक शख्स को मौत की सजा को बरकरार रखा, जिसने अपनी पत्नी, भाभी और तीन बच्चों को गंडासे से काटकर मौत के घाट उतार दिया था।इस दौरान हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि इस मामले ने हमारी अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया।इससे पहले शख्स को ट्रायल कोर्ट की तरफ से मौत की सजा सुनाई गई थी।जिस तरह की क्रूरता से शख्स ने इस हत्याकांड को अंजाम दिया था, उसे देखते हुए हाईकोर्ट ने इसे रेयर ऑफ द रेयरेस्ट मामला करार दिया। जिसके चलते उसे मौत की सजा सुनाई गई। हाईकोर्ट ने इस दौरान कहा कि हत्या के कई मामलों पर सुनवाई के बावजूद इस मामले ने हमारी अंतरात्मा को झकझोर दिया। दरअसल ये घटना कर्नाटक के बेल्लारी जिले की है, जहां एक ब्यलुरु थिप्पैया नाम के शख्स को अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था।उसे ये भी शक था कि बेटियां उसकी हैं या फिर नहीं।जिसके बाद 25 फरवरी 2017 को उसने गंडासे से अपनी पत्नी, वहां मौजूद अपनी भाभी और 10 साल से कम उम्र की अपनी तीन बेटियों की निर्मम हत्या कर दी। इस दौरान उसने एक बच्चे को छोड़ दिया, क्योंकि उसे यकीन था कि वो उसी का है।कोर्ट ने जीवित बच्ची के लिए मुआवजे की व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया। इस हत्याकांड के बाद आरोपी अपने घर से चिल्लाता हुआ बाहर निकला और उसने जश्न भी मनाया। तमाम पड़ोसियों ने गंडासा हाथ में लिए उसे देखा, जिनकी शिकायत के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। तमाम सबूतों की छानबीन कर ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को मौत की सजा सुनाई।इसके बाद आरोपी की तरफ से हाईकोर्ट में अपील की गई।हालांकि हाईकोर्ट की तरफ से भी मौत की सजा को बरकरार रखा गया.

सीएम ममता बनर्जी को पीएम शेख हसीना का उपहार, बांग्लादेश से 600 केजी आया आम

कोलकाता, 13 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मुख्यमंत्रीममता बनर्जीको तोहफे के तौर पर आम भेजा है।सोमवार को पूरे बंगाल से 600 किलो से अधिक आम पश्चिम बंगाल पहुंचे।कंटीले तारों की सीमा के बावजूद दोनों बंगाल के बीच तनाव अब भी बना हुआ है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ अच्छे संबंध किसी से अनजान नहीं हैं। अब शेख हसीना ने ममता बनर्जी लिए आम उपहार में भेजे हैं। यह सिलसिला बीते सालों में देखे गए हैं।ममता बनर्जी और शेख हसीना दोनों ने दोनों बंगाल के बीच दोस्ती को गहरा करने के लिए कई पहल की हैं और इस बार उस दोस्ती को मजबूत करने के लिए हसीना ने आम का तोहफा भेजा।मालूम हो कि शेख हसीना की ओर से भेजा गया आम सोमवार दोपहर बेनापोल लैंड पोर्ट से होते हुए बंगाल पहुंचा।हालांकि, बांग्लादेश से इस तरह के उपहार नए नहीं हैं।इससे पहले शेख हसीना ने बंगाल की मुख्यमंत्री को तोहफे में आम भेजा था.

ममता बनर्जी के लिए शेख हसीना ने भेजा आम

पिछले साल, बांग्लादेश की प्रधान मंत्री ने उपहार के रूप में ऊपरी बंगाल से लगभग एक क्विंटल पॉटेड आम ऊपरी बंगाल भेजा था। उस आम को प्राप्त करने के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शेख हसीना को एक पत्र भी लिखा था।इस बीच ममता इससे पहले भी अलग-अलग समय पर शेख हसीना को तरह-तरह के तोहफे भेज चुकी हैं., ममता बनर्जी पूजा या ईद के मौसम में बांग्लादेश की प्रधान मंत्री के लिए साड़ी भेजते देखा गया था।बंगाल के उस पार से कभी हिल्सा तो कभी आम की सौगातें आती थीं।शेख हसीना और ममता बनर्जी दोनों ने बार-बार यह समझाने की कोशिश की है कि रिश्ता राजनीतिक या कूटनीतिक संबंधों से कहीं ऊपर है।शेख हसीना ने ममता बनर्जी को 'बहन' कहकर भी संबोधित किया था।शेख हसीना ने कहा था, 'ममता मेरी बहन की तरह हैं.'

शेख हसीना और ममता बनर्जी के काफी अच्छे रहे हैं रिश्ते

शेख हसीना ने यह बताने में कोई कसर नहीं छोड़ी कि ममता बनर्जी के साथ उनके संबंध राजनीति और कूटनीति से हमेशा ऊपर हैं और इस बार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए एक बार फिर बांग्लादेश से आम आया।कूटनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह तोहफा दोनों बंगालियों की दोस्ती को और मजबूत करेगा।बता दें कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी कई बार बांग्लादेश से अपने रिश्तों का खुलेआम स्वीकार कर चुकी हैं

बंगाल के दक्षिण 24 परगना में झड़प के बीच टीएमसी कार्यकर्ता पर हमला

कोलकाता, 13 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के भांगर में झड़पों के बीच इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा कथित तौर पर हमला किए जाने के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की एक कार्यकर्ता घायल हो गई। घटना सोमवार रात दक्षिण 24 परगना जिले में हुई। जानकारी के मुताबिक, चलतबेरिया में टीएमसी कार्यकर्ता कुतुबुद्दीन अली मोल्लाह के घर पर भी हमला किया गया।

विपक्षी नेताओं के साथ मारपीट की

पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों से झड़पों की कई घटनाओं की सूचना मिली, क्योंकि अज्ञात बदमाशों ने विपक्षी उम्मीदवारों पर कथित रूप से हमला किया, जब वे पंचायत चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने जा रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि दासपुर (पश्चिम मेदिनीपुर), काकद्वीप (दक्षिण 24 परगना), रानीनगर (मुर्शिदाबाद), शक्तिनगर और बरशुल (दोनों पूर्वी बर्धमान में) और मिनाखान (उत्तरी 24 परगना) में झड़पों की सूचना मिली है। सत्तारूढ़ टीएमसी ने विपक्षी दलों पर चुनाव में देरी करने और हार के डर से राज्य की छवि को खराब करने के लिए अपवित्र सांठगांठ बनाने का आरोप लगाया। दूसरी ओर, विपक्षी भाजपा, कांग्रेस और सीपीआई (एम) ने आरोप लगाया कि उनके उम्मीदवारों को टीएमसी कार्यकर्ताओं ने विभिन्न जिलों में नामांकन पत्र जमा करने से रोका है और तर्क दिया कि केंद्रीय बलों की तैनाती के बिना शांतिपूर्ण प्रदर्शन असंभव है। और राज्य में निष्पक्ष चुनाव। अधिकारी ने कहा कि बशीरहाट अनुमंडल के मिनाखान में माकपा के पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ की गई और जब उम्मीदवार अपना नामांकन दाखिल करने जा रहे थे तब बदमाशों ने उन पर हमला किया। एक अन्य घटना में बांकुड़ा जिले के सोनामुखी में भाजपा विधायक दिबाकर घरामी पर कथित तौर पर अज्ञात लोगों ने हमला किया जब वह नामांकन केंद्र की ओर जा रहे थे। एक दिन पहले, राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को सभी नामांकन केंद्रों के एक किलोमीटर के दायरे में सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू करने का निर्देश दिया था। रविवार को जारी किए गए आदेश गुरुवार तक प्रभावी रहेंगे। पंचायत चुनाव आठ जुलाई को होना है।

अस्तपाल के गेट पर पहुंचते लेबर पेन से चीखने लगी महिला

गार्ड ने दिखाई हमदर्दी ऑटो में हुई डिलीवरी

नागपुर, 13 जून (एजेंसियां)। लेबर पेन का ज्यादा समय तक रहना कभी-कभार गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक हो जाता है, इसलिए प्रस्तुति दर्द की प्रतीक्षा के बजाए पहले ही अस्पताल में भर्ती होना सही रहता है। महाराष्ट्र के नागपुर से इस तरह का ही एक मामला सामने आया है, जहां एक महिला को अस्पताल के गेट के सामने ऑटो में ही अपने बच्चे को जन्म देना पड़ा। दरअसल, डिलीवरी के लिए एक महिला को उसके परिजन नागपुर के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराने लेकर आए। मेडिकल कॉलेज के सामने जैसे ही ऑटो रिक्शा खड़ी हुई, तो उसमें से दो महिलाएं मदद की मांग करते हुए चीखने चिल्लाने लगी। ऑटो में गर्भवती महिला सवार थी, जिसे प्रसव पीड़ा हो रही थी। बच्चा आधा बाहर आ चुका था। महिला प्रसव पीड़ा से तड़प रही थी। उसे तत्काल डॉक्टर की जरूरत थी। इस दौरान मेडिकल कॉलेज के गेट पर तैनात गार्ड ने उन्हें देखा, फिर उसने फौरन इसकी जानकारी डॉक्टर को दी। सुरक्षा गार्ड मेडिसिन कैजुअल्टी में दौड़ते हुए आया और उसने बताया कि आटो में डिलीवरी हो रही है। गार्ड की बात सुनते ही बिना समय गवाएं ऑन ड्यूटी नर्स और डॉक्टर सामान लेकर ऑटो तक पहुंचे, तब तक वहां सीएमओ भी पहुंच चुके थे।

सतपुड़ा भवन में लगी आग पर कांग्रेस ने उठाए सवाल कमलनाथ बोले- स्वतंत्र एजेंसी से कराई जाए जांच

सतपुड़ा, 13 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ में सतपुड़ा भवन में लगी आग को लेकर बीजेपी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि 12000 से ज्यादा फाइल जल चुकी है। इस मामले में आप स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाना चाहिए। सतपुड़ा में लगी आग को लेकर बीजेपी पर कांग्रेस लगातार निशाना साध रही है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने अब एक और नई मांग उठाई है। उन्हें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा गठित जांच कमेटी पर भरोसा नहीं है।उनका कहना है कि अभी सरकार केवल 12000 फाइलें जलने की बात कह रही है लेकिन जब असलियत सामने आएगी तो यह आंकड़ा और भी बढ़ जाएगा। उन्होंने इस आगजनी की घटनाओं को भ्रष्टाचार से जोड़कर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर आरोप लगाए। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने यह भी कहा कि इस पूरे मामले की जांच स्वतंत्र एजेंसी से कराई जाना चाहिए।गौरतलब है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 3 मंत्रियों सहित आईएएस अफसरों को जांच कमेटी में शामिल किया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सतपुड़ा में लगी आग को लेकर स्वास्थ्य मंत्री प्रभु राम चौधरी, गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा, विश्वास सारंग और आईएएस अधिकारी राजेश राजौरा, नीरज मंडलोई सहित अन्य की जांच टीम बनाई है।मंगलवार को आग बुझने के बाद जांच कमेटी रिव्यू बैठक कर रही है। गौरतलब है कि आगजनी की घटना में आदिम जाति और स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी 12000 फाइलें जल चुकी है. पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने यह भी कहा कि सतपुड़ा और विंध्याचल में कई बार आग लग चुकी है लेकिन सरकार की कोई तैयारी नहीं थी।

'मुझे मेरी पत्नी वापस दीजिए..', शादी के लिए फैज से साहिल बना था शख्स, अब क्या हुआ कि हाईकोर्ट पहुंचा मामला

मुंबई, 13 जून (एजेंसियां)। मुस्लिम से हिंदू बने एक शख्स ने अपनी पत्नी की कस्टडी के लिए बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। 22 वर्षीय साहिल चौधरी ने एक बंदी प्रत्यक्षीकरण (हेबियस कॉर्पस) याचिका दायर की और कोर्ट से गुहार लगाई है कि उसकी पत्नी उसको वापस दी जाए। याचिका में शख्स ने आरोप लगाया है कि साहिल चौधरी ने आरोप लगाया है कि उसकी पत्नी को उसके परिवार वालों ने कथित तौर पर जबरन और गैर-कानूनी तरीके से अपने पास राजस्थान में रखा है। साहिल चौधरी पहले एक मुस्लिम था और उसका नाम फैज अंसारी था। उसने हिंदू लड़की से शादी के लिए हिंदू धर्म को अपनाया था। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और

न्यायमूर्ति गौरी गोडसे की खंडपीठ ने सोमवार को मीरा रोड स्थित नया नगर पुलिस थाने को मेनका (बदला हुआ नाम), जिससे साहिल की शादी हुई थी, उसे 20 जून को अदालत में पेश करने का निर्देश दिया है। याचिका के मुताबिक साहिल, जो पहले फैज अंसारी था, 2017 में मेनका से मिला था। दोनों एक ही साथ एक ही कॉलेज में पढ़ाई कर रहे थे। दोनों में प्यार हुआ और दोनों ने शादी करने का फैसला किया। लेकिन चूंकि मेनका के माता-पिता एक अंतर-धार्मिक विवाह के लिए सहमत नहीं थे, इसलिए साहिल ने हिंदू धर्म अपना लिया और फैज अंसारी से साहिल चौधरी बन गया। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों ने 26 फरवरी 2022 को बांद्रा (पूर्व) के विश्वेश्वर मंदिर में शादी कर ली। 8 जुलाई 2022 को मुंबई नगर निकाय बीएमसी में शादी का रजिस्ट्रेशन कराया गया। साहिल मुंबई का निवासी है। साहिल की याचिका के मुताबिक, शादी के बाद दोनों अलग-अलग रहने लगे। 8 फरवरी 2023 को मेनका साहिल के साथ रहने के लिए अपने पिता के घर से आई और उसने आने से पहले अपने घरवालों के लिए एक पत्र छोड़ा था। मेनका के पिता द्वारा गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराने के बाद दंपति को पुलिस स्टेशन बुलाया गया। मेनका ने 23 फरवरी को एक नोट जमा किया, जिसमें कहा गया था कि वह अपने पति के साथ रह रही थी और लापता नहीं थी। साहिल ने आरोप लगाया कि एक पुलिस अधिकारी ने उसे चार दिनों के लिए अपनी पत्नी को उसके पिता के साथ भेजने के लिए मजबूर किया। साहिल ने कहा कि इसलिए उसने पुलिस वाले पर भरोसा कर अपनी पत्नी को उनके साथ जाने दिया। दोनों की आखिरी बार 25 फरवरी को हुई थी। जिस दौरान मेनका ने साहिल को अपने साथ ले जाने के लिए कहा था। उसने कहा, रमैं वापस आना चाहती हूं, आओ और मुझे ले जाओ।" उस वक्त साहिल को एहसास हुआ कि मेनका के परिवार वाले उसे उसके होमटाउन राजस्थान ले गए हैं। 18 मार्च 2023 को, साहिल को मेनका की ओर से राजस्थान के एक वकील से कानूनी नोटिस मिला, जिसमें कहा गया था कि साहिल ने हिंदू धर्म में परिवर्तित होने के लिए उचित रीति-रिवाजों का पालन नहीं किया था, इसलिए विवाह को मान्य नहीं माना जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 14 जून- 2023

भारतीय छात्रों को राहत

भारतीय युवाओं के मन में कनाडा और ब्रिटेन जैसे देशों के प्रति जबर्दस्त आकर्षण है। इसी आकर्षण की वजह साफ है कि वहां जाना सबसे आसान है साथ में वहां काम-धंधा भी आसानी से सुलभ हो जाता है। इसके अलावा कुछ ऐसे एजेंट भी सक्रिय है जो उन्हें अपने चंगुल में फंसा कर आसानी से वहां भेज देते हैं। बीते कुछ दिनों से वहां पढ़ाई करने गए लगभग सात सौ छात्र निर्वासन के भय से पीडित थे। अब वहां के अधिकारियों ने ऐसे छात्रों को बडी राहत देते हुए उनके निर्वासन आदेश को स्थगित कर दिया है। बता दें कि इस मामले को लेकर भारत का विदेश मंत्री भी लंबे समय से छात्रों के प्रति सहानुभूति पूर्वक व्यवहार की अपील कर रहे थे। विदेशमंत्री ने स्पष्ट किया कि कनाडा पहुंच छात्रों का कोई दोष नहीं है, बल्कि उन ट्रेवल एजेंसियों का है जिन्होंने कुछ पैसों की लालच में इनसे ठगी कर उन्हें यहां भेजा है। बता दें कि कई विद्यार्थी भारत से कनाडा के संस्थानों में दाखिला कराने वाली एजेंसियों की मदद से वहां पहुंचे थे। उन्होंने जिस कालेज में दाखिले का पत्र उन्हें दिया, उसी आधार पर वीजा मिल गया। मगर जब वे वहां पहुंचे, तो उन कालेजों ने कहा कि उनके यहां दाखिला पूरा हो चुका है। ऐसे में उन्हें भेजने वाली एजेंसियों ने किसी दूसरे कालेज में एडमीशन की सलाह दी। बडी मुश्किल से छात्रों ने अपनी पढ़ाई पूरी की और वहीं रह कर काम भी करने लगे। पेंच तब फंस गया जब उन्होंने वहां स्थायी निवास के लिए आवेदन किया। वहां के अधिकारियों ने देखा कि वे जिस कालेज में दाखिले के लिए आए थे, उसके बजाय दूसरे कालेज से पढ़ाई की और वहां रह कर काम करते रहे। फिर उन्होंने उन छात्रों को फर्जी तरीके से वहां रहने का दोषी करार देते हुए वापस अपने देश लौटने का आदेश जारी कर दिया। ऐसे आदेश से करीब सात सौ युवा प्रभावित हो रहे थे। अच्छी बात है कि कनाडा के संबंधित प्राधिकार ने इस मामले में भारत की दलील को समझा और वहां फंसे युवाओं को वापस भेजने के अपने फैसले पर रोक लगा दी। देखा जाए तो यह पहली बार नहीं है, जब विदेश भेजने वाले एजेंटों के फर्जीवाड़े के चलते भारतीय नागरिकों को दूसरे देशों में मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा हो। इसके पहले भी कई बार ऐसा हो चुका है। बता दें कि जब वहां कुछ दिनों तक काम करने के बाद वे वहां स्थायी निवास की अनुमति मांगते हैं तो उन्हें इधर-उधर भटकना पडता है। इसके बाद भी जब काम नहीं बनता तो दूसरे तरीके से फर्जीवाड़ा भी करना पडता है। अक्सर पंजाब और हरियाणा के युवाओं में कनाडा और ब्रिटेन जाने की ललक कुछ ज्यादा ही देखी जाती है। इसी का फायदा उठाते हुए एजेंसियां उनसे भारी-भरकम रकम ऐंठ कर उन्हें वहां भेज भी देती हैं। बीते कुछ सालों में ऐसा ही फर्जीवाड़ा करने वाली कुछ एजेंसियों को पकड़ा भी गया था, जिसमें इस तरह की कबूतरबाजी के धंधे में कई नामचीन लोगों के नाम भी उजागर हुए थे। उस समय सरकार ने इस धंधे पर रोक लगाने का संकल्प लिया था, लेकिन समय बीतने के साथ ही इस पर पर्दा पडता चला गया और इस तरह के एजेंसियां चलाने वाले आजाद हो कर धडल्ले से अपना काम करने लगे। विद्यार्थियों का विदेश में पढ़ाई के लिए आना-जाना कोई गुनाह नहीं है। मगर जब किसी वजह से कुछ युवा एजेंटों के जरिए फर्जी तरीके से दूसरे देशों में पहुंचते हैं, तब उन्हें किस तरह की मुश्किलों का सामना करना पडता है यह तो भुक्तभोगी ही बता सकता है। चिकित्सा विज्ञान जैसे कुछ पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए तो प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं, इस तरह उनमें पंजीकृत कराने और बाहर दाखिले के लिए जाने वाले छात्रों के बारे में विदेश मंत्रालय के पास आंकड़ा रहता है। लेकिन जो फर्जी दस्तावेजों पर वहां जाते हैं, मुश्किलें उनके सामने ही खड़ी होती हैं। विदेशमंत्री ने कहा तो है कि कनाडा में निर्वासन का भय झेल रहे छात्रों का दोष नहीं है, मगर इसके लिए जो लोग दोषी हैं, क्या उन पर नकेल कसने की कोई तैयारी की जा रही है। या आगे भी इसी तरह कबूतरबाजी का धंधा फलता-फूलता रहेगा।

क्यों खालिस्तानी सक्रिय हैं कनाडा में

आर.के. सिन्हा

कनाडा में खालिस्तानी ताकतें भारत और हिन्दुओं के खिलाफ जहर उगल रही हैं। दुख इस बात का है कि मित्र देश होने के बावजूद कनाडा सरकार कुछ नहीं कर रही है। अब ताजा मामले में खालिस्तानियों ने ऑपरेशन ब्लू स्टार की 39वीं बरसी पर निकाली परेड में पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत इंदिरा गांधी को आपत्तिजनक रूप में दिखाया। बीती 6 जून, को कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में खालिस्तानियों ने 5 किलोमीटर लंबी परेड निकाली। इसमें एक झांकी में इंदिरा गांधी की हत्या का सीन दिखाया गया। झांकी में इंदिरा गांधी को खून से सनी साड़ी पहने दिखाया गया है। उनके हाथ ऊपर हैं। दूसरी तरफ दो शख्स उनकी तरफ बंदूक ताने खड़े हैं। इसके पीछे लिखा है- बदला। कनाडा अपने को एक सभ्य देश होने का दावा करता है। पर वहां अलगाववादियों, चरमपंथियों और हिंसा की वकालत करने वाले खुल कर खेल कर रहे हैं। आप इंदिरा गांधी की कुछ नीतियों से असहमत हो सकते हैं, पर यह कोई भी भारतीय सहन नहीं करेगा कि उन्हें आपत्तिजनक तरीके से झांकी में पेश किया जाए। बेशक, इस सारे घटनाक्रम से भारत स्तब्ध है। इस कट्टरपंथ की सार्वभौमिक तौर पर निंदा होनी चाहिए। पता नहीं क्यूँ, प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ विदेशों में जाकर ज़हर उगलने वाले राहुल अपनी दादी के अपमान पर क्यों नहीं बोल रहे। कनाडा लंबे समय से खालिस्तानियों की गतिविधियों का केंद्र बन चुका है। वहां पर मंदिरों में भी तोड़फोड़ की जाती है। कनाडा का ब्रैम्पटन शहर तो भारत विरोधी गतिविधियों का गढ़ बन चुका है। कनाडा में बार-बार इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। जुलाई 2022 में कनाडा के रिचमंड हिल इलाके में एक विष्णु मंदिर में महात्मा गांधी की मूर्ति को खंडित कर दिया गया था। सितंबर 2022 में कनाडा में स्वामीनारायण मंदिर को कथित खालिस्तानी तत्वों ने भारत विरोधी भित्ति चित्रों के साथ विकृत कर दिया था। पर वहां की पुलिस की काहिली और निकम्मेपन के कारण दोषी पकड़ में नहीं आते। कौन भूल सकता है कनिष्क विमान हादसे को। मांट्रियाल से नई दिल्ली आ रहे एयर इंडिया के विमान कनिष्क को 23 जून 1985 को आयरिश हवाई क्षेत्र में उड़ते समय, 9,400 मीटर की ऊंचाई पर, बम से उड़ा दिया गया था और वह अटलांटिक महासागर में गिर गया था। इस आतंकी हमले में 329 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकांश भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक थे। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अपनी जिम्मेदारी को निभाने में असफल रहे हैं। वे कथित किसानों के आंदोलन का समर्थन कर रहे थे। तब ट्रूडो कह रहे थे कि कनाडा दुनिया में कहीं भी किसानों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकारों की रक्षा के लिए खड़ा रहेगा। क्या कनाडा की खुफिया एजेंसिया इतनी घटिया हैं कि उन्हें पता ही नहीं है कि वहां पर खालिस्तानी सक्रिय हैं? उन्हें भारत-विरोधी तत्वों पर कठोर एक्शन लेना चाहिए। जस्टिन ट्रूडो 2018 में भारत यात्रा पर आए थे। वे अमृतसर से लेकर आगरा और मुंबई से लेकर अहमदाबाद का दौरा करने के बाद जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिले तो उन्हें कायदे से समझा दिया था कि भारतधर्म के नाम पर कट्टरता तथा अपनी एकता, अखंडता और संप्रभुता के साथ समझौता नहीं करेगा।

पश्चिम बंगाल में चुनावों से पहले हो रही हिंसा – कैसे होगी विपक्षी एकता

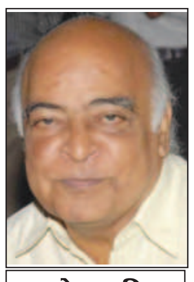

अशोक भाटिया

अगले साल होने लोकसभा चुनाव को लेकर पूरे देश में विपक्षी पार्टियां केंद्रशासित भाजपा के खिलाफ एकजुट होने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। लेकिन टीएमसी सांसद ने एक ऐसा बयान दे दिया है जिससे विपक्षी एकता को झटका लग सकता है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद डोला सेन ने सोमवार को पंचायत चुनाव से पहले हुई मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के पीछे कांग्रेस, वामदल और भाजपा का हाथ बताया है। घटना के बाद, पश्चिम बंगाल के विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि बंगाल में जंगल राज है और उन्होंने राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष पंचायत चुनाव के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग की। साथ ही बोला था कि वह कोर्ट की निगरानी में चुनाव कराने के पक्ष में है। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव एक ही चरण में 8 जुलाई को होंगे। वोटों की गिनती 11 जुलाई को होगी। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनावों में भारतीय जनता पार्टी और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला होगा। आपको बता दे शुक्रवार को नामांकन पत्र दाखिल करने के दिन ही मुर्शिदाबाद जिले में कांग्रेस की एक कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद एक बार फिर यह सवाल उठने लगा है कि आख़िर यहां चुनावों के दौरान हिंसा क्यों भड़क उठती है। अगर पिछले सालों के आंकड़ों और चुनावी हिंसा के लंबे इतिहास को ध्यान में रखें तो काफी हद इस सवाल का जवाब भी स्पष्ट हो जाता है। यह कहना ज़्यादा सही होगा कि बंगाल में हिंसा अब चुनावी संस्कृति का हिस्सा बन गई है। यहां साल 2018 के पंचायत चुनावों के बाद, उसके अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव और 2021 के विधानसभा चुनावों को दैरान यहां भी काफी हिंसा देखने को मिली थी। ख़ासकर विधानसभा चुनाव के बाद बड़े पैमाने पर होने वाली हिंसा और कथित राजनीतिक हत्याओं की घटनाओं ने तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरी थी।ऐसा नहीं है कि बंगाल ऐसा अकेला राज्य है जहां चुनावों से पहले और इसके दौरान हिंसा की घटनाएं होती हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार में जहां चुनावों से पहले बाहुबली गतिविधियां बढ़ जाती हैं वहीं इन राज्यों के साथ साथ महाराष्ट्र, राजस्थान, त्रिपुरा और असम जैसे पूर्वोत्तर राज्य से चुनावी हिंसा की खबरें आती रही हैं। यहां तक कि गुजरात और केरल जैसे आमतौर पर शांत राज्यों से भी बीते वर्षों में चुनावी हिंसा की ख़बरें आती रही हैं। नेशनल क्राइम रिकाड्र्स ब्यूरो ने 2018 की अपनी रिपोर्ट में कहा था कि पूरे साल के दौरान देश में होने वाली 54 राजनीतिक हत्याओं के मामलों में से 12 बंगाल से जुड़े थे।लेकिन उसी साल केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार को जो एडवाइज़री भेजी थी उसमें कहा गया था कि पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा में 96 हत्याएं हुई हैं और लगातार होने वाली हिंसा गंभीर चिंता का विषय है। उसके बाद एनसीआरबी ने सफाई दी थी कि उसे पश्चिम बंगाल समेत कुछ राज्यों से आंकड़ों पर स्पष्टीकरण नहीं मिला है। इसलिए उसके आंकड़ों को फ़ाइनल नहीं माना जाना चाहिए।उस रिपोर्ट में कहा गया था कि वर्ष 1999 से 2016 के बीच पश्चिम बंगाल में हर साल औसतन 20 राजनीतिक हत्याएं हुई हैं। इनमें सबसे ज्यादा 50 हत्याएं 2009 में हुईं। उस साल अगस्त में मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी ने एक पर्चा जारी कर दावा किया था कि दो मार्च से 21 जुलाई के बीच तृणमूल कांग्रेस ने 62 काडरों की हत्या कर दी है। कोई चार दशक तक बंगाल की राजनीति को क़रीब से देखने वाले जानकार बताते हैं कि 1980 और 1990 के दशक में जब बंगाल के राजनीतिक परिदृश्य में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा को कोई वजूद नहीं था, वाममोर्चा और कांग्रेस के बीच अक्सर हिंसा होती रहती थी। 1989 में तत्कालीन मुख्यमंत्री ज्योति बसु की ओर विधानसभा में पेश आंकड़ों में कहा गया था कि 1988-89 के दौरान राजनीतिक हिंसा में 86 राजनीतिक कार्यकर्ताओं की मौत हो गई है। इनमें से 34 सीपीएम के थे और 19 कांग्रेस के। बाकियों में वाममोर्चा के घटक दलों के कार्यकर्ता शामिल थे। उस समय सीपीएम के संरक्षण में कांग्रेसियों की कथित हत्याओं के विरोध में कांग्रेस ने राष्ट्रपति को ज्ञापन देकर बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की थी।पार्टी ने ज्ञापन में दावा किया था कि 1989 के पहले 50 दिनों के दौरान उसके 26 कार्यकर्ताओं की हत्या हो चुकी है।केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक़, वर्ष 2018 के पंचायत चुनाव के दौरान 23 राजनीतिक हत्याएं हुई थी।एनसीआरबी ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि वर्ष 2010 से 2019 के बीच राज्य में 161 राजनीतिक हत्याएं हुई और बंगाल इस मामले में देश भर में पहले स्थान पर रहा।लेकिन सवाल ये उठता है कि राजनीतिक रूप से स्थिर इस राज्य में हिंसा की संस्कृति कैसे लगातार बरकरार है? जानकारों का कहना है कि बांग्ला समाज की छवि भले भद्रलोक वाली रही हो, चुनावों के समय यह गड्ड-मड्ड हो जाती है। यह राज्य देश विभाजन के बाद से ही हिंसा के लंबे दौर का गवाह रहा है। 1979 में सुंदरबन इलाक़े में बांग्लादेशी हिंदू शरणार्थियों के नरसंहार को आज भी राज्य के इतिहास के सबसे काले अध्याय के तौर पर याद किया जाता है।उनके मुताबिक़, साठ के दशक में उत्तर बंगाल के नक्सलबाड़ी से शुरू हुए नक्सल आंदोलन ने राजनीतिक हिंसा को एक नया आयाम दिया था। किसानों के शोषण के विरोध नक्सलबाड़ी से उठने वाली आवाजों ने उस दौरान पूरी दुनिया में सुर्खियां बटोरी थीं। वर्ष 1971 में सिद्धार्थ शंकर रे के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद तो राजनीतिक हत्याओं का जो दौर शुरू हुआ उसने पहले की तमाम हिंसा को पीछे छोड़ दिया। 1977 के विधानसभा चुनावों में यही उसके पतन की भी वजह बनी। सत्तर के दशक में भी वोटरों को आतंकित कर अपने पाले में करने और सीपीएम की पकड़ मजबूत करने के लिए बंगाल में हिंसा होती रही है। वर्ष 1998 में ममता बनर्जी की ओर से टीएमसी के गठन के बाद वर्चस्व की लड़ाई ने हिंसा का नया दौर शुरू किया। उसी साल हुए पंचायत चुनावों के दौरान कई इलाक़ों में भारी हिंसा हुई। माना जाता है कि बंगाल में सत्ता की राह ग्रामीण इलाकों से ही निकलती है। यही वजह है कि देश के कई राज्यों के विधानसभा चुनावों के मुकाबले पश्चिम बंगाल में होने वाले पंचायत चुनावों को ज्यादा सुर्खियां और अहमियत मिलती रही है। बंगाल में ग्रामीण इलाक़े शुरू से ही सत्ता की चाबी रहे हैं। वाममोर्चा ने भूमि सुधारों और पंचायत व्यवस्था की सहायता से सत्ता के विकेंद्रीकरण के जरिए ग्रामीण इलाक़ों में अपनी जो पकड़ बनाई थी उसी ने उसे यहां कोई 34 साल तक सत्ता में बनाए रखा था। 2008 के पंचायत चुनावों में ग्रामीण इलाक़ों में पैरों तले की ज़मीन खिसकते ही वर्ष 2011 में यहां वाममोर्चा का लाल किला ढह गया था। तृणमूल कांग्रेस ने उन चुनावों में तमाम राजनीतिक पंडतों के आकलन को ग़लत साबित करते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया था। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि राज्य के विभिन्न इलाक़ों में बालू, पत्थर और कोयले के अवैध खनन और कारोबार पर वर्चस्व भी पंचायत चुनाव में होने वाली हिंसा की एक प्रमुख वजह है। यह तमाम कारोबार पंचायतों के ज़रिए ही नियंत्रित होते हैं। ऐसे में जिसकी लाठी उसकी भैंस की तर्ज पर पंचायतों पर काबू पाने के लिए तमाम राजनीतिक पार्टियां अपनी पूरी ताकत झोंक देती हैं। इस बार भी पंचायत चुनाव अलग नहीं हैं। नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही राज्य के विभिन्न इलाक़ों से हिंसा की खबरें आने लगी हैं।

प्रगाढ़ और मधुर हो रहे भारत अमेरिका के संबंध

सुनील कुमार महला

विश्व रक्तदान दिवस हर वर्ष 14 जून को मनाया जाता है। यदि कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में रक्त का दान करता है तो यह मानवता के हित में सबसे बड़ा काम है, लेकिन एक आंकड़े के अनुसार हमारे देश की आबादी का केवल 37 प्रतिशत लोग ही रक्तदान करने योग्य है लेकिन उनमें से भी 10 प्रतिशत से भी कम लोग हर साल ब्लड डोनेट करते हैं। जीवन अमूल्य है और रक्तदान जीवनदान देता है। ब्लड प्रकृति द्वारा मानव को दिया गया सबसे मूल्यवान उपहार है। हम इसके माध्यम से लोगों की कई तरह से मदद कर सकते हैं, मसलन हम बहुत सी जिंदगियां बचा सकते हैं। मानवता की सेवा में रक्तदान सबसे उत्तम सेवा है। बीमारों, जरूरत मंदों के लिए रक्तदान नये जीवन की आशा है। रक्तदान करके हम बहुत से जीवन बचा सकते हैं, इसलिए प्रत्येक स्वस्थ और योग्य व्यक्ति को अपने जीवन में रक्त का दान करने की प्रेरणा लेनी चाहिए और रक्तदान करना चाहिए। जानकारी देना चाहूंगा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा इस दिन को रक्तदान दिवस के रूप में घोषित किया गया है। रक्तदान को सबसे बड़ा दान माना गया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004 में स्थापित इस कार्यक्रम का उद्देश्य सुरक्षित रक्त रक्त उत्पादों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाना और रक्तदाताओं के सुरक्षित जीवन रक्षक रक्त के दान करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करते हुए आभार व्यक्त करना है। वास्तव में, इस दिन को 14 जून को मनाने का खास कारण है। जानकारी मिलती है कि वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टीनर ने ब्लड ग्रुप सिस्टम की खोज की थी। उनके इस योगदान के लिए वर्ष 1930 में कार्ल लैंडस्टीनर को नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। रक्तदाता दिवस वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टीनर को समर्पित हैं, जिनका जन्मदिन 14 जून को होता है। यहां यह भी बताता चलूं कि कार्ल लैंडस्टीनर ही वह वैज्ञानिक थे जिन्होंने एबीओ रक्त समूह की खोज की थी। उनका जन्म 14 जून 1868 को हुआ था और उन्हीं की याद में यह दिवस संपूर्ण विश्व में मनाया जाता है। उल्लेखनीय है कि विश्व रक्तदाता दिवस मनाए जाने की शुरुआत विश्व स्वास्थ्य संगठन, अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस संघ, और रेड क्रिसेंट समाज द्वारा सबसे पहले की गई थी। कार्ल लैंडस्टीनर एक ऑसट्रियाई जीव वैज्ञानिक, चिकित्सक और प्रतिरक्षा विज्ञानी थे, और उन्हें आधुनिक रक्त आधान का संस्थापक माना जाता है। यह उनका योगदान ही है कि आज रोगी के जीवन को खतरे में डाले बिना ब्लड ट्रांसफ्यूजन संभव हो पाया है। कार्ल को उनके अनूठे योगदान के लिए वर्ष 1930 में उन्हें नोबेल पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। आज देश में रोजाना बहुत से एक्सीडेंट होते हैं, थैलेसीमिया के रोगियों, एनीमिया के रोगियों, ब्लड कैंसर जैसी बीमारियों में व बहुत बार डिलीवरी के वक्त महिलाओं को रक्त की जरूरत पड़ती है। कई बार आपात स्थिति में एक्सीडेंट के दौरान या फिर ऑपरेशन या किसी अन्य कारण से खून की आवश्यकता जब मरीज को पड़ती है, ऐसे में रक्तदाताओं द्वारा दान किए गए खून से कई लोगों की जान बचाई जाती है। ऐसे ही ब्लड डोनर्स के महत्व और उन्हें धन्यवाद करने के लिए प्रति वर्ष 14 जून को 'वर्ल्ड ब्लड डोनर डे' संपूर्ण विश्व में मनाया जाता है। रक्तदान को महादान भी कहा गया है, क्यों कि किसी का जीवन बचाने से बड़ी बात कुछ और नहीं हो सकती है। आज लोग धीरे-धीरे इसका महत्व समझने लगे हैं और रक्तदान के प्रति लोगों में जागरूकता का माहौल भी देखने को मिल रहा है। फिर भी बहुत सारे व्यक्ति ऐसे भी हैं जिनको अभी अभी रक्तदान करने से डर लगता हैं, रक्तदान को लेकर बहुत सी भ्रांतियां भी लोगों में व्याप्त हैं, तो हमारा कर्तव्य यह बनता हैं कि हम उन्हें रक्तदान के प्रति जागरूक करें। वास्तव में, अगर हमारी वजह से यदि किसी व्यक्ति की ज़िन्दगी बचती हैं तो हमें जो संतुष्टि का एहसास होगा उसे शब्दों में बयाँ करना मुमकिन नहीं हैं। सच तो यह है कि रक्तदान जीवन का सबसे खूबसूरत अहसास है। विश्व रक्तदाता दिवस के लिए हर साल विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा एक थीम को चुना जाता है ताकि स्वैच्छिक रक्तदान जीवन को बचाने और विभिन्न समुदायों के भीतर एकजुटता बढ़ाने में भूमिका को उजागर किया जा सके। जानकारी देना चाहूंगा किसाल 2022 रक्तदाता दिवस की थीम 'डोनेटिंग ब्लड इज एन एक्ट आफ सोलिडेरिटी, ज्वाइन द एफर्ट एंड सेवन लाइव्स रखी गई थी, यानी 'रक्तदान एकजुटता का कार्य है। प्रयास में शामिल हों और जीवन बचाएं।' जानकारी देना चाहूंगा कि इस साल 20वां विश्व रक्तदाता दिवस 14 जून 2023 को बुधवार के दिन मनाया जा रहा है, और इसका नारा 'रक्त दो, प्लाज्मा दो, जीवन बांटो, बार-बार बांटो' रखी गई है। आज रक्त की आपूर्ति मांग की तुलना में कम है, क्यों कि लोगों में रक्तदान के बारे में अनेक तरह की भ्रांतियां हैं, कुछ लोग यह मानते हैं कि रक्तदान करने से कमजोरी आती है, वे बीमार पड़ सकते हैं, जबकि ऐसा नहीं है। एक स्वस्थ व योग्य व्यक्ति यदि खून दान करता है तो यह उसके स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है, ऐसा चिकित्सकों का कहना है। बहरहाल, जानकारी देना चाहूंगा कि एक अध्ययन में पाया गया कि रक्तदान की आपूर्ति प्रति हज़ार पर 33.8 थी, जबकि मांग 36.3 थी। ऐसे में देश में सालाना एक मिलियन रक्त की यूनिट्स कम पड़ती हैं। खासतौर पर दूर-दराज के इलाकों में रक्त सुरक्षा का अभाव है। इसका मुख्य कारण है कि लोग रक्तदान के बारे में जागरुक नहीं हैं, कई स्थानों पर इसे उचित नहीं माना जाता है। चिकित्सकों का यह मानना है कि एक नहीं अपितु रक्त दान के ढेरों फायदे हैं। यह न सिर्फ रक्त पाने के लिए बल्कि दान करने वाले के लिए भी फायदेमंद है। डोनर द्वारा नियमित रूप से रक्तदान करने से शरीर में आयरन का स्तर ठीक बना रहता है। दिल की बीमारियों, विशेष प्रकार के कैंसर जैसे लिवर कैंसर तक का खतरा रक्तदान करने से कम हो जाता है। रक्तदान करने से बहुत सी जिंदगियां तो बचती ही हैं साथ ही साथ रक्त दान करने से हमारे मन में संतोष की भावना आती है, हम यह महसूस करते हैं कि हमने किसी को जीवन देने में मदद की है। इससे हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर अच्छा असर पड़ता है। इससे हमारा रक्त प्रवाह भी अच्छा बना रहता है।

रक्त जांच से पहले हमारे शरीर की निःशुल्क शारीरिक जांच की जाती है, इससे हमारे ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन, पल्स आदि जांचे जाते है। रक्तदान करने से हमारा वजन भी कंट्रोल रहता है। रक्तदान करने के बाद शरीर खून की कमी को पूरा करने में जुट जाता है। जिससे शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं ज़्यादा बनती हैं, और हमारी सेहत में सुधार आता है। रक्तदान करने से हमारी ब्लड ग्रुप, आरएच फैक्टर के अलावा एच आई वी, हेपेटाइटिस, मलेरिया व यौनजनित रोगों की जांच हो जाती है। रक्तदान की पूरी प्रक्रिया के दौरान 20-25 मिनट का समय लगता है। उस समय कोई तकलीफ व दर्द भी नहीं होता है और न ही किसी प्रकार के संक्रमण की संभावना रहती है।

रक्तदान है जीवनदान बचाता है अनेकों जान

योगेश कुमार गोयल

रक्तदान को समस्त विश्व में सबसे बड़ा दान माना गया है क्यों कि रक्तदान ही है, जो न केवल किसी जरूरतमंद का जीवन बचाता है बल्कि जिंदगी बचाकर उस परिवार के जीवन में खुशियों के ढ़ेरों रंग भी भरता है लेकिन विड़म्बना है कि रक्तदान के महत्व को जानते-समझते हुए भी रक्त के अभाव में आज भी दुनियाभर में हर साल लाखों लोग असमय ही काल के ग्रास बन जाते हैं, जिनमें अकेले भारत में ही रक्त की कमी के चलते होने वाली ऐसी मौतों की बड़ी संख्या होती है क्योंकि देश में प्रतिवर्ष करीब चालीस लाख यूनिट रक्त की कमी रह जाती है। दरअसल रक्तदान के महत्व को लेकर किए जाते रहे प्रचार-प्रसार के बावजूद आज भी बहुत से लोगों के दिलोदिमाग में रक्तदान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान हैं, जैसे रक्तदान करने से संक्रमण का खतरा रहता है, शरीर में कमजोरी आती है, बीमारियां शरीर को जकड़ सकती हैं या एचआईवी जैसी बीमारी हो सकती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार रक्तदान करने से शरीर को किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं होता बल्कि रक्तदान से तो शरीर को कई फायदे ही होते हैं। जहां तक रक्तदान से संक्रमण की बात है तो सभी स्वास्थ्य केन्द्रों द्वारा रक्त लेते समय विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा तय मानक तरीके अपनाए जाते हैं, इसलिए संक्रमण का कोई खतरा नहीं होता। 18 साल से अधिक उम्र का शारीरिक रूप से स्वस्थ कम से कम 45 किलो से अधिक वजन का कोई भी व्यस्क स्वेच्छा से कम से कम तीन माह के अंतराल पर साल में 3-4 बार रक्तदान कर सकता है। कुछ लोगों को रक्तदान के समय हल्की कमजोरी का अहसास हो सकता है किन्तु यह चंद घंटों के लिए अस्थायी ही होता है। इसके उलट रक्तदान के फायदों की चर्चा करें तो रक्तदान करते रहने से खून की प्राकृतिक रूप से सफाई होती है और रक्त कुछ पतला हो जाने से खून में थक्के नहीं जमते, जिससे हार्ट अटैक की संभावना बेहद कम हो जाती है। रक्तदान के बाद शरीर में जो नए ब्लड सेल्स बनते हैं, उनमें किसी भी बीमारी से लड़ने की अपेक्षाकृत अधिक ताकत होती है और यह स्वच्छ व ताजा रक्त शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मददगार होता है, जिससे न सिर्फ कोलेस्ट्रॉल और रक्तचाप नियंत्रित रहता है बल्कि कैंसर जैसी बड़ी बीमारियों से बचाव, कुछ हद तक मोटापे पर नियंत्रण तथा कई संक्रामक बीमारियों से बचाव होता है। रक्त में आयरन की मात्रा नियंत्रित हो जाने से लीवर की कार्यक्षमता बढ़ जाती है।जीवनदायी रक्त की महत्ता के मद्देनजर लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से 14 जून 1868 को जन्मे कार्ल लैंडस्टीनर के जन्मदिवस पर 14 जून 2004 को रक्तदान दिवस की शुरूआत की गई थी और तब पहली बार विश्व स्वास्थ्य संगठन, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेडक्रॉस तथा रेड क्रिसेंट सोसायटीज द्वारा 'रक्तदान दिवस' मनाया गया था, तभी से यह दिन 'रक्तदान' के नाम कर दिया गया। विश्व रक्तदान दिवस की शुरूआत का उद्देश्य यही था कि चूंकि दुनियाभर में लाखों लोग समय पर रक्त न मिल पाने के कारण मौत के मुंह में समा जाते हैं, अतः लोगों को रक्तदान करने के लिए जागरूक किया जाए। हमारे शरीर में शरीर के कुल वजन का करीब 7 फीसदी रक्त होता है और अगर हम उसमें से 3 फीसदी भी दान कर दें तो भी स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या नहीं होती। वैसे विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्देशानुसार एक बार में किसी भी व्यक्ति का एक यूनिट अर्थात 450 मिलीलीटर से अधिक रक्त नहीं लिया जा सकता और इस रक्त की पूर्ति हमारा शरीर खुद ही 2-3 दिनों में ही कर लेता है। रक्तदान के बाद प्राप्त रक्त से आवश्यकतानुसार लाल रक्त कणिकाएं, प्लेटलेट्स, प्लाज्मा और क्रायोप्रेसिपिटेट अलग कर मरीजों के लिए उपयोग किए जाते हैं। आरबीसी का उपयोग रक्त लिए जाने के 42 दिन बाद तक किया जा सकता है जबकि प्लेटलेट्स सिर्फ 5 दिन के अंदर उपयोग की जा सकती हैं। रक्तदान करते समय कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान अवश्य रखा जाना चाहिए, तभी आप द्वारा किया गया रक्तदान सार्थक होगा। आपको एड्स, मलेरिया, हेपेटाइटिस, अनियंत्रित मधुमेह, किडनी संबंधी रोग, उच्च या निम्न रक्तचाप, टीबी, डिप्थीरिया, ब्रोंकाइटिस, अस्थमा, एलर्जी, पीलिया जैसी कोई बीमारी हो तो रक्तदान न करें। माहवारी के दौरान या गर्भवती अथवा स्तनपान कराने वाली महिलाएं रक्तदान करने से बचें। यदि आपको टाइफाइड हुआ हो और ठीक हुए महीना भर ही हुआ हो, चंद दिनों पहले गर्भपात हुआ हो, तीन साल के भीतर मलेरिया हुआ हो, पिछले छह महीनों में किसी बीमारी से बचने के लिए कोई वैक्सीन लगवाई हो, आयु 18 से कम या 60 साल से ज्यादा हो तो रक्तदान न करें।

हम तो चले मरने

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक नेता जी हैं। अक्सर बयान देते रहते हैं। यही उनका धंधा है। एक दिन उन्होंने लाठीचार्ज और गोलीकांड में शांति और प्रसन्नता से बयान दिया। बयान क्या, जैसे शतचंडी यज्ञ की सफलता बता रहे हों और कहा - कुल आठ आदमी पुलिस की गोली से मारे गये। उनके चेले चपाटों में से एक ने कहा-आठ नहीं, सौ मारे गये हैं। नेता जी ने देखा-हाँ, विरोधी हैं। दूसरे ने कहा- मेरे पास सरकारी और गैर-सरकारी दोनों आंकड़े हैं। बताइए आपको कौनसे चाहिए? नेता जी ने शराब का गिलास मुँह से लगाते हुए कहा -सरकारी आंकड़े तो हमीं तैयार करते हैं। गैर-साकारी आंकड़े बताओ। सामने वाला ने कहा - कुल पाँच सौ मज़दूर मारे गये हैं। कमोबेश एक-दो ज्यादा हो सकते हैं लेकिन कम तो कतई नहीं। नेता जी ने देखा -हूँ, बात तो सही है। अच्छा हुआ। आए दिन हड़ताल देने की धमकी दे रहे थे। कुछ लोगों को डराने के लिए कुछ को पीटना और कुछ को मारना पड़ता है। सेक्रेटरी ने कहा- बहुत ज़्यादा मौतें हुई हैं, तथ्यों को छिपाते जा रहे हैं। नेता जी ने देखा- हाँ, है तो विरोधी पार्टी के, पर कमबख़्त हमारे ही किसी नेता के इशारे पर काम कर रहे थे।नेता जी ने अपने साथियों की तरफ़ देखा। वे आँखों से कह रहे थे- अरे अंधों! तुम्हारी अकल क्या काली टोपी में ही रखी रह गयी! आठ भी क्यों कहा? कह देता कि एक भी नहीं मरा. जो पता लगाने जाते, उन्हें भी मार डालते. किसे मालूम होता! अब नेता जी ने मौत का हिसाब किया- बिलकुल बनिये की तरह ख़ून की क़ीमत तय करके दे दी। देखो भाई, तुम्हारे बैंगन के इतने पैसे हुए, भिंडी के इतने और गाजर के इतने। न भूलचूक, न लेना-देना। जो मरा, उसके परिवार वालों को पाँच लाख रुपये देंगे। जो ज़्यादा घायल होकर अस्पताल में है, उसे पचास हजार रुपये। जिसकी सिर्फ़ मरहम पट्टी हुई है, उसे दस हजार रुपये। हो गया हिसाब साफ़। उधर फायरिंग के शिकार लोगों के परिवार की औरतें यों बात कर रही थीं - हमारी तो क़िस्मत फूट गयी।

हमारे मर्द को मामूली मरहम-पट्टी हुई है तो हमें दस हजार ही मिलेंगे। उसमें भी बिचौलिए काटकर देंगे। मानो उन्हीं को अपनी मरहम पट्टी करवानी है। तू भागवान है सुनीता, कि तेरा मर्द मर गया। तुझे तो तुझे पूरे पाँच लाख मिलेंगे। हमारा मर्द तो शुरू से निखट्टू है। इस चंपा का घरवाला फिर भी ठीक है। अस्पताल में पड़ा है तो पचास हाजर रुपये तो मिलेंगे। हमारे मर्द से तो इत्ता भी न हुआ। सरकार धन्य है।

4 राशियों को वर्षों तक मिलेगा इस राजयोग का लाभ, बस एक काम जरूर करें

अगले हफ्ते ग्रहों के परिवर्तन से महत्वपूर्ण योग और राजयोग का निर्माण हो रहा है। ज्योतिष मान्यता के अनुसार इस बार अखंड साम्राज्य योग के साथ ही नव पंचम राजयोग का निर्माण भी हो रहा है जिसके चलते 4 राशियों को वर्षों तक लाभ होता रहेगा। बस उन्हें एककाम करना है तो फायदा ही फायदा होगा।

क्या होता है अखंड साम्राज्य राजयोग :
बृहस्पति ग्रह जब वृषभ लग्न के साथ एकादश भाव, सिंह लग्न के साथ पंचम भाव, वृश्चिक लग्न के साथ दूसरे और पंचम भाव सहित कुंभ लग्न के साथ द्वितीय और ग्यारहवें भाव के कारक माने जाते हैं तो अखंड साम्राज्य योग का निर्माण होता है।

देवगुरु 2रें, 5वें और 11वें भाव के स्वामी होकर अखंड साम्राज्य योग का निर्माण कर रहे हैं। वृषभ लग्न के गुरु 11 घर में, सिंह लग्न में पांचवें, वृश्चिक लग्न में दूसरे और पांचवें घर तथा कुंभ लग्न में दूसरे और ग्यारह घर के कारक को माना जाता है।

कुंडली के 2रे, 9वें और 11वें घर में गुरु मजबूत चंद्रमा के साथ बैठे हो तो अखंड साम्राज्य योग का निर्माण होता है। कुंडली के दूसरे, 10वें, 11 घर के स्वामी एक केंद्र में स्थित होता है तब अखंड साम्राज्य योग का लाभ मिलता है।

नवपंचम राजयोग :
आर्द्रा नक्षत्र में सूर्य का गोचर बुध की राशि मिथुन में हो रहा है बुध को बुद्धि, ज्ञान और सद्भावना का कारक माना जाता है जबकि सूर्य प्रगति ऊर्जा संस्कार और संस्कृति के द्योतक हैं। 24 जून को बुध भी मिथुन राशि में आ जाएंगे, जो जुलाई तक रहेंगे। इन दोनों ग्रहों के गोचर से बुधादित्य राजयोग का निर्माण हो रहा है। शनि के साथ इन दोनों ग्रहों की दृष्टि बनने से शनि के साथ मिलकर नवपंचम राजयोग और विपरीत राजयोग का निर्माण करेंगे।

शनि और शुक्र जून के महीने में नवपंचम राजयोग बना रहे हैं। 30 मई 2023 को कर्क राशि में शुक्र का गोचर हुआ है। वही शनि की दृष्टि शुक्र पर पड़ रही है। ऐसे में नवपंचम राजयोग का निर्माण हो रहा है।

उपरोक्त योग का प्रभावः
सूर्य के शुभ प्रभाव से नौकरी और व्यापार में तरक्की होगी, आत्मविश्वास बढ़ेगा, लीडरशीप करने का मौका मिलेगा। वही पिता, अधिकारी और शासकिय मामलों में सफलता भी मिलती है।

अखंड साम्राज्य राजयोग, जो अति फलदायी माना जाता है और इसके प्रभाव से जातक वैभव सुख हासिल करते हैं।

अखंड साम्राज्य राजयोग का लाभ वृषभ सिंह वृश्चिक और कुंभ लग्न के जातकों को मिलता है।

हेमा मालिनी की असली उम्र जानकार आपको यकीन नहीं होगाऔर जानें

मेष राशि : इस राज के जातकों को उपरोक्त राजयोग का लाभ मिलेगा, क्योंकि इनके तीसरे भाव में शुक्र एवं ग्यारहवें भाव में शनि विराजमान हैं। ऐसे में यदि आप व्यापारी हैं तो व्यापार में दोगुनी बढ़ोतरी होगी। नौकरीपेशा हैं तो वेतनवृद्धि के साथ ही पदोन्नति होगी। लंबी यात्रा का योग भी बनेगा। रिश्तों में मजबूती आएगी।

वृषभ राशि : आपकी राशि में दूसरे में शुक्र एवं दशम में शनि का विराजमान होगा शक्तिशाली योग बना रहा है। इससे अचानक से आर्थिक लाभ होगा। नौकरी में अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पदोन्नति और वेतन वृद्धि के प्रबल योग हैं । व्यापारी हैं तो महत्वपूर्ण रूप से लाभ होगा। सेहत और संबंधों में तेजी से सुधार होगा।

सिंह राशि : भूमि, भवन या वाहन के मालिक बनेंगे। कमाई में बढ़ोतरी होगी। जीवनसाथी के संग संबंधों में सुधार होगा। सेहत में भी तेजी से सुधारा होगा। पुराने रोग और कष्ट समाप्त होंगे। मन का संपात पिटेगा। भाग्य का साथ मिलेगा।

मिथुन राशि : आपकी के लिए यह योग बहुत ही महत्व पूर्ण है। आपकी मान प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी। सेहत और संबंधों में सुधार होगा। जीवन में हर ओर से सकारात्मक समाचार सुनाई देंगे। सुख और सुविधाओं का विस्तार होगा। मनोकामनाएं पूर्ण होगी।

अखंड साम्राज्य योग का लाभः
धन की कभी कमी नहीं रहती।
पैतृक संपत्ति का मालिक बन सकता है।
नौकरी और व्यापार के क्षेत्र में उन्नति करता है।
सुख सुविधा का विस्तार होता है।
संतान सुख का फल प्राप्त करता है।
आध्यात्मिक शक्ति का ज्ञान होता है।
पारिवारिक सुख मिलता है।

नौकरी के लिए कौन सा व्रत करना चाहिए

बुधवार और शनिवार : बहुत से लोग बुधवार करने की सलाह देते हैं और बहुत से शनिवार का व्रत रखने की सलाह देते हैं। नौकरी के लिए दोनों ही व्रत करना लाभकारी माना गया है। हालांकि अधिकतर लोग शनिवार का व्रत रखते हैं। 7 या 11 शनिवार को विधिवत रूप से व्रत रखने से नौकरी के योग बनते हैं।

आजकल अच्छी नौकरी मिलना मुश्किल है। देशों में लाखों बेरोजगार लोग होंगे जो नौकरी की तलाश में भटक रहे हैं। हालांकि उन शहरों में नौकरी ज्यादा होती है जहां पर आबादी ज्यादा है और जहां पर कारोबारी कार्य ज्यादा होता है। इसीलिए कई लोगों को नौकरी की तलाश में अपना शहर छोड़कर जाना पड़ता है। ऐसे शहरों में जाकर भी उन्हें ढंग की नौकरी नहीं मिल रही हैं तो उन्हें करना चाहिए कौनसा वार।

यदि आप बुधवार का व्रत रख रहे हैं तो यह व्यापार के लिए लाभदायक माना जाता है। बुधवार के व्रत के दौरान आपको माता दुर्गा या गणेशजी की विधिवत पूजा करना चाहिए। शनिवार के व्रत के दौरान आपको शनिदेव की पूजा करना चाहिए।

सरकारी नौकरी या राजनीति में उच्च पद हेतु करें मंगलवार : इसी के साथ कुछ ज्योतिषियों का मानना है कि सरकारी नौकरी या राजनीति में उच्च पद की अभिलाषा है तो मंगलवार या रविवार का व्रत रखना चाहिए। रोज हनुमान जी की पूजा करना चाहिए और हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए।

घर में चप्पल पहनना चाहिए या नहीं?

शनि देव का संबंध हमारे पैरों से भी है।
पैरों में जूते और चप्पल राहु केतु का प्रतीक है।
घर के मुख्य द्वार पर जूते-चप्पल नहीं रखना चाहिए इससे नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करती है
जो व्यक्ति घर के अंदर जूते-चप्पल पहनकर आता है इसके साथ घर में राहु और केतु जैसे पापी ग्रह भी घर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं।
इसलिए वास्तु के अनुसार घर में चप्पल पहनना मना है। इसके विकल्प के तौर पर आप घर में मोजे पहनकर रह सकते हैं।
घर में रसोईघर, भंडारघर, पूजाघर, तिजोरी वाले स्थान आदि के समक्ष जूते या चप्पल पहनकर जाने से धन संपत्ति का नाश होता है।
अन्य नियम :- जब भी आप जूते चप्पल उतारें तो उन्हें कभी पूर्व या फिर उत्तर दिशा में नहीं उतारें।
जब आप घर में मिट्टी लगे वाले जूते लेकर आते हैं और उत्तर दिशा में खोलकर चले जाते हैं तो आपके घर की सकरात्मक ऊर्जा भी नकारात्मक ऊर्जा में बदल जाती है।
घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास होता है वहां धन की देवी लक्ष्मी भी नहीं आती है।
इसलिए कभी अपने गंदे जूते-चप्पल उत्तर दिशा में कभी नहीं उतारने चाहिए बल्कि जूते-चप्पल दक्षिण या पश्चिम दिशा में रखने चाहिए।
फटे और पुराने जूते पहनने से शनि की अशुभ छाया और घर पर दरिद्रता आती है।
शनिवार को जूते-चप्पल खरीदना इसीलिए मना कहा जाता है कि शनि का संबंध पैरों से माना गया है। उस दिन जूते-चप्पल खरीदने से शनि संबंधी पीड़ा भी घर में आ सकती
शनि की अशुभ छाया से बचने के लिए शनिवार के दिन काले रंग की चमड़े की चप्पल या जूते को मंदिर के बाहर उतार का बिना पलटे वापस आने से शनि दोष से छुटकारा मिलता है।

बाथरूम में नमक रखने से क्या होगा?

बाथरूम में कांच की कटोरी में नमक रखने से घर में धन की कमी दूर होती है। सुख-शांति भी बनी रहती है
नमक कौन सी दिशा में रखना चाहिए?
वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में पैसों की आवक बनाए रखने के लिए कांच के गिलास में पानी भरकर नमक मिलाएं और बाथरूम के नैऋत्य कोण, यानि दक्षिण-पश्चिम कोने में रख दें। इससे पैसों का प्रवाह बढ़ेगा।

बाथरूम में नमक रखने से घर की नकारात्मक ऊर्जा नष्ट होती है, वातावरण की पवित्रता बढ़ती है साथ ही लक्ष्मी प्राप्ति के मार्ग खुल जाते हैं। घर में आ रहे धन में बरकत आती है।

अगर बाथरूम में रखना संभव नहीं है तो एक शीशे के गिलास ने पानी लेकर उसमें नमक मिलाएं और घर के नैऋत्य कोण यानी दक्षिण पश्चिम कोने में रख दें। जहां गिलास रख रहे हैं वहां एक लाल बल्ब भी लगा दें। पानी के खत्म होने पर फिर से पानी भरकर रख दें। यह तरीका आर्थिक समस्या से छुटकारा दिलाएगा।

बाथरूम से जुड़ा कोई वास्तु दोष है तो क्रिस्टल नमक को एक कांसे की कटोरी में रखें। ध्यान रखना है कि जहां भी कटोरी रखें वहां किसी का हाथ ना लगे।

समय-समय पर नमक को बदलना ना भूलें।

बाथरूम में एक कटोरी में नमक रखने से रिश्तों में स्नेह और सकारात्मकता आएगी।

बाथरूम गंदा या वास्तु दोष होने से नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश कर लेती हैं और फिर समस्याएं आना शुरू हो जाती हैं। आप परेशान रहने लगते हैं। ऐसे में आप नमक से फायदा उठा सकते हैं। नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश ना करे इसलिए भी और अगर ऐसा महसूस हो कि कुछ गड़बड़ है तो भी आपको नमक से ही एक उपाय करना होगा।

थोडा खड़ा नमक लेकर टॉयलेट में डालकर बहा देना है। इसके बाद एक कांच के कटोरे में एक मुट्ठी नमक डालकर कटोरा टॉयलेट में रख देना है।

यह उपाय करने से आपके घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा खत्म हो जाएगी और कोई भी नकारात्मक ऊर्जा आपके घर में प्रवेश नहीं हो पाएगी। यह नमक आपको 15-15 दिन के बाद बदलते रहना है।

आपको अपने टॉयलेट और अपने शयनकक्ष में सेंधा नमक का एक छोटा सा टुकड़ा रखना चाहिए। इससे परिवार में प्यार बढ़ता है। गृहकलह दूर होता है।

बाथरूम में नमक किस दिन रखना चाहिए
मंगलवार या शनिवार के दिन बाथरूम में नमक रखना बेहतर है।

मंगलवार को हनुमान जी का नाम लेकर बाथरूम में नमक रखते हैं तो घर में प्रवेश होने वाली नकारात्मक ऊर्जा से हनुमान जी हमारी रक्षा करते हैं।

अगर आप शनिवार के दिन शनिदेवता का नाम लेते हुए बाथरूम में नमक रखते हैं तो शनिदेवता प्रसन्न होते हैं और आपके घर में आने वाली नकारात्मक ऊर्जा को प्रवेश नहीं करने देते हैं।

कभी भी पूजा घर में नमक नहीं रखना चाहिए, इसे वास्तु शास्त्र में अशुभ माना गया है। नमक को हमेशा कांच की शीशी में रखें। कभी भी नमक को स्टील, प्लास्टिक या फिर लोहे के डिब्बे में न रखें।

भगवान श्रीकृष्ण की पुत्री का रहस्य

महाभारत के अनुसार विदर्भ के राजा भीष्मक की पुत्री रुक्मिणी की इच्छानुसार भगवान श्रीकृष्ण ने उनका हरण करके उनसे विवाह किया था। रुक्मिणी भगवान श्रीकृष्ण की आठ पत्नियों में प्रथम थीं।

श्रीकृष्ण-रुक्मिणी के कुल 10 पुत्र थे- प्रद्युम्न, चारुदेष्ण, सुदेष्ण, चारुदेह, सुचारू, चरुगुप्त, भद्रचारू, चारुचंद्र, विचारू और चारू। कुछ लोग 9 पुत्रों की बात करते हैं- प्रद्युम्न, चारुदेष्ण, सुदेष्ण, चारुधाद्र, ध्रुम, सुसेना, उरुगुप्त, चारुविंद और चारुधाऊ। दोनों की एक पुत्री भी थीं जिसका नाम चारुमति था।

रुक्मणिजी से भगवान के चारुमति नाम की एक कन्या भी थी जिसका जिक्र भागवत पुराण में किंचित मात्र किया गया है। चारुमति के बारे में विशेष कुछ नहीं लिखा है लेकिन ये बात बताई गई है कि युद्ध की समाप्ति के बाद जब कृतवर्मा फिर पांडवो में जा मिले थे तो उनके ही बेटे बलि से कृष्ण की बेटी चारुमति का विवाह हुआ था। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती।

क्यों 7 पुत्रों को जल में बहा दिया था गंगा ने और 8वें को नहीं बहा पाई?

पुत्र की कामना से शांतनु के पिता प्रतीप गंगा के किनारे तपस्या कर रहे थे। उनके तप, रूप और सौन्दर्य पर मोहित होकर गंगा उनकी दाहिनी जंघा पर आकर बैठ गईं और कहने लगीं, 'राजन! मैं आपसे विवाह करना चाहती हूं। मैं जह्नु ऋषि की पुत्री गंगा हूं।'

इस पर राजा प्रतीप ने कहा, 'गंगे! तुम मेरी दाहिनी जंघा पर बैठी हो, जबकि पत्नी को तो वामांगी होना चाहिए, दाहिनी जंघा तो पुत्र का प्रतीक है अतः मैं तुम्हें अपने पुत्रवधू के रूप में स्वीकार कर सकता हूं।' यह सुनकर गंगा वहां से चली गईं।'

जब महाराज प्रतीप को पुत्र की प्राप्ति हुई तो उन्होंने उसका नाम शांतनु रखा और इसी शांतनु से गंगा का विवाह हुआ। शांतनु ने अपने पिता प्रतीप की आज्ञा से गंगा के पास जाकर उनसे विवाह करने के लिए निवेदन किया। गंगा ने कहा, 'राजन्! मैं आपके साथ विवाह करने के लिए तैयार हूं लेकिन आपको वचन देना होगा कि आप मेरे किसी भी कार्य में हस्तक्षेप नहीं करेंगे।' शांतनु ने गंगा को वचन देकर विवाह कर लिया।

जब गंगा का 8वां पुत्र हुआ और वह उसे भी नदी में बहाने के लिए ले जाने लगी तो राजा शांतनु से रहा नहीं गया और उन्होंने इस कार्य को करने से गंगा को रोक दिया। गंगा ने कहा कहा, 'राजन्! आपने अपनी प्रतिज्ञा भंग कर दी है इसलिए अब मैं आपके पास नहीं रह सकती।' इतना कहकर गंगा वहां से अंतर्ध्यान हो गई। महाराजा शांतनु ने अपने उस पुत्र को पाला-पोसा और उसका नाम देवव्रत रखा। देवव्रत के किशोरावस्था में होने पर उसे हस्तिनापुर का युवराज घोषित कर दिया। यही देवव्रत आगे चलकर भीष्म कहलाए।

इसलिए गंगा ने बहाए थे सातों पुत्रः
एक बार 'द्यु' नामक वसु ने वशिष्ठ ऋषि की कामधेनु का हरण कर लिया। इससे वशिष्ठ ऋषि ने द्यु से कहा कि ऐसा काम तो मनुष्य करते हैं इसलिए तुम आठों वसु मनुष्य हो जाओ। यह सुनकर वसुओं ने घबराकर वशिष्ठजी की प्रार्थना की तो उन्होंने कहा कि अन्य वसु तो वर्ष का अंत होने पर मेरे शाप से छुटकारा पा जाएंगे, लेकिन इस 'द्यु' को अपनी करनी का फल भोगने के लिए एक जन्म तक मनुष्य बनकर पीड़ा भोगना होगी।

यह सुनकर वसुओं ने गंगाजी के पास जाकर उन्हें वशिष्ठजी के शाप को विस्तार से बताया और यह प्रार्थना की कि 'आप मृत्युलोक में अवतार लेकर हमें गर्भ में धारण करें और ज्यों ही हम जन्म लें, हमें पानी में डुबो दें। इस तरह हम जल्दी से सभी मुक्त हो जाएंगे।' गंगा माता ने स्वीकार कर लिया और वे युक्तिपूर्वक शांतनु राजा की पत्नी बन गईं और शांतनु से वचन भी ले लिया। शांतनु से गंगा के गर्भ में पहले जो 7 पुत्र पैदा हुए थे उन्हें उत्पन्न होते ही गंगाजी ने पानी में डुबो दिया जिससे 7 वसु तो मुक्त हो गए लेकिन 8वें में शांतनु ने गंगा को रोककर इसका कारण जानना चाहा।

गंगाजी ने राजा की बात मानकर वसुओं को वशिष्ठ के शाप का सब हाल कह सुनाया। राजा ने उस 8वें पुत्र को डुबोने नहीं दिया और इस वचनभंगता के काण गंगा 8वें पुत्र को सौंपकर अंतर्ध्यान हो गईं। यहीं बालक 'द्यु' नामक वसु था।

तमन्ना ने विजय वर्मा के साथ रिलेशनशिप की बात कबूली

कहा- वे मुझे समझते हैं, उनके आस-पास रहने से खुशी मिलती है

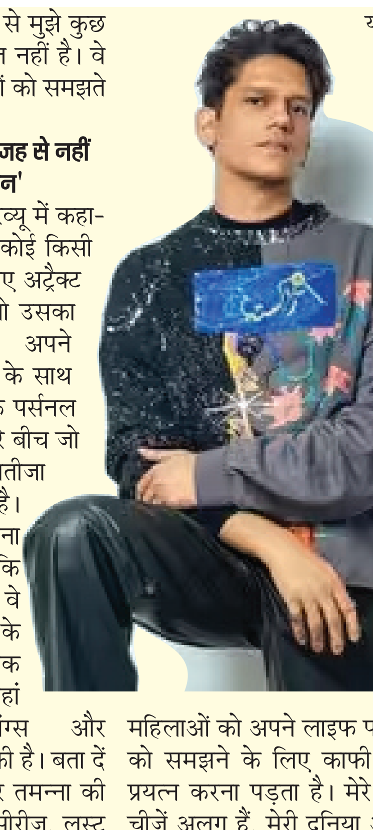

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा की लिंकअप की खबरें कई दिनों से चल रही हैं। अब एक इवेंट में तमन्ना ने कबूल किया है कि उनके और विजय के बीच में दोस्ती से बढ़कर भी कुछ है। तमन्ना ने कहा- विजय के साथ मेरा गहरा बॉन्ड है। मैं उनकी परवाह करती हूं, वे जब आस-पास होते हैं तो अच्छा लगता है। भारत जैसे देश में एक महिला को अपने पार्टनर के लिए अपने जीवन में बदलाव करना पड़ता है। हालांकि विजय एक ऐ से य हां शख्स हैं जिनके आने से मुझे कुछ भी बदलने की जरूरत नहीं है। वे हर तरीके से मेरी चीजों को समझते हैं।

'को-स्टार होने की वजह से नहीं हुआ अट्रैक्शन'

तमन्ना ने एक इंटरव्यू में कहा- मुझे नहीं लगता कि कोई किसी की तरफ सिर्फ इसलिए अट्रैक्ट हो जाता है क्योंकि वो उसका को-स्टार है। मैंने अपने करियर में कई लोगों के साथ काम किया है। ये एक पर्सनल फीलिंग होती है। हमारे बीच जो भी हुआ वो इसका नतीजा तो बिल्कुल नहीं है। तमन्ना यहां कहना चाह रही हैं कि विजय और वे को-स्टार होने के नाते नजदीक नहीं आए। यहां बात फीलिंग्स और अंडरस्टैंडिंग की है। बता दें कि विजय और तमन्ना की मुलाकात वेब सीरीज, लस्ट स्टोरी 2 के शूट के दौरान हुई थी। वहीं से दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ी।

तमन्ना से पूछा गया कि क्या लस्ट स्टोरीज 2 की शूटिंग के वक्त दोनों नजदीक आए? जवाब में तमन्ना कहती हैं- हां, ये सच है। वे एक ऐसे इंसान हैं जिनके साथ मेरा रिश्ता बहुत नेचुरल है। उनके आने से मैं सुरक्षित महसूस करती हूं। जिन महिलाओं ने अपनी लाइफ में बहुत कुछ हासिल किया है, वो ये सोचने लगती हैं कि आपको हर चीज के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। महिलाओं को अपने लाइफ पार्टनर को समझने के लिए काफी कुछ प्रयत्न करना पड़ता है। मेरे साथ चीजें अलग हैं, मेरी दुनिया अलग है। वे (विजय) एक ऐसे शख्स हैं जो मेरी दुनिया को बखूबी समझते हैं।

विजय वर्मा की गिनती बॉलीवुड के टैलेंटेड एक्टर्स में की जाती है। गली बॉय से उनको काफी ज्यादा प्रसिद्धि मिली थी। इस साल उन्होंने आलिया भट्ट के साथ फिल्म डार्लिंग में काम किया, जिसे भी ऑडियंस ने काफी पसंद किया।

तमन्ना और विजय की रिलेशनशिप की खबरें सबसे पहले तब उड़ीं जब दोनों की एक फोटो वायरल हुई। ये फोटो न्यू ईयर के मौके पर ली गई थी। फोटो में दोनों एक दूसरे को किस करते नजर आए थे। उसके बाद दोनों कई पार्टीज और इवेंट्स में साथ देखे गए। दोनों को कई बार एक ही कार में लंच और डिनर के लिए निकलते भी देखा गया गया था।

जावेद अख्तर ने कहा- कंगना ने मेरे खिलाफ झूठ बोला

बोले- सुसाइड को लेकर उकसाने वाली बात गलत; कंगना को पर्सनली नहीं जानता

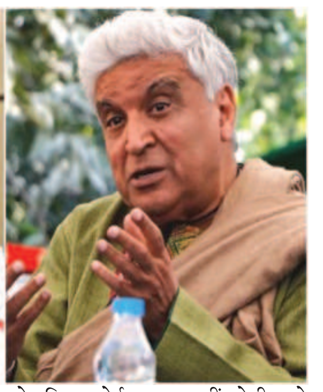

जावेद अख्तर ने तीन साल पहले कंगना रनोट पर मानहानि का केस किया था। 12 जून को मुंबई की मजिस्ट्रेट कोर्ट में कंगना के वकील ने जावेद अख्तर से क्रॉस एग्जामिनेशन किया। जावेद अख्तर ने इस दौरान कहा कि कंगना ने उनके खिलाफ नेशनल टेलीविजन पर जो भी बोला वो किसी भी एंगल से सच नहीं है। जावेद अख्तर ने कहा कि वे कंगना को पर्सनली नहीं जानते। सुसाइड को लेकर उकसाने वाली बात भी किसी तरीके से सही नहीं है।

दरअसल 2020 में कंगना ने इंटरव्यू में कहा कि जावेद अख्तर सुसाइड को लेकर उकसाने वाले ग्रुप का हिस्सा हैं। कंगना ने ये इंटरव्यू उस वक्त दिया जब सुशांत के सुसाइड की चर्चा पूरा देश कर रहा था। जावेद अख्तर के मुताबिक, कंगना के इस स्टेटमेंट के बाद उनकी इमेज को काफी धक्का लगा। उन्होंने इसी वजह के कंगना के खिलाफ मानहानि का केस कर दिया।

दरअसल इस पूरे मामले की शुरुआत फिल्म कृष 3 की शूटिंग के दौरान हुई। ऋतिक रोशन और कंगना रनोट इस फिल्म के बाद क्लोज हो गए थे। हालांकि दोनों ने उस वक्त अपने रिलेशनशिप को लेकर कभी बात नहीं की। कंगना ने 2016 में एक इंटरव्यू में ऋतिक को अपना एक्स कह कर संबोधित किया था। उसके बाद मीडिया को इस मामले की जानकारी हुई। फिर इस मामले में जावेद अख्तर की एंट्री हुई। कंगना ने एक इंटरव्यू में बताया कि ऋतिक के साथ हुए विवाद के बाद जावेद अख्तर ने उन्हें अपने घर पर बुलाया और कहा कि तुम ऋतिक से माफी मांग लो। अगर तुम माफी नहीं मांगोगी तो तुम्हें सुसाइड करने तक की नौबत आ सकती है।

कंगना ने इंटरव्यू में कहा, 'जावेद अख्तर ने मुझसे कहा कि राकेश रोशन और उनका परिवार बहुत पावरफुल है। अगर तुम उनसे माफी नहीं मांगती हो तो तुम्हारे पास बचने के लिए कोई जगह नहीं होगी। वो तुम्हें जेल में डाल देंगे और तुम्हारे पास सुसाइड करने के अलावा और कोई चारा नहीं बचेगा। वे ये बात कहते हुए काफी तेज चिल्ला रहे थे और मैं डर के मारे कांप रही थी।'

कंगना ने उस दौरान करण जौहर, जावेद अख्तर और महेश भट्ट जैसे कई बड़ी हस्तियों को बॉलीवुड की सुसाइड गैंग करार दे दिया था। कंगना ने इन सभी दावों को पिछले साल कोर्ट के सामने दोहराया था। इसके अलावा इंटरव्यू वगैरह में भी उन्होंने इन बातों की चर्चा की।

जावेद अख्तर ने कहा- कंगना मामला सुलझाने के लिए घर आई थीं

अब वर्तमान की बात करते हैं। 12 जून यानी सोमवार को केस की सुनवाई के दौरान कंगना के वकील रिजवान सिद्दीकी ने जावेद से कुछ सवाल किए। वकील ने पूछा कि आपने अभी तक ये नहीं बताया कि 2016 में आपके और कंगना के बीच मीटिंग का क्या मतलब था। तब जावेद ने जवाब देते हुए कहा- मीटिंग किस लिए बुलाई गई थी, कंगना को ये बात अच्छी तरह पता है। मैंने उन्हें कोई मौसम पर या अमेरिका के राष्ट्रपति के इलेक्शन पर चर्चा करने के लिए नहीं बुलाया था। वे अपने को-स्टार के साथ किसी मसले को सुलझाने के लिए आने वाली थीं।

वकील ने जावेद से दोबारा पूछा कि कंगना और उनकी बहन रंगोली अपनी इच्छा से आपके घर आई थीं। तब जावेद ने कहा- आप कंगना से ये उम्मीद करते हैं कि वे अपनी इच्छा से आ सकती हैं।

मुझे नहीं पता कि वे अपनी इच्छा से आईं या नहीं लेकिन ये सच है कि वे कुछ संभावनाओं की तलाश में थीं। वे चाहती थीं कि इस मसले का कोई हल निकले। जावेद ने कहा कि उस मीटिंग में कंगना उनकी बातों को ध्यान से नहीं सुन रही थीं।

वे अपसेट हो गईं और मीटिंग छोड़कर निकल गईं। अख्तर ने कहा- मैं कंगना को पर्सनली नहीं जानता। हां, मुझे उनका काम पसंद था, लेकिन जब मैंने देखा कि वे मेरी बातों पर ध्यान नहीं दे रही हैं तो मैंने टॉपिक चेंज कर दिया।

साउथ में सबसे ज्यादा है नेपोटिज्म : अविका गौर

जल्द अविका गौर हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने वाली हैं

'बालिका वधू' फेम एक्ट्रेस अविका गौर पिछले 10 साल से साउथ इंडस्ट्री में काम कर रही हैं और वो बहुत ही जल्द अविका गौर बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं, लेकिन वो साउथ में पहले ही अपना करियर शुरू कर चुकी हैं. अविका ने तेलुगू फिल्म उय्यला जंपाला से साउथ फिल्मों में डेब्यू किया था. अविका गौर हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने वाली हैं. उनकी पहली फिल्म 1920 हॉर्स ऑफ द हार्ट इसी महीने पर्दे पर दस्तक देगी. फिल्म की रिलीज़ से पहले अविका ने एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें उन्होंने साउथ में नेपोटिज्म और टीवी की एक्ट्रेसेस से भेदभाव को लेकर खुल कर बातें की हैं.

एक इंटरव्यू में अविका ने कहा, 'देखिए जब स्टार पावर की बात आती है तो साउथ में पूरा यही खेल है. जब हम नेपोटिज्म की बात करते हैं तो साउथ में यह सबसे ज्यादा और एकदम सामने है. बस फर्क इतना है कि वहां इस बारे में कोई बात नहीं करता, वहां की ऑडियंस भी इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देती. ऐसे में अब ये भेदभाव हिंदी फिल्मों के लिए खड़ा किया गया है कि आप जो भी बनाएंगे हम पहले उसे जज करेंगे'.

अविका ने आगे कहा, 'वहीं बॉलीवुड में तो बस एक बायस क्रिएट चुका है. यहां जो भी फिल्म बनती है उसे पहले ही जज कर लिया जाता है. एक वक्त था जब बॉलीवुड ने साउथ की कई फिल्मों का रीमेक बनाया और इसकी वजह से लोगों को आज भी लगता है कि हम सिर्फ कॉपी करते हैं.

अविका गौर हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने वाली हैं. उनकी पहली फिल्म 1920 हॉर्स ऑफ द हार्ट इसी महीने पर्दे पर दस्तक देगी. फिल्म की रिलीज़ से पहले अविका ने एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें अविका गौर ने बताया है कि जब वो कान्स में जाने वाली थीं तो एक मशहूर डिज़ाइनर ने उन्हें ड्रेस देने से इनकार कर दिया था. टीवी एक्ट्रेसेस के साथ भेदभाव भरे व्यवहार के बारे में बात करने के लिए अविका ने हिना खान की भी तारीफ की. उन्होंने कहा कि जब हिना ने बताया कि डिजाइनर ने उन्हें कपड़े नहीं दिए क्योंकि वो एक टीवी एक्ट्रेस हैं तो मुझे लगा कि शुक्र है कि ये सिर्फ मेरे साथ नहीं हुआ.

यश ने इंकार किया रावण का रोल

'केजीएफ' के सुपरस्टार यश अपनी फिल्मों को लेकर चर्चा में रहते हैं. फिल्म 'केजीएफ' के दोनों पार्ट फैंस को बेहद पसंद आई. फिल्म 'केजीएफ'के बाद यश की फैन फोल्लोविंग भी पहले से ज्यादा बढ़ गई. वहीं बॉलीवुड के जाने माने डायरेक्टर नितेश तिवारी ने रामायण पर आधारित फिल्म के लिए यश को ऑफर दिया. फिल्म में राम के रोल में रणबीर कपूर और यश को रावण का किरदार को निभाना होगा. इसी को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है कि यश को ये भूमिका पसंद थी,लेकिन उन्होंने इस रोल के लिए इंकार कर दिया है. फैन्स यश को रावण के किरदार में देखने के लिए बेताब थे लेकिन अब उन सभी को निराशा होगी. यश ने नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' को ठुकरा दिया है.

एक इंटरव्यू के दौरान यश ने खुलासा किया है कि नितेश तिवारी कि फिल्म में रावण का किरदार नहीं निभाएंगे, उन्होंने बताया कि इस रोल को करने के लिए वो बहुत एक्ससिटेड थे. साथ हीं राम की भूमिका से ज्यादा चैलेंजिंग रावण की भूमिका निभाने में है, लेकिन उनकी टीम ने उन्हें इस रोल को नहीं करने की सलाह दी है. यश की टीम ने कहा कि भले ही रावण कि भूमिका काफी शक्तिशाली है लेकिन वह नेगेटिव रोल प्ले ना करे, जिसके बाद यश ने कहा 'मुझे अपने फैंस के इमोशंस को लेकर काफी अलर्ट रहना होगा क्योंकि वो मुझे लेकर काफी इमोशनल है. अगर मैं उनके अगेंस्ट जाता हूं तो अलग-अलग रिएक्शन्स आते हैं .'

मधु मंटेना की निर्मित फिल्म 'रामायण' में नितेश तिवारी कई बड़े सुपरस्टार्स को कास्ट करना चाहते हैं. खबर थी कि इसीलिए वह यश से पहले 'रावण' के रोल के लिए ऋतिक रोशन के पास गए थे, लेकिन उन्होंने ये ऑफर ठुकरा दिया था. नितेश तिवारी की 'रामायण' एक मेगा बजट फिल्म होने वाली है

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार खबर है कि डायरेक्टर नितेश तिवारी रामायण पर आधारित फिल्म बना रहे हैं. जिसमें लीड रोल के लिए स्टार्स कि बात करें तो एक्टर रणबीर कपूर राम के भूमिका में नजर आ सकते हैं तो वहीं मां जानकी के के लिए आलिया भट्ट को चुना गया है. लंकापति रावण के रोल के लिए केजीएफ एक्टर यश पहली पसंद है. हालांकि यश ने इस भूमिका को निभाने से इंकार कर दिया है. जिसके बाद देखना दिलचस्प होगा कि इस रोल के लिए किसे चुना जायेगा .

फैंस के बीच फंसी दिशा पाटनी : दुबई के एक इवेंट में पंहुची थी एक्ट्रेस, सिक्योरिटी ने निकाला बाहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पटानी आज अपना 31 वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। इसी बीच दिशा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें वह फैंस के बीच फंसी हुई नजर आईं। दिशा हाल ही में एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए दुबई गई थीं, जहां उनके प्रशंसकों ने उन्हें घेर लिया। इस वीडियो में, दिशा साड़ी में नजर आ रही हैं। उन्हें चारो तरफ से फैंस ने घेरा हुआ है। इस दौरान वह मुस्कुराते हुए भीड़ के बीच से निकलती हुई दिखाई दीं। वीडियो में दिशा फैंस की तरफ हाथ वेव कर उनका अभिवादन भी कर रही हैं। उनके चारों तरफ सिक्योरिटी गॉर्डस लगे हुए हैं, जो उन्हें बाहर ले जाते हुए दिखाई दिए।

दिशा के बर्थडे पर सेलेब्स से लेकर फैंस तक सभी उन्हें जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। वहीं ब्रेकअप की खबरों के बीच टाइगर श्रॉफ ने भी सोशल मीडिया पर दिशा को उनके 31वें बर्थडे पर एक पोस्ट करते हुए बधाई दी है। श्रॉफ ने दिशा के साथ एक थ्रोबैक फोटो पोस्ट करते हुए लिखा, 'आपका आने वाला टाइम बहुत अच्छा हो। अपनी हंसी, प्यार को बढ़ाते रहिए। हैप्पी बर्थडे दिशा।' बता दें कि दिशा और टाइगर काफी समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। हालांकि, कुछ सालों के रिलेशनशिप के बाद दोनों ने ब्रेकअप कर लिया। इसके अलावा टाइगर की मां आयशा श्रॉफ ने भी दिशा को बर्थडे विश किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस के साथ एक फोटो पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा- 'हैप्पी बर्थडे दिशू। मेरी सबसे फेवरेट शॉपिंग पार्टनर।' ब्रेकअप के बाद भी दिशा टाइगर की फैमिली के साथ स्पेशल बॉन्ड शेयर करती हैं। उनकी मां और बहन कृष्णा श्रॉफ अक्सर दिशा की पोस्ट पर कमेंट भी करते हैं। दिशा पाटनी के वर्कफ्रंट की बात करे तो वह जल्द ही 'प्रोजेक्ट के' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ अमिताभ बच्चन, प्रभास और दीपिका पादुकोण भी हैं। यह फिल्म 2024 में रिलीज होगी। इसके अलावा दिशा 'योद्धा' फिल्म में दिखाई देंगी। फिल्म में वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के अपोजिट हैं।

अरशद वारसी ने सर्किट के किरदार को बताया खराब बोले- यकीन था फिल्म मेरा करियर बर्बाद कर देगी

एक्टर अरशद वारसी को ब्लॉकबस्टर फिल्म मुन्ना भाई में सर्किट के किरदार के लिए याद किया जाता है। हाल ही में एक इंटरव्यू में खुद अरशद ने बताया कि उन्हें लगता था कि सर्किट का किरदार उनके करियर को बर्बाद कर देगा और यह उनकी आखिरी फिल्म होगी। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। बल्कि सर्किट का किरदार उनके करियर में सबसे यादगार बन गया।

इंटरव्यू में अरशद ने अपने रोल को खराब बताते हुए कहा कि इस किरदार को मकरंद देशपांडे ने भी रिजेक्ट कर दिया था। उन्होंने यह फिल्म सिर्फ इसलिए की, क्योंकि उसका डायरेक्शन राजकुमार हिरानी कर रहे थे और अरशद उन्हें बतौर डायरेक्टर बेहद पसंद करते थे।

उन्होंने कहा- मुझे पता था कि यह फिल्म करने के बाद मेरी जिंदगी बर्बाद है, मेरा करियर खत्म हो जाएगा। मुझे लगा यह मेरे करियर की आखिरी फिल्म होगी। यह एक गुंडे का रोल था। वह भूल जाइए मकरंद देशपांडे ने फिल्म करने से इनकार कर दिया था। वो इसे नहीं करना चाहते थे, क्योंकि यह किरदार बहुत बुरा था। अरशद ने आगे कहा- जब आप एक रोल के लिए सहमत होते हैं, तो आप केवल वही देखते हैं, जो स्क्रिप्ट में होता है। फिल्म के आने के बाद ही आपको पता चलता है कि यह क्या है और इसका रिस्पॉन्स कैसा होगा। यह एक गुंडे का रोल था, जो हीरो का दोस्त था। उसके आसपास कई सारे गुंडे रहते थे। मैंने सोचा था कि यह मेरे करियर की आखिरी फिल्म होगी। भले ही फिल्म हिट हो जाए, मुझे कुछ नहीं मिलेगा। अगर फिल्म फ्लॉप हुई, तो भी मुझे कुछ नहीं मिलागा। मुझे नहीं लगता संजू भी पहले पार्ट के दौरान फिल्म को लेकर कॉन्फिडेंट रहे होंगे।

अरशद ने आगे कहा- मुझे राजू (राजकुमार हिरानी) पसंद आए। वह एक अच्छा इंसान और अच्छे डायरेक्टर थे। मुझे कहानी पसंद आई, मुझे फिल्म पसंद आई। लेकिन मैं यह जानता था कि फिल्म से मुझे कुछ हासिल नहीं होगा।

क्या आपको कभी फिल्मों में ऐसे गुंडे याद आते हैं? इन फिल्मों में सिर्फ हीरो और डायरेक्टर को फायदा होता है। मैंने राजू से कहा कि मुझे इस किरदार को एंजॉय करने दो, मुझे अपनी असफलता को एंजॉय करने दो।'मुन्ना भाई एमबीबीएस' और 'लगे रहो मुन्ना भाई' संजय दत्त के करियर की अहम फिल्मों में से एक है। 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' वही फिल्म थी, जिसके जरिए संजय दत्त का करियर दोबारा पटरी पर आया।

फफूंद भोजन को जहरीला बना देती है, इसे नहीं खाना चाहिए

बोलचाल के 'फफूंद लगना' मुहावरे का अर्थ है किसी बात, मुद्दे या काम को ख़राब कर देना। खाद्य पदार्थों में लगी फफूंद भी उनको ख़राब कर देती है- न सिर्फ़ ख़राब, बल्कि इतना ज़हरीला बना देती है कि सेहत को गंभीर ख़तरा पैदा हो जाता है। रसोईघर में पनपने वाली फफूंद से बचना बहुत ज़रूरी है। लंबे समय तक रखे हुए खाद्य पदार्थों में अक्सर फफूंद लग जाती है। मसाले, सब्ज़ियां-फल, ब्रेड, पके हुए भोजन आदि पर आपने इन्हें देखा ही होगा। कई बार तो फ्रिज में रखने के बावजूद खाद्य पदार्थ फफूंद की चपेट में आ जाते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि भोजन में हवा के माध्यम से फफूंद के बीजाणु पहुंच जाते हैं। खाद्य पदार्थ जितना पुराना होगा और उसमें नमी का स्तर जितना ज़्यादा होगा, फफूंद जल्दी लगने की आशंका उतनी ही अधिक होगी। फफूंद दिखने में साधारण होती है, लेकिन इसकी कम मात्रा भी स्वास्थ्य को बड़ा नुक़सान पहुंचा सकती है।

फफूंद कितनी ख़तरनाक है?

फफूंद शरीर में जाने के बाद कई तरह की समस्याएं पैदा कर सकती है। यह ज़हरीले और घातक रसायन (मायकोटॉक्सिंस) उत्पन्न करती है। इसकी वजह से स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। शरीर के भीतर पहुंचकर फफूंद श्वसन तंत्र में दिक़्क़त पैदा कर सकती है। इससे सीने में जलन, खांसी व उल्टी हो सकती है। आंतों को भी नुक़सान पहुंच सकता है। फफूंदी लगे खाद्य पदार्थों के चलते फूड पॉइज़निंग हो सकती है, बुख़ार की चपेट में आ सकते हैं और कई मामलों में मौत भी हो सकती है। इसके सेवन से मूत्र मार्ग और गैस्ट्रो से संबंधित समस्याएं भी होती हैं।

रंग से पहचानिए

हरी फफूंद : ब्रेड, चीज़, नींबू, रोटी आदि पर हरे रंग की फफूंद नज़र आती है। काली फफूंद : भोजन पर हरापन लिए हुए काले रंग की दिखने वाली फफूंद स्टैचीबोट्रीज़ चार्टारम होती है जो ज़हरीली होती है। यह नम स्थानों पर मिट्टी व अनाज में पाई जाती है। प्याज़ में लगने वाली फफूंद एस्पर्जिलस नाइज़र होती है।

गुलाबी फफूंद : यह मांस, ब्रेड और दुग्ध उत्पादों पर होती है। सफ़ेद फफूंद : ये स्नो फंगस, स्नो ईयर, सिल्वर ईयर फंगस, व्हाइट जेली मशरूम और व्हाइट क्लाउड ईयर के नाम से जानी जाती है।

नीली फफूंद : पनीर, चीज़, ब्रेड या संतरे-नींबू पर देख सकते हैं।

पीली और नारंगी फफूंद : पीले रंग की फफूंद आंवला, नींबू पर लगी देखी होगी। लाल फफूंद : यह लगभग लाल रंग की दिखाई देती है, लेकिन इसका रंग एक-सा नहीं रहता। यह भी अन्य फफूंद के मुक़ाबले कम ख़तरनाक होती है, परंतु फिर भी इसके संपर्क में आने से बचना चाहिए।

सावधानी ही बचाव

जहां-जहां खाद्य पदार्थ रख रहे हैं वहां साफ़-सफ़ाई रखें। अगर फ्रिज में अधिक दिनों तक खाद्य पदार्थों को रख रहे हैं तो फ्रिज के अंदर का हिस्सा साफ़ रखें। अगर फ्रिज के अंदर का हिस्सा थोड़ा भी गंदा है तो फफूंदी लगने की आशंका बहुत बढ़ जाती है। इसके साथ यह भी ध्यान रखें कि फ्रिज में हमेशा ताज़ी सब्ज़ियां और फल ही रखें। ज़्यादा दिनों तक इनका इस्तेमाल न करें, इनका सेवन करके ख़त्म कर दें।

ऐसे खाद्य जिनको फ्रिज की आवश्यकता होती है उन्हें ज़्यादा देर तक बाहर न रखें। सामान्य तापमान में कई घंटों तक इन खाद्यों को बाहर रखेंगे तो फफूंदी जल्दी लग सकती है।

रसोई साफ़ करने वाला सामान जैसे तौलिया, स्पंज, बर्तन धोने का कपड़ा और पोंछा हमेशा साफ़ और सूखा रखें। फफूंद बढ़ने के लिए थोड़ी-सी गंदगी और नमी ही पर्याप्त है। मिक्सी के जार और अन्य हिस्सों में खाद्य न जमने दें।

यदि किसी खाद्य पदार्थ में पहले से ही फफूंद लग चुकी है तो उसे प्लास्टिक की थैली में डालकर कूड़ेदान में फेंक दें। उसे ज़्यादा देर तक घर में न रहने दें क्योंकि उन खाद्य पदार्थों में लगी फफूंद से अन्य खाद्य पदार्थों में भी फफूंद लग सकती है।

खाना परोसने के बाद हमेशा भोजन को ढककर रखें क्योंकि हवा में मौजूद बीजाणुओं के संपर्क में आने से फफूंद पनपती है।

बाज़ार से लाए फल व सब्ज़ियों को हमेशा प्लास्टिक की थैली में ही ढककर रखें। उन्हें बाहर रखने पर फफूंद लगने का डर बढ़ जाता है।

लंबे समय तक घर से बाहर जाएं और फ्रिज बंद करें तो उसे पूरी तरह ख़ाली करके साफ़ करें और सुखाएं। पुनः चालू करने से पहले भी उसे साफ़ करें।

ये ग़लती न करें

अगर आपके खाने में फफूंदी लगी है तो उसे प्रयोग में ना लाएं। कुछ लोग फफूंदी लगने पर सिर्फ़ प्रभावित हिस्से को काटकर अलग करके शेष का सेवन कर लेते हैं, परंतु उन्हें यह ध्यान रखना चाहिए कि फफूंदी लगने का मतलब है कि भोजन में वह पहले से ही जड़ जमा चुकी है, यानी वह पूरा ख़राब हो चुका है। यदि फफूंदी लगे भाग को हटाकर शेष हिस्सा खाते हैं तो भी उसका दुष्प्रभाव हो सकता है। फफूंदी वाले भोजन को बच्चों और पालतू जानवरों से भी दूर रखें।

इनमें जल्दी लगती है फफूंद

कुछ ऐसे खाद्य हैं जो फफूंद की चपेट में जल्दी आते हैं, जैसे ब्रेड, पनीर, चीज़, सूखे मेवे, मूंगफली, अचार, रोटी, मक्का; फल जैसे कि स्ट्रॉबेरी, अंगूर और रसभरी; सब्ज़ियां जैसे- टमाटर, मिर्च और खीरे आदि। अगर इनको ठंडी व सूखी जगह पर न रखा जाए तो फफूंद लग सकती है। आंवला और नींबू में जल्दी फफूंद लगती है। पिसे मसालों में जब नमी आ जाती है तो इनमें भी फफूंद पनपने लग जाती है। साबुत मसाले भी इससे सुरक्षित नहीं हैं।

बालों की अच्छी ग्रोथ के लिए इन तरीकों से इस्तेमाल करें रीठा

बालों की खूबसूरती को बरकरार रखने के लिए हम अलग-अलग तरीके ट्राई करते हैं। कई बार हम मार्केट में मिलने वाले प्रोडक्ट का भी इस्तेमाल करते हैं। लेकिन उनसे भी बालों की ग्रोथ नहीं बढ़ती। इसी वजह से ज्यादातर लड़कियां परेशान रहती हैं। इसकी वजह से बाल और ज्यादा झड़ने शुरू हो जाते हैं। कई बार ऐसा होता है कि, दोमुंहे बालों के कारण भी ग्रोथ कम होती है।

अगर आपके भी बालों की ग्रोथ अच्छे से नहीं हो रही है तो इसके लिए आप रीठा का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट जैसे तत्व पाए जाते हैं जिसकी मदद से बालों से जुड़ी समस्या खत्म होती है। चलिए आपको बताते हैं कैसे आप रीठा का इस्तेमाल अलग-अलग तरीके से कर सकती हैं।

रीठा से बनाएं शैंपू

रीठा से आप घर पर ही शैंपू बना सकती हैं। जिससे आप हफ्ते में 2-3 बालों को साफ कर सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले आपको रात में गर्म पानी रीठा भिगो लेना है। इसका बाद इसकी गुठली निकालकर इसे साफ करें। फिर इसे अच्छे से मैश करें। इसके बाद इस मिश्रण को गीले बालों में लगाएं और मसाज करें। इसके बाद पानी से बालों को साफ कर लें। आपके बालों की समस्या कुछ ही महीनों में दूर हो जाएगी।

रीठा हेयर मास्क बनाएं

अगर आपके बाल कमजोर हो गए हैं, तो ऐसे में आप हेयर मास्क (बालों की ग्रोथ के लिए हेयर मास्क) को भी अपने बालों में लगा सकती हैं। इसके लिए रीठा के साथ आंवला और शिकाकाई मिलाएं। इसके बाद तीनों चीजों को गर्म पानी में पूरी रात छोड़ दें। आप चाहे तो मार्केट में मिलने वाले पाउडर का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। अब इसका पेस्ट तैयार करें। इसे अपने बालों में अप्लाई करें। इसे करीब 30 मिनट के लिए बालों में लगा रहने दें। फिर पानी से बालों को साफ कर लें।

बालों में लगाएं रीठा का तेल

बालों में तेल मालिश जरूर करनी चाहिए। इससे बालों के स्कैल्प मजबूत रहते हैं, साथ ही बालों की ग्रोथ भी काफी अच्छी हो जाती है। आप रीठा के तेल का इस्तेमाल (डैंड्रफ की समस्या के लिए करें रीठा का इस्तेमाल) बालों की ग्रोथ के लिए कर सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले रीठा और आंवला के टुकड़े को अच्छे से भुने। फिर इन्हें ठंडा कर लें और इसमें नारियल का तेल मिलाएं। अब आप रात के वक्त इस तेल का इस्तेमाल करें और बालों की चंपी करें। आपके बालों की ग्रोथ होनी दोबारा शुरू हो जाएगी।

फंगस पौधों को खराब कर देती है, घर पर स्प्रे तैयार करके इन्हें सुरक्षित रखें

अक्सर पौधों के ऊपर दिखने वाली सफेद पपड़ीनुमा परत आपके पौधे के लिए नुक़सानदेह होने के साथ ही मिट्टी की उर्वरक क्षमता को भी कम कर सकती है। ऐसा पौधों की उचित देखभाल न कर पाने, उनमें पानी की अधिकता हो जाने या मौसम के प्रतिकूल परिवर्तन के कारण होता है। पौधों में इस प्रकार से पनपी इस फंगस के कारण पत्तियों और पौधों के ऊपरी हिस्से के अलावा इसकी मिट्टी की उर्वरता को भी नुक़सान पहुंचता है। ऐसे में कुछ प्राकृतिक उपाय पौधे को इस समस्या से बचा सकते हैं।

फंगस से बचाव में लाभकारी हैं कुछ स्प्रे

नीम का स्प्रे बनाने के लिए दो लीटर पानी में दो चम्मच नीम का तेल डालकर अच्छी तरह से मिलाएं और स्प्रे पंप में भरकर पौधों और इनकी मिट्टी में स्प्रे करें।

एप्पल साइडर विनेगर स्प्रे बनाने के लिए एक लीटर पानी में दो चम्मच एप्पल साइडर विनेगर मिलाएं। स्प्रे से संक्रमित पत्तों और तने पर छिड़काव करें।

पौधों से फंगस हटाने के लिए दो लीटर पानी में आधा चम्मच लिक्विड सोप और एक बड़ा चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर स्प्रे करने से फंगस दूर हो जाती है।

एक लीटर पानी में दो से तीन ग्राम हल्दी पाउडर लेकर इसका स्प्रे भी कर सकते हैं। इससे फफूंद एवं चींटियों के प्रकोप से भी छुटकारा मिल जाएगा।

दालचीनी के पाउडर को सीधे मिट्टी में मिला सकते हैं तथा इसको 48 घंटे तक पानी में भिगोकर इसका स्प्रे पत्तों और तनों पर करना भी लाभकारी हो सकता है।

ऐसे बनाएं मिट्टी को उपजाऊ

गाय का गोबर और गुड़...

देशी गाय के सड़े गोबर में कई करोड़ सूक्ष्म जीवाणु पाए जाते हैं, इन्हीं सूक्ष्म जीवाणुओं की अधिकता गमलों की मिट्टी को उपजाऊ करने में सहायक होती है। इसके लिए पौधे की मिट्टी में गाय के गोबर और गुड़ को मिलाकर खाद के रूप में उपयोग किया जा सकता है। पर इस बात का ध्यान रखें कि गाय के गोबर के सही तरह से सड़ जाने के बाद ही इसका उपयोग करें अन्यथा गोबर के सही प्रकार से न सड़ने पर ये पौधे को जला भी सकता है।

मिट्टी में रेत का प्रयोग

अगर गमले या ग्रो बैग की मिट्टी ज़्यादा सख्त या चिकनी है तो मिट्टी को उपजाऊ और नरम बनाने के लिए रेत का इस्तेमाल कर सकते हैं। अमूमन गमलों के लिए थोड़ी रेतीली मिट्टी काफ़ी अच्छी होती है। पर बहुत ज़्यादा मात्रा में रेत मिला देने से भी पौधे को क्षति हो सकती है। इसलिए मिट्टी नरम और उपजाऊ बनाने के लिए, मिट्टी और रेत को 7:1 के अनुपात में मिलाना चाहिए।

पानी की मात्रा का निर्धारण

पौधे को स्वस्थ बनाने के लिए सही मात्रा में पानी देना ज़रूरी है। पर ज़रूरत से ज़्यादा पानी देना आपके गमले की मिट्टी और पौधे के लिए नुक़सानदेह हो सकता है। ऐसे में पौधे के स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए पानी तभी डालें जब गमले की ऊपरी परत सूखी दिखाई देने लगे।

कैल्शियम या अंडे के छिलके

मिट्टी की उर्वर शक्ति बढ़ाने के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। इसके लिए मिट्टी में स्टोन पाउडर का इस्तेमाल किया जा सकता है। कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए अंडों के छिलके भी डाले जा सकते हैं।

पत्तों की खाद्य का प्रयोग

गमलों की मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने लिए बरगद, केले, और पीपल के पत्तों से बनी खाद का इस्तेमाल कर सकते हैं। पर याद रखें जो भी पत्ते गमलों की मिट्टी में मिलाएं वे रोगमुक्त और कवक रहित होने चाहिए अन्यथा यह मिट्टी को ख़राब कर सकते हैं।

नीम की खली का इस्तेमाल

नीम की खली आपके गमलों या ग्रो बैग की मिट्टी को उपजाऊ बनाने में मददगार साबित हो सकती है। यह पौधों में लगने वाली फंगस से भी निजात दिलाने में सहायक है। नीम की खली पौधों में कीड़े लगने से भी रोकती है। पर याद रहे नीम की खली का उपयोग आप 6 महीने में एक बार ही करें।

दूध में बाजरे व गाजर के मिश्रण से बनाएं हेल्दी खीर

आमतौर पर बाजरा ठंड में खाया जाता है, लेकिन इस मौसम में भी इसके उतने ही फायदे मिलेंगे, जितने कि सर्दी के मौसम में खाने पर मिलते हैं। केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के अन्य देशों में भी बाजरे को लेकर क्रेज बढ़ता जा रहा है। इसे अब सुपरफूड माना जाना लगा है और इसकी सीधी-सी वजह है स्वास्थ्य को लेकर इसके अनेक फायदे। बाजरे में फाइबर और कई तरह खनिज पदार्थ होते हैं। यह वजन को मेंटेन रखने में मददगार होता है। डायबिटीज और बीपी के मरीजों को अक्सर बाजरा खाने की सलाह दी जाती है।

बाजरा-गाजर की खीर

बाजरे का उपयोग रोटी, खिचड़ी और सलाद में तो होता ही है, आप इसके साथ कई तरह के प्रयोग कर सकते हैं। आज आपको बाजरे का उपयोग करते हुए ऐसी ही एक एक्सपेरिमेंटल डिश के बारे में बताते हैं। मैंने कुछ दिन पहले इसी कॉलम में बताया था कि बाजरे की खीर भी बनाई जा सकती है।

आज मैं इसी खीर की रेसिपी बताने जा रही हूं। दूध तो अपने आप में सेहतमंद होता ही है, लेकिन इस खीर में एक जिस इंग्रेडियंट का इस्तेमाल करेंगे, वह इस पूरी डिश की हेल्थ वैल्यू को और बढ़ा देगा। यह इंग्रेडियंट है, गाजर जो फाइबर का अच्छा स्रोत होने के साथ-साथ विटामिन ए से भी भरपूर होती है। तो यह खीर न केवल स्वास्थ्यवर्द्धक होगी, बल्कि स्वादिष्ट भी।

सामग्री

(4 लोगों के लिए)
1 लीटर फुल फैट दूध
½ कप बाजरा
(भिगोया हुआ और उबला हुआ)
1 ½ कद्दूकस की हुई गाजर
½ कप कद्दूकस किया हुआ नारियल
कप चीनी (या स्वादानुसार)
3 छोटी हरी इलायची
½ कप घी
सजावट के काजू या अन्य ड्राय फ्रूट्स

कैसे बनाएं?

– धीमी आंच पर दूध को उबालें। उसे उबालकर आधा कर लीजिए।
– अब आंच को तेज कर दीजिए और भिगोए हुए बाजरे को करीब 45 मिनट तक उबालें। इसके बाद आंच धीमी कर दीजिए।
– अब दूसरे गैस बर्नर पर एक छोटी कढ़ी लेकर उसमें घी डालिए।
– धीमी आंच पर कद्दूकस की हुई गाजर और कद्दूकस किया हुआ नारियल भून लीजिए।
– इधर दूध को बीच-बीच में चलाते रहिए ताकि वह तले में न लगे।
– जब गाजर और नारियल अच्छे से पक जाए तो गैस बंद कर दीजिए। – अब दूध में इलायची डाल दीजिए और दूध के मिश्रण की आंच तेज कर दीजिए।
– दूध के इस मिश्रण में गाजर व नारियल का पका हुआ मिश्रण मिला लीजिए।
– इन सभी को अच्छी तरह मिलाएं और फिर चीनी मिला लीजिए। – इसे थोड़ा गाढ़ा होने तक पकाएं। और गाढ़ेपन व स्वाद के लिए आप चाहें तो थोड़ी-सी क्रीम मिला सकते हैं। – इस तरह बाजरा-गाजर की स्वादिष्ट व सेहतमंद खीर तैयार है। काजू या अन्य ड्राय फ्रूट्स से इसे सजाकर परोसें।

कैसे करें बेबी की स्किन गोरी और बेदाग

न्यूबॉर्न बेबी की त्वचा बेहद अधिक नाजुक होती है, यही कारण है कि उनकी त्वचा पर केमिकल वाली चीजों का उपयोग करने से बचा जाता है। यहां कुछ नैचुरल तरीकों के बारे में बता रहे हैं जिनकी सहायता से बेबी की त्वचा को साफ किया जा सकता है तथा इससे उनकी रंगत पर भी फर्क नजर आता है।

ये है बेबी की त्वचा साफ करने के नैचुरल तरीके:-

कच्चा दूध:- त्वचा को साफ करने के लिए कच्चा दूध अच्छा है। इसे उपयोग करना भी बहुत अधिक सरल है। इसके लिए आप बस थोड़े से कच्चे दूध को लें एवं बेबी की त्वचा पर लगाएं। इसे उसी प्रकार से लगाना है जैसे आप साबुन लगाते हैं। अच्छी प्रकार से लगाने के बाद स्किन को पानी से साफ करें।

दूध-ब्रेड:- बेबी की त्वचा साफ करने के लिए ये अच्छा तरीका है। इसके लिए कच्चे दूध में कुछ ब्रेड को भिगो दें। जब ब्रेड अच्छे से डूब जाए तब इसे बेबी की त्वचा पर लगाएं। इसे हल्के हाथों से ही लगाएं। फिर बेबी को पानी से साफ करें।

बेसन:- बेबी को साफ करने के लिए आप बेसन के पैक का उपयोग कर सकती हैं। इसके लिए बेसन में सरसों का तेल या फिर नारियल का तेल मिलाएं एवं फिर इसे लगाएं। इस पैक में आप ताजी मलाई भी मिला सकती हैं।

दही:- आप दही से भी बेबी की त्वचा को साफ कर सकते हैं। इसके उपयोग से रंग भी साफ होता है। बस ध्यान रखें कि दही बहुत अधिक ठंडा ना हो नहीं तो बेबी को परेशानी हो सकती है।

टाटा समूह ने अपने टॉप अधिकारियों पर खूब बरसाया धन

रिपोर्ट में दावा- 62% तक बढ़ी सैलरी

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। जहां दुनियाभर में कंपनियां मंदी की आशंका के बीच छंटनी और वेतन में कटौती जैसे फैसले ले रही हैं, वहीं भारतीय उद्योग जगत से एक सुकुन भरी खबर आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार देश के प्रतिष्टित टाटा समूह ने अपने वरीय एग्जीक्यूटिव्स की तनख्वाह में 16 से 62 प्रतिशत का इजाफा किया है। इस तरह 22 लाख करोड़ रुपये के टाटा समूह ने अपने टॉप एग्जीक्यूटिव्स को शानदार तोहफा दिया है। टाटा समूह की कंपनियों इंडियन होटल्स, टाटा पावर, ट्रेंट और टाटा कंज्यूमर के वरीय अधिकारियों की सैलरी में 16 से 62% तक का शानदार इजाफा किया गया है। बता दें कि टाटा समूह 10 वर्टिकल्स में लगभग

30 कंपनियों का संचालन करती है।

इस साल समूह की कंपनियों के सीईओ को किया गया मोटा भुगतान

रिपोर्ट के अनुसार ट्रेंट लिमिटेड के सीईओ पी वेंकाटेशालु को इस वर्ष सैलरी के रूप में 5.12 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 62% अधिक है। वहीं इंडियन होटल्स में उनके समकक्ष पुनीत चटवाल को 18.23 करोड़ रुपये सालाना सैलरी दी गई। इस तरह उनकी सैलरी में 37% की वृद्धि दर्ज की गई। सुनील डिसूजा और प्रदीप बख्शी जो टाटा कंज्यूमर और वोल्टास के सीईओ हैं, उन्हें सालाना करीब 9.5 करोड़ रुपये और 3.8 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। उनकी सैलरी में क्रमशः 24% और 22% की वृद्धि दर्ज की गई।

टाटा केमिकल्स और टाटा पावर के सीईओ की सैलरी में 16 प्रतिशत का इजाफा

टाटा केमिकल्स के सीईओ आर मुकुंदन और टाटा पावर के सीईओ प्रवीर सिन्हा की सैलरी में 16 प्रतिशत का इजाफा आया। इस वर्ष उन्हें क्रमशः 8 करोड़ रुपये और 9 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। रिपोर्ट के अनुसार टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के पूर्व सीईओ राजेश गोपीनाथन को भी पारिश्रमिक के रूप में 29.1 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

टाटा समूह की स्थापना वर्ष 1868 में जमशेदजी टाटा ने की थी

टाटा समूह की स्थापना वर्ष 1868 में जमशेदजी टाटा ने किया था। इसका मुख्यालय मुंबई शहर मं स्थित है और यह भारत का सबसे बड़ा व्यावसायिक समूह है। इसका कारोबार छह महादेशों के करीब 100 देशों में फैला हुआ है। वर्ष 2021-2022 के दौरान टाटा समूह की कंपनियों का सामूहिक राजस्व 128 अरब डॉलर यानी करीब 9.6 ट्रिलियन रुपये रहा था। टाटा समूह की 30 कंपनियों में करीब 9,35,000 लोग काम करते हैं।

नहीं मिल रही महंगे दूध से राहत, मई में दूध और उससे जुड़े प्रोडक्ट्स की महंगाई दर बढ़ी

अभी और सताएगी दूध की महंगाई

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भले ही कमी आई हो। लेकिन दूध और उससे बनने वाले प्रोडक्ट्स की महंगाई से आम लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है। मई महीने के लिए खुदरा महंगाई दर के जो आंकड़े घोषित हुए हैं उसके मुताबिक अप्रैल के मुकाबले मई में दूध और उससे जुड़े प्रोडक्ट्स की महंगाई दर में इजाफा देखने को मिला है।

सता रही है दूध की महंगाई

आंकड़ों के मुताबिक मई महीने में दूध और उससे जुड़े प्रोडक्ट्स की महंगाई दर 8.91 फीसदी पर जा पहुंची है जो अप्रैल महीने में 8.85 फीसदी रही थी। बीते वर्ष मई 2022 में दूध और उससे जुड़े प्रोडक्ट्स की महंगाई दर 5.64 फीसदी रही थी। सांख्यिकी मंत्रालय के इन आंकड़ों से ही स्पष्ट है कि अप्रैल के मुकाबले मई महीने में दूध और उससे बनने वाले प्रोडक्ट्स की कीमतों में इजाफा देखने को मिला है।

आरबीआई भी जता चुकी है चिंता

6 से 8 जून 2023 तक आरबीआई की तीन दिनों तक मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी की बैठक हुई। 8 जून को कमिटी ने बैठक का जो रिजॉल्यूशन जारी किया उसमें आरबीआई की कमिटी ने भी दूध की कीमतों को लेकर चिंता जाहिर की थी। आरबीआई की एमपीसी ने कहा कि सप्लाई में कमी और चारे की कीमतों में तेज उछाल के चलते के चलते दूध की कीमतों पर दबाव बना रहेगा। यानि साफ है भले ही खुदरा महंगाई दर में कमी आ रही हो लेकिन खुद आरबीआई भी दूध की कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना जाहिर कर रहा है।

दूध की महंगाई ने किया बेहाल

दूध की महंगाई पर नजर डालें तो अमूल ताजा का दो लीटर का पैक 30 जून 2021 को 88 रुपये प्रति दो लीटर में मिल रहा था वो अब 108 रुपये में मिल रहा है। यानि 23 महंगा। अमूल के भैंस का दूध 30 जून 2021 को 59 रुपये प्रति लीटर में मिल रहा था वो 19 फीसदी महंगा 70 रुपये प्रति लीटर में मिल रहा है। अमूल के गाय का दूध डेढ़ साल पहला 47 रुपये प्रति लीटर में मिल रहा था जो अब 56 रुपये प्रति लीटर में मिल रहा है।

यानि करीब 20 फीसदी महंगा। बीते डेढ़ वर्ष में मदर डेयरी और अमूल पांच बार दूध के दाम बढ़ा चुके हैं।

दूध की बढ़ती कीमतों का असर

खुदरा महंगाई दर के आंकड़े ही बता रहे कि दूध और उससे जुड़े प्रोडक्ट्स की महंगाई दर बढ़ी है। तो दूध के महंगा होने के चलते दही, लस्सी, घी, पनीर, खोआ, छाछ की कीमतों में उछाल देखने को मिला है। मदर डेयरी ने छाछ के पैकेज का साइज छोटा कर दिया है। महंगे दूध के चलते मिठाइयां आइसक्रीम भी महंगी हुई है। बिस्कुट और चॉकलेट बनाने वाली एफएमसीजी कंपनियों ने भी अपने प्रोडक्ट्स के दाम बढ़ाये हैं। आरबीआई ने कहा है कि सप्लाई में कमी के चलते दूध की कीमतों पर दबाव बना रहेगा यानि दूध से बनने वाले प्रोडक्ट्स के महंगे होने का सिलसिला जारी रह सकता है।

आधार कार्ड के जरिए बदल सकते हैं पैन कार्ड में एड्रेस, जानिए पूरा प्रॉसेस

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। आधार कार्ड और पैन कार्ड एक महत्वपूर्ण दस्तावेजों के रूप में जाना जाता है। इसकी मदद से आप सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। साथ ही कई रुके हुए काम भी पूरा कर सकते हैं।पैन कार्ड आयकर विभाग की ओर से दिया जाता है तो वहीं आधार कार्ड यूआईडीएआई की ओर से जारी किया जाता है। ऐसे में दोनों में कुछ बदलाव के लिए आपको अधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा।यहां पर आप ऑनलाइन तरीके से आधार कार्ड और पैन कार्ड का एड्रेस बदल सकते हैं। पैन कार्ड में एड्रेस बदलने के लिए आपको यूटीआईआईटीएसएल की वेबसाइट पर जाना होगा।यहां पर आपको पैन कार्ड अपडेट करने या करेक्शन करने का विकल्प चुनना होगा। अब पैन कार्ड डिटेल सेलेक्ट करके नेक्स्ट पर जाना होगा। इसके बाद आपको पैन कार्ड नंबर दर्ज करना होगा।अब आधार ई-केवाईसी एड्रेस अपडेट के विकल्प को चुनना होगा। अब सभी जानकारी को अपडेट करके सबमिट बटन पर क्लिक कर दें।नंबर, ईमेल और मोबाइल नंबर देना अनिवार्य होगा। सबमिट करने के बाद आपके पास ओटीपी आएगा। अब ओटीपी को दर्ज करके सबमिट कर देना होगा। इसी तरह अगर आप आधार कार्ड में एड्रेस अपडेट करना चाहते हैं तो आधार कार्ड की अधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ये काम कर सकते हैं।

केंद्र सरकार के महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी के एलान से पहले ओडिशा सरकार का अपने कर्मचारियों-पेंशनर्स को सौगात

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के कर्मचारियों को जुलाई महीने में महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का सौगात सरकार दे सकती है। लेकिन उससे पहले ओडिशा की नवीन पटनायक ने सरकार ने अपने

कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी की सौगात दी है। ओडिशा सरकार ने राज्य सरकार के कर्नचारियों और पेंशनर्स के महंगाई भत्ते को 38 फीसदी से बढ़ाकर 42 फीसदी कर दिया है। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी प्रेस रिलिज में बताया गया राज्य सरकार के 7.5 लाख कर्मचारियों और पेंशनधारकों के महंगाई भत्ते में 4 फीसदी की बढ़ोतरी कर उसे 38 फीसदी से बढ़ाकर 42 फीसदी कर दिया गया है। सरकार ने बताया कि महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का ये फैसला 23 जनवरी 2023 से लागू माना जाएगा। जून महीने के लिए जब कर्मचारियों को वेतन दिया जाएगा तो महंगाई भत्ते में इजाफे और बकाये एरियर के साथ वेतन दिया जाएगा। हाल के दिनों में कर्नाटक ने अभी हाल ही में महंगाई भत्ते में इजाफा किया था. यह बढ़ोतरी 4 फीसदी की की गई है और 1 जनवरी 2023 से प्रभावी है. कर्नाटक सरकार ने कर्मचारियों पेंशनर्स के डीए को 4 फीसदी बढ़ाकर 31 फीसदी से 35 फीसदी कर दिया है. मई महीने में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने भी डीए और डीआर में 4 फीसदी बढ़ोतरी का फैसला लिया था. इस इजाफे के बाद कर्मचारियों को 42 फीसदी डीए और पेंशनर्स को 42 फीसदी डीआर मिलेगा. तमिलनाडु सरकार ने 4 फीसदी डीए में इजाफा करने का एलान किया था. यह बढ़ोतरी 1 अप्रैल 2023 से प्रभावी है. हरियाणा की खट्टर सरकार ने अप्रैल के दौरान डीए में बढ़ोतरी का एलान किया था. यहां कर्मचारियों के डीए में 4 फीसदी की बढ़ोतरी की गई थी. झारखंड और हिमाचल प्रदेश की राज्य सरकार भी महंगाई भत्ता बढ़ा चुकी है. वहीं 2023 की दूसरी छमाही जुलाई से दिसंबर के लिए केंद्र सरकार जल्द ही अपने कर्मचारियों और पेंशनर्स के महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का फैसला ले सकती है।

विदेशी आईटी कंपनियों में नौकरी की कटौती से प्रभावित होगी घरेलू जीडीपी,इंजीनियरिंग छात्रों के सामने संकट

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। भारत से आउटसोर्स करने वाली विदेशी आईटी कंपनियों में नौकरियों में कटौती और मौजूदा कर्मचारियों के साथ परियोजनाएं पूरी करने की वजह से भारतीय अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है। विदेशी कंपनियों के इस कदम से इंजीनियरिंग छात्रों के सामने नौकरी का संकट खड़ा हो सकता है, जो सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) को दशकों से पसंदीदा क्षेत्र के रूप में देख रहे हैं। मांग में वैश्विक अनिश्चितता से बढ़ा मंदी का खतरा एक ऐसे उद्योग के लिए संकट बन गया है, जिसने 1990 के दशक के बाद से भारत के सेवा क्षेत्र में सबसे अधिक भर्तियां की है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रोहित आजाद का कहना है कि आईटी क्षेत्र में कमजोर भर्तियों के दो अलग-अलग कारण हो सकते हैं। पहला...निकट अवधि में नकारात्मक मांग और दूसरा... श्रम-बचत प्रौद्योगिकियों के कारण लंबी अवधि में छंटनी।स्टाफिंग फर्म एनएलबी सर्विसेज के सीईओ सचिन अलुग ने बताया कि महामारी के बाद के दौर में कंपनियों ने बाजार में नई मांगों को पूरा करने के लिए उत्पादन में बढ़ोतरी की। इससे आईटी कंपनियों की भर्तियों में तेजी देखी गई। हालांकि, यह उछाल जल्द ही वैश्विक आर्थिक संकट और बढ़ती मंदी के सामने फीका पड़ गया। अमेरिका के तीन बैंकों के दिवालिया होने और क्रेडिट सुइस संकट ने वैश्विक वित्तीय उद्योग को हिला कर रख दिया।आईटी क्षेत्र आमतौर पर देश में हर साल ग्रेजुएट होने वाले 15 लाख इंजीनियरों में से 20-25 फीसदी को नौकरी देता है। लेकिन, इस क्षेत्र के अनिश्चित भविष्य ने छात्रों के सामने संकट खड़ा कर दिया है। पंजाब से इंजीनियरिंग कर रहे छात्र गौतम ने बताया कि लागत घटाने के कारण कुछ कंपनियों ने कई छात्रों की इंटर्नशिप रद्द कर दी है।

सोना और चांदी फिर महंगे, जेब पर बढ़ेगा बोझ, जानें लेटेस्ट रेट्स

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। देश में सोना और चांदी जैसी कीमती मेटल्स आज महंगी मिल रही हैं और इसके साथ ही सोना और चांदी के दाम भी उछाल पर हैं। ग्लोबल डिमांड चढ़ने और इंडसट्रियल मांग के बढ़ने से गोल्ड और सिल्वर के दाम आज ऊपरी दायरे में कारोबार कर रहे हैं।

कहां पर हैं सोने के दाम

सोने के दाम आज 119 रुपये या 0.20 फीसदी की तेजी के साथ 59760 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर मिल रहा है। सोने के दाम में ये तेजी ग्लोबल डिमांड के चलते देखी जा रही है। सोने के दाम आज 59651 रुपये के स्तर तक नीचे गए थे और ऊपर की तरफ इसमें 59806 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट तक देखे गए थे। गोल्ड के ये रेट इसके अगस्त कॉन्ट्रेक्ट या अगस्त वायदा के लिए हैं।

चांदी के दाम आज कहां पर हैं

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी के दाम देखे जाएं तो ये साढ़े चार सौ रुपये से भी ज्यादा की उछाल के साथ कारोबार कर रही

थी। आज एमसीएक्स पर चांदी 73430 रुपये प्रति किलो के रेट पर कारोबार कर रही है। ऊपर में देखें तो आज चांदी के दाम 73455 रुपये और नीचे की तरफ 73179 रुपये प्रति किलो के रेट पर कारोबार कर रही थी। चांदी में आज 456 रुपये या 0.62 फीसदी का उछाल देखा जा रहा है।दिल्ली में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना आज 80 रुपये की उछाल के साथ 60980 रुपये के लेवल पर है। मुंबई में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना आज बिना किसी बदलाव के साथ 60450 रुपये के लेवल पर है। कोलकाता में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना आज 80 रुपये की उछाल के साथ 60980 रुपये के लेवल पर है। चेन्नई में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना आज 80 रुपये की उछाल के साथ 60450 रुपये के लेवल पर है।

सुभाष चंद्रा व पुनीत गोयनका को छोड़ना होगा निदेशक पद, सेबी की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। बाजार नियामक सेबी ने एस्सेल समूह के चेयरमैन सुभाष चंद्रा और जी इंटरटेनमेंट इंटरप्राइजेज लि. (जेडईईएल) के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ पुनीत गोयनका पर किसी भी सूचीबद्ध कंपनी में निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय पद (केएमपी) पर रहने पर रोक लगा दी है। जेडईईल के फंड को दूसरी कंपनियों में लगाए जाने के मामले में दोषी पाए जाने पर भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सोमवार को दोनों पर यह कार्रवाई की है।सेबी ने अंतरिम आदेश में कहा, नियमों के कथित उल्लंघन के समय जेडईईएल के चेयरमैन चंद्रा और निदेशक गोयनका ने अहम प्रबंधकीय पद पर रहते हुए अपनी स्थिति का दुरुपयोग किया। निजी लाभ के लिए जेडईईएल के फंड को महज दो दिन में ही 13 कंपनियों में लगाया गया था।

लाभ के बावजूद शेयर मूल्य में आई गिरावट

नियामक ने कहा, जेडईईएल के शेयरों का मूल्य 2018-19 में 600 रुपये था। 2022-23 तक यह गिरकर 200 रुपये के करीब आ गया। कंपनी के लाभ में होने के बावजूद शेयर मूल्य में आई गिरावट से पता चलता है कि जेडईईल में सब कुछ ठीक नहीं था।

...फिर भी अहम पदों पर काबिज

2018-19 से 2022-23 के बीच जेडईईएल में प्रवर्तकों का हिस्सा 41.62 फीसदी से घटकर 3.99% रह गया।

इतनी कम हिस्सेदारी के बावजूद चंद्रा और गोयनका अहम पदों पर बने हुए हैं।

पीएफ खाताधारक हो जाएं अलर्ट! आधार में हेरफेर कर इन अकाउंट से निकाल लिए गए करोड़ों रुपये

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। प्राइवेट सेक्टर में काम करने वालों के लिए प्रोविडेंट फंड यानी पीएफ सामाजिक सुरक्षा का बड़ा आधार है। यह कई बार आपातकालीन स्थितियों में जरूरत पड़ने पर बहुत काम का साबित होता है। इसके अलावा रिटायरमेंट के बाद के जीवन को भी इससे सुरक्षा मिलती है। लेकिन क्या हो, अगर कोई आपके पीएफ अकाउंट को खाली कर दे?यह कोई बेतुका सवाल भी नहीं है। इससे जुड़ा एक ऐसा ताजा मामला सामने आया है, जिसे जानने के बाद आप न सिर्फ हैरान होंगे, बल्कि परेशान भी हो जाएंगे। इस मामले में सीबीआई ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो आधार कार्ड से जुड़ी जानकारियों के साथ हेरफेर कर दूसरों के पीएफ अकाउंट से पैसे निकाल लेता था। गिरफ्तार व्यक्ति के ऊपर आरोप है कि उसने अपने कुछ सहयोगियों के साथ मिलकर इस तरीके से करोड़ों रुपये की निकासी की। न्यूज एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट में सीबीआई के अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली के प्रियांशु कुमार नामक व्यक्ति ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर इसे अंजाम दिया है। आरोपियों ने ऐसे लोगों को निशाना बनाया, जिन्होंने अभी तक अपने ईपीएफ अकाउंट को आधार से लिंक नहीं किया था। ऐसे लोगों के पीएफ अकाउंट से आरोपियों ने मिलकर करोड़ों रुपये निकाल लिए।

मंगल साबित हुआ शेयर बाजार के लिए मंगलवार का ट्रेडिंग सेशन, मिड कैप स्टॉक्स की धूम

सेंसेक्स फिर 63,000 के पार

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। मंगलवार का दिन ट्रेडिंग सेशन भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद मंगल साबित हुआ है. एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स स्टॉक्स में निवेशकों की खरीदारी के चलते बाजार में शानदार तेजी रही. बीएसई सेंसेक्स इस तेजी में फिर से 63,000 के आंकड़े को पार करने में सफल हुआ है. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 435 अंकों की तेजी के साथ 63,163 तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 122 अंकों की तेजी के साथ 18,723 अंकों पर बंद हुआ है. आज के कारोबार में एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स स्टॉक्स, बैंकिंग, आईटी, फार्मा, मेटल्स, एनर्जी, मीडिया, रियल एस्टेट, इंफ्रा, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर तेजी के साथ बंद हुए. आज के सेशन में केवल ऑटो सेक्टर के शेयर में गिरावट देखने को मिली है. मिड कैप और स्मॉल कैप शेयर्स भी शानदार तेजी के साथ बंद हुए. आज के कारोबार में मिड कैप स्टॉक्स के इंडेक्स में 1.22 फीसदी या 419 अंकों के उछाल के साथ बंद हुआ है. निफ्टी के 50 शेयरों में 37 शेयर तेजी के साथ तो 13 गिरावट के साथ बंद हुए. जबकि सेंसेक्स के 30 शेयरों में 20 तेजी के साथ तो 10 नीचे गिरकर बंद हुए. बाजार में शानदार तेजी के बीच निवेशकों की संपत्ति में जबरदस्त बढ़ोतरी आई है. बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप बढ़कर 289.99 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो सोमवार को 288.04 लाख करोड़ रुपये रहा था. यानि आज के ट्रेडिंग सेशन में निवेशकों की संपत्ति में 1.95 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	वृष	में
चंद्र-	मेष	में
मंगल	कर्क	में
बुध-	वृष	में
गुरु-	मेष	में
शुक्र-	कर्क	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय		
मेष--	02-06	बजे
वृष--	03-50	बजे
मिथुन..	05-50	बजे
कर्क...	08-04	बजे
सिंह...	10-15	बजे
कन्या..	12-21	बजे
तुला...	14-27	बजे
वृश्चिक.	16-37	बजे
धनु.....	18-50	बजे
मकर..	21-26	बजे
कुंभ....	22-47	बजे
मीन ..	00-25	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु-ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय- 05-45
सूर्य अस्त- 18-47
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी - 08 -48 तक उपरान्त द्वादशी
मास - आषाढ कृष्ण पक्ष , बुधवार June 14
नक्षत्र - अश्विनी - 13- 39 - तक उपरान्त भरणी
योग - अतिगण्ड -05 - 54 - तक उप - सुकर्मा
करण- बालव -08 -48 - तक उप- कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - योगिनी एकादशी व्रत सर्वे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:16 से 13:55 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ.	05:45 - 07:21	शुभ	उत्पात	18:47 - 20:12	अशुभ
अमृत	07:21 - 08:59	शुभ	शुभ	20:12 - 21:33	शुभ
काल	08:59 - 10:38	अशुभ	अमृत	21:33 - 22:55	शुभ
शुभ.	10:38 - 12:16	शुभ	चंचल	22:55 - 00:16	शुभ
रोग	12:16 - 13:55	अशुभ	रोग	00:16 - 01:38	अशुभ
उत्पात	13:55 - 15:33	अशुभ	काल	01:38 - 02:59	अशुभ
चंचल	15:33 - 17:12	शुभ	लाभ	02:59 - 04:21	शुभ
लाभ	17:12 - 18:47	शुभ	उत्पात	04:21 - 05:45	अशुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
किसी खेल के भुगतान में स्वयं को शामिल करें क्योंकि यह चिर यौवन का रहस्य है। आज सिर्फ बैठने के बजाय-क्यों न किसी ऐसी चीज़ में शामिल हो जाएं- जिससे आपकी कमाने की शक्ति में सुधार हो। मेहमान आपके घर आएंगे, जिससे आपका दिन ख़ुशनुमा और शानदार रहेगा।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
फर्श पर चलते समय गर्भवती माँ को विशेष ध्यान रखना चाहिए। विभिन्न स्रोतों से धन लाभ होगा। दोस्त और रिश्तेदार एहसान करेंगे और आप उनकी कंपनी में काफी खुश रहेंगे। कोशिश करें कि अपने प्रिय को कुछ भी कठोर न कहें- नहीं तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,
जीवन के प्रति उदार रवैया अपनाएं। अपनी रहन-सहन की स्थिति के बारे में शिकायत करने और परेशान होने का कोई फायदा नहीं है। यह भिखारी सोच ही है जो जीवन की सुगंध को नष्ट कर देती है और संतोषी जीवन जीने की आशा को खत्म कर देती है।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
शारीरिक बीमारी से आपके ठीक होने की संभावना अधिक है जो आपको खेल प्रतियोगिता में भाग लेने में सक्षम बनाएगी। जो लोग दूध उद्योग से जुड़े हैं उन्हें आज आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आपके बच्चे के पुरस्कार समारोह में निमंत्रण खुशी का स्रोत होगा। आप अपने सपने को सच होते हुए देख सकते हैं।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आपका स्वास्थ्य तंदुरुस्त रहने के आसार हैं। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज आपको पैसे अटकने में समस्या होगी- आप ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च कर सकते हैं या अपना बटुआ खो सकते हैं- लापरवाही से कुछ नुकसान होना तय है।

कन्या — टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,
आपको अपनी टेंशन से मुक्ति मिल सकती है। पैसों की अहमियत को आप अच्छी तरह से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया पैसा भविष्य में काम आएगा और किसी बड़ी मुश्किल से निकल जाएगा। पढ़ाई की कीमत पर बाहरी गतिविधियों में अत्यधिक लिप्त होना आपके माता-पिता के क्रोध को आमंत्रित कर सकता है।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपके आस-पास के लोगों का समर्थन मिलने से आप खुश होंगे। कुछ अतिरिक्त पैसे कमाने के लिए अपने अभिनव विचार का प्रयोग करें। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आपके साहस से प्रेम पर विजय प्राप्त होगी।

वृश्चिक — लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,
मेहनत से कांम करें और जमकर आनंद उठायें |आज आप पुरे दिन इसी सिद्धांत पर चलेंगे और यह उपयुक्त भी है |दिन की शुरुआत सामान्य होगी लेकिन अंत दोस्तों और परिवार के साथ जश्न से होगा | आपकी लोगों को हंसाने की क्षमता और खुशमिजाज स्वभाव बड़ी पार्टी की मेजबानी के लिए भी उपयुक्त है |

धनु — ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे
स्वास्थ्य संबंधी परेशानी परेशानी का कारण बन सकती है। पैसों के मामले में आज जीवनसाथी के साथ आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि आप अपने शांत रवैये से सब कुछ ठीक कर लेंगे। बच्चे आपकी उम्मीदों पर खरे न उतरने से निराश हो सकते हैं।

मकर — मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी
हवा में महल बनाना आपकी मदद नहीं करेगा। परिवार की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए आपको कुछ करना चाहिए। इस राशि के जाने-माने व्यापारियों को आज बहुत ही सोच समझकर पैसा लगाना चाहिए। बेहतर होगा कि आप ऐसे मुद्दे उठाने से बचें जो आपके प्रियजनों के साथ आपके रिश्ते को खराब कर सकता है।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,
आज के मनोरंजन में खेल गतिविधियां और बाहरी कार्यक्रम शामिल होने चाहिए। जो व्यापारी काम के सिलसिले में घर से बाहर निकल रहे हैं उन्हें आज अपना धन किसी सुरक्षित स्थान पर जमा करके रखना चाहिए, चोरी होने की संभावना है। अपने पक्ष में ज्यादा कुछ न करते हुए दूसरों का ध्यान आकर्षित करने के लिए यह उपयुक्त दिन है।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
एक दिन जब आप आराम कर पाएंगे। अपनी मांसपेशियों को आराम देने के लिए अपने शरीर की तेल से मालिश करें। आज के दिन आपको बेवजह के खर्चे करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो पैसों की कमी हो सकती है। घर में पूजा-पाठ या मांगलिक कार्य करने चाहिए।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

24 घंटे में विकराल हुआ चक्रवात बिपरजॉय

गुजरात में तबाही लाएगा, अन्य राज्यों में भी दिखाएगा असर

अहमदाबाद, 13 जून (एक्सक्लूसिव डेस्क)। अरब सागर में उठा शक्तिशाली चक्रवात बिपरजॉय भारत की तरफ बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटे में इसने और विकराल रूप अख्तियार कर लिया है। 15 जून तक ये गुजरात के तट से टकराएगा। चक्रवात बिपरजॉय 6 जून 2023 को अरब सागर में उठा था। शुरुआती 6 दिनों तक ये कराची की तरफ बढ़ रहा था, लेकिन अब रास्ता बदलकर गुजरात की तरफ बढ़ रहा है। फिलहाल इसके बढ़ने की रफ्तार 8 किमी/घंटा है।

बिपरजॉय 13 जून 2023 को रात ढाई बजे अरब सागर में पोरबंदर से लगभग 290 किमी और जखाऊ बंदरगाह से 360 किमी दक्षिण-पश्चिम में केंद्रित था। मौसम विभाग का अनुमान है कि 15 जून को बिपरजॉय के गुजरात के तटीय इलाकों से टकराएगा। इस दौरान 150 किमी/घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। 16 जून के बाद इस चक्रवात के धीमा पड़कर बेअसर होने की संभावना है।

6 जून को उठे इस चक्रवात का असर 10 दिनों तक रह सकता है। यह हाल के दिनों में अब तक का सबसे लंबे समय तक रहने वाला तूफान है। समुद्र के ऊपर एक चक्रवाती तूफान जितने अधिक समय तक रहता है, उतनी ही ज्यादा ऊर्जा और नमी जमा होने की संभावना होती है। जिससे तूफान के और अधिक खतरनाक होने और जमीन से टकराने के बाद नुकसान पहुंचाने की संभावना बढ़ जाती है।

14-15 जून को कच्छ, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, जामनगर, मोरबी, जूनागढ़ और राजकोट समेत गुजरात के कई जिले चक्रवात की चपेट में आएंगे। यहां 14 और 15 जून को हैवी रेनफॉल हो सकता है। 16 जून को ये चक्रवात नॉर्थ गुजरात से सटे राजस्थान के इलाकों की तरफ बढ़ेगा। यहां भी वेरी हैवी रेनफॉल होने की संभावना है।

गुजरात में सौराष्ट्र और कच्छ इलाके में 12 जून को अधिकतम 65 किमी/घंटे की हवाएं चलेंगी। 15 जून को इन इलाकों में हवाओं की रफ्तार 150 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है। इसके बाद रफ्तार थमेगी। 16 जून को नॉर्थ गुजरात और साउथ राजस्थान में अधिकतम 65 किमी/घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

15 जून को बिपरजॉय के टकराने के बाद चलने वाली हवाओं और बारिश से गुजरात के तटीय जिलों को ये नुकसान होने की आशंका है। छप्पर-झोपड़ी वाले घर पूरी तरह तबाह हो जाएंगे। कच्चे घरों को भारी डैमेज होगा और पक्के मकानों को भी कुछ नुकसान हो सकता है। बिजली के खंभे और कम्युनिकेशन टावर्स झुक सकते हैं या पूरी तरह उखड़ सकते हैं। कच्ची और पक्की सड़कें डैमेज हो जाएंगीं। रेलवे परिवहन, बिजली के तारों और सिग्ननलिंग सिस्टम में बाधा हो सकती है। खड़ी फसलों को व्यापक नुकसान होगा। आम जैसे फलदार पेड़ पूरी तरह झड़ जाएंगे। किनारों से बंधी छोटी नावें भी बह सकती हैं। खारे पानी की वजह से विजिबिलिटी बुरी तरह प्रभावित होगी।

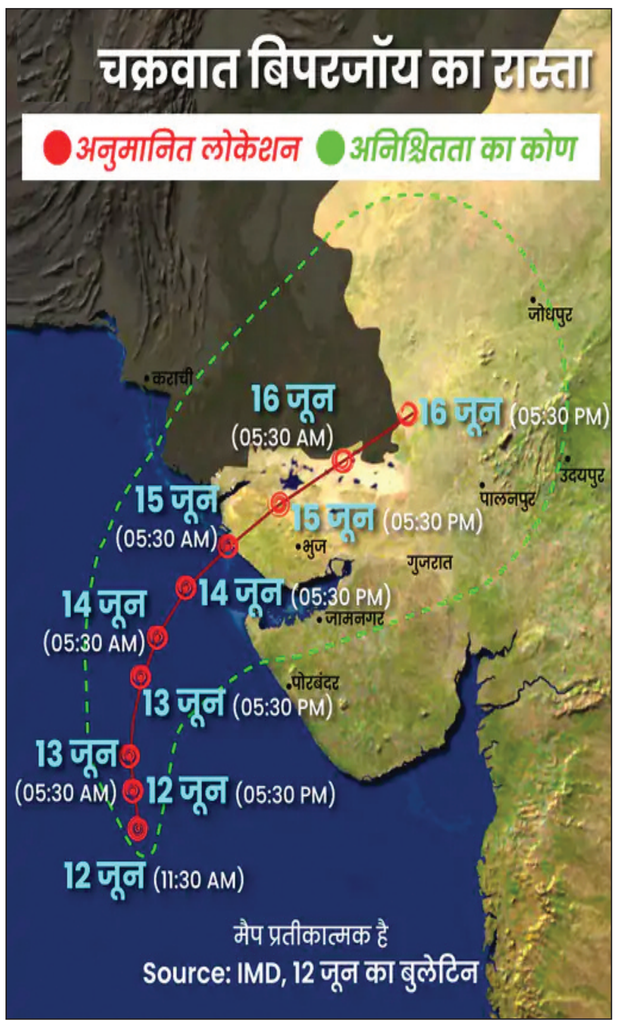

जिन इलाकों को बिपरजॉय हिट करेगा, वहां तैयारियां कैसी हैं?

गुजरात में एसडीआरएफ की 10 टीमें तैनात हो गई हैं। एनडीआरएफ की 12 टीमें तैनात हैं और 3 एडिशनल टीमों को स्टैंडबाय पर रखा गया है। मछुआरों को समुद्र में जाने से रोका गया है। 21 हजार से ज्यादा नावें अब तक पार्क हो चुकी हैं। इनके अलावा फिशरीज, हेल्थ और एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट की टीमें भी तैनात रहेंगी।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने एडवांस प्लानिंग और डिजास्टर मैनेजमेंट की जिम्मेदारी सीनियर मिनिस्टर्स को सौंपी है। इनमें ऋषिकेश पटेल को कच्छ जिले की, कुंवरजी बावलिया को पोरबंदर की, मुलु भाई बेरा को जामनगर की, हर्ष सांघवी को देवभूमि द्वारका की, जगदीश विश्वकर्मा को जूनागढ़ जिले की और पुरुषोत्तम सोलंकी को गिर सोमनाथ जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन मंत्रियों को फौरन ग्राउंड पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं।

15 जून से पहले ही 6 जिलों में शेल्टर होम बना लिए जाएंगे। समुद्र तट से 5 से 10 किलोमीटर के इलाके में रहने वाले लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 12 जून को एक इमरजेंसी मीटिंग की। इसमें गृह मंत्रालय, एनडीआरएफ और सेना के अधिकारी मौजूद रहे ।

एक्सपर्ट्स का मानना है कि चक्रवात बिपरजॉय प्रमुख रूप से नॉर्थ गुजरात और साउथ राजस्थान को प्रभावित करेगा। इससे जुड़े आसपास के इलाकों में तेज हवाएं और बारिश हो सकती हैं। बाकी देश पर इसका कोई खास असर नहीं होगा।

नॉर्थ ईस्ट: अगले तीन दिनों तक नॉर्थ-ईस्ट के ज्यादातर राज्यों में भारी बारिश का अनुमान है। **पूर्वी भारत:** पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अगले तीन दिनों में भारी बारिश से अत्यधिक भारी बारिश का अनुमान है। **उत्तर पश्चिम भारत:** हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड के कुछ इलाकों में तूफान आएगा। राजस्थान के कुछ इलाकों में भी थंडरस्टॉर्म की संभावना है। **पश्चिमी भारत:** गोवा, महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में भारी बारिश होगी। गुजरात के सौराष्ट्र और कच्छ इलाकों में तो चक्रवात का भरपूर असर देखने को मिलेगा। **दक्षिणी भारत:** केरल और कर्नाटक में अगले 3 दिनों तक भारी बारिश जारी रहेगी। अगले कुछ दिनों तक बिहार, झारखंड, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और ओडिशा के कुछ इलाकों में हीटवेव जारी रहेगी। तमिलनाडु, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा इलाकों में गर्मी और उमस रहेगी।

बिपरजॉय तूफान के चलते मानसून के और एडवांस यानी तेज होने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक डीपी दुबे के मुताबिक बिपरजॉय तूफान से सारी नमी गुजरात से होते हुए महाराष्ट्र, एमपी, राजस्थान की तरफ बढ़ेगी। इससे इन इलाकों में मानसून तेजी से पहुंच सकता है। इन इलाकों में प्री-मानसून एक्टिविटी बढ़ेगी और 15 जून के बाद बारिश होने की संभावना है।

चक्रवात क्या होते हैं और ये बनते कैसे हैं?

साइक्लोन शब्द ग्रीक भाषा के साइक्लोस से लिया गया है, जिसका अर्थ है सांप की कुंडलियां। इसे ऐसा इसलिए कहा जाता है क्योंकि बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में ट्रॉपिकल साइक्लोन समुद्र में कुंडली मारे सांपों की तरह दिखाई देते हैं। चक्रवात एक गोलाकार तूफान (सर्कुलर स्टॉर्म) होते हैं, जो गर्म समुद्र के ऊपर बनते हैं। जब ये चक्रवात जमीन पर पहुंचते हैं, तो अपने साथ भारी बारिश और तेज हवाएं लेकर आते हैं। ये हवाएं उनके रास्ते में आने वाले पेड़ों, गाड़ियों और कई बार तो घरों को भी तबाह कर सकती हैं।

साइक्लोन बनने का प्रोसेस कुछ इस तरह है

चक्रवात समुद्र के गर्म पानी के ऊपर बनते हैं। समुद्र का तापमान बढ़ने पर उसके ऊपर मौजूद हवा गर्म और नम होने की वजह से ऊपर उठती है। इससे उस हवा का एरिया खाली हो जाता है और नीचे की तरफ हवा का प्रेशर यानी वायु दाब कम हो जाता है। इस खाली जगह को भरने के लिए आसपास की ठंडी हवा वहां पहुंचती है। इसके बाद ये नई हवा भी गर्म और नम होकर ऊपर उठती है।इसका एक साइकिल शुरू हो जाता है, जिससे बादल बनने लगते हैं। पानी के भाप में बदलने से और भी बादल बनने लगते हैं। इससे एक स्टॉर्म साइकिल या तूफान चक्र बन जाता है, जो धरती के घूमने के साथ ही घूमते रहते हैं।

स्टॉर्म सिस्टम के तेजी से घूमने की वजह से उसके सेंटर में एक आई बनता है।

तूफान के आई को उसका सबसे शांत इलाका माना जाता है, जहां एयर प्रेशर सबसे कम होता है। ये स्टॉर्म सिस्टम हवा की स्पीड 62 किमी/घंटे होने तक ट्रॉपिकल स्टॉर्म कहलाते हैं। हवा की रफ्तार 120 किमी/घंटे पहुंचने पर ये स्टॉर्म साइक्लोन बन जाते हैं। साइक्लोन आमतौर पर ठंडे इलाकों में नहीं बनते है, क्योंकि इन्हें बनने के लिए गर्म समुद्री पानी की जरूरत होती है। लगभग हर तरह के साइक्लोन बनने के लिए समुद्र के पानी के सरफेस का तापमान 25-26 डिग्री के आसपास होना जरूरी होता है। इसीलिए साइक्लोन को ट्रॉपिकल साइक्लोन भी कहा जाता है। ट्रॉपिकल इलाके आमतौर पर गर्म होते हैं, जहां साल भर औसत तापमान 18 डिग्री से कम नहीं रहता।

सीएम भूपेश बोले-बजरंगबली हमारे साथ

भाजपा के साथ बजरंग दल, धान के मसले पर कहा–बीजेपी झूठ को सौ बार बोलती है, ताकि सच लगे

रायपुर, 13 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मंगलवार दोपहर अंबिकापुर में हो रहे संभागीय सम्मेलन में शामिल होने रवाना हुए। इससे पहले रायपुर में उन्होंने पत्रकारों से अलग-अलग मुद्दों पर बात की। इस दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भारतीय जनता पार्टी पर झूठ बोलने परिवारवाद को बढ़ावा देने जैसे आरोप भी लगाए। उन्होंने ये भी कहा है कि बजरंगबली हमारे साथ हैं। सीएम ने कहा-5 संभाग का सम्मेलन आज खत्म हो जाएगा। शैलजा जी की उपस्थिति में, विधानसभा अध्यक्ष की उपस्थिति में यह सम्मेलन हुआ है।

इससे निश्चित रूप से कार्यकर्ताओं में उत्साह आया है। आने वाले दिनों में ब्लॉक जिला लेवल में अलग-अलग समिति बनाकर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा।

भाजपा का संपर्क अभियान, सिर्फ चुनावी

मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी के मौजूदा अभियान को लेकर कहा, हमारी सरकार जब से बनी, तब से हम चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। लगातार दौरे कर रहे हैं। जनता और कार्यकर्ताओं के बीच में रहे हैं, भाजपा अभी जनसंपर्क कर रही है। संगठन के लोगों से भी मुलाकात चल रही है। विधानसभा वार लगातार जनसंपर्क किया जा रहा है

भाजपा का बड़ा झूठ

हाल ही में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा था कि केंद्र सरकार प्रदेश का धान खरीदती है। इस पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा-भारतीय जनता पार्टी लगातार झूठ बोलती है। एक झूठ को सौ बार बोलो तो सच लगता है, इसलिए भाजपा झूठ बोलती है। केंद्र सरकार धान खरीदती है, लेकिन हरियाणा, पंजाब से, यहां पूरा सिस्टम राज्य सरकार का है। केंद्र सरकार चावल खरीदे या ना खरीदे, राज्य सरकार किसानों से धान खरीदेगी। केंद्र सरकार केवल एक परिवार को 5 किलो चावल देती है, लेकिन हम 35 किलो चावल देते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस को बेटा बेटी की पार्टी बताया था। इस पर मुख्यमंत्री ने पलटवार करते हुए कहा-नड्डा जी जिस प्रदेश से आते हैं, अनुराग ठाकुर के पिताजी मंत्री थे, राजनाथ सिंह का बेटा विधायक है, अमित शाह के बेटे भी पद में है। भाजपा कांग्रेस पर चुनावी दिनों में हिंदुत्व का माहौल बनाने का आरोप लगा रही है। इस पर भी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जवाब दिया वो बोले-बजरंगबली का नारा उन्होंने (बीजेपी) ने लगाया था, बजरंगबली का गदा इन पर पड़ा है, लेकिन आशीर्वाद हमें मिला, बजरंग दल उनके साथ हैं। बजरंगबली हमारे साथ हैं।

झारखंड हाईकोर्ट में जेटेट याचिका की हुई सुनवाई

कोर्ट ने पूछा – सात साल से क्यों लंबित है परीक्षा सरकार एक हफ्ते में दायर करे शपथ पत्र

रांची, 13 जून (एजेंसियां)। झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा से संबंधित दायर एक याचिका पर आज झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। यह सुनवाई चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने की। सुनवाई के दौरान अदालत ने सरकार से पूछा है कि साल 2016 के बाद से अब तक झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा क्यों नहीं हुई है। अदालत ने राज्य सरकार को एक सप्ताह में शपथ पत्र दाखिल कर जवाब देने को कहा है।

20 जून को होगी अगली सुनवाई

जेटेट से संबंधित याचिका झारखंड सीटेट उत्तीर्ण अभ्यर्थी संघ की ओर से दायर की गयी है। संघ की ओर से सूरज बिहारी मंडल एवं अन्य ने रिट याचिका दाखिल की है। आज की सुनवाई के बाद कोर्ट ने 20 जून को अगली सुनवाई की तारीख रखी है। प्रार्थी की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार, अधिवक्ता कुशल कुमार और विशाल कुमार ने पैरवी की।

क्या है दायर याचिका

झारखंड सीटेट उत्तीर्ण अभ्यर्थी संघ की ओर से दायर जनहित याचिका में अदालत से यह गुहार लगाई गयी है कि वह राज्य सरकार को जल्द से जल्द टेट लेने का आदेश दें। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने इससे संबंधित अन्य मामलों को एक साथ मर्ज कर सुनवाई करने की बात कही है। प्रार्थी ने याचिका में कहा है कि बीते 7 वर्षों से झारखंड में जेटेट की परीक्षा आयोजित नहीं हुई है। प्रार्थी ने प्रार्थना की है कि सीटेट को भी जेटेट की तरह झारखंड में मान्यता दी जाए।

चार लाख छात्र नियुक्ति से हो जाएंगे वंचित

दायर याचिका के माध्यम से प्रार्थियों ने कोर्ट को बताया है कि राज्य सरकार वर्ष 2016 के बाद से बिना जेटेट लिए शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। ऐसा होने से करीब चार लाख अभ्यर्थी शिक्षक नियुक्ति परीक्षा में शामिल होने से से वंचित हो जाएंगे।

12 साल में केवल दो परीक्षा

झारखंड में पिछले 12 वर्ष में मात्र दो जेटेट हुई। जबकि, 'शिक्षा का अधिकार अधिनियम' के तहत हर वर्ष एक परीक्षा लेने का प्रावधान है। पहली परीक्षा वर्ष 2013 तो दूसरी परीक्षा 2016 में हुई थी। जबकि इस दौरान तीन नियमावली बन चुकी है। पहली नियमावली वर्ष 2012 में बनी थी। 2016 में इसमें बदलाव की प्रक्रिया शुरू हुई, जो वर्ष 2019 तक चली। तृतीय संशोधन वर्ष 2022 में हुआ।

भीषण सड़क हादसा 4 नाबालिगों की मौत

कोरबा, 13 जून (एजेंसियां)। कोरबा जिले में बिलासपुर-अंबिकापुर नेशनल हाईवे-130 पर सोमवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 4 नाबालिगों की मौत हो गई है। यहां तेज रफ्तार मिक्सचर मशीन ने बाइक सवार दो लड़कों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में चारों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मामला पाली थाना अंतर्गत चैतमा चौकी क्षेत्र की है। मृतक चारों नाबालिग चैतमा के कुम्हारपारा मोहल्ले के रहने वाले हैं। चैतमा चौकी प्रभारी सुरेश कुमार जोगी ने बताया कि बिलासपुर-अंबिकापुर नेशनल हाईवे पर 2 नाबालिग बाइक से जा रहे थे, इसी दौरान उन्हें दिलीप बिल्डकॉन की मिक्सचर मशीन ने अपनी चपेट में लिया। इसके बाद वहीं पर सड़क किनारे रील्स बना रहे 2 और लड़कों को भी इसी वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी।

झारखंड को साहब के बिचौलियों ने किया बदनाम

पंकज मिश्रा की तबीयत खराब बाबूलाल ने हेमंत पर साधा निशाना कहा, यूज एंड थ्रो मत करिये

रांची, 13 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधा है। एक के बाद एक किये गये तीन ट्वीट मे बाबूलाल मरांडी ने हेमंत के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा, दूसरे राज्यों में झारखंड की बन रही छवि और झारखंड की शराब नीति पर हुए घोटाले को लेकर निशाना साधा है। हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा की खराब होती तबीयत पर हेमंत सोरेन से बेहतर इलाज कराने की अपील करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा, खबर आ रही है कि साहिबगंज 1000 करोड़ खनन घोटाले के प्रमुख आरोपी पंकज मिश्रा जो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी के विधायक प्रतिनिधि है, की तबीयत ज़्यादा ख़राब है। क़ैदी के रूप में उन्हें इलाज के लिये दिल्ली ले ज़ाया गया है। उनका स्वस्थ रहना बेहद ज़रूरी है। मुख्यमंत्री हेमंत जी से अनुरोध है कि आप "यूज एंड थ्रो" मत करिये। पंकज को यूँ ही उसके हाल पर भगवान भरोसे मत छोड़िये। पाप लगेगा आपको। आपका फ़र्ज़ और कर्तव्य है कि व्यक्तिगत रूप से ध्यान देकर पंकज को बेहतर इलाज मुहैया कराने का इंतज़ाम कराइये। आख़िर जिस लूट महापाप की सजा वो भुगत रहा है उसके सरग़ना भी तो आप ही हैं न और उसने जो भी किया आपके कहने पर आपके लिये ही तो किया है। बाबूलाल मरांडी ने दूसरे राज्यों में बन रही झारखंड की छवि की चर्चा करते हुए ट्वीट किया, पिछले दिनों जब मैं मध्यप्रदेश के दौरे पर था तब कई बार लोगों के झारखंड के संदर्भ में पूछे गए प्रश्नों पर असहज हो गया।

पत्रकार बंधुओं के साथ साथ आम लोग भी जब मिल रहे थे तो उनका एक ही प्रश्न था, झारखंड में क्या हो रहा है? हेमंत सोरेन भी इस महालूट में शामिल हैं क्या? उनकी भी गिरफ्तारी होगी? मैं उनसे इतना ही कहता था कि झारखंड को लुटेरों ने लूटा है लेकिन सबका हिसाब हो रहा है।

बिट्टू खान हत्याकांड का हुआ खुलासा

जेल में बंद राज वर्मा के निर्देश पर की हत्या, मारने के तीन महीने पहले बनाया था प्लान

रांची, 13 जून (एजेंसियां)। बरियातू के टोंटे चौक सरकारी कुआं के पास बीते 6 जून को तनवीर अहमद उर्फ बिट्टू खान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। रांची पुलिस में इस हत्याकांड का खुलासा महज एक सप्ताह के भीतर कर लिया है। इस हत्याकांड के खुलासे को लेकर पुलिस की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार बिट्टू खान की हत्या जेल में बंद राज वर्मा के निर्देश पर किया गया है। इस हत्याकांड में शामिल छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से हत्याकांड में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन, देशी पिस्तौल और गोलियां बरामद की गयी हैं।

तनवीर अहमद उर्फ बिट्टू खान की हत्या करने से 2 से 3 महीने पहले से अपराधियों ने प्लान बनाया था। इस हत्याकांड में शामिल अंकित कुमार सिंह और दीपक कुमार सिंह को रेकी करने की जिम्मेदारी दी गई थी। अंकित कुमार सिंह को एदलहातू टीओपी तथा दीपक कुमार सिंह को बिट्टू खान के घर की रेकी करने का काम सौंपा गया था। बिट्टू खान की हत्या करनी है या नहीं इसे लेकर 3 जून को दीपक कुमार सिंह और अंकुश कुमार सिंह जेल में बंद राज वर्मा से मिलने गए थे। जहां से निर्देश मिलने के बाद उन्होंने बिट्टू खान की सारे शाम गोलियों से भून डाला था।

मिली जानकारी के अनुसार जेल में बंद राज वर्मा की ओर से निर्देश मिलने के बाद 6 जून को दो मोटरसाइकिल में सवार अपराधी आए थे। इसमें एक मोटरसाइकिल पर दुर्गा और अभिषेक आए थे। जिसमें मोटरसाइकिल दुर्गा चला रहा था। वहीं अभिषेक के पास पिस्तौल था। दूसरे मोटरसाइकिल पर रोहन श्रीवास्तव और रोहित मुंडा थे। जिसमें रोहन श्रीवास्तव गाड़ी चला रहा था तथा रोहित मुंडा के पास पिस्तौल था। इन दोनों ने ही बिट्टू खान पर गोलियां बरसाई थी। इस घटना के बाद डोरंडा के मोहम्मद आरिफ के पास दोनों गाड़ियों को छुपाने के लिए रख दिया था। पुलिस ने जिन मोटरसाइकिल को बरामद किया है, उसमें लगे नंबर फर्जी पाए गए हैं।

2 हजार करोड़ का शराब घोटाला

ईडी ने ट्रांसपोर्टर अरविंद सिंह को किया अरेस्ट, क्रिया-कर्म में जाने की मिली इजाजत

रायपुर, 13 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ में दो हजार करोड़ के शराब घोटाले में ट्रांसपोर्टर अरविंद सिंह को गिरफ्तार किया है। ईडी काफी समय से अरविंद सिंह की पतासाजी में जुटी थी। आज मंगलवार को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में उन्हें पेश किया गया। उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा जा सकता है।

अपनी मां को मुखाग्नि देने के बाद ईडी ने अरविंद को गिरफ्तार किया था। ईडी ने मंगलवार को सिंह को अपनी कस्टडी में लिया था। अदालत ने सुनवाई करते हुए अरविंद को अंतिम क्रिया-कर्म में शामिल होने के लिए आज शाम 5 से 6 एक घंटे के लिए और बुधवार सुबह 7 से 8 बजे एक घंटे के लिए शामिल होने की इजाजत दी है। टीम अपनी निगरानी में उनके घर तक ले जाएगी। इसके बाद ईडी अपनी कस्टडी में रखेगी। मंगलवार को इस मामले में पहले से ही जेल में बंद रायपुर मेयर एजाज ढेबर के बड़े भाई अनवर ढेबर, आबकारी विभाग के अधिकारी एपी त्रिपाठी और कारोबारी त्रिलोक ढिल्लन, नितेश पुरोहित की रिमांड खत्म हो चुकी है। अरविंद सिंह अपनी मां का अंतिम संस्कार करने श्मशान घाट पहुंचे थे। ईडी ने वहीं से उन्हें गिरफ्तार किया था। जब आज अदालत लाया गया तो वे सफेद गमछा और धोती पहन रखे थे। मुंडन भी करा रखा था।

इसी स्थिति में उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। पहले से ही जेल में बंद ढेबर समेत बंद चारों आरोपियों की रिमांड को लेकर स्पेशल कोर्ट में न्यायाधीश अजय सिंह ने सुनवाई की। दोनों पक्षों के तथ्यों को सुनने के बाद कोर्ट अपना आदेश देगी।

छत्तीसगढ़ में लंपी वायरस की पुष्टि

कबीरधाम, 13 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में लम्पी वायरस की पुष्टि हो गई है। जिले के सहसपुर लोहारा विकासखण्ड के तीन जानवरों के सैंपल में संक्रामक रोग लम्पी वायरस की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। पशुधन विकास विभाग ने 17 मवेशियों के सैंपल जांच के लिए भेजे थे। हालांकि प्रशासन का दावा है कि, लोहारा सहित सभी विकासखण्डों में स्थिति नियंत्रण में है। कलेक्टर के निर्देश पर पशुधन विकास विभाग ने मवेशियों में होने वाली संक्रामक बीमारियों के रोकथाम और नियंत्रण के लिए टीकाकरण अभियान जारी है। उपसंचालक पशुधन विकास डॉ. एसके मिश्रा ने बताया कि, विभाग ने भारत कृषि अनुसंधान परिषद भोपाल में सैंपल जांच के लिए भेजा था। इनमें से 14 की रिपोर्ट निगेटिव आई है।

अमेरिकी रेस्टोरेंट में मोदी जी थाली लॉन्च

तिरंगा इडली और कश्मीर डिश शामिल, 21 जून को 4 दिन के दौरे पर यूएस जाएंगे पीएम

ट्रेंटन, 13 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा से पहले न्यू जर्सी के एक रेस्टोरेंट ने मोदी जी के नाम से खास थाली लॉन्च की है। रेस्टोरेंट के शेफ श्रीपद कुलकर्णी ने इस 'मोदी जी थाली' को डिजाइन किया है। इसमें कई भारतीय डिश शामिल हैं। मोदी जी थाली में खिचड़ी, रसगुल्ला, सरसों का साग और दम आलू से लेकर कश्मीरी भोज, तिरंगे के रंग की इडली, ढोकला, छाछ और पापड़ मौजूद हैं। शेफ कुलकर्णी ने बताया कि इस थाली को प्रवासी भारतीयों के सुझाव के आधार पर बनाया गया है। साथ ही इस थाली को इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स के लिए एक ट्रिब्यूट के तौर पर भी पेश किया गया है। दरअसल, यूएन ने 2019 में भारत सरकार की पहल पर साल 2023 को इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स घोषित किया था। इसका मकसद मोटे अनाजों के बारे में जागरूकता फैलना है।

विदेश मंत्री जयशंकर के नाम पर भी लॉन्च होगी स्पेशल थाली

पीएम मोदी 21 जून को पहली स्टेट विजिट पर अमेरिका जाएंगे। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनकी पत्नी जिल बाइडेन स्टेट डिनर भी होस्ट करेंगे। मोदी जी थाली की कीमत फिलहाल सामने नहीं आई है।

न्यू जर्सी के रेस्टोरेंट के शेफ ने बताया कि वो जल्द ही भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के नाम पर भी एक स्पेशल थाली लॉन्च करेंगे। उन्होंने कहा- मुझे पूरी उम्मीद है कि ये थाली भी बेहद लोकप्रिय रहेगी।

हालांकि, ये पहली बार नहीं है जब किसी रेस्टोरेंट ने पीएम मोदी को थाली समर्पित की है। पिछले साल 17 सितंबर को पीएम मोदी के जन्मदिन से पहले दिल्ली के कनॉट प्लेस के अरडोर 2.1 रेस्टोरेंट ने 56 इंच की नरेंद्र मोदी थाली नाम की एक स्पेशल थाली लॉन्च की थी।

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बिजनेस काउंसिल समिट में कहा- भारत और अमेरिका के बीच मजबूत साझेदारी है। दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र और सबसे बड़ी डेमोक्रेसी वाले देश के बीच एक खास रिश्ता है। हालांकि, अभी हमें दोनों देशों के बीच ट्रांसपेरेंसी को और बढ़ाना है जिससे हम एक बेहतर ट्रेड रिलेशन स्थापित करते हुए रिश्तों को और मजबूत कर पाएं। 2022 में भारत और अमेरिका के बीच 191 अरब डॉलर का ट्रेड हुआ था। इसी के साथ अमेरिका भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर बन गया था।

दूसरी बार अमेरिकी संसद को संबोधित करेंगे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 से 24 जून तक अमेरिका के दौरे पर रहेंगे। दौरे के तहत पीएम मोदी 22 जून को दूसरी बार अमेरिकी संसद (कांग्रेस) को भी संबोधित करेंगे। इससे पहले उन्होंने 2016 में भी कांग्रेस को एड्रेस किया था। पीएम मोदी ऐसा करने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री होंगे। 21 जून को पीएम मोदी न्यूयॉर्क में यूएन मुख्यालय में विश्व योग दिवस कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। इसके बाद वो शिकागो में भारतीय समुदाय के साथ एक बड़े कम्युनिटी कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे।

6 बार मिल चुके हैं पीएम मोदी-राष्ट्रपति बाइडेन

पीएम मोदी इससे पहले 6 बार अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन से मुलाकात कर चुके हैं। उनकी पहली मुलाकात सितंबर 2021 में अमेरिका में हुई थी। तब दोनों नेताओं ने व्हाइट हाउस में करीब 90 मिनट तक बातचीत की थी। इसके बाद मोदी और बाइडेन अक्टूबर में इटली में जी-20 समिट के दौरान मिले थे। दोनों नेताओं की अगली मुलाकात मई 2022 में क्वाड समिट के दौरान हुई थी। फिर दोनों जून 2022 में जी-7 समिट के दौरान जर्मनी में मिले थे। इसके बाद मोदी-बाइडेन नवंबर 2022 में इंडोनेशिया के बाली में जी-20 समिट के दौरान मिले थे। दोनों नेताओं की आखिरी मुलाकात मई 2023 में हुई जब वे जापान के हिरोशिमा में जी-7 समिट के लिए पहुंचे थे।

पाकिस्तान ने रूस से खरीदा 'सस्ता तेल' मिला लॉलीपॉप

मालामाल हुए भारत और यूएई! समझें खेल

इस्लामाबाद, 13 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने बड़े अरमानों के साथ रूस के साथ तेल खरीदा और इसकी पहली खेप अब कराची बंदरगाह पहुंच गई है। इसे अब पाकिस्तान की रिफाइनरी में भेजा जा चुका है। पाकिस्तान को अभी रूस से आया हुआ 45 हजार मीट्रिक टन तेल मिला है। इसकी दूसरी खेप उसे जल्दी ही मिलने वाली है। रूसी तेल के पाकिस्तान पहुंचने पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ फूले नहीं समा रहे हैं। वहीं पीटीआई समर्थक इसे इमरान खान की उपलब्धि बता रहे हैं। इस श्रेय लेने की होड़ के बीच विशेषज्ञों का कहना है कि रूसी तेल से भारत और यूएई मालामाल हुए हैं और पाकिस्तान के हाथ केवल लॉलीपॉप लगा है।

पाकिस्तान के चर्चित बिजनस अखबार बिजनस रेकॉर्डर के संपादक और आर्थिक मामलों के जानकार वकास कहते हैं कि पाकिस्तान के रूसी तेल खरीदने से भारत और यूएई के बिचौलिये जमकर कमाई किए हैं। उन्होंने बताया कि रूस से चला तेल पहले भारत आया। इसके बाद भारत के गुजरात राज्य से यह फिर यूएई गया। इसके बाद यह तेल यूएई से फिर पाकिस्तान गया। गुजरात के पास ही पाकिस्तान का कराची पोर्ट है जहां अभी यह तेल उतरा है। वकास ने कहा कि इस पूरे तेल के खेल से भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बिचौलियों ने जमकर पैसा बनाया है।

वकास ने कहा कि रूस ने यह तेल भारत को 52 डॉलर प्रति बैरल में बेचा और इसके बाद भारत ने इसे यूएई को बेच दिया। इसके बाद इसे यूएई से पाकिस्तान को बेच दिया गया। पाकिस्तान को यह तेल 69 डॉलर प्रति बैरल का पड़ा। उन्होंने दावा किया कि भारतीय खरीदार ने इस पाकिस्तानी तेल के सौदे में 17 डॉलर प्रति बैरल की कमाई की है। उन्होंने बताया कि रूस और पाकिस्तान के बीच यह करीब 2 लाख 50 हजार बैरल की डील है। ऐसे में पाकिस्तान के हाथ केवल लॉलीपाप लगा है।

क्यूबा में स्थापित चीन के जासूसी कैंप पर अमेरिका ने जताई चिंता

कहा- ऐसी उम्मीद नहीं थी

वाशिंगटन, 13 जून (एजेंसियां)। चीन के जासूसी अभियान पर व्हाइट हाउस ने चिंता जाहिर की है। उन्होंने क्यूबा सरकार के प्रति चिंता जाहिर की। बता दें, चीन क्यूबा सरकार की रजामंदी से उनके देश में जासूसी अभियान को अंजाम दे रहे हैं।

रिश्ते काफी तनावपूर्ण हैं

व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने बताया कि चीन के साथ हमारे रिश्ते काफी तनावपूर्ण हैं। लेकिन राष्ट्रपति जो बाइडन चीन के साथ बात करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। किर्बी ने कहा कि चीन क्यूबा से जासूसी अभियान को अंजाम दे रहा है, इसपर विश्वास नहीं होता। चीन के इस कदम से राज्य सचिव एंटनी ब्लिंकन की चीन यात्रा पर असर पड़ सकता है।

चीन ने खारिज किया दावा

एक दिन पहले सोमवार को ब्लिंकन ने कहा था कि चीन विदेशों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। इसी वजह से चीन ने क्यूबा में विस्तार कर रहा है। लेकिन बाइडन सरकार आते ही चीन अपने इन प्रयासों में थोड़ा धीमा पड़ गया। ब्लिंकन के दावे को चीन ने सोमवार को ही खारिज कर दिया था। व्हाइट हाउस में पदस्थ जॉन किर्बी, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में रणनीतिक संचार के समन्वयक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। उन्होंने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के लिए काफी उत्सुक हैं। यहां एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि क्वाड में भारत और अमेरिका एक दूसरे को सहयोग करते हैं। हमारे बीच रक्षा साझेदारी भी काफी महत्वपूर्ण है। बता दें, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के आक्रामक रुख को कम करने के लिए 2017 में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने मिलकर क्वाड समूह का गठन किया।

दुश्मनों को भी दे सकते हैं कड़ा संदेश

कुछ दिनों पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा से पहले सांसदों ने कहा था कि जिस प्रकार राष्ट्रपति बाइडेन रात्रिभोज कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सम्मान कर रहे हैं ठीक वैसे ही दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता का संसद के संयुक्त सत्र में संबोधन एक सम्मान है। बता दें, मई की शुरुआत में दोनों सांसदों ने भारत और अमेरिका समिट की मेजबानी की थी, समिट में देश भर के नेताओं और विशेषज्ञ शामिल हुए थे। सांसदों का कहना है कि हमारे इस प्रयास से भारत-अमेरिका के रिश्तों में मजबूती तो आएगी ही साथ में हम इससे चीन को भी एक कड़ा संदेश दे सकते हैं।

'आप पाकिस्तानी मुसलमान को भाई समझते हैं या नहीं?'

युवक के सवाल पर जानिए क्या बोले ओवैसी

शिकागो, 13 जून (एजेंसियां)। एआईएमआईएम के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी इन दिनों अमेरिका के दौरे पर हैं, जहां वह पार्टी समर्थकों से मुलाकात कर रहे हैं। शिकागो में आयोजित हुए एक कार्यक्रम में ओवैसी से एक युवक ने पाकिस्तानी मुसलमानों को लेकर सवाल किया, जिस पर ओवैसी ने मजेदार जवाब दिया और 26 नवंबर के मुंबई हमले का जिक्र कर गए।

क्या बोले ओवैसी

कार्यक्रम के दौरान युवक के सवाल पर ओवैसी ने कहा कि जब देश का बंटवारा हुआ तो हमारे बुजुर्गों ने उसकी मुखालफत की थी। हमारा मानना ये था कि देश की आजादी के लिए हमारे बुजुर्गों ने कुर्बानियां दी और जो रजाकार थे वो चले गए और जो वफादार थे वो रह गए। इसके बाद ओवैसी ने मुंबई हमले का जिक्र किया और पाकिस्तान को घेरते हुए कहा कि मुंबई हमले के जो हमलावर थे, वो पाकिस्तान से आए थे और इससे कोई इनकार नहीं कर सकता।

पाकिस्तानी फौजी अफसर आतंकी संगठन से जुड़े

कैप्टन, वायुसेना के चीफ टेक्नीशियन तक बागी, सरकार की नीतियों से खफा जवान

इस्लामाबाद, 13 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान में सेना और सुरक्षाबलों को निशाना बनाने वाला आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) मजबूत होता जा रहा है। इस कड़ी में उसके साथ सेना के वे लोग भी जुड़ रहे हैं, जो सरकार की नीतियों से असंतुष्ट हैं। बागी होने वालों में आर्मी, नेवी, एयरफोर्स सभी के अफसर भी शामिल हैं। टीटीपी ने ऐसे लोगों के नामों का ऐलान जिहादी चैनल तकबीर मीडिया पर किया है। वीडियो में उनके नाम और फोटो दिखाए गए हैं।

नाम न छापने की शर्त पर एक सुरक्षा विश्लेषक ने कहा, 'टीटीपी ने मेजर जनरल (रिटायर्ड) जहीर उल इस्लाम अब्बासी का नाम गुप्त रखा है। अब्बासी की तालिबान से जुड़ाव की बात उस वक्त भी उजागर नहीं की गई, जब उसका कोर्ट मार्शल किया जा रहा था।'

टीटीपी में शामिल हुए रिटायर्ड मेजर जनरल

अब्बासी को 1995 में बेनजीर भुट्टो की सरकार के खिलाफ एक तख्तापलट की साजिश में शामिल होने के लिए 7 साल की सजा मिली थी। उसने तख्तापलट को 'ऑपरेशन खिलाफ' नाम दिया था, जो नाकाम रहा था। रिहाई के बाद उसने 1999 में मुशर्रफ के कहने पर 'हिज्ब अल्लाह पाकिस्तान' नाम से एक धार्मिक-राजनीतिक पार्टी बनाई। सुरक्षा विश्लेषक ने प्रतिबंधित टीटीपी में शामिल होने वाले सशस्त्र बलों के जवानों के नाम उजागर करना गंभीर बताया है। उन्होंने कहा, 'यह तालिबान द्वारा सशस्त्र बलों के कर्मियों की भर्ती करने का बड़ा प्रयास है। सुरक्षा बल इन भगोड़ों के खिलाफ अभियान चलाकर उनके सफाए का प्रयास करेंगे।'

भारतीय चौकियों पर हमला करने वाला मेजर जनरल भी

अब्बासी पूर्व आर्मी कमांडर रहा है। सियाचिन क्षेत्र में तैनाती के दौरान उसने भारतीय सेना की चौकियों पर हमले की योजना बनाई और अंजाम दिया। विश्लेषक अब्बासी को आतंक का पर्याय बताते हैं। वह अपने हिज्ब अल्लाह पाकिस्तान गुट के जरिए शरिया कानून लागू करना चाहता था।

बागियों में तीनों सेनाओं और अर्धसैनिक बल के भी लोग

इन बागियों में पाकिस्तानी फौज के सभी अंगों और पैरा मिलिट्री के अफसर और जवान भी शामिल हैं। इनमें से कुछ के नाम जाहिर भी हो चुके हैं, जिनमें शामिल हैं आर्मी से मेजर आदिल कुद्दूस, मेजर तारिक मजीद, कैप्टन तारिक मिर्जा, स्पेशल सर्विसेज ग्रुप का नायक अरशद, नायक उस्मान अकील, मेडिकल कोर जूनियर टेक्निशियन जहीर, जूनियर टेक नियाज मुहम्मद, अब्दुल रऊफ, इस्लाम सिद्दीकी, नेवी से लेफ्टि. अवैस झकरानी, लेफ्टि. जीशान रफीक, अब्दुल वदूद और एयर फोर्स से चीफ टेक खालिद महमूद, कॉर्पोरल तकनीशियन हशमत अली, नवाजिश अली को अलावा अर्धसैनिक बल का सिपाही मलक। तकबीर मीडिया को टीटीपी में शामिल हुए एयर फोर्स के पूर्व अधिकारी अदनान रशीद से संबद्ध माना जाता है। रशीद 2003 में तत्कालीन राष्ट्रपति और सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ पर हमले में भी शामिल था। वह वजीरिस्तान में ऑपरेशन में पकड़ा गया और उस पर केस चला। फिर उसे मौत की सजा सुनाई गई। वह तालिबान द्वारा जेल ब्रेक में छुड़ा लिया गया। उसने अंसार उल असीर के नाम से आतंकी गुट बनाया।

नाटो के इतिहास का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास

रूस के खिलाफ जंग की तैयारी कर रहे हैं यूरोप-अमेरिका?

बर्लिन, 13 जून (एजेंसियां)। नाटो ने पश्चिमी सैन्य गठबंधन के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी एयरफोर्स ड्रिल शुरू कर दी है। जर्मनी की वायुसेना की तरफ से इस बारे में जानकारी दी गई है। सोमवार से इस ड्रिल की शुरुआत हुई है। इस अभ्यास को संगठन के सदस्यों और साझेदारों के बीच एकता के प्रदर्शन के तौर पर अंजाम दिया जा रहा है। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से ही रूस के साथ नाटो का तनाव बढ़ा गया है। ऐसे में इस अभ्यास को उसके लिए एक चुनौती भी करार दिया जा रहा है। इस अभ्यास को एयर डिफेंडर 23 नाम दिया गया है।

क्या है इस युद्धाभ्यास का मकसद

जर्मनी वायु सेना की तरफ से बताया गया है कि जापान जो नाटो का साझीदार है, उसके अलावा सदस्यता के लिए आवेदन करने वाला स्वीडन भी इस अभ्यास का हिस्सा है। 25 सदस्य और साझेदार देशों के करीब 250 मिलिट्री एयरक्राफ्ट इसका हिस्सा हैं। 23 जून तक चलने वाले इस अभ्यास में 10,000 से सैनिक शामिल हैं। इस अभ्यास में सैनिक नाटो देश के सीमा के अंदर होने वाले हमलों का जवाब ड्रोन और क्रूज मिसाइलों से देने की ताकत का प्रदर्शन करेंगे। साथ ही इसका मकसद संकट की स्थिति में वायु सेना की क्षमताओं को बढ़ाना और तैयारियों को मजबूत करना है।

साल 2018 में होनी थी शुरुआत

जर्मन सेना के लेफ्टिनेंट जनरल इंगो गेरहाट्र्ज ने कहा, 'इस एक्सरसाइज के जरिए हम एक महत्वपूर्ण संदेश भेज रहे हैं और हम बताना चाहते हैं कि चाहे कुछ भी हो जाए हम अपनी सीमा की रक्षा कर सकते हैं।'

'एयर डिफेंडर 23' एक्सरसाइज की शुरुआत साल 2018 में होनी थी। उस समय माना गया था कि यह रूस को उसकी कार्रवाई का जवाब होगा जिसके तहत उसने क्रीमिया को अपनी सीमा में मिला लिया है। जर्मन वायु सेना की तरफ से बताया गया है कि इसमें शामिल 250 एयरक्राफ्ट में से 100 यूरोप में तैनात हैं जबकि 42 अमेरिका के अलग-अलग हिस्सों में तैनात हैं। गेरहाट्र्ज ने जोर देकर कहा कि यह ड्रिल किसी को निशाना बनाकर नहीं की जा रही है।

यूक्रेन के बांध में मिली हिटलर के सैनिकों की खोपड़ियां

सेकेंड वर्ल्ड वॉर के हथियार भी बरामद, यूएस इंटेलिजेंस का दावा डैम पर धमाका हुआ

कीव, 13 जून (एजेंसियां)। 6 जून को जंग के बीच यूक्रेन के सबसे बड़े बांधों में से एक काखोवका बांध तबाह हो गया। इस बीच वहां काम करने वाले अधिकारियों और कुछ लोगों को सालों से मिट्टी में दफन पुराने हथियार और खोपड़ियां मिली हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक कुछ खोपड़ियां हिटलर के सैनिकों की बताई जा रही हैं।

ये सैनिक रूस पर चढ़ाई के दौरान वहां मारे गए थे। वहीं, रूस की एक एस-300 मिसाइल का पुर्जा भी मिला है। इसका इस्तेमाल रूस और यूक्रेन दोनों ही करते हैं। वहां जांच करने पहुंचे अंडरवॉटर एक्सपर्ट्स ने बताया है कि बांध खाली हो रहा है और पानी का स्तर 4 मीटर तक कम हो चुका है। हमले से पहले इस बांध में 18 क्यूबिक किलोमीटर पानी हुआ करता था।

सेकेंड वर्ल्ड वॉर के हथियार भी मिले

यूक्रेन की न्यूज एजेंसी यूनियन ने एक फुटेज जारी किया है। जिसमें मिट्टी में काफी सारी खोपड़ियां दिखाई दे रही हैं। इनमें से एक ने सिर पर हेलमेट भी पहना है, ये वही हेलमेट है जिसे सेकेंड वर्ल्ड वॉर के दौरान नाजी सेना के सैनिक पहना करते थे।

मिट्टी से सेकेंड वर्ल्ड वॉर के हथियार भी बरामद हुए हैं। एस-300 मिसाइलों के अलावा बांध से मिले हथियारों में स्मर्च रॉकेट भी शामिल हैं। रूस और यूक्रेन बांध को तबाह करने का आरोप एक-दूसरे पर लगा रहे हैं।

इस बीच सैटेलाइट इमेज के जरिए अमेरिका की इंटेलिजेंस के ने दावा किया है कि डैम पर धमाका किया गया था। जिस वक्त बांध तबाह हुआ तब तक वो रूस के कब्जे में था।

यूएन ने दावा किया है कि बांध तबाह होने से यूक्रेन में फूड-सिक्योरिटी को लेकर बड़ी समस्या खड़ी हो सकती है। चुंकि यूक्रेन के कई इलाकों में यहीं से पानी की स्पलाई की जाती थी। नाइपर नदी पर बना काखोवका डैम 30 मीटर लंबा है और 3.2 किमी इलाके में फैला हुआ है। इसे सोवियत शासन के दौरान 1956 में बनाया गया था। इस डैम से ही क्रीमिया और जपोरीजिया न्यूक्लियर प्लांट में पानी पहुंचाया जाता है

यूक्रेन तेजी से जीत रहा है रूस के कब्जाए इलाके

बांध पर आरोप-प्रत्यारोप के बीच रूस के खिलाफ यूक्रेन का काउंटर ओफेंसिव शुरू हो चुका है। यूक्रेन ने रूस के कब्जे से 7 इलाकों को छुड़ा लेने का दावा किया है। इस बीच जेलेंस्की के होम टाउन पर रूस एक के बाद एक मिसाइलें दाग रहा है। इसमें 6 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि 25 लोग घायल बताए जा रहे हैं। रूस ने 1941 में भी नाइपर नदी पर बने एक बांध को तबाह किया गया था। 29 अगस्त 1941 के दिन सोवियत संघ के प्रवक्ता लोजोवस्की ने मीडिया को एक बयान दिया। उन्होंने बताया कि जापोरिजिया में नाइपर नदी पर बने बांध को तबाह कर दिया गया है, ताकि वो नाजियों के हाथ न लगे।

बांध तबाह कर यूएसएसआर ने जर्मन सेना को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश भी की थी। बांध को सोवियत संघ ने अपने पहले फाइव ईयर प्लान यानी पंच वर्षीय योजना के तहत बनाया था। इसे बनने में 8 साल लगे थे। इससे नाइपर नदी के दोनों तरफ पानी की आपूर्ती की जाती थी।

नॉर्थ कोरिया में आत्महत्या पर बैन

तानाशाह किम ने कहा- ये देशद्रोह है, गरीबी-भुखमरी से इस साल सुसाइड के मामले 40% तक बढ़े

प्योंगयांग, 13 जून (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया में आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इसे देखते हुए तानाशाह किम जोंग उन ने एक सीक्रेट आदेश जारी करके सुसाइड को बैन कर दिया है। उन्होंने इसे देशद्रोह बताया है। आदेश में अधिकारियों को आत्महत्याओं को रोकने की जिम्मेदारी दी गई है। अगर पूरे नॉर्थ कोरिया में देशद्रोह का कोई भी मामला सामने आया तो अधिकारियों को इसका जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

नॉर्थ कोरिया के अधिकारी ने रेडियो फ्री एशिया से बात करते हुए इसकी जानकारी दी। साउथ कोरिया की एक स्पाई एजेंसी के मुताबिक, नॉर्थ कोरिया में मई तक पिछले साल की तुलना में सुसाइड के 40% ज्यादा मामले दर्ज किए गए। चोंगजिन प्रान्त में इस साल सुसाइड के 35 मामले सामने आए। इनमें से ज्यादातर केस पूरे परिवार के एक साथ आत्महत्या करने के हैं। लोगों ने सुसाइड नोट में वहां के सोशल सिस्टम की आलोचना की है।

अपना देश छोड़कर चीन क्यों जा रहे हैं जापान के रिसर्चर?

टोक्यो, 13 जून (एजेंसियां)। जापान के ऐसे स्कॉलर्स और शोधकर्ताओं की संख्या बढ़ रही है, जो चीन के विश्वविद्यालयों और प्रयोगशालाओं में नौकरी ज्वाइन कर रहे हैं। इसे यहां एक बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। पहले सिर्फ जापान के इंजीनियरों की ही चीन में मांग थी। लेकिन अब खगोलशसास्त्र से लेकर विज्ञान की तमाम मौलिक विधाओं से जुड़े विदेशी शिक्षाशास्त्रियों का चीन में स्वागत किया जा रहा है।

वेबसाइट निक्कईएशिया.कॉम की एक विशेष रिपोर्ट के मुताबिक जापान में विश्वविद्यालयों ने अपने बजट में भारी कटौती की है। इसलिए विद्वानों के लिए यहां नौकरी मिलना कठिन हो गया है। दूसरी तरफ चीन ने पिछले 20 वर्षदों के दौरान अनुसंधान पर अपने बजट में भारी बढ़ोतरी की है। इसी का नतीजा है कि अनुसंधान पत्रों की संख्या और गुणवत्ता के मामले में वह तेजी से अमेरिका के बराबर पहुंच रहा है।

जापान की तोहोकू युनिवर्सिटी में एसिस्टैंट प्रोफेसर रह चुके हिरोमू कमेओका ने पिछले सितंबर में चीन के सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन मॉलिकुलर प्लांट साइसेंज ऑफ द चाइनीज एकेडमी में नौकरी ज्वाइन की। शंघाई में स्थित इस संस्थान में उन्हें अपनी टीम बनाने का अवसर दिया गया है। अपने इस कदम के बारे में कमेओका ने निक्कईएशिया से कहा- 'मैं अपने करियर में जल्द से जल्द स्वंतत्र अनुसंधानकर्ता बनना चाहता था।'

कोमेएका मिट्टी के सूक्ष्म जीवाणुओं और पौधों के बीच संबंध पर शोध कर रहे हैं।

तो अब सर्गेई लावरोव ने लगाया 'पाकिस्तान-रूसी दोस्ती' जिंदाबाद का नारा!

इस्लामाबाद, 13 जून (एजेंसियां)। रूस ने पाकिस्तान के साथ अपने रिश्तों का दायरा बढ़ाने और उसे और गहरा करने का प्रस्ताव रखा है। रूस ने पाकिस्तान के साथ अपने कूटनीतिक संबंध स्थापित होने की 75वीं सालगिरह पर ये प्रस्ताव रखा। इसके ठीक पहले बीते सप्ताहांत रूसी तेल की पहली खेप कराची बंदरगाह पर पहुंची। सोमवार को ही यह खबर आई कि पाकिस्तान ने इस तेल के बदले भुगतान चीन की मुद्रा युवान में किया है। राजनयिक हलकों में इसे काफी महत्त्व दिया गया है कि कूटनीतिक संबंध स्थापित होने की 75वीं सालगिरह पर रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने पाकिस्तान के लिए एक विशेष वीडियो संदेश जारी किया। इस संदेश में उन्होंने पाकिस्तान के साथ संबंधों का दायरा बढ़ाने की इच्छा जताई। इस संदेश को दुनिया में तेजी से बदल रहे भू-राजनीतिक माहौल से जोड़ कर देखा जा रहा है। समझा जाता है कि रूस की यह पहल पाकिस्तान को पश्चिमी खेमे से दूर करने की कोशिश का हिस्सा है। अपनी स्थापना के बाद से पाकिस्तान पश्चिमी खेमे के साथ रहा है। शीत युद्ध के समय सोवियत संघ से उसके रिश्ते बहुत खराब थे। लेकिन हाल में दोनों देशों ने संबंध बढ़ाने की कोशिशें की हैं। विश्लेषकों के मुताबिक संबंध बढ़ाने की कोशिशें कई वर्षों से कूटनीतिक स्तर पर चल रही थीं। अब उसके नतीजे सामने आने के संकेत हैं। बीते अप्रैल में दोनों पक्षों ने एक महत्त्वपूर्ण करार किया, जिसके तहत रूस पाकिस्तान को रियायती दर पर कच्चा तेल देने को सहमत हुआ।

ब्यूरोक्रेसी की टॉप सीट की रेस में 5 आईएएस : उषा शर्मा को मिल सकती है पॉलिटिकल नियुक्ति, चीफ सेक्रेटी के लिए किसका दावा सबसे मजबूत

जयपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान ब्यूरोक्रेसी की सबसे बड़ी कुर्सी मुख्य सचिव (सीएस) पर 30 जून को किसी नए अफसर की ताजपोशी होने वाली है। रेस में दिल्ली से लौटी भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की अधिकारी शुभ्रा सिंह और राज्य की वित्तीय स्थिति को मजबूत बनाने वाले अफसर अखिल अरोड़ा की एंट्री ने नई चर्चा छेड़ दी है।

इस कुर्सी पर अभी उषा शर्मा काबिज हैं, जो 30 जून को रिटायर होने वाली हैं। उनके बाद इस कुर्सी पर किसी और आईएएस अफसर की नियुक्ति होगी। नियुक्ति पूरी तरह से सीएम अशोक गहलोत की इच्छा पर निर्भर करेगी। ब्यूरोक्रेसी में यही एक मात्र ऐसी कुर्सी है, जिसके लिए कोई तय नियम-कायदे नहीं हैं। सीएम जिस भी आईएएस अफसर को चाहे, उसे इस कुर्सी पर बिठा सकते हैं। चुनावों में केवल 5 महीने का समय शेष है, ऐसे में गहलोत इस कुर्सी पर अपने सबसे विश्वसनीय अफसर को ही लगाना चाहेंगे।

महीने भर पहले तक राजस्थान में 10 आईएएस अफसरों के नाम सीएस की रेस में थे। अब जैसे-जैसे समय नजदीक आ रहा है तो रेस में केवल 5 अफसरों के नाम ही रह गए हैं। इन अफसरों के नाम हैं वीनू गुप्ता, सुबोध अग्रवाल, शुभ्रा सिंह, अभय कुमार और अखिल अरोड़ा।

रेस में सबसे आगे नजर आ रही हैं वीनू गुप्ता (1987 बैच)

वीनू गुप्ता वर्तमान में उद्योग विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव हैं। उद्योग और निवेश एक ऐसा विभाग है, जहां कोई भी सीएम अपने विश्वस्त अफसर को ही कमान सौंपते हैं। वीनू के साथ कोई राजनीतिक-प्रशासनिक विवाद भी नहीं है और वे उषा शर्मा के बाद ब्यूरोक्रेसी में दूसरे नंबर पर हैं।

सीएस बनने की दौड़ में क्यों चर्चित चेहरा बन गई हैं शुभ्रा सिंह?

शुभ्रा सिंह साल 1988 बैच की आईएएस हैं और प्रदेश काडर में उनकी सीनियरिटी चौथे नंबर है। वे पिछले 12 सालों से दिल्ली में ही रही हैं। हाल में वहां राजस्थान की रेजिडेंट कमिश्नर थीं। अब वे दिल्ली से जयपुर लौटी हैं। उनका लौटना ही सबको चौंका रहा है कि अगर उन्हें सीएस नहीं बनाया जा रहा है, तो फिर उन्हें दिल्ली से वापस जयपुर क्यों लाया गया है?

अभय कुमार (1992 बैच) को मिल सकती है सबसे बड़ी कुर्सी

अभय कुमार फिलहाल पंचायत राज विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव हैं। इससे पहले वह सीएम गहलोत के विभाग गृह के अतिरिक्त मुख्य सचिव थे। उनका वहां से तबादला हुआ और पंचायती राज विभाग मिला। मेरिट के हिसाब से मुख्य सचिव बनने में उनकी सीनियरिटी का ग्राफ थोड़ा नीचे जरूर है, क्योंकि उषा शर्मा के रिटायर होने के बाद भी 9 अफसर उनसे सीनियर हैं।

अखिल अरोड़ा सीनियरिटी में 12 नंबर पर, सीएम की निजी पसंद में उनका पहला नंबर

वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव हैं अखिल अरोड़ा। उनका नंबर प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी में 12वें नंबर की सीनियरिटी पर है, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि सीएम गहलोत की निजी पसंद की लिस्ट में उनका नंबर पहला है। वह पिछले चार साल से वित्त विभाग संभाल रहे हैं और यह पहला अवसर है, जब राजस्थान की वित्तीय-आर्थिक स्थिति बहुत समृद्ध है।

बड़े विभागों के अनुभव से पलड़ा भारी है सुबोध अग्रवाल (1988 बैच) का

अग्रवाल वर्तमान में जलदाय और जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव हैं और दिसंबर 2025 में रिटायर होंगे। इससे पहले वे बिजली और खान विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव रहे हैं। उन्हें मुख्य सचिव की रेस में करीब डेढ़ साल पहले तब भी माना जा रहा था, जब उषा शर्मा को मुख्य सचिव बनाया गया था। उनके पास हमेशा महत्वपूर्ण विभाग रहे हैं, ऐसे में वह सीएम के नजदीक बने रहते हैं। उन्हें इस सबसे बड़ी कुर्सी की रेस में प्रमुख दावेदार माना जा रहा है।

एक बार फिर महिला सीएस के लिए बन रहा संयोग

संयोग कुछ ऐसा बन रहा है कि उषा शर्मा के बाद सबसे सीनियर आईएएस अधिकारी भी महिला ही हैं। उनका नाम है वीनू गुप्ता और शुभ्रा सिंह। गहलोत सरकार में पिछले 4 सालों से जिस तरह के पदों पर वीनू गुप्ता रही हैं, उससे वे मुख्य सचिव की प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं। अगर उनके नाम की घोषणा होती है तो राजस्थान पहला राज्य होगा, जहां तीसरी महिला मुख्य सचिव होंगी। साल 2009 में कुशल सिंह और 2022 में उषा शर्मा सीएस बनी थीं।

प्रदेश में बनेगा महाराणा प्रताप बोर्ड, सीएम ने मंजूरी दी

प्रताप के नाम से इंटरनेशनल अवॉर्ड और सम्मेलन शुरू करेगी सरकार

जयपुरन, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। गहलोत सरकार ने महाराणा प्रताप के नाम से बोर्ड बनाने का फैसला किया है। बोर्ड का नाम वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप बोर्ड होगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महाराणा प्रताप के नाम से बोर्ड बनाने के प्रस्ताव करे मंजूरी दे दी है। इस बोर्ड में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष के अलावा सात मेंबर होंगे।

बोर्ड में सचिव और स्टाफ अलग से होगा। सीएम की मंजूरी के बाद बोर्ड बनाने का काम शुरू होगा। बोर्ड के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और मेंबर के पद राजनीतिक नियुक्तियों से भरे जाएंगे। चुनावी साल को देखते हुए बोर्ड में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति जल्द होने के आसार हैं। सरकार ने इस बोर्ड के गठन का उद्देश्य नई पीढ़ी को महाराणा प्रताप के महान चरित्र के बारे में बताने, उन पर आधारित पुरातात्विक धरोहरों का संरक्षण बताया है। यह बोर्ड महाराणा प्रताप के बारे में अलग अलग भाषाओं में उपलब्ध प्राचीन साहित्य को इकट्ठा करेगा। बोर्ड प्रताप पर शोध, प्रकाशन और प्रचार-प्रसार करने के साथ सिलेबस भी बनाएगा।

बोर्ड महाराणा प्रताप के नाम से राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों की शुरूआत करेगा। प्रताप पर पर आधारित मेलों, प्रदर्शनी, समारोह, सम्मेलन, फिल्मों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, संगोष्ठियों और कवि सम्मेलनों का आयोजन भी करेगा। बोर्ड का उद्देश्य महाराणा प्रताप के विचारों का देश-विदेश में प्रचार-प्रसार करना भी होगा। गहलोत सरकार ने इस बार कई बोर्ड बनाए हैं। कई बोर्ड जातीय और क्षेत्रीय संतुलन साधने के लिए बनाए गए हैं। महाराणा प्रताप को मानने वालों की बड़ी संख्या है, उस वोट बैंक को मैसेज देने के हिसाब से इस बोर्ड के गठन करो अहम माना जा रहा है। सीएम ने उदयपुर दौरे के दौरान ही मई में इसकी घोषणा की थी और अब उदयपुर दौरा खत्म होते ही इसके गठन को मंजूरी दे दी।

सड़क पर धरने पर बैठे राठौड़-मीणा

भाजपा नेताओं ने दीं गिरफ्तारियां; पुलिस ने वॉटर कैनन का किया इस्तेमाल

जयपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर में भाजपा कार्यकर्ता और पुलिस आमने-सामने हैं। राजस्थान सरकार के खिलाफ जयपुर में बीजेपी ने बड़ा प्रदर्शन किया। चंद्र प्रकाश (सीपी) जोशी के अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार जयपुर में बड़ा प्रदर्शन हुआ है।

बीजेपी मुख्यालय पर जमावड़े के बाद सैकड़ों कार्यकर्ता-नेता सचिवालय की ओर बढ़े, लेकिन पुलिस ने उन्हें स्टैच्यू सर्किल पर रोक लिया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग तोड़कर कर आगे बढ़ने की कोशिश की पर पुलिस की संख्याबल के आगे उनकी नहीं चली। वे वहीं कांग्रेस सरकार और सीएम गहलोत के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। बड़े नेताओं की मौजूदगी में वहीं धरना-प्रदर्शन चल रहा है। भाजपा नेता-कार्यकर्ता सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। भाजपा नेता और कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया। इतना ही नहीं, बीजेपी नेताओं ने

गिरफ्तारियां भी दी। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कांग्रेस सरकार पर सियासी हमला करते हुए कहा कि यह सरकार जाएगी नहीं, डिलीट हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि कहा, एक समय था, जब कहा जाता था चेचक का रोगी बताओ 10 हज़ार पाओ। अब वो समय आएगा जब कहा जाएगा कि कांग्रेस का विधायक बताओ, 1 लाख रुपए पाओ। वहीं, बीजेपी मुख्यालय पर विधायक अशोक लाहोटी ने कहा- पहले सरकार ने महिलाओं को मोबाइल देने की घोषणा की थी। अब कह रही है, हम खाते में पैसे देंगे। महिलाएं खुद मोबाइल खरीद लें। मैं महिलाओं से कहना चाहता हूं कि पहले पैसे अकाउंट में आ जाए, तभी मोबाइल खरीदना। इस सरकार के पास पैसे ही नहीं है। कहीं आप मोबाइल भी खरीद लो और पैसे भी नहीं आए।

ज्ञानदेव आहूजा के बिगड़े बोल

बीजेपी नेता ज्ञानदेव आहूजा ने कहा- राहुल गांधी और अशोक गहलोत जूते खाने का काम करते हैं। इनकी मोहब्बत की दुकान ने 1947 में लाखों लोगों को मरवाया।

1984 में हजारों सिखों को मरवाया। वहीं, 1990 में करीब 2 हजार कश्मीरियों को मरवाने का काम किया हैं। सचिवालय कूच के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं व पुलिस के बीच टकराव की स्थिति भी बनने की पूरी आशंका है। पुलिस ने बीजेपी से सचिवालय जाने वाले सभी रास्तों पर बैरिकेडिंग कर रखी है। भाजपा कार्यकर्ताओं को किसी भी सूरत में सचिवालय नहीं पहुंचने दिया जाएगा। वहीं, पुलिस की बैरिकेड्स और ट्रैफिक डायवर्ट करने से सुबह से ही आमजन को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सभा स्थल पर पहुंचे प्रभारी अरुण सिंह,प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा, सांसद रामचरण बोहरा, सांसद राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़, जयपुर शहर के विधायक व विधायक प्रत्याशी मंच पर मौजूद।

12 जिलों में तूफान बिपरजॉय का खतरा

जयपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। अरब सागर में बने तूफान (चक्रवात) बिपरजॉय का असर राजस्थान में 15 जून से दिखने लगेगा। राजस्थान के आधे से ज्यादा हिस्से में इस तूफान के कारण बारिश देखने को मिल सकती है।कुल 12 जिलों में इसका खतरा बना रहेगा। इसके लिए चेतावनी जारी की गई है। चक्रवात की तीव्रता को देखते हुए रेलवे ने राजस्थान से गुजरात के पोरबंदर, भुज, ओखा, गांधीधाम जाने वाली वाली एक दर्जन से ज्यादा ट्रेनों के संचालन को आंशिक और पूर्ण रूप से रद्द किया है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक 14 जून की शाम या 15 जून की सुबह ये चक्रवात गुजरात और पाकिस्तान से टकराएगा। तट से टकराने के बाद ये चक्रवात गुजरात के हिस्सों में डीप डिप्रेशन और राजस्थान के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में लो-प्रेशर एरिया के रूप में कन्वर्ट होगा। इसके असर से इन एरिया में एक-दो दिन भारी बारिश होगी। इस चक्रवात से राजस्थान में नुकसान होने की आशंका बहुत कम है।

अगले 2 दिन के लिए भारी बारिश का अलर्ट

विशेषज्ञों के मुताबिक राजस्थान तक पहुंचने तक इस चक्रवात की हवाओं की स्पीड भी बहुत कम हो जाएगी, लेकिन मोइश्चर लेवल बहुत ज्यादा होने के कारण दो दिन कई जगहों पर भारी बारिश (60 से लेकर 100 मि.मी तक) बारिश दर्ज हो सकती है। मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि 15 जून को इस सिस्टम असर से आंधी बारिश की गतिविधियां दोपहर बाद ही शुरू हो जाएगी। जोधपुर, उदयपुर संभाग के जिलों में 16 जून को कहीं-कहीं भारी बारिश देखने को मिल सकती है। इस दौरान दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान में हवाओं की गति 45 से 55 कि.मी प्रतिघंटा तक दर्ज हो सकती है। 17 जून को भी इस सिस्टम का असर जोधपुर, उदयपुर और अजमेर संभाग कुछ भागों में भारी बारिश के रूप में देखने को मिल सकता है।

इन जिलों में दिखेगा असर

इस चक्रवात का असर बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर, सिरोही, जालोर, बाड़मेर, जैसलमेर, पाली, जोधपुर, प्रतापगढ़, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ जिलों में देखने को मिलेगा। इन जिलों के लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

चक्रवाती तूफान का सबसे ज्यादा असर गुजरात के तटीय जिलों में देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग ने इन जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है और यहां भारी से अतिभारी बारिश होने की आशंका जताते हुए यहां 100 से 130 कि.मी की स्पीड से तूफान आने की चेतावनी दी है। इसे देखते हुए उत्तर पश्चिम और उत्तर रेलवे जोन ने गुजरात जाने वाली एक दर्जन ट्रेनों का संचालन को आंशिक और पूर्ण रद्द करने का निर्णय किया है।

इन ट्रेनों का संचालन हुआ प्रभावित

उत्तर पश्चिम रेलवे से जारी शेड्यूल के मुताबिक आज गाड़ी संख्या 09523 ओखा-दिल्ली सराय गाड़ी, गाड़ी संख्या 09524 दिल्ली सराय-ओखा 14 जून को नहीं चलेगी। गाड़ी संख्या 22483 जोधपुर-साबरमती गाड़ी 14 जून तक, जबकि गाड़ी संख्या 22484 साबरमती-जोधपुर गाड़ी को आज से 15 जून तक रद्द रहेगी। इन गाड़ियों के अलावा ट्रेन संख्या 19269 पोरबंदर-मुजफ्फरपुर गाड़ी को 15 जून को नहीं चलाया जाएगा।

गाड़ी संख्या 19574 जयपुर-ओखा आज जयपुर से चलेगी, लेकिन ये गाड़ी राजकोट तक ही चलाई जाएगी। ये ट्रेन राजकोट-ओखा के बीच नहीं चलेगी।

गाड़ी संख्या 20937 पोरबंदर-दिल्ली सराय आज पोरबंदर की जगह राजकोट से चलेगी। गाड़ी संख्या 14321 बरेली-भुज 14 जून को बरेली से चलेगी, लेकिन पालनपुर तक ही जाएगी। पालनपुर-भुज के बीच ये गाड़ी नहीं चलेगी। गाड़ी संख्या 14322 भुज-बरेली 14 जून को भुज के स्थान पर पालनपुर से चलेगी।

फीडबैक के लिए फील्ड में पहुंचे कांग्रेस के नए पर्यवेक्षक

विधायक और संभावित प्रत्याशियों के साथ मीटिंग, वन टू वन करेंगे मुलाकात

जयपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस ने चुनाव से पहले राज्य के विधानसभा क्षेत्रों में फीडबैक आधारित रायशुमारी के लिए कुछ जिलों में पर्यवेक्षक लगाए हैं। इनमें दो से तीन विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी के साथ पर्यवेक्षकों को फीडबैक आधारित रायशुमारी करनी है। उन्हें संगठन और चुनाव के प्रत्याशियों के संभावितों की खोज के लिए जानकारी जुटानी है।

हालांकि दो दिन में पर्यवेक्षकों का यह फीडबैक फिलहाल विधायकों और प्रत्याशी रहे नेताओं की ओर से जुटाए कार्यकर्ताओं की मीटिंग तक सीमित है। जयपुर में कांग्रेस संगठन के लिहाज से दो जिले जयपुर शहर और जयपुर ग्रामीण है। इनकी जिम्मेदारी सुखबिंदर सरकारिया को दी गई है। सरकारिया को इनके अलावा अजमेर शहर, अजमेर देहात, सीकर जिलों का भी पर्यवेक्षक बनाया गया है।

जयपुर की मालवीय नगर और आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्रों के लिए किक्की संधू को पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी दी गई है। दोनों ने अपने-अपने क्षेत्रों में मीटिंग से कामकाज की शुरुआत की है। हालांकि अभी केवल मीटिंग तक ही मुलाकात सीमित रखी गई है, लेकिन कांग्रेस संगठन का कहना है कि कुछ ही दिनों में ये पर्यवेक्षक वन-टू-वन मुलाकात भी करेंगे।

असल में प्रदेश प्रभारी बनाए जाने के बाद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने स्पष्ट कहा था कि वे प्रदेश के सभी जिलों व उनकी विधानसभाओं में सर्वे कराकर और फीडबैक लेकर संगठन और सत्ता की मजबूती के लिए कदम उठाएंगे। बताया जा रहा है कि ये पर्यवेक्षकों की नियुक्ति उसी कदम का हिस्सा हैं। रंधावा ने ही पर्यवेक्षक तय किए हैं।

सरवर चिश्ती के खिलाफ वीएचपी का प्रदर्शन

गृह मंत्री अमित शाह के नाम सौंपा ज्ञापन, संगठन ने की गिरफ्तारी की मांग

अजमेर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर में खादिमों की संस्था अंजुमन सैयद जादगान के सचिव सरवर चिश्ती द्वारा लड़कियों को लेकर की गई विवादित टिप्पणी पर विरोध तेज हो गया है। विश्व हिंदू परिषद, अजमेर महानगर ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। इस दौरान एसपी चुनाराम जाट को ज्ञापन दिया और जिला कलेक्टर को गृह मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। वीएचपी ने कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में गृहमंत्री अमित शाह से सरवर चिश्ती के खिलाफ एनआईए से जांच करवाने और एसपी से मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

वीएचपी अजमेर महानगर के अध्यक्ष डॉ. अशोक मेघवाल ने गृह मंत्री के नाम दिए गए ज्ञापन में आरोप लगाते हुए कहा कि खादिमों की संस्था अंजुमन सैयद जादगान के सचिव सरवर चिश्ती गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्त हैं। साथ ही, महिलाओं के विरुद्ध अश्लील टिप्पणी कर सार्वजनिक रूप से उसे सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है। मेघवाल ने कहा कि चिश्ती की पीएफआई और राष्ट्र विरोधी संगठनों से भी सांठगांठ की पूरी संभावना नजर आ रही है।

जयपुर ट्रैफिक पुलिस ने कांग्रेस सरकार को भ्रष्ट बताया

बीजेपी के लेटर को हूबहू कॉपी कर जारी किया पोस्ट, बाद में हटाया

जयपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर ट्रैफिक पुलिस ने राजस्थान सरकार को ही भ्रष्ट बताते हुए इसका प्रेस नोट जारी कर दिया। साथ ही सोशल मीडिया पर भी पोस्ट कर दिया। जब अधिकारियों को अपनी गलती का अहसास हुआ तो पोस्ट डिलीट कर दिया गया।

दरअसल, भाजपा ने मंगलवार को अपने प्रदर्शन की जानकारी देने के लिए पुलिस को एक लेटर लिखा था। जयपुर पुलिस ने भी यातायात व्यवस्था की जानकारी के लिए इस लेटर को हूबहू कॉपी कर प्रेस नोट बना दिया। साथ ही आम जनता की जानकारी के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया।

अधिकारियों के अनुसार प्रेस नोट को तैयार होने के बाद डीसीपी ट्रैफिक की स्वीकृति के बाद मीडिया हाउस में भेजा जाता है। ऐसे में क्या जिम्मेदारों ने इस पर ध्यान नहीं दिया या फिर यह गलती जान कर की गई है। यहां जांच का विषय है।

जयपुर पुलिस ने अपने प्रेस नोट में लिखा- भारतीय जनता पार्टी राजस्थान में 13 जून को सुबह 10.30 बजे से कांग्रेस सरकार की अकर्मण्यता, भ्रष्टाचार, किसान, युवा, महिला, दलित विरोधी नीतियों के विरोध में भाजपा प्रदेश कार्यालय सरदार पटेल मार्ग के सामने सभा का आयोजन कर रही है। सभा के बाद जुलूस के रूप में रवाना होकर चौमूं हाउस सर्किल, पृथ्वीराज रोड होते हुए स्टैच्यू सर्किल पहुंच कर प्रदर्शन करने का कार्यक्रम है।

राजस्थान सरकार चुनावी साल होने के कारण इस समय एक्टिव मोड पर है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आमजन से जुड़ी हुई हर चीज पर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सरकार का एक ही फोकस है कि किसी भी तरह से सरकार के काम पारदर्शी हो। सरकार की नीतियों का प्रचार प्रसार हो। सरकार के खिलाफ जारी हुए इस प्रेस नोट की चर्चा सीएमओ तक भी पहुंची है जिसके बाद जिम्मेदारों को इसे हटाने के निर्देश दिए गए।

रोहतक में श्रद्धालुओं से भरी गाड़ी पलटी:2 की मौत, 23 घायल

रोहतक, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक में हिसार-दिल्ली हाईवे पर देर रात को कैंटर ने श्रद्धालुओं से भरे पिकअप को टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद पिकअप सड़क किनारे पलट गया। जिसमें उत्तर प्रदेश के दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई। वहीं करीब 23 लोग गंभीर घायल हो गए। जानकारी के अनुसार हादसा उस समय हुआ जब उत्तर प्रदेश के जिला गाजियाबाद के मोदी नगर निवासी 24 से अधिक श्रद्धालु राजस्थान के बगड़ में पूजा-पाठ के लिए जा रहे थे। आधी रात को वे जब महम में पेट्रोल पंप के पास पहुंचे तो उनके साथ हादसा हो गया।

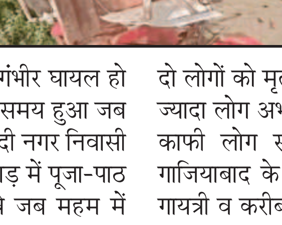

कैंटर की टक्कर से पिकअप पलट गया और उसमें सवार लोगों को गंभीर चोटें आई। हादसे में घायलों को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में लेकर जाया गया। जहां पर डॉक्टरों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। इधर, करीब 20 से ज्यादा लोग अभी भी घायल बताए जा रहे हैं। जिनमें से काफी लोग सीरियस भी हैं। मृतकों की पहचान गाजियाबाद के मोदी नगर निवासी करीब 70 वर्षीय गायत्री व करीब 40 वर्षीय बिजेंद्र के रूप में हुई है।

कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया

बेहोश कर रेप किया, परिचित के खिलाफ पीड़िता ने दर्ज कराया केस

जोधपुर,13 अप्रैल (एजेंसियां)। कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर एक महिला को बेहोश कर उसके साथ बलात्कार करने का मामला सामने आया। पीड़िता ने जोधपुर के एयरपोर्ट थाने में परिचित के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस जांच में जुटी है। एयर फोर्स क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहने वाली महिला ने रिपोर्ट दी कि उसका परिचित विक्रम 1 दिन दोपहर के समय उसको घर में अकेली पाकर अंदर घुसा। वह अपने साथ कोल्ड ड्रिंक की एक बोतल भी लेकर आया था। उसने ज्यादा गर्मी होने का हवाला देकर कोल्ड ड्रिंक ऑफर की। जिसमें पहले से कोई नशीला पदार्थ मिला हुआ था। परिचित होने के कारण महिला ने उस व्यक्ति के साथ बैठकर कोल्ड ड्रिंक पी। कुछ देर बाद ही वह अचेत हो गई। जब उसे होश आया तो उसे रेप होने का अंदेशा हुआ। इसके बाद आरोपी पीड़िता को यह बात किसी को नहीं बताने के लिए धमकता रहा।

बार-बार दबाव बनाने और ब्लैकमेल करने से परेशान होकर महिला ने एयरपोर्ट थाने में मामला दर्ज करवाया है। इस मामले की जांच थाना अधिकारी कैलाश दान कर रहे हैं। कुछ दिन पहले बाड़मेर में मुकेश कुमार नाम के युवक को पकड़ा गया है। जिस पर 40 से ज्यादा नाबालिग बच्चियों और महिलाओं के अश्लील फोटो वीडियो वायरल कर बलात्कार करने का आरोप है। इस आरोपी को पुलिस ने पीड़िता को नशीला पदार्थ पिलाकर बलात्कार करने के मामले में गिरफ्तार किया है।

विधायक महर्षि को धमकी देने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने प्रोटक्शन वारंट पर लिया हिरासत में, इंटरनेट कॉल से दी थी धमकी

चूरू, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। रतनगढ़ विधायक अभिनेष महर्षि को इंटरनेट कॉल के जरिये धमकी देकर दो करोड़ रुपए की फिरौती मांगने व जान से मारने की धमकी देने के मामले में रतनगढ़ पुलिस ने दो आरोपियों को लाडनूं से प्रोटक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

रतनगढ़ सीआई सुभाष बिजारणिया ने बताया कि कुवैत से इंटरनेट के जरिये रतनगढ़ व लाडनूं विधायकों को जान से मारने की धमकी मिली थी। जिस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी पवन गोदारा व संजय चौधरी को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में सामने आया है कि राजू ठेहठ हत्याकांड में वांछित आरोपियों को पकड़वाने और प्रकरण को हाइलाइट करने के लिए रोहित गोदारा के नाम से इंटरनेट कॉल के जरिये धमकी दी गई थी।

सीएसआईआर-आईआईसीटी में संयुक्त हिंदी कार्यशाला संपन्न

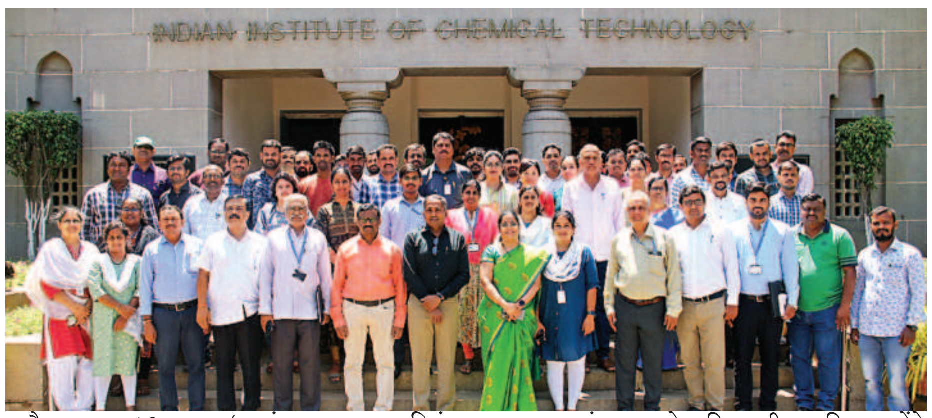

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सीएसआईआर-आईआईसीटी, हैदराबाद में सीएसआईआर-एनजीआरआई, सीएसआईआर-सीसीएमबी एवं सीएसआईआर-आईआईसीटी के संयुक्त तत्वावधान में एक-दिवसीय संयुक्त हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

आईआईसीटी के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अपने संबोधन में कहा कि हैदराबाद में स्थित सीएसआईआर के तीनों प्रयोगशाला विज्ञान के क्षेत्र में आगे हैं। इसलिए हमसे आशा की जाती है कि हम राजभाषा हिंदी कार्यान्वयन में भी आगे रहें। साथ ही उन्होंने सभी कर्मचारियों से कार्यालयीन कार्य में हिंदी के अधिक से अधिक प्रयोग करने का निर्देश दिया। आईआईसीटी के प्रशासन नियंत्रक एम. आनंद कुमार ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि हैदराबाद में लगभग सभी लोग हिंदी को समझते है। कार्यालयीन हिंदी सामान्य हिन्दी से थोड़ी अलग होती है, जिसे आप नियमित रूप से आयोजित हो रही हिंदी कार्यशाला के माध्यम से सीखकर आसानी से अपने काम हिंदी में कर सकते है। एनजीआरआई के प्रशासन नियंत्रक डीवीएस शास्त्री ने अपने संबोधन में कहा कि संघ की राजभाषा हिंदी है, जिसे तीनों प्रयोगशालाओं के संयुक्त प्रयासों से कम संसाधनों के अधिकतम लाभ उठाते हुए आसानी से सीखा जा सकता है। सीसीएमबी की प्रशासन नियंत्रक श्रीमती शैलजा मद्दाली ने तीनों प्रयोगशालाओं के सभी प्रतियोगियों से अधिक से अधिक कार्य राजभाषा हिंदी में करने की अपील की। उन्होंने संयुक्त कार्यशाला को प्रगतिशील कदम बताते हुए कहा कि इस कड़ी में अगली कार्यशाला सीसीएमबी की मेज़बानी में करते हुए हमें खुशी होगी। इस अवसर पर आईआईसीटी के भंडार व क्रय नियंत्रक श्री सुधांशु शेखर चौधरी की उपस्थिति प्रेरणापद रही।

कार्यशाला में उद्घाटन सत्र के अतिरिक्त तीन सत्रों का संचालन किया गया। प्रथम सत्र में सीएसआईआर-एनजीआरआई, हैदराबाद के वरि. हिंदी अधिकारी, सीएच. सुब्बा राव ने हिंदी में टिप्पण एवं प्रारूपण लेखन, पठन-पाठन व लेखन अभ्यास एवं व्याकरण विषय पर सत्र का संचालन किया, जिसमें उन्होंने टिप्पण लेखन के बारे में विस्तार से चर्चा की। अपने सत्र में उन्होंने कार्यालयीन कागजात का सभी कर्मचारियों से पाठ करवाया एवं हिंदी व्याकरण के बार में गहनता से बताया। दूसरे सत्र में सीएसआईआर-आईआईसीटी के हिंदी अधिकारी, डॉ. सौरभ कुमार ने राजभाषा कार्यान्वयन में डिजिटल उपकरणों की भूमिका विषय पर सत्र का संचालन करते हुए हिंदी में टंकण के विभिन्न उपकरणों की विस्तार से जानकारी दी और उसके उपयोग की प्रस्तुति की। तीसरे सत्र में सीएसआईआर-सीसीएमबी की हिंदी अधिकारी ने संघ की राजभाषा नीति विषय के अंतर्गत संघ सरकार की राजभाषा सम्बन्धी अधिनियम, नियम एवं संविधान में वर्णित इससे सम्बन्धी अनुच्छेद के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि राजभाषा संबंधी अनुच्छेद संविधान के महत्वपूर्ण अनुच्छेद हैं जिसे केंद्रीय कर्मचारियों को ध्यान में रखना चाहिए। अंत में आईआईसीटी के अनुवादक आदर्श कुमार धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम एनजीआरआई, सीसीएमबी, आईआईसीटी के वरिष्ठ अधिकारियों, एनजीआरआई और सीसीएमबी के अनुवादक क्रमश: अजीत कुमार, सुश्री सविता कुमारी, एएसओ श्रीमती मंजु सिंह के सक्रिय सहयोग एवंप्रतिभागियों की भागीदारी से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

एसीबी ने तीन अधिकारियों को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

मनचेरियल, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कार्यालय में कार्यरत तीन लोगों को एसीबी ने मंगलवार को वाहन का किराया स्वीकृत करने के लिए एक सीसीटीवी तकनीशियन से 10,000 रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आदिलाबाद एसीबी प्रभारी डीएसपी भद्रैया ने कहा कि आरोपी एमडी शफीउद्दीन, अधीक्षक, सिरिकोंडा दीपिका, एक लेखा अधिकारी और पुली राजा नरसैय्या, एक लेखाकार थे। डीएमएचओ के कार्यालय में पूर्व वरिष्ठ सहायक शफीउद्दीन वर्तमान में रामागुंडम के सरकारी मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक के रूप में काम कर रहे थे, जबकि नरसैय्या और दीपिका आउटसोर्स कर्मचारी थे। शिकायतकर्ता बेलमपल्ली के दमुका रामसागर थे। दीपिका और राजा नरसैय्या को कथित तौर पर रामसागर से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया था। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने शफीउद्दीन के निर्देशानुसार रिश्वत स्वीकार की थी, जिसने रामसागर को छह महीने के लिए 1.96 लाख रुपये का वाहन किराया स्वीकृत करने के लिए रिश्वत की मांग की थी। उसकी मांग के बाद, रामसागर ने एसीबी से संपर्क किया, जिसने जाल बिछाया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

अवैध रूप से तस्करी की जा रही लकड़ी के साथ वाहन जब्त

कुमरम भीम आसिफाबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। लकड़ी का अवैध परिवहन करने की घटना सोमवार की रात आसिफाबाद रेंज में हुई।

असिफाबाद के रेंज अधिकारी अप्पलाकोंडा के अनुसार, सोमवार की रात, वन अधिकारियों ने डोरली खनन क्षेत्र में गश्त की, एक गुप्त सूचना के बाद लकड़ी को एक लकड़ी की कार (एपी01आर 4251) में अवैध रूप से ले जाया जा रहा था। लकड़ी लेकर आ रही कार का चालक व उसके साथ आ रहे बाइक सवार लोगों ने अधिकारियों को देख लिया और वाहनों से दूर भाग गए।वाहन में जाने के बाद अधिकारियों ने वाहनों को जब्त कर लट्ठों व वाहनों को रेंज कार्यालय पहुंचाया। उन्होंने कहा कि वाहन से 14 लट्ठे जब्त किए गए थे, और ये लट्ठे 0.394 सेंटीमीटर लंबे और 27904 रुपये मूल्य के थे। मामला दर्ज किया गया था और जांच की जा रही थी। इस मौके पर बोलते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि अवैध परिवहन करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस कार्यक्रम में उप रेंज अधिकारी प्रवीण कुमार, तिरयानी रेंज अनुमंडल पदाधिकारी विजय कुमार, बीट अधिकारी स्वप्ना, प्रकाश व स्टाफ ने भाग लिया।

एनएमडीसी ने दोणिमलै में ग्राहक बैठक का आयोजन किया

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने रविवार को कर्नाटक के दोणिमलै में एक ग्राहक बैठक का आयोजन किया। सरकारी खनिक एनएमडीसी छत्तीसगढ़ और कर्नाटक में तीन पूरी तरह से यंत्रीकृत लौह अयस्क खनन कांप्लेक्सों का प्रचालन कर रहा है तथा इस्पात क्षेत्र को लौह अयस्क की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करता है।

एनएमडीसी के निदेशक (वाणिज्य), वी.सुरेश; अधिशासी निदेशक (वाणिज्य), ए.के. पाढ़ी; परियोजना प्रमुख (दोणिमलै) संजीव साही, और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने कंपनी का प्रतिनिधित्व किया। एनएमडीसी ने अपने हितधारकों के साथ संबंधों को मजबूत करते हुए, इस्पात क्षेत्र और स्पंज आयरन, पिग आयरन और पेलेट उद्योगों के 30 से अधिक ग्राहकों की मेजबानी की। इस बैठक का प्रमुख विषय सामान्य रूप से एनएमडीसी और विशेषतः दोणिमलै से लौह अयस्क उत्पादन में वृद्धि करने पर चर्चा करना था। एनएमडीसी ने व्यापक प्रतिक्रिया प्राप्त की और भविष्य में ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए उनसे विचार-विमर्श किया। एनएमडीसी के उत्पादन, लॉजिस्टिक्स, भविष्य की योजनाओं और आगामी परियोजनाओं के बारे में ग्राहकों को जानकारी दी गई, इसके बाद कंपनी के उत्पाद की गुणवत्ता, वितरण और ग्राहक सेवा पर एक पारस्परिक चर्चा सत्र आयोजित किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए वी सुरेश ने कहा, ग्राहक बैठक ने एनएमडीसी को अपने ग्राहकों के साथ संबंधों को मजबूत करने और अपनी पहुंच बढ़ाने का एक बडा अवसर प्रदान किया है। भविष्य में इस तरह की चर्चा से हमें ग्राहक-केंद्रित समाधान विकसित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने घरेलू बाजार की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए कंपनी के उत्पादन को 67 एमटीपीए और आगे 100 एमटीपीए तक बढ़ाने की महत्वाकांक्षी योजनाओं को भी साझा किया। एनएमडीसी के ग्राहकों ने अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए कंपनी की क्षमता में विश्वास व्यक्त किया।

साइबराबाद पुलिस ने महिला कल्याण दिवस मनाया

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के जन्म दशक समारोह के हिस्से के रूप में, 13 जून को महिला कल्याण दिवस पर साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट साइबराबाद सीपी स्टीफन रवींद्र के निर्देश पर महिला और बाल और सुरक्षा विंग डीसीपी श्रीमती नितिका पंत के नेतृत्व में जागरूकता कार्यक्रम छात्रों के लिए आयोजित किया गया। इस अवसर पर (डब्ल्यू एंड सीएसडब्ल्यू), डीसीपी श्रीमती नितिका पंत ने पॉक्सो, गुड टच एंड बैड टच, अजनबियों का असामान्य व्यवहार के बारे में अंजया नगर, गच्चीबौली स्थित जिला परिषद हाईस्कूल के छात्रों जागरूकता किया गया। स्कूल में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन कर विजेताओं को पुरस्कार बांटे गए। केपीएचबी जे-स्पाइडर्स कोचिंग संस्थान के छात्रों के लिए शी टीम क्या है? यह कैसे काम करता है? उनकी मदद कैसे करें, छेड़खानी, रैगिंग, फोन कॉल और सोशल मीडिया के माध्यम से उत्पीड़न, बाल श्रम, बाल शोषण, बाल विवाह, मुस्कान टीम के बारे में भी समझाया गया। साथ ही, केपीएचबी में ऋषि महिला कॉलेज की छात्राओं को साइबर अपराध, फ़िशिंग, अश्लीलता, अपराधी की गुमनामी, साइबर स्टॉकिंग, साइबर बुलिंग, ट्रोलिंग, आईडी चोरी, साइबर ब्लैकमेल, जैसे विभिन्न विषयों पर शिक्षित किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल एवं सुरक्षा विंग डीसीपी श्रीमती नितिका पंत, आईपीएस, शि टीम इंस्पेक्टर सुनीता, मदापुर एसआई भवानी, केपीएच बी एसआई जयराज और अन्य पुलिस कर्मियों ने भाग लिया।

जोनल आयुक्त कार्यालय खैरताबाद क्षेत्र में आयोजित बैठक में भाग लेते हुए जेडसी रवि किरण, जामबाग पार्षद राकेश जायसवाल व अन्य क्षेत्रों के पार्षद एवं अधिकारी।

अग्रणी महिला मंच ने की सावन की सैर पर चर्चा

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया ने बताया कि हिमायतनगर स्थित कार्यालय में हुई बैठक में सावन की सैर पर चर्चा की गई। जुलाई के पहले सप्ताह में सावन की सैर आयोजित की जाएगी। महिलाओं की मांग पर मंदिर लेकर जाएंगे। बैठक में रितु गर्ग, सुनैना नरसरिया, बबिता गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, श्रद्धा सुखिया, प्रीति गोयल, संगीता जझोरिया, स्मिता शाह, रूपा गुप्ता, मीनाक्षी अग्रवाल एवम अन्य उपस्थित थे।

सीरवी समाज कोरेमुला द्वारा निर्माणाधीन बडेर श्री आई माता मंदिर के लिए शिला पूजा में भाग लेते हुए अध्यक्ष कालुराम काग, सचिव डायाराम लचेटा, उपाध्यक्ष राजाराम पंवार, सहसचिव राजाराम गहलोत, पूर्व अध्यक्ष प्रभुराम परिहारिया, प्रकाश खंडला व अन्य समाज बंधु।

चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विशेष क्षेत्रीय अपराध टीम, दक्षिण क्षेत्र और पूर्वी क्षेत्र, सीसीएस, डीडी, हैदराबाद के अधिकारियों की टीम ने मदनपेट पुलिस के साथ मिलकर चोरी के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से चोरी के आभूषण, वाहन, नकदी बरामद हुआ है। गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मद शाहबाज़ हुसैन और मोहम्मद इरफ़ान शामिल है। बीते चार जून को पीएस मदन्नापेट में सुदर्शन सिंह ने एक शिकायत दर्ज कराई, जिसमें उन्होंने कहा गया कि कुछ अज्ञात अपराधियों ने घर में मौजूद नहीं होने पर दरवाजे का ताला तोड़कर सोने के आभूषणों की चोरी की है। जांच के दौरान, विशेष क्षेत्रीय अपराध दल, दक्षिण क्षेत्र और पूर्वी क्षेत्र, सीसीएस ने अपराध स्थल और आसपास के क्षेत्रों में सीसीटीवी फुटेज का सत्यापन किया और संदिग्धों की पहचान की। आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जनभागीदारी के तहम केन्द्रीय विद्यालय पिकेट के विद्यार्थियों ने किया कई कार्यक्रम

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्रीय विद्यालय पिकेट में स्थित केंद्रीय विद्यालय 1 जून से 15 जून तक जनभागीदारी के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य बेसिक साक्षरता व संख्यात्मक विषय के बारे जागरूक करना है। नई शिक्षा नीति का एक मुख्य उद्देश्य है कि बच्चों को मूलभूत अक्षरज्ञान एवम संख्यात्मक अंको के प्रयोग की समझ होना आवश्यक है। इस के बारे मे समाज को जागरूक होना आवश्यक है। जनभागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए विद्यालय में शिक्षक अभिभावक संगोष्ठी, अध्यापकों के लिए कार्यशाला, बच्चों के साथ प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, चित्रकला, कहानी लेखन, कहानी सुनाना, नारा लेखन, कठपुतली प्रदर्शन, बच्चों द्वारा भारतीय खिलौनों का बनाना एवम सीखने में उनका उपयोग, पौधा रोपण, साइकिल रैली आदि कार्यक्रम करवाए जा रहे है। बच्चों, अभिभावकों व अध्यापकों की भागीदारी बढ़ चढ़ कर की जा रही है।विद्यालय के प्राचार्य श्री रूपिंदर सिंह ने बताया की गर्मी की छुट्टियों के कारण जनभागीदारी कार्यक्रमों का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से करवाया जा रहा है। आज विद्यालय के बच्चों ने साइकिल रैली खेलकूद शिक्षक श्री बी वि डी पवन कुमार के द्वारा आयोजित की गई। उनके साथ अन्य शिक्षक श्रीमती बी. कोटेश्वरी, एम. नागिरेड्डी, सी वी सी रेड्डी,लालकृष्ण सुरा आदि भी उपस्थित रहे। साईकिल रैली को विद्यालय के प्राचार्य रूपिंदर सिंह ने रवाना किया।

हिंदी महाविद्यालय के बीबीए के छात्र वी. लोकेश को लखनऊ में आयोजित खेलो इंडिया ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में फेंसिंग में व्यक्तिगत रूप में स्वर्ण पदक प्राप्त करने एवं मेंस कैटेगरी में ओवरऑल सेकंड रनरअप प्राप्त करने के अवसर पर सम्मानित करते हुए हिंदी महाविद्यालय समिति के अध्यक्ष लक्ष्मीनिवास शर्मा, मानद मंत्री शील कुमार जैन, प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल, खेल विभाग के कैप्टन आकाश थापा।

सिखवाल भवन में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के संदर्भ में हुई बैठक

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिखवाल प्रगति समाज के तत्वावधान में मोतीलाल विष्णुगोपाल तिवारी द्वारा श्रृंग ऋषि भवन पर 26 जून से 28 जून तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय भगवान राधाकृष्ण, वेदमाता गायत्री, ऋषिश्रृंग महाराज की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के संदर्भ में एक बैठक का आयोजन सिखवाल भवन, सिकंदराबाद पर किया गया। श्रृंग वंदन के बाद सुरेश कुमार व्यास ने तीन दिन के कार्यक्रमों की रुपरेखा बताई। इस अवसर पर उपस्थित स्वाजाति बंधुओं में ज्यादा से ज्यादा संख्या में कार्यक्रम में भाग लेने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर घनश्याम उपाध्याय, मोतीलाल तिवारी, रामदेव नागला, रामदेव व्यास, सुरेश व्यास, सीताराम कोलरीया, सत्यनारायण ओझा, भेरूलाल उपाध्याय, ताराचंद कोलरीया, मुरलीधर व्यास, गज्जुभाई कोलरीया, परमेश्वर व्यास, श्याम पाडिया, घनश्याम व्यास, जयप्रकाश कोलरीया के आला और कई समाज बंधु उपस्थित रहे।

सिद्दिपेट के कृष्णपुरम गांव स्थित भगवान श्रीकृष्ण के अति प्राचीन मंदिर के नये विग्रह के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भाग लेते हुए महावीर इंटरनेशनल के उपाध्यक्ष अजय नाहटा, चंदना नाहटा, गौरव नाहटा, विनयसिंह जन, राखी लोढा, प्रथम, संपत, श्रीकांत व अन्य।

महिला कल्याण दिवस पर आशा वर्करों का सम्मान

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के स्थापना दिवस और तेलंगाना सरकार के द्वारा आयोजित दशक समारोह के हिस्से के रूप में समस्त तेलंगाना में महिला कल्याण दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

इसी क्रम में आज गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के बीआरएस प्रभारी नंदकिशोर व्यास बिलाल द्वारा उक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पारा शिक्षक और आशा वर्करों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इसका सम्मान श्री बिलाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान पंदू बिलाल ने आशा वर्करों से बात की और उनकी समस्याओं को सुना। सरकार की तरफ से महिलाओं के लिए किए जा रहे कल्याणकारी योजनाओं से भी उन्हें अवगत कराया और सरकार उनके लिए आगे क्या करने जा रही है ये भी बताया।

इस मौके पर बीआरएस के बेगम बाज़ार प्रभारी पूजा व्यास बिलाल, शंकर सिंह जमेदार, गोपाल सिंह लोध, सुनील सिंह, शैलेष, प्रेम कुमार, दीपक, के अलावा बीआरएस के कार्यकर्त्ता व अन्य लोग मौजूद थे।

गांगुली बोले-टेस्ट कप्तानी छोड़ने का फैसला विराट का था

तब रोहित ही बेस्ट ऑप्शन थे, डब्ल्यूटीसी हार पर कहा- टीम में लड़ने का जज्बा नहीं दिखा

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि बीसीसीआई नहीं चाहता था कि विराट कोहली टेस्ट की कप्तानी छोड़ें। उनसे टेस्ट की कप्तानी न छोड़ने के लिए अनुरोध भी किया गया था। उन्होंने कहा कि कप्तानी छोड़ने का फैसला विराट का था। हमने जब यह खबर सुनी तो हम भी हैरान रह गए थे। बीसीसीआई इसके लिए तैयार नहीं था। उस वक्त टीम में रोहित शर्मा ही कप्तानी का बेहतर विकल्प थे।

गांगुली ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में हार पर कहा- टीम की अप्रोच डिफेंसिव थी। टीम ने रिस्क नहीं लिया। इस टीम को खुलकर खेलना चाहिए। जीत मिलेगी।

गांगुली ने यह बात एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कही। विराट ने जनवरी 2022 में टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ी थी। यह फैसला उन्होंने साउथ अफ्रीका सीरीज में 2-1 से हार के बाद किया था। उन्होंने नवंबर 2021 टी-20 वर्ल्ड कप के बाद उन्होंने टी-20 टीम की कप्तानी छोड़ी। दिसंबर 2021 में उन्हें वन डे टीम की कप्तानी से हटा दिया गया था।

1. रोहित कप्तान के लिए अभी बेस्ट

गांगुली ने कहा, ₹रोहित ने 5 आईपीएल खिताब जीते हैं। उन्होंने 2018 में भारत को एशिया कप में भी जीत दिलाई थी। रोहित को तब तक बतौर कप्तान जो भी जिम्मेदारी दी गई थी, उसमें वे सफल रहे थे। विराट इस समयभारतीय टीम की कप्तानी के लिए रोहित ही ठीक हैं। रोहित और द्रविड़ को आगे होने वाले टूर्नामेंट में ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता दिखानी होगी।₹

2. डब्ल्यूटीसी में टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल वाली गलती दोहराई

गांगुली ने कहा कि डब्ल्यूटीसी फाइनल में टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल वाली गलती दोहराई। टीम द ओवल में खिताबी मुकाबले में रिस्क लेने की हिम्मत नहीं दिखा सकी। भारतीय टीम को रिस्क लेना चाहिए था। टॉस जीतकर पहले

बैटिंग करना बेहतर होता। इससे टीम की मानसिक मजबूती सामने आती। 2006 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच में राहुल द्रविड़ ने बतौर कप्तान कठिन पिच पर पहले बैटिंग करने का फैसला लिया था और उस मैच में जीत भी दर्ज की थी।₹

3. डिफेंसिव अप्रोच के कारण हार रहे आईसीसी टूर्नामेंट

गांगुली ने कहा, ₹अभी ऐसा लगता है कि भारतीय खिलाड़ी बंधकर खेलते हैं। इससे बाहर निकलने की जरूरत है। आईसीसीटूर्नामेंट में नाकामी की एक वजह डिफेंसिव अप्रोच रखना है। मुझे लगता है कि खिलाड़ी थोड़े बंधे हुए हैं। टी-20 तो मारने का ही खेल है, जिस टीम के पास 8 नंबर तक बल्लेबाज हैं, उसमें तो ऊपर वालों को खुलकर ही खेलना चाहिए। यहां पंड्या और जडेजा 6 व 7 पर खेलते हैं। अक्षर पटेल को लेते हैं तो 8 पर खेलेंगे, तो खुलकर खेलो। यह गलती डब्ल्यूटीसी फाइनल में भी दोहराई गई।₹

4. पंत की पारी से हम ऑस्ट्रेलिया में जीते थे

सौरव बोले, ₹फाइनल में भारतीय टीम डरी डरी-सी दिखी। टीम ने रिस्क नहीं लिया। फाइनल जैसे मुकाबलों में उन्हें सोचना होगा कि हमें किसी को कुछ साबित नहीं करना है। भारत बहुत अच्छी टीम है। उसने पिछले दो साल में काफी कुछ जीता है। टीम इंग्लैंड में दो टेस्ट मैच जीती। उससे पहले टीम ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक जीत के साथ सीरीज अपने नाम करने का कारनामा दिखा चुकी थी। उस मैच में ऋषभ पंत ने शानदार पारी खेली। तब कई बड़े खिलाड़ी उपलब्ध नहीं थे। यहां ओवल में पहले दो सेशन में हम पीछे चले गए और वहां से रिकवरी नहीं हो सकी। टीम ने चढ़कर खेलने की कोशिश नहीं की।

5. उम्मीदों के बोझ तले दब गए हमारे खिलाड़ी

पूर्व कप्तान ने कहा, ₹फाइनल में जो चीज मुझे नहीं दिखी वह यह थी कि चलो लड़ते हैं। यह अप्रोच मुझे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भी नहीं दिखी। हमारे खिलाड़ी उम्मीदों के बोझ तले दब गए। उससे निकलना जरूरी है। हार गए तो हार गए...इस टीम के पास इतनी प्रतिभा है, मैं समझ नहीं पा रहा कि क्या ये बार-बार हारेंगे। इस टीम को रिस्क लेने की जरूरत है। राहुल द्रविड़, टीम मैनेजमेंट को सोचना होगा कि डर को पीछे छोड़ना है।

6. फैंस को अपनी टीम की तारीफ करनी चाहिए

गांगुली ने कहा, ₹जो भारतीय फैंस क्रिकेट देखते हैं, उनसे यही कहना चाहता हूं कि भारत दूसरी बार बीसीसीआई फाइनल पहुंचा है, इसकी तारीफ करनी चाहिए। हम जीत भी जाएंगे एक-दो बार। जीतने के लिए मैं समझता हूं कि बिना डरे खेलें। जब हम खेलते थे तो हमारे भी बल्ले के किनारे लगे हैं। हम भी हारे हैं। खुलकर खेलो...हारोगे ही...बीच-बीच में जीत भी जाओगे। जिस टीम में इतने बड़े-बड़े नाम है वह बार-बार वर्ल्ड चैंपियनशिप नहीं हारेगी।

मेसी को बीजिंग एयरपोर्ट पर 2 घंटे रोका गया

अर्जेंटीना-ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले फ्रेंडली फुटबॉल मैच के लिए गए हैं चीन

बीजिंग, 13 जून (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के फुटबॉल स्टार लियोनल मेसी को बीजिंग में एयरपोर्ट पर चीनी पुलिस ने 2 घंटे तक रोके रखा। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मेसी बीजिंग के वर्कर्स स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना के बीच होने वाले इंटरनेशनल फ्रेंडली फुटबॉल मैच के लिए चीन पहुंचे हैं। यह घटना 10 जून की है। दरअसल मेसी के पास अर्जेंटीना और स्पेनिश दोनों देशों के पासपोर्ट हैं। मेसी ने चीन में अर्जेंटीना की जगह अधिकारियों को स्पेनिश पासपोर्ट दिखाया। चीन में स्पेनिश पासपोर्ट धारकों को वीजा-फ्री एंट्री नहीं है। इस वजह से चीनी पुलिस ने उन्हें रोक लिया।

हालांकि, वो बिना वीजा के ताइवान में प्रवेश कर सकते हैं। मेसी के अनुसार उन्होंने सोचा था कि ताइवान चीन का हिस्सा है, इसीलिए वीजा के लिए आवेदन नहीं किया था।

चीनी फैंस करते रहे इंतजार

वहीं चीनी फैंस एयरपोर्ट के बाहर मेसी का इंतजार करते रहे। मेसी करीब 2 घंटे बाद मामला सुलझने के बाद एयरपोर्ट से बाहर निकले। अर्जेंटीना और ऑस्ट्रेलिया 15 जून 2023 (गुरुवार) को वर्कर्स में आमने-सामने होंगे।

मेसी ने इंटर मियामी टीम के साथ किया करार

लियोनल मेसी अमेरिका की फुटबॉल लीग मेजर लीग सॉकर की टीम इंटर मियामी से हाल ही में करार किया है। मेसी ने खुद इसकी पुष्टि की थी। मेसी का अनुबंध फ्रांस के क्लब पेरिस सेंट जर्मन के साथ 30 जून को खत्म हो रहा है। मेसी ने लीग वन में क्लेरमोंट फुटबॉल क्लब के खिलाफ पीएसजी (पेरिस सेंट जर्मन) के लिए अपना आखिरी मैच खेला था।

क्या टेस्ट टीम से पुजारा-उमेश की छुट्टी होगी

डब्ल्यूटीसी फाइनल के बाद नया बैच तैयार कर रहे सिलेक्टर्स; विंडीज में जायसवाल-मुकेश को मौका

मुंबई, 13 जून (एजेंसियां)। वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में लगातार 2 फाइनल गंवाने के बाद भारतीय टीम में बदलाव का दौर शुरू हो रहा है। हालांकि इसमें कुछ समय लग सकता है। रविवार को ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद अब भारतीय सिलेक्टर्स पर नया बैच तैयार करने का दबाव है। ऐसे में कुछ टेस्ट स्पेशलिस्ट प्लेयर को अपनी प्लेस गंवानी पड़ सकती है। साथ ही कुछ युवा चेहरों को आजमाया जा सकता है।

एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि डब्ल्यूटीसी फाइनल हारने के बाद टेस्ट स्पेशलिस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा और तेज गेंदबाज उमेश यादव अपनी जगह गंवा सकते हैं। उनकी जगह युवा यशस्वी जायसवाल और तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को विंडीज दौरे पर मौका दिया जा सकता है, क्योंकि टेस्ट चैम्पियनशिप के पिछले सीजन में पुजारा और उमेश ही टीम की कमजोर कड़ी साबित हुए हैं। ऐसे में संभव है कि उन्हें ड्रॉप किया जाए।

दैनिक भास्कर ने इस मसले पर पूर्व भारतीय सिलेक्टर संजय जगदाले ने भास्कर से बातचीत की। 2007 में पहला टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के चयनकर्ता रहे जगदाले ने भी कहा- 'भारत को अब नया टेस्ट कप्तान तलाशना होगा।' इस स्टोरी में आप जानेगे भास्कर एक्सपर्ट जगदाले ने क्या कहा, पुजारा-उमेश का पिछले दो साल में प्रदर्शन और विंडीज दौरे और

सिलेक्टर्स को तलाशना होगा नया कप्तान भारतीय सिलेक्टर्स को अब नए कप्तान की तलाश शुरू कर देनी चाहिए। अब समय आ गया है कि हम नए कप्तान की तरफ देखें। रोहित टेस्ट कप्तानी में फिट नहीं होते हैं। उन्होंने टीम में अपनी जगह काफी लेट पक्की की थी। टेस्ट का कप्तान ऐसा हो, जो टीम में अपनी जगह पक्की कर सके और उसके पास पर्याप्त समय हो। रोहित जब कप्तान बने, तब वे 35 साल के थे। वे पिछले 2-3 सालों में टीम में ठीक से जगह बना सके हैं, हमें किसी युवा को कप्तानी सौंपनी होगी, जो लंबे समय तक टीम में टिक सके और एक टेस्ट स्पेशलिस्ट टीम तैयार कर सके। ऐसा ही बाकी लिमिटेड ओवर्स फॉर्मेट को लेकर भी होना चाहिए। मेरे हिसाब से पंत, रहाणे जैस किसी युवा खिलाड़ी को टेस्ट फॉर्मेट का कप्तान बनाना चाहिए।

तीनों फॉर्मेट में नई टीम बनानी होगी सिलेक्टर्स को अब नया बैच तैयार करना होगा, क्योंकि टीम के अधिकांश प्लेयर अपने करियर के आखिरी फेज में हैं। चाहे ऐज की बात करें या फिर परफॉर्मेंस की। ऐसे में हमें भविष्य की टीम के प्लेयर्स की तलाश करनी होगी। मुझे लगता है कि अब वह समय आ गया है, जब हमें तीनों फॉर्मेट में नई टीम बनानी होगी। मैं यह नहीं कह रहा कि एकाएक पूरी टीम बदल दें, लेकिन सिलेक्टर्स को कुछ खिलाड़ियों के विकल्प तैयार करके रखने होंगे।

बल्लेबाजों को टेक्नीक सुधारनी होगी द ओवल में डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारतीय बल्लेबाजों की टेक्नीक खराब रही। कोहली, रोहित, पुजारा और रहाणे गलत शॉट खेलकर आउट हुए।

टेस्ट से शुरू होगा भारत का वेस्टइंडीज दौरा

12 जुलाई को पहला मैच, 27 जुलाई से 3 वनडे; टीम पांच टी-20 भी खेलेगी

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के वेस्टइंडीज दौरे का शेड्यूल जारी हो चुका है। 12 जुलाई को 2 टेस्ट की सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। 27 जुलाई से 3 वनडे और 3 अगस्त से 5 टी-20 मैचों की सीरीज शुरू होगी। 13 अगस्त को 5वें टी-20 के साथ ही टीम इंडिया का वेस्टइंडीज दौरा खत्म होगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में मिली हार के बाद टीम इंडिया एक महीने तक क्रिकेट नहीं खेलेगी। जुलाई के पहले सप्ताह में टीम वेस्टइंडीज के लिए रवाना होगी। यहां 12 से 16 जुलाई तक डोमिनिका के विंडसर पार्क में पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा।

20 से 24 जुलाई तक दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट त्रिनिदाद के क्वींस पार्क ओवल मैदान पर होगा। दोनों ही मुकाबले भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होंगे।

टेस्ट सीरीज के 2 दिन बाद ही 3 मैचों की वनडे सीरीज भी शुरू हो जाएगी। 27 और 29 जुलाई को

2 वनडे बारबडोस के केंसिंग्टन ओवल मैदान पर होंगे। फिर एक अगस्त को त्रिनिदाद एंड टोबैगो में तीसरा और आखिरी वनडे होगा। वनडे सीरीज के सभी मुकाबले भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे से शुरू होंगे। 3 अगस्त से त्रिनिदाद में ही 5 मैचों की टी-20 सीरीज भी शुरू हो जाएगी। गुयाना में 6 और 8 अगस्त को दूसरा और तीसरा टी-20 मैच होगा। फिर अमेरिका के लॉडरहिल में 12 और 13 अगस्त को चौथा और पांचवां टी-20 मैच खेला जाएगा। टी-20 सीरीज के सभी मुकाबले शाम 8 बजे से शुरू होंगे। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने रात करीब 8 बजे अपने सोशल मीडिया हैंडल और ऑफिशियल वेबसाइट पर दौरे की इन्फॉर्मेशन शेयर की। टीम इंडिया 12 से 24 जुलाई तक टेस्ट खेलेगी, ऐसे में जून के आखिरी सप्ताह तक दोनों ही देशों की टेस्ट टीम जारी हो सकती है। टेस्ट मैच शुरू होने के बाद ही दोनों देश वनडे और टी-20 सीरीज की टीमों की घोषणा कर सकते हैं।

वेस्टइंडीज में टेस्ट सीरीज के साथ भारत अगली वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप अभियान की शुरुआत करेगा। WTC फाइनल में बुरी तरह हार के बाद माना जा रहा है कि टीम इंडिया टेस्ट टीम में कुछ नए चेहरों को मौका देगी। साथ ही अक्टूबर में शुरू होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी को देखते यशस्वी जायसवाल, रिंकू सिंह और जितेश शर्मा जैसे नए बैटर्स को लिमिटेड ओवर्स की टीम में मौका मिल सकता है।

टीम इंडिया वेस्टइंडीज में आखिरी बार 2019 में टेस्ट सीरीज खेलने गई थी। तब 2 टेस्ट की सीरीज भारत ने विराट कोहली की कप्तानी में 2-0 से जीती थी। टीम इंडिया वेस्टइंडीज में 2002 के बाद से टेस्ट सीरीज नहीं हारी है। तब भारत को 5 मैचों की सीरीज में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। 2002 के बाद टीम इंडिया ने 2006, 2011, 2016 और 2019 में 4 सीरीज खेली। भारत को चारों में जीत मिली।

टीम इंडिया ने 2019 में टेस्ट के साथ वनडे सीरीज भी खेली थी। फिर 2022 में टीम ने यहां आखिरी बार वनडे सीरीज खेली, जिसमें भारत को 3-0 से जीत मिली।

इंडोनेशिया ओपन में प्रणय की निगाह सत्र के दूसरे खिताब पर

सिंधू के पास लय में लौटने का मौका

जकार्ता, 13 जून (एजेंसियां)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और 2021 विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हैं लेकिन यहां अच्छी शुरूआत की कोशिश करेंगे।

फॉर्म में चल रहे एचएस प्रणय मंगलवार से यहां शुरू हो रहे अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट इंडोनेशिया ओपन में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे। पिछले महीने मलेशिया मास्टर्स सुपर 300 खिताब जीतने वाले प्रणय टूर्नामेंट में आगे तक जा सकते हैं जिसमें विश्व बैडमिंटन के चोटी के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रणय का सामना पहले दौर में जापान के केंता निशिमोतो से होगा जिसके बाद दूसरे दौर में चीन के शि युकी से टक्कर हो सकती है।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और 2021 विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हैं लेकिन यहां अच्छी शुरूआत की कोशिश करेंगे। सिंधू पिछले दो टूर्नामेंटों में पहले दौर में बाहर हो गई, जबकि श्रीकांत मलयेशिया और स्पेन में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे। सिंधू का सामना पहले दौर में इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मरिस्का तुंगजुंग से होगा, जबकि श्रीकांत चीन के लु गुआंग जू से खेलेंगे।

लक्ष्य की पहली टक्कर चीन के जिया से

थाईलैंड ओपन सेमीफाइनल तक पहुंचे लक्ष्य सेन का सामना पहले दौर में दुनिया के दसवें नंबर के खिलाड़ी चीन के ली जि जिया से होगा। राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन दुनिया की पांचवें नंबर की जोड़ी सात्विक साइराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का सामना इंडोनेशिया के मार्कस फर्नाल्डी गिडोन और केवन संजय सुकामुजो से होगा।

सात्विक और चिराग ने इस सत्र में स्विस ओपन जीता है लेकिन इस इंडोनेशियाई जोड़ी को पिछले 11 मुकाबलों में हरा नहीं सके हैं। एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिला का सामना मलयेशिया के ओंग यू सिन और तियो इयि से होगा।

दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी साइना नेहवाल पहले दौर में चीन की वांग झियि से खेलेगी। महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद का सामना जापान की रिन इवानागा और की नकानिशि से होगा। बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर छह स्तरों पर खेला जाता है जिनमें विश्व टूर फाइनल्स, चार सुपर 1000, छह सुपर 750, सात सुपर 500 और 11 सुपर 300 टूर्नामेंट हैं।

एशेज के लिए इंग्लैंड वुमेंस टीम कप्तानी हीथर नाइट करेंगी

जकार्ता, 13 जून (एजेंसियां)। 13 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जाने वाले एशेज 2023 के लिए इंग्लैंड ने अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। ट्रेंट ब्रिज में 22 से 26 जून तक खेले जाने वाले एकमात्र टेस्ट में हीथर नाइट टीम की कमान संभालेंगी जबकि नताली साइवर-ब्रंट उपकप्तान होंगी।

यह पहला पांच दिवसीय महिला टेस्ट मैच होगा। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच मल्टी फॉर्मेट श्रृंखला खेल के सबसे लंबे प्रारूप के साथ शुरू होती है, इसके बाद 1-8 जुलाई के बीच तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच और 12-18 जुलाई के बीच तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे।

2014 के बाद से नहीं जीत पाई इंग्लैंड

ऑस्ट्रेलिया के पास वर्तमान में एशेज है, पिछली श्रृंखला को अंकों के आधार पर उसने 12-4 से जीता। वास्तव में, उन्होंने चार श्रृंखलाओं में से अंतिम तीन में जीत हासिल की है, जिसमें इंग्लैंड की आखिरी जीत 2014 में आई थी।

लॉरेन फिलर और डेनिएल गिब्सन को मिला मौका

इंग्लैंड द्वारा घोषित की गई 15 सदस्यीय टीम में डेनियल गिब्सन और लॉरेन फिलर को मौका दिया गया है। वे अगर खेलती हैं तो टीम के लिए डेब्यू करेंगी। वेस्टर्न स्टॉर्म के लिए खेलते हुए गिब्सन ने हाल ही में सनराइजर्स के खिलाफ अर्धशतक दर्ज किया। हालांकि, रेड-बॉल क्रिकेट पूरी तरह से एक अलग गेंद का खेल है, और इस प्रकार, क्रिकेटर को अपने दृष्टिकोण के बारे में सतर्क रहना चाहिए।

कान्टिनेंटल कप : मंगोलिया ने लेबनान को बराबरी पर रोका

भुवनेश्वर, 13 जून (एजेंसियां)। मंगोलिया के रक्षक खिलाड़ी बतबतार एमगालनबत ने अच्छी भूमिका निभाई और लेबनान के हमलों को लगातार टाला। उन्हें मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

निचली रैंकिंग की मंगोलियाई फुटबाल टीम ने यहां कान्टिनेंटल कप में खिताब की दावेदार लेबनान की टीम को गोलरहित बराबरी पर रोककर पहला अंक हासिल किया। मंगोलिया ने भारत के खिलाफ अपन पहला मैच गंवा दिया था। अब ड्रॉ मैच से मिले एक अंक के साथ उसने अंकतालिका में अपना खाता खोला है।

चार देशों के राउंड रोबिन टूर्नामेंट में लेबनान के दो मैचों में तीन अंक हो गए हैं। पहले मैच में लेबनान ने वनाअतु को 3-1 से हराया था। मंगोलिया के रक्षक खिलाड़ी बतबतार एमगालनबत ने अच्छी भूमिका निभाई और लेबनान के हमलों को लगातार टाला। उन्हें मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

लेबनान के करीम के पास 15वें मिनट में मौका था लेकिन उनका निशाना सही नहीं रहा। लेबनान के लगातार हमलों के कारण मंगोलियाई गोलकीपर एनखतईवन को लगातार सक्रिय रहना पड़ा।

'बाबर आजम से सीखो...', इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने भारतीय बल्लेबाजों को दी सलाह

लंदन, 13 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने सुझाव दिया कि भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज बाबर आजम और केन विलियमसन से सीख सकते हैं।

भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला हारने के बाद आलोचना से जूझ रही है। भारत के टॉप ऑर्डर बल्लेबाज अपनी खराब बल्लेबाजी पर जमकर ट्रोल हो रहे हैं। इस बीच इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का बड़ा बयान सामने आया है। नासिर ने सुझाव दिया कि भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज पाकिस्तान के बाबर आजम और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन से सीख सकते हैं। जिस नासिर ने कहा- जिस तरह बाबर और केन पेसरों से निपटते हैं, उन्हें इससे सीखने की जरूरत है।

भारतीय शीर्ष क्रम को बाबर और केन को देखने की जरूरत

नासिर ने स्काई स्पोर्ट्स पर कहा- वास्तव में भारतीय बल्लेबाजों से निराश उनके प्रशंसक ऐसा कहने के लिए मेरे पीछे पड़ सकते हैं, लेकिन मुझे

लगता है कि भारतीय शीर्ष क्रम को बाबर आजम और केन विलियमसन की तरफ देखने की जरूरत है। उन्हें देखना चाहिए कि जब गेंद घूम रही हो तो तेज गेंदबाजों को कैसे खेला जाए। उन दोनों से पास इससे निपटने के तरीके हैं।

सात विकेट महज 70 रन के अंदर गिरे

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में रविवार को भारत को ऑस्ट्रेलिया के हाथों 209 रन के स्कोर से एक और हार का सामना करना पड़ा। टीम इंडिया के आखिरी सात विकेट महज 70 रन के अंदर गिरे। ये लगातार दूसरी बार था जब टीम इंडिया को फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। पिछले डब्ल्यूटीसी फाइनल में उन्हें न्यूजीलैंड से शिकस्त मिली थी। बड़े मुकाबलों में टीम इंडिया का प्रदर्शन लगातार चिंता का विषय बनता जा रहा है। चाहे टी-20 हो, वनडे या फिर टेस्ट, तीनों फॉर्मेट के बड़े मुकाबलों में भारतीय टीम घुटनों पर नजर आती है। कई दिग्गजों ने इस पर सवाल उठाए हैं। देखना दिलचस्प होगा कि इस साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया में क्या बदलाव होता है।

महिलाओं की देखभाल राज्य सरकार की उच्च प्राथमिकता : सबिता

सीसीटीवी कैमरे लगने से अपराध दर में कमी आई : अंजनी कुमार

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के 10वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर राचकोंडा सीपी चौहान के नेतृत्व में राचकोंडा सुरक्षा परिषद के सहयोग से इंडोर स्टेडियम, सरूर नगर में 'महिला संरक्षण और साइबर अपराध' पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करने वाली मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री केसीआर के आदेश पर तेलंगाना दशक समारोह का आयोजन बड़े पैमाने पर किया जा रहा है और सभी से भाग लेने और इसे सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना दशक समारोह के हिस्से के रूप में महिला सुरक्षा और साइबर अपराध पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना पुलिस देश में नंबर वन है। उन्होंने कहा कि पूरे तेलंगाना राज्य में सीसीटीवी कैमरे लगाने से अपराध की जांच में तेजी आई है और अपराध दर में भी कमी आई है। महिला सुरक्षा के लिए एसएच टीमों का गठन कर वे सड़कों, मेट्रो ट्रेनों, बस स्टैंडों और यात्रा के अन्य स्थानों पर महिलाओं को उत्पीड़न से बचा रही हैं। उन्होंने कहा कि शांति और सुरक्षा अच्छी होने पर ही विकास संभव है। इसीलिए एक दोस्ताना पुलिस व्यवस्था को लोगों के करीब लाने के लिए कई नए पुलिस स्टेशन, एसीपी, डीसीपी जोन और कमिश्नरेट स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए टीमों का गठन किया गया है। सड़कों, कॉलेजों, कार्यस्थलों पर उत्पीड़न और सोशल मीडिया पर अजनबियों द्वारा उत्पीड़न की सूचना बिना किसी डर के पुलिस को तुरंत दी जानी चाहिए। तेलंगाना के डीजीपी अंजनी कुमार ने कहा कि राचकोंडा अपराध नियंत्रण के मामले में हैदराबाद और साइबराबाद पुलिस आयुक्तालयों के साथ समान रूप से प्रतिस्पर्धा कर रहा है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक या ऑनलाइन ईव टीजिंग/उत्पीड़न को रोकने के लिए साइबर स्टॉकिंग पर जागरूकता कार्यक्रम और लघु फिल्में बनाई जा रही हैं। शी टीम की टीमों ने महिला सुरक्षा और ऑनलाइन उत्पीड़न के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक ऑडियो-वीडियो वैन की व्यवस्था की है। राचकोंडा आयुक्तालय ऑनलाइन और खुले समाज में लड़कियों और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। उन्होंने कहा कि अपराध की जांच में तेजी लाने के लिए एक कमांड कंट्रोल सेंटर स्थापित किया गया है, जिसके जरिए राज्य के सभी सीसीटीवी कैमरों को जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि पूरे तेलंगाना राज्य में सीसीटीवी कैमरे लगने से अपराधियों में खौफ बढ़ा है और अपराध दर में भी कमी आई है। राचकोंडा कमिश्नर डीएस चौहान ने इस कार्यक्रम में कहा कि तकनीक के आधुनिक युग में नई तकनीक और उपकरण उपलब्ध होने के कारण साइबर अपराधों का प्रतिशत बढ़ रहा है। इसमें उल्लेख किया गया है कि विभिन्न प्रकार की आवश्यकताओं के अनुसार प्रौद्योगिकी उपकरणों का उपयोग किया जाना चाहिए, लेकिन साथ ही लोगों को साइबर अपराधों के बारे में जागरूक होना चाहिए।

साइबर अपराधों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए युवाओं की भागीदारी से कॉलेजों और अन्य स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों के कारण कई साइबर अपराधों को होने से रोका गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि सोशल मीडिया पर युवतियों को परेशान करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। युवा महिलाओं को सलाह दी जाती है कि वे सोशल मीडिया पर सावधान रहें, अजनबियों के फ्रेंड रिक्वेस्ट और मैसेज का जवाब न दें और प्रोफाइल लॉक रखें। साइबर अपराधियों के उत्पीड़न के डर के बिना तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज करने की सलाह दी जाती है। आयुक्त ने चेतावनी दी कि फर्जी लॉटरी, फर्जी नौकरी के विज्ञापन, फर्जी बैंक खाते की जानकारी और फर्जी गिफ्ट बॉक्स के नाम पर लोगों से ठगी करने वालों को कड़ी सजा दी जाएगी। इस कार्यक्रम में राचकोंडा पुलिस के तत्वावधान में सांस्कृतिक कार्यक्रम, राचकोंडा आयुक्तालय में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए किए गए उपाय और विभिन्न कार्यक्रमों पर बनाए गए वीडियो दिखाए गए। कई स्कूलों के छात्र-छात्राएं आए और कार्यक्रम में शामिल हुए और समारोह के साक्षी बने। राचकोंडा संयुक्त आयुक्त सत्यनारायण आईपीएस, अभिनेता प्रियदर्शी, अभिनेत्री फारिया अब्दुल्ला, एलबी नगर विधायक सुधीर रेड्डी, डीसीपी साइबर क्राइम अनुराधा, डीसीपी रोड सेफ्टी श्री बाला, डीसीपी जानकी, डीसीपी साईं श्री, एडमिन डीसीपी इंदिरा, डीसीपी मुरलीधर, डीसीपी गिरिधर, डीसीपी ट्रैफिक श्रीनिवास, एसीपी, अन्य अधिकारी और आरकेएससी के महासचिव सतीश वदलामणि, कोषाध्यक्ष गगन कोहली, संयुक्त सचिव लता सुब्रह्मण्यम और अनिल रचमल्ला, मुख्य समन्वयक सावित्री और अन्य उपस्थित थे।

कक्षा 9 ड्रॉपआउट को पकड़ा गया, जिसने साइबर अपराधी बनने के लिए कंप्यूटर सीखा

राजन्ना-सिरिसिल्ला, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के कक्षा 9 ड्रॉपआउट होने के बाद कंप्यूटर की मूल बातें सीखकर साइबर अपराधी बनने वाले एक व्यक्ति को सिरसिल्ला पुलिस ने पकड़ा तथा 2.65 लाख रुपये धोखाधड़ी करने के आरोप में उसे गिरफ्तार किया। महाराष्ट्र के नालंदा जिले के कतरडीह, भगवानपुर के रहने वाले कुंदन कुमार को सिरसिला पुलिस ने वीरनापल्ली से उत्तम अंजैया को धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार किया।

पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने कहा कि कुंदन कुमार ने पिछले छह महीनों के दौरान विभिन्न सीमेंट कंपनियों के फर्जी वेब पेज बनाए। वेब पेजों पर सीमेंट कंपनियों के फर्जी ब्योरे के अलावा टोल फ्री नंबर भी दिए गए थे। इन नंबरों पर अगर किसी ने उनसे संपर्क किया तो वह कम कीमत पर सीमेंट उपलब्ध कराने का झांसा देकर उनसे ठगी करते थे। अंजैया ने टोल फ्री नंबर 18004192877 पर उनसे संपर्क किया था और बिड़ला ए-1 के 640 नॉन ट्रेडेड सीमेंट बैग मांगे थे। कुंदन कुमार ने अंजैया से उसके मोबाइल नंबर 8669473108 पर संपर्क करने के लिए कहा, जिसे आरोपी ने फर्जी पैन कार्ड, जीएसटी नंबर और अन्य दस्तावेज दिखाकर प्राप्त किया था। जब पीड़ित ने उससे संपर्क किया, तो उसने एक और मोबाइल नंबर (9775106429) बताया कि यह हैदराबाद की बिड़ला कंपनी का संपर्क नंबर है। जब उन्होंने 9 मई, 2023 को नए नंबर पर संपर्क किया, तो अंजैया को एक बैंक खाता नंबर दिया गया, जिसमें 640 सीमेंट बैग के लिए 1.69 लाख रुपये जमा करने को कहा गया।

भुगतान करने के बाद जब उन्होंने सीमेंट की बोरियों के बारे में पूछा तो कुंदन कुमार ने कहा कि वह सीमेंट तभी भेजेंगे जब अंजैया ने सीमेंट की 1,000 बोरियां खरीदीं। इसके बाद, अंजैया ने 10 मई को 95,400 रुपये का भुगतान किया। हालांकि, जब जालसाज ने 11,000 रुपये और मांगे, तो अंजैया को शक हुआ और उसने वीरनापल्ली पुलिस से संपर्क किया। एक विशेष टीम, जिसमें सीआई मोगिली, साइबर सेल एसआई जुनैद, एसआई श्रीकांत और अन्य शामिल थे, ने कुंदन कुमार को ट्रैक किया और सोमवार को उसे उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया।

डीआरएम ने स्व-चालित निरीक्षण कार का उद्घाटन किया

विजयवाड़ा, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मंडल रेल प्रबंधक, विजयवाड़ा मंडल शिवेंद्र मोहन ने डीजल लोको शेड, विजयवाड़ा में स्व-चालित निरीक्षण कार का उद्घाटन किया। एम. श्रीकांत, एडीआरएम, संचालन और शाखा अधिकारी ने उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लिया। आईसीएफ द्वारा निर्मित 4.5 करोड़ रुपये की कीमत वाली यह पूरी तरह से वातानुकूलित निरीक्षण कार है। महत्वपूर्ण संसाधनों को बचाती है और बड़े अंतर से संचालन की लागत को कम करती है। प्रारंभ में, शिवेंद्र मोहन, मंडल रेल प्रबंधक ने विजयवाड़ा मंडल के बेड़े में इस ब्रांड नई स्व-चालित निरीक्षण कार (स्पाइक) को शामिल करने के लिए यांत्रिक विभाग को बधाई दी। डीआरएम ने कहा कि यह 32 सीट वाली इंस्पेक्शन कार उपयोग में आसान होगी और विजयवाड़ा डिवीजन के लेवल क्रॉसिंग, ओवरहेड उपकरण, ट्रैक और स्टेशनों के निरीक्षण में मदद करेगी। डीआरएम ने यह भी कहा कि इससे यात्री ट्रेनों की आवाजाही के लिए उपलब्ध अतिरिक्त लोकोमोटिव को लगाने से समय, ईंधन, टर्नअराउंड समय और संसाधनों की बचत होगी। भारतीय रेलवे की नई सेल्फ प्रोपेल्ड इंस्पेक्शन कार (एसपीआईसी) में कई विशेषताएं हैं। एयरोडायनामिक रूप से प्रोफाइल ड्राइविंग कैब के साथ स्टेनलेस स्टील बॉडी कोच, 32 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता, ड्राइवर डेस्क पर बाहरी सीसीटीवी कैमरा और एलईडी डिस्प्ले, ड्राइविंग कैब सहित पूरी तरह से वातानुकूलित कार, बेहतर संचार के लिए ऑनबोर्ड वाई-फाई, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष एलईडी आंतरिक प्रकाश व्यवस्था, डिजिटल गति संकेत के साथ जीपीएस आधारित यात्री सूचना/घोषणा प्रणाली, शानदार पेंट्री उपकरण आदि शामिल है। समारोह में एम. श्रीकांत, एडीआरएम, संचालन, मददाली रवि किरण, सीनियर डीएमई, पी. मोहन सुभाष, डीएमई, डीएलएस, एन. गुरु श्रीनिवास, डीईई, रखरखाव, एकांश गंगवार, एडीएमई अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री 16 जून को टिडको घरों का वितरण करेंगे

अमरावती, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी 16 जून को लाभार्थियों को गुडिवाडा में टाउनशिप और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट (टिडको) आवास वितरित करेंगे। गुडीवाड़ा मंडल के मल्लयापलेम में एपी टिडको आवास 16 जून से लाभार्थियों के लिए उपलब्ध होंगे।

गुडिवाडाटिडकोहाउसिंग लेआउट राज्य में सबसे बड़े आवास विकास के रूप में खड़ा है, जिसमें कुल 8,912 घर हैं। यह विशाल परियोजना 30,000 से अधिक व्यक्तियों के लिए आवास प्रदान कर सकती है। इन घरों के निर्माण में 77.46 एकड़ का क्षेत्र शामिल है, जिसमें 2008 में 32.04 एकड़ और 2009 में अतिरिक्त 45.42 एकड़ आवंटित किया गया है।

कुल परियोजना लागत 720.28 करोड़ रुपये है, जिसमें केंद्र सरकार 133.36 करोड़ रुपये का योगदान करती है, राज्य सरकार 289.94 करोड़ रुपये का योगदान करती है, और लाभार्थियों ने अग्रिम योगदान और बैंक ऋण के माध्यम से 299.66 करोड़ रुपये का योगदान दिया है।

युवाओं को अब घर के पास मिल पाएगी आईटी की नौकरी : हरीश राव

सिद्दीपेट, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि सिद्दीपेट के योग्य युवा अब अपने शहर में सॉफ्टवेयर की नौकरी सुरक्षित कर सकते हैं क्योंकि सिद्दीपेट आईटी टॉवर का उद्घाटन 15 जून को होगा। मंगलवार को सिद्दीपेट के पुलिस कन्वेंशन सेंटर में नौकरी मेले का उद्घाटन करने के बाद नौकरी के इच्छुक लोगों से बात करते हुए, मंत्री ने कहा कि 15 सॉफ्टवेयर कंपनियां, जो नौकरी मेले में भाग ले रही थीं, केवल स्थानीय लोगों को ही अपनी कंपनियों में शामिल करेंगी। यह कहते हुए कि कंपनियां पहले चरण में 718 पेशेवरों की भर्ती करेंगी, मंत्री ने कहा कि वे दूसरे चरण में 1,000 और कर्मचारियों को काम पर रखेंगे।

सिद्दीपेट को आईटी टावर देने के लिए मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और आईटी मंत्री केटी रामाराव को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि आईटी टॉवर 63 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ बनाया गया था। तेलंगाना भर में आईटी क्षेत्र का विस्तार करने के उद्देश्य से, राज्य सरकार पूरे राज्य में दूसरे स्तर के शहरों में आईटी टावरों का निर्माण कर रही थी। आईटी कंपनियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए, तेलंगाना एकेडमी ऑफ स्किल एंड नॉलेज (टीएएसके), जो अब तक केवल हैदराबाद में प्रशिक्षण सत्र आयोजित कर रही थी, सिद्दीपेट आईटी टॉवर में सॉफ्टवेयर नौकरी के उम्मीदवारों के लिए वर्ष भर प्रशिक्षण आयोजित करेगी, उन्होंने कहा, कि सरकार ने पहले से ही सिद्दीपेट में शिक्षा के लिए एक केंद्र बनाने के लिए कई शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना की थी। आईटी टावर का उद्घाटन सिद्दीपेट को रोजगार के अवसरों का भी केंद्र बनाने की दिशा में पहला कदम है। जॉब मेले में कई आईटी कंपनियां भाग ले रही हैं। इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष वी. रोजा शर्मा, कलेक्टर प्रशांत जीवन पाटिल, नगरपालिका अध्यक्ष के मंजुला सहित अन्य उपस्थित थे।

3 दिनों में धान के लिए किसानों को 6000 करोड़ रुपये का भुगतान होगा : मंत्री

सिद्दीपेट, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि राज्य सरकार तीन दिनों के भीतर धान किसानों के बैंक खातों में 6,000 करोड़ रुपये जमा करेगी। मंगलवार को दुबक्का में तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अब तक किसानों के खातों में 6,000 करोड़ रुपये जमा कर चुकी है। राज्य में धान का एक-एक दाना उपार्जित करने का आश्वासन देते हुए मंत्री ने किसानों से आह्वान किया कि वे विपक्षी दलों के भ्रामक बयानों पर विश्वास न करें। उन्होंने कहा कि जहां पूरा तेलंगाना पिछले दशक के दौरान देखे गए सकारात्मक बदलाव का जश्न मना रहा है, वहीं विपक्षी पार्टियां लोगों को आधारहीन आरोपों से गुमराह करने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष पिछले एक दशक के दौरान राज्य की सफलता को पचा नहीं पा रहा है।

कांग्रेस और भाजपा शासित राज्य उन कल्याणकारी योजनाओं को लागू नहीं कर सके जिन्हें बीआरएस सरकार तेलंगाना में लागू कर रही है, जबकि कांग्रेस राज्य बनने से पहले सिद्दीपेट में सिर्फ 1.18 लाख लोगों को पेंशन देती थी, अब दो लाख से अधिक लोगों को पेंशन मिल रही है। यह कहते हुए कि पिछली सरकारें लोगों को पीने के पानी की आपूर्ति नहीं कर सकीं, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना सरकार मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की दृष्टि के कारण मध्य गर्मियों में भी हर घर में पीने के पानी की आपूर्ति कर रही थी।

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर नया अस्थायी बुकिंग कार्यालय खुला

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। स्टेशन भवन के उत्तर की ओर नए अस्थायी बुकिंग कार्यालय के कामकाज की शुरुआत के साथ सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के हिस्से के रूप में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। भारतीय रेलवे ने 'सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास' करने का बीड़ा उठाया है, ताकि विश्व स्तर की सुविधाओं के साथ-साथ सुरुचिपूर्ण सुविधाओं और आधुनिक रूप प्रदान किया जा सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में अप्रैल 2023 में स्टेशन पुनर्विकास के लिए आधारशिला रखी थी। इसके हिस्से के रूप में, आधुनिक वास्तुकला और सौंदर्यपूर्ण अग्रभाग के साथ एक नया स्टेशन भवन मौजूदा स्टेशन भवन के उत्तर की ओर आने की संभावना है। इसके साथ ही स्टेशन भवन के उत्तर की ओर एक मल्टी लेवल कार पार्किंग और टू लेवल स्काई कॉन्कोर्स का भी निर्माण किया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए कि नए स्टेशन भवन के निर्माण के दौरान यात्री सेवाएं अप्रभावित रहें, एक नए अस्थायी बुकिंग कार्यालय का निर्माण किया गया है। नए अस्थायी बुकिंग कार्यालय का निर्माण स्टेशन भवन के उत्तर की ओर निकास द्वार के पास यानी पार्सल कार्यालय और गेट नंबर 5 के पास किया गया है।

यह 10 काउंटरों से सुसज्जित है और वर्तमान 9 कार्यात्मक काउंटरों की जगह लेगा जो गेट नंबर 1 के पास संचालित किए जा रहे थे। न्यू टेम्परेरी बुकिंग ऑफिस ने आज यानी 13 जून 2023 से काम करना शुरू कर दिया है और यह चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगा। यात्रियों के लिए बुकिंग संचालन का निर्बाध हस्तांतरण सुनिश्चित करने के लिए पुराने बुकिंग काउंटर कल यानी 14 जून 2023 की मध्यरात्रि तक काम करेंगे। नया अस्थायी बुकिंग कार्यालय यात्रियों को अनारक्षित (सामान्य) टिकट, प्लेटफार्म टिकट, सीजन टिकट के नवीनीकरण के साथ-साथ पूछताछ सुविधा जैसी सभी सुविधाएं प्रदान करेगा। इसके अलावा, यात्रियों को सभी रास्ते उपलब्ध कराने के लिए, पहले से ही 04 स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनें (एटीवीएम) भी प्रदान की गई हैं। आने वाले समय में यह संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके अलावा, यात्री अपने मोबाइल से यूटीएस ऐप के माध्यम से कतार में खड़े होने की आवश्यकता के बिना भी अपना टिकट बुक करना जारी रख सकते हैं, जो सभी सुविधाएं भी प्रदान करता है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा है कि सिकंदराबाद स्टेशन के उन्नयन का कार्य तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा कि कार्यों की हर स्तर पर लगातार निगरानी की जा रही है ताकि 36 महीने की निर्धारित समयावधि के भीतर इसे पूरा किया जा सके। उन्होंने रेल यात्रियों से अपील की कि वे नए अस्थायी बुकिंग कार्यालय के साथ-साथ अपने मोबाइल पर यूटीएस ऐप से टिकट सेवाओं का लाभ उठाने में रेलवे का सहयोग करें।

सिकंदराबाद-पोरबंदर आज रवाना होगी

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पश्चिम रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आए चक्रवाती तूफान 'बिपोरजॉय' के चलते कुछ ट्रेनों के शेड्यूल में बदलाव किया गया है। तदनुसार, पोरबंदर-सिकंदराबाद (19202) ट्रेन अब 13 जून को राजकोट से रवाना हुई और सिकंदराबाद-पोरबंदर (19201) ट्रेन 14 जून को चलेगी। रेलवे अधिकारियों ने रेल यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे शेड्यूल में बदलाव पर ध्यान दें और उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

नवविवाहित जोड़े ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल जिले में दो अलग-अलग घटनाओं में एक नवविवाहित जोड़े सहित तीन लोगों की मौत हो गई। पहले पारिवारिक समस्याओं के चलते अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। अंजी (25) और वैष्णवी (22) ने अहमदगुड़ा राजीव गुरुहाकल्प में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। एक अन्य घटना में, नरसिम्हा (38) ने करीमगुड़ा के पास एक कृषि क्षेत्र में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आर्थिक तंगी के कारण वह परेशान था। पुलिस ने दोनों मामलों में शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय के कीसरा पुलिस स्टेशन में दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं।

शर्मिला ने पालमुरु जिले के अविकसित होने पर सीएम केसीआर की आलोचना की

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरटीपी प्रमुख वाईएस शर्मिला ने आज पलामुरु जिले के अविकसितता पर मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की आलोचना की। उन्होंने तेलंगाना में जल परियोजनाओं के निर्माण पर भी सीएम को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि यह उनके पिता और पूर्व सीएम वाईएसआर थे, जिन्होंने पानी की समस्या को देखते हुए पलामुरु जिले को सिंचाई के लिए पानी दिया था। उन्होंने आलोचना की कि केसीआर पलामुरु जिले में सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण के लिए झूठा श्रेय ले रहे हैं। उन्होंने केसीआर को पलामुरु परियोजनाओं पर सार्वजनिक बहस के लिए चुनौती दी और मुख्यमंत्री से जानना चाहा कि क्या वह सार्वजनिक बहस के लिए तैयार हैं।

शर्मिला ने आगे कहा कि कल्वाकुर्ती के तहत 4 लाख एकड़, भीम के तहत 2 लाख एकड़, नेटमपडु के तहत 2 लाख एकड़, कोइल सागर के तहत 60,000 एकड़, गट्टू, थुम्मिला, संगमबांडा आदि शामिल हैं। वाईएसआर के शासन के दौरान, उनके पिता के शासन के दौरान 20 लाख एकड़ की सिंचाई की गई थी, जिससे कुल सिंचित क्षेत्र 20 लाख एकड़ हो गया। उन्होंने सीएम से पूछा कि क्या वह अपने नौ साल के लंबे शासन में तेलंगाना में एक एकड़ जमीन की सिंचाई करने में सक्षम हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम ने पलामुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना के नाम पर 35000 करोड़ रुपये कमाए हैं।

केसीआर को पिछड़े जिले में सिंचाई परियोजनाओं के नाम पर कमीशन कमाने वाला चोर बताते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर के शासन में पलामुरु जिले से लोगों का पलायन नहीं रुका और उन्होंने कहा कि पलामुरु के लगभग 15 लाख लोग बंबई चले गए, दुबई और दुनिया के अन्य शहरों में आजीविका की तलाश में। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर को सिद्दीपेट, सिरसिला और गजवेल से जो प्यार है, वह पलामुरु जिले में नहीं है।

बी एच ई एल
BHEL
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
मानव संसाधन प्रबंधन रामचंद्रपुरम, हैदराबाद-502032
विज्ञापन सं.: पीटीएमसी/2023/01
बीएचईएल, एचपीईपी, हैदराबाद एक वर्ष की अवधि (आवश्यकता एवं कार्यप्रदर्शन के आधार पर विस्तारयोग्य) के लिए पूर्णतः अस्थायी आधार पर एमबीबीएस (01 वर्ष के अनुभव के साथ), एमबीबीएस के साथ (व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा में 01 वर्ष का अनुभव के साथ), स्पेशलिस्ट (ऑफ्थेल्मोलॉजिस्ट, गाइनेकोलॉजिस्ट, रेडियोलॉजिस्ट) के पदों हेतु अंशकालिक मेडिकल कंसल्टेंटस (पीटीएमसी) की नियुक्ति के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित करता है । पारिश्रमिक पद के अनुसार घंटों के आधार पर दिया जाएगा । इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार आवेदन पत्र जमा करने एवं अन्य विवरणों के संबंध में पूर्ण जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट https://hpep.bhel.com/ एवं http://careers.bhel.in पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन को देखें ।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.